अगाथा क्रिस्टी

पर्दा:
पोइरोट का आखिरी केस

"शानदार, विंटेज क्रिस्टी सही एक्सप्रेस

□□□□

अध्याय 1
ऐसा कौन है जिसने किसी पुराने अनुभव को फिर से जीने या किसी पुरानी भावना को महसूस करने पर अचानक चौंकने वाली पीड़ा का अनुभव न किया हो?
मैंने यह पहले भी किया है...
वे शब्द हमेशा किसी को इतना गहराई से क्यों प्रभावित करते हैं? ट्रेन में बैठकर बाहर के समतल एसेक्स परिदृश्य को देखते हुए मैंने खुद से यही सवाल पूछा।
कितने समय पहले मैंने भी यही सफर तय किया था? तब मुझे (बेवकूफी से) लगा था कि मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिन बीत चुके हैं! उस युद्ध में घायल हो गया था जो मेरे लिए हमेशा एक युद्ध ही रहेगा - वह युद्ध जिसे अब एक दूसरे और कहीं अधिक भयावह युद्ध ने मिटा दिया है।
1916 में युवा आर्थर हेस्टिंग्स को ऐसा लगता था कि वह पहले से ही बूढ़ा और परिपक्व हो चुका है। मुझे उस समय इस बात का कितना कम एहसास था कि मेरे लिए तो जीवन अभी शुरू ही हो रहा था।
मैं अनजाने में ही उस व्यक्ति से मिलने जा रहा था जिसका मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा और जिसने मेरे जीवन को आकार दिया। दरअसल, मैं अपने पुराने दोस्त जॉन कैवेंडिश के घर रहने जा रहा था, जिसकी माँ ने हाल ही में पुनर्विवाह किया था और जिसका एक देहाती घर था जिसका नाम "स्टाइल्स" था। मैंने बस यही सोचा था कि यह पुरानी जान-पहचान का सुखद मिलन होगा, मुझे यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं जल्द ही एक रहस्यमय हत्या के सभी गहरे जाल में फंसने वाला हूँ।

स्टाइल्स में ही मेरी मुलाकात उस अजीब से छोटे आदमी, हरक्यूल पोइरोट से दोबारा हुई, जिससे मेरी पहली मुलाकात बेल्जियम में हुई थी।
मुझे अच्छी तरह याद है कि जब मैंने बड़ी मूंछों वाले लंगड़ाते हुए व्यक्ति को गांव की गली में आते देखा था तो मुझे कितना आश्चर्य हुआ था।
हरक्यूल पोइरोट! उन दिनों से वह मेरे सबसे प्यारे दोस्त रहे; उनके प्रभाव ने मेरे जीवन को आकार दिया। उनके साथ, एक और हत्यारे का पीछा करते हुए, मैं अपनी पत्नी से मिला, जो किसी भी पुरुष के लिए सबसे सच्ची और प्यारी साथी हो सकती है।
अब वह अर्जेंटीना की धरती पर लेटी हुई थी, अपनी इच्छा के अनुसार मृत्यु को प्राप्त हुई, बिना किसी दीर्घ कष्ट या बुढ़ापे की दुर्बलता के। लेकिन वह अपने पीछे एक बहुत ही अकेला और दुखी व्यक्ति छोड़ गई थी।
आह! काश! काश मैं वापस जा पाता, जीवन को फिर से जी पाता। काश, वो दिन होता जब मैं पहली बार 1916 में स्टाइल्स गया था... तब से कितना कुछ बदल गया था! जाने-पहचाने चेहरों में कितना खालीपन आ गया था। स्टाइल्स को कैवेंडिश परिवार ने बेच दिया था। जॉन कैवेंडिश की मृत्यु हो चुकी थी, हालांकि उनकी पत्नी मैरी (वो आकर्षक, रहस्यमयी महिला) अभी भी जीवित थीं और डेवोनशायर में रहती थीं। लॉरेंस अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दक्षिण अफ्रीका में रह रहे थे। बदलाव - हर जगह बदलाव।
लेकिन एक बात, अजीब बात है, वही थी। मैं स्टाइल्स में हरक्यूल पोइरोट से मिलने जा रहा था।
मुझे उनका पत्र पाकर कितना आश्चर्य हुआ था, जिसका शीर्षक था स्टाइल्स कोर्ट, स्टाइल्स, एसेक्स।

लगभग एक साल से मैंने अपने पुराने दोस्त को नहीं देखा था। पिछली बार जब मैंने उसे देखा था, तो मैं स्तब्ध और दुखी हो गया था। वह अब बहुत बूढ़ा हो चुका था और गठिया से लगभग अपंग हो गया था। वह स्वास्थ्य सुधारने की उम्मीद में मिस्र गया था, लेकिन उसके पत्र से पता चला कि वह पहले से भी बदतर हालत में लौटा था। फिर भी, उसने उत्साह से लिखा...
"और क्या आपको यह देखकर जिज्ञासा नहीं होती, मेरे मित्र, कि मैं किस पते से लिख रहा हूँ? पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, है ना? हाँ, मैं यहीं हूँ, स्टाइल्स में। ज़रा सोचिए, अब इसे गेस्ट हाउस कहते हैं। इसे आपके एक पुराने ब्रिटिश कर्नल चलाते हैं - एकदम 'पुराने ख्यालों वाले' और 'पुणे' जैसे। उनकी पत्नी ही इसे चलाती हैं, यह तो ज़ाहिर है। वह एक अच्छी मैनेजर हैं, लेकिन उनकी ज़बान बहुत कड़वी है, और बेचारे कर्नल को इससे बहुत तकलीफ झेलनी पड़ती है। अगर मैं होता, तो मैं उन्हें कुल्हाड़ी से मार डालता!" "मैंने अखबार में उनका विज्ञापन देखा, और मेरा मन फिर से उस जगह जाने को हुआ जो इस देश में मेरा पहला घर था। इस उम्र में अतीत को फिर से जीना अच्छा लगता है।"
"तो ज़रा सोचिए, मुझे यहाँ एक सज्जन, एक बैरोनेट मिले हैं जो आपकी बेटी के नियोक्ता के मित्र हैं। (यह वाक्यांश कुछ-कुछ फ्रांसीसी अभ्यास जैसा लगता है, है ना?)
"तुरंत ही मेरे दिमाग में एक योजना आई। वह फ्रैंकलिन परिवार को गर्मियों में यहाँ आने के लिए मनाना चाहता है। मैं भी आपको मना लूँगी, और हम सब एक साथ, परिवार की तरह रहेंगे। यह बहुत सुखद होगा। इसलिए, मेरे प्यारे हेस्टिंग्स, जल्दी आइए। मैंने आपके लिए स्नानघर वाला एक कमरा बुक कर लिया है (अब यह आधुनिक हो गया है, आप समझ रहे हैं ना, वही पुराना 'स्टाइल्स') और कर्नल लुटरेल

की पत्नी से कीमत को लेकर तब तक बातचीत की जब तक कि एक बढ़िया सौदा नहीं हो गया।"
“फ्रैंकलिन परिवार और आपकी प्यारी जूडिथ कुछ दिनों से यहाँ हैं। सब कुछ व्यवस्थित है, इसलिए कोई इतिहास न बनाएँ। फिर मिलेंगे। आपका सदा, हरक्यूल पोइरोट।”
यह प्रस्ताव लुभावना था, और मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने पुराने दोस्त की इच्छा मान ली। मेरा कोई पारिवारिक बंधन नहीं था और न ही कोई स्थायी घर। मेरे बच्चों में से एक लड़का नौसेना में था, दूसरा शादीशुदा था और अर्जेंटीना में अपना फार्म चला रहा था। मेरी बेटी ग्रेस की शादी एक सैनिक से हुई थी और वह इस समय भारत में थी। मेरी बची हुई बेटी जूडिथ, वह थी जिसे मैं हमेशा से सबसे ज्यादा प्यार करता था, हालांकि मैं उसे कभी समझ नहीं पाया था। एक विचित्र, रहस्यमयी, गुप्त बच्ची, जिसे अपनी बात किसी को न बताने की आदत थी, जिसने कभी-कभी मुझे नाराज और परेशान कर दिया था। मेरी पत्नी ज्यादा समझदार थी। उसने मुझे यकीन दिलाया कि जूडिथ में भरोसे या विश्वास की कमी नहीं थी, बल्कि एक तरह की तीव्र मजबूरी थी। लेकिन वह भी, मेरी तरह, कभी-कभी बच्ची को लेकर चिंतित रहती थी। उसने कहा कि जूडिथ की भावनाएं बहुत तीव्र, बहुत केंद्रित थीं, और उसकी सहज संयम की प्रवृत्ति ने उसे किसी भी तरह का सुरक्षा कवच नहीं दिया था। वह कभी-कभी गहरी चुप्पी साध लेती थी और उसमें पक्षपात की एक तीव्र, लगभग कड़वी शक्ति थी। वह परिवार में सबसे बुद्धिमान थी और हमने विश्वविद्यालय शिक्षा प्राप्त करने की उसकी इच्छा का सहर्ष समर्थन किया। उसने लगभग एक साल पहले बीएससी की डिग्री प्राप्त की थी और फिर उष्णकटिबंधीय रोगों से संबंधित शोध कार्य में लगे

एक डॉक्टर के यहाँ सचिव का पद संभाला था। उनकी पत्नी कुछ हद तक अस्वस्थ थीं।
मुझे कभी-कभी यह शंका होती थी कि जूडिथ का अपने काम में इतना मग्न होना और अपने नियोक्ता के प्रति उसकी निष्ठा इस बात का संकेत तो नहीं है कि वह अपना दिल खो रही है, लेकिन उनके रिश्ते की व्यावहारिकता ने मुझे आश्वस्त कर दिया।
मुझे लगता था कि जूडिथ मुझे पसंद करती थी, लेकिन वह स्वभाव से बहुत कम भावुक थी, और वह अक्सर मेरे उन विचारों को तिरस्कारपूर्ण और चिढ़कर टाल देती थी जिन्हें वह भावुक और पुराने ख्यालों का कहती थी। सच कहूँ तो, मैं अपनी बेटी को लेकर थोड़ा घबराया हुआ था!
इसी समय, स्टाइल्स सेंट मैरी स्टेशन पर ट्रेन के रुकने की आवाज़ से मेरी तल्लीनता भंग हो गई। कम से कम यह तो नहीं बदला था। समय ने इसे पीछे छोड़ दिया था। यह अभी भी खेतों के बीचोंबीच स्थित था, मानो इसका कोई अस्तित्व ही न हो।
जैसे ही मेरी टैक्सी उस गाँव से गुजरी, मुझे बीते वर्षों का अहसास हुआ। स्टाइल्स सेंट मैरी पूरी तरह से बदल चुका था। पेट्रोल पंप, एक सिनेमाघर, दो और सराय और कई कतारों में बने सरकारी मकान।
कुछ देर बाद हम स्टाइल्स के गेट पर मुड़े। यहाँ पहुँचते ही हम फिर से आधुनिक युग से दूर होते हुए प्रतीत हुए। पार्क काफी हद तक वैसा ही था जैसा मुझे याद था, लेकिन सड़क की हालत खराब थी और उस पर खरपतवार उग आई थी - जो बजरी के ऊपर तक बढ़ गई थी। एक मोड़ मुड़ते ही हमें घर दिखाई दिया। बाहर से घर में कोई बदलाव नहीं हुआ था और उसे रंग-रोगन की सख्त जरूरत थी।

ठीक वैसे ही जैसे सालों पहले मेरे आने पर हुआ था, बगीचे की क्यारियों में से एक पर एक महिला झुकी हुई थी। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। फिर वह सीधी खड़ी हुई और मेरी तरफ आई, और मैं खुद पर हँस पड़ा। तंदुरुस्त एवलिन हॉवर्ड के मुकाबले इससे बड़ा अंतर और क्या हो सकता था?
यह एक दुर्बल बुजुर्ग महिला थी, जिसके घने घुंघराले सफेद बाल, गुलाबी गाल और ठंडी, हल्की नीली आंखें थीं, जो उसके सहज सौहार्दपूर्ण व्यवहार से बिल्कुल विपरीत थीं, जो सच कहूं तो मेरे स्वाद के लिए कुछ ज्यादा ही भावुक था।
“अब तो कैप्टन हेस्टिंग्स ही होंगे, है ना?” उसने पूछा। “और मैं, जिसके हाथ मिट्टी से सने हैं और जो किसी से हाथ भी नहीं मिला सकती। आपको यहाँ देखकर हमें बहुत खुशी हुई - आपके बारे में हमने कितना कुछ सुना है! मुझे अपना परिचय देना चाहिए। मैं श्रीमती लुटरेल हूँ। मेरे पति और मैंने यह जगह एक पागलपन में खरीद ली थी और तब से इसे मुनाफे का ज़रिया बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मैं होटल चलाऊँगी! लेकिन मैं आपको बता दूँ, कैप्टन हेस्टिंग्स, मैं बहुत ही समझदार महिला हूँ। मैं हर संभव कोशिश करती हूँ कि ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदे उठा सकूँ।”
हम दोनों ऐसे हँसे जैसे किसी बेहतरीन चुटकुले पर हँस रहे हों, लेकिन मेरे मन में यह बात आई कि श्रीमती लुटरेल ने जो कहा था, वह शायद अक्षरशः सच था। उनकी सौम्य बुज़ुर्ग महिला वाली छवि के पीछे मुझे उनकी कठोर दृढ़ता की झलक मिली।
हालांकि श्रीमती लुटरेल कभी-कभी हल्के से आयरिश लहजे का दिखावा करती थीं, लेकिन उनमें आयरिश खून का कोई अंश नहीं था। यह महज एक बनावटीपन था।

मैंने अपने दोस्त के बारे में पूछताछ की।
“अरे, बेचारे एम. पोइरोट! वो आपके आने का कितनी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। ये देखकर तो पत्थर का दिल भी पिघल जाएगा। मुझे उनके लिए बहुत दुख हो रहा है, जिस तरह से वो कष्ट सह रहे हैं।”
हम घर की ओर चल रहे थे और वह अपने बागवानी के दस्ताने उतार रही थी।
“और आपकी प्यारी बेटी भी,” उसने आगे कहा। “कितनी प्यारी बच्ची है वो। हम सब उसकी बहुत तारीफ़ करते हैं। लेकिन मैं पुराने ख्यालों की हूँ, आप जानते हैं, और मुझे ये बहुत शर्मनाक और गुनाह लगता है कि ऐसी लड़की, जिसे पार्टियों में जाना चाहिए और नौजवानों के साथ नाचना चाहिए, वो अपना समय खरगोश काटने और दिन भर माइक्रोस्कोप पर झुके रहने में बिताती है। मैं कहती हूँ, ये सब काम उन दकियानूसी औरतों के लिए छोड़ दो।”
मैंने पूछा, "जूडिथ कहाँ है? क्या वह कहीं आस-पास है?"
श्रीमती लुटरेल ने ऐसा चेहरा बनाया जिसे बच्चे "चेहरा" कहते हैं।
“अरे, बेचारी! वो बगीचे के नीचे बने उस स्टूडियो में बंद पड़ी है। डॉ. फ्रैंकलिन ने उसे मुझसे किराए पर लिया है और उसे पूरी तरह से सजा-संवार दिया है। वहाँ उन्होंने गिनी पिग्स के पिंजरे रखे हैं, बेचारे जीव, और चूहे और खरगोश भी। मुझे नहीं लगता कि मुझे ये सब विज्ञान पसंद है, कैप्टन हेस्टिंग्स। अरे, ये रहे मेरे पति।”
कर्नल लुटरेल अभी-अभी घर के कोने से मुड़े थे। वे एक बहुत लंबे, दुबले-पतले बूढ़े व्यक्ति थे, जिनका चेहरा मुर्दा जैसा था,

आँखें हल्की नीली थीं और उन्हें अपनी छोटी सफेद मूंछों को अनिर्णयपूर्वक खींचने की आदत थी।
उसका व्यवहार अस्पष्ट और कुछ हद तक घबराया हुआ था।
"अरे जॉर्ज, देखो कैप्टन हेस्टिंग्स आ गए हैं।"
कर्नल लुटरेल ने हाथ मिलाया। "आप पाँच-अह-चालीस से आए हैं, है ना?"
श्रीमती लुटरेल ने तीखे स्वर में कहा, "वह और किस रास्ते से आता? और इससे क्या फर्क पड़ता है? उसे ऊपर ले जाओ और उसका कमरा दिखाओ, जॉर्ज। फिर शायद वह सीधे एम. पोइरोट के पास जाना चाहेगा - या पहले चाय पीना पसंद करोगे?"
मैंने उसे आश्वस्त किया कि मुझे चाय नहीं चाहिए और मैं जाकर अपने दोस्त से मिलना पसंद करूंगा।
कर्नल लुटरेल ने कहा, "ठीक है। चलो। मुझे लगता है - अह - वे तुम्हारा सामान पहले ही ऊपर ले जा चुके होंगे - है ना, डेज़ी?" श्रीमती लुटरेल ने तीखे लहजे में कहा, "यह तुम्हारा काम है, जॉर्ज, मैं बागवानी कर रही थी। मैं सब कुछ नहीं देख सकती।" “नहीं, नहीं, बिलकुल नहीं। मैं – मैं इसका ध्यान रखूंगा, मेरी प्यारी।”
मैं उसके पीछे-पीछे सीढ़ियों से ऊपर गया। दरवाजे पर हमारी मुलाकात एक दुबले-पतले, सफ़ेद बालों वाले आदमी से हुई, जो दूरबीन लेकर जल्दी से बाहर निकल रहा था। वह लंगड़ाकर चल रहा था और उसका चेहरा मासूमियत और उत्सुकता से भरा था।
उसने थोड़ा हकलाते हुए कहा, "सिरके पेड़ के पास पक्षियों का एक जोड़ा घोंसला बना रहा है।"
जैसे ही हम हॉल में दाखिल हुए, लुटरेल ने कहा, "ये स्टीफन नॉर्टन हैं। बढ़िया आदमी हैं। पक्षियों के दीवाने हैं।"

हॉल में ही, एक बहुत बड़ा आदमी मेज के पास खड़ा था। जाहिर तौर पर उसने अभी-अभी फोन पर बात खत्म की थी। ऊपर देखते हुए उसने कहा, "मैं सभी ठेकेदारों और बिल्डरों को फांसी पर लटका देना चाहता हूँ, उनके टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहता हूँ। कभी कोई काम ठीक से नहीं करते, उन्हें श्राप मिले।"
उनका क्रोध इतना हास्यास्पद और इतना खेदजनक था कि हम दोनों हंस पड़े। मुझे उस आदमी की ओर तुरंत आकर्षण महसूस हुआ। पचास से अधिक उम्र का होने के बावजूद वह बहुत सुंदर था, उसका चेहरा गहरा धूप में तपा हुआ था। ऐसा लग रहा था मानो उसने प्रकृति के करीब रहकर जीवन बिताया हो, और वह उस तरह का आदमी भी था जो आजकल दुर्लभ होता जा रहा है - पुराने जमाने का अंग्रेज, सीधा-सादा, प्रकृति प्रेमी, और ऐसा व्यक्ति जो आदेश दे सके।
जब कर्नल लुटरेल ने उनका परिचय सर विलियम बॉयड कैरिंगटन के रूप में कराया तो मुझे ज़रा भी आश्चर्य नहीं हुआ। मुझे पता था कि वे भारत के एक प्रांत के राज्यपाल रह चुके थे, जहाँ उन्हें ज़बरदस्त सफलता मिली थी। वे एक कुशल निशानेबाज़ और बड़े जानवरों के शिकारी के रूप में भी प्रसिद्ध थे। मैंने दुख के साथ सोचा कि आजकल के इस पतित दौर में ऐसे लोग अब पैदा ही नहीं होते। “आहा,” उन्होंने कहा, “अपने दोस्त हेस्टिंग्स, इस मशहूर शख्सियत से आमने-सामने मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई।” वे हँसे। “ये प्यारे बेल्जियमवासी आपके बारे में बहुत बातें करते हैं, जानते हैं। और हाँ, आपकी बेटी भी यहाँ है। वो बहुत प्यारी बच्ची है।” मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि जूडिथ मेरे बारे में ज्यादा बात करती है।"
“नहीं, नहीं, ये तो बहुत ही आधुनिक है। आजकल की लड़कियां तो अपने पिता या माता के बारे में बताने में भी शर्म महसूस करती हैं।”

मैंने कहा, "माता-पिता तो सचमुच शर्मनाक हैं।"
वह हँसा। “खैर, मुझे तो ऐसी परेशानी नहीं होती। मेरे तो बच्चे ही नहीं हैं, बदकिस्मती से। तुम्हारी जूडिथ बहुत खूबसूरत है, पर हद से ज़्यादा किताबी ज्ञान वाली है। मुझे तो यह थोड़ा चिंताजनक लगता है।” उसने फिर से फ़ोन का रिसीवर उठाया। “उम्मीद है लुटरेल, अगर मैं तुम्हारे एक्सचेंज को कोसना शुरू कर दूं तो तुम्हें बुरा नहीं लगेगा। मैं इतना सब्र वाला आदमी नहीं हूँ।” "उनका अच्छे से ख्याल रखना," लुटरेल ने कहा।
वह आगे-आगे सीढ़ियों से ऊपर गया और मैं उसके पीछे-पीछे गया। वह मुझे घर के बाएँ हिस्से से होते हुए अंत में एक दरवाजे तक ले गया, और मुझे एहसास हुआ कि पोइरोट ने मेरे लिए वही कमरा चुना था जिसमें मैं पहले रह चुका था।
यहां बदलाव देखने को मिले। जैसे ही मैं गलियारे से गुजरा, कुछ दरवाजे खुले हुए थे और मैंने देखा कि पुराने जमाने के बड़े-बड़े बेडरूमों को अलग-अलग करके कई छोटे-छोटे कमरे बना दिए गए थे। मेरा कमरा, जो पहले बड़ा नहीं था, उसमें गर्म और ठंडे पानी की व्यवस्था के अलावा कोई बदलाव नहीं किया गया था, और उसके एक हिस्से को अलग करके एक छोटा बाथरूम बना दिया गया था। उसमें सस्ते आधुनिक फर्नीचर लगे थे, जिससे मुझे थोड़ी निराशा हुई। मुझे घर की वास्तुकला से मेल खाने वाला फर्नीचर ज़्यादा पसंद होता।
मेरा सामान मेरे कमरे में था और कर्नल ने बताया कि पोइरोट का कमरा ठीक सामने था। वह मुझे वहाँ ले जाने ही वाले थे कि नीचे के हॉल से "जॉर्ज" की तेज़ आवाज़ गूंज उठी।
कर्नल लुटरेल घबराए हुए घोड़े की तरह चौंक गए। उनका हाथ उनके होठों पर चला गया।

“मैं – मैं – क्या आप ठीक हैं? जो चाहिए उसके लिए फोन करें –” “जॉर्ज।”
"आ रहा हूँ, मेरी प्यारी, आ रहा हूँ।"
वह गलियारे में तेज़ी से चला गया। मैं कुछ पल उसे देखता रहा। फिर, मेरा दिल थोड़ा तेज़ी से धड़क रहा था, मैं गलियारे को पार करके पोइरोट के कमरे के दरवाजे पर दस्तक देने गया।

□□□□

अध्याय दो
मेरी राय में, उम्र के कारण होने वाली तबाही से ज्यादा दुखद कुछ भी नहीं है।
मेरे बेचारे दोस्त। मैंने उनका कई बार वर्णन किया है। अब आपको अंतर समझाना है। गठिया से अपंग होकर वे व्हीलचेयर के सहारे चलते थे। उनका कभी भरा-पूरा शरीर अब दुबला-पतला हो गया था। उनका चेहरा झुर्रियों से भरा था। यह सच है कि उनकी मूंछें और बाल अब भी काले थे, लेकिन सच कहूँ तो, हालाँकि मैं उन्हें यह कहकर उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता था, यह एक गलती थी। एक समय ऐसा आता है जब बालों में रंग लगाना बहुत ही स्पष्ट हो जाता है। एक समय था जब मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ था कि पोइरोट के बालों का काला रंग बोतल से आता था। लेकिन अब यह दिखावा स्पष्ट था और इससे केवल यह आभास होता था कि उन्होंने बच्चों को हंसाने के लिए विग पहनी है और अपने होंठ पर रंग लगाया है!
केवल उसकी आंखें ही पहले जैसी थीं, तीक्ष्ण बुद्धि वाली और चमकती हुई, और अब - हाँ, निस्संदेह - भावनाओं से कोमल हो गई थीं: “आह, मेरे दोस्त हेस्टिंग्स - मेरे दोस्त हेस्टिंग्स...”
मैंने अपना सिर झुकाया और, जैसा कि उनकी आदत थी, उन्होंने मुझे गर्मजोशी से गले लगा लिया।
“मेरे प्यारे हेस्टिंग्स!”
वह थोड़ा पीछे झुक गया और अपना सिर एक तरफ झुकाकर मुझे देखने लगा।
“हाँ, बिल्कुल वैसे ही - सीधी कमर, चौड़े कंधे, सफ़ेद बाल - बहुत ही शानदार। जानते हो, मेरे दोस्त, तुम पर उम्र का अच्छा असर दिखता है। क्या औरतें अब भी तुममें दिलचस्पी रखती हैं? हाँ?”

“सच में, पोइरोट,” मैंने विरोध किया। “क्या यह ज़रूरी है कि आप

— ”

लेकिन मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, मेरे दोस्त, यह एक परीक्षा है - यही असली परीक्षा है। जब छोटी लड़कियाँ आकर आपसे प्यार से, बहुत प्यार से बात करती हैं - तो समझो सब खत्म! 'बेचारा बूढ़ा आदमी,' वे कहती हैं; 'हमें उसके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। उसके लिए यह कितना भयानक होगा।' लेकिन तुम, हेस्टिंग्स - तुम अभी भी जवान हो। तुम्हारे लिए अभी भी संभावनाएं हैं। ठीक है, अपनी मूंछें घुमाओ, कंधे झुकाओ - मुझे लगता है जैसा मैंने कहा वैसा ही है - नहीं तो तुम इतने आत्म-सचेत नहीं दिखोगे।'
मैं जोर से हंस पड़ा।
“आप वाकई हद पार कर चुके हैं, पोइरोट। और आप खुद कैसे हैं?” “मैं,” पोइरोट ने मुँह बनाते हुए कहा। “मैं तो बिल्कुल बर्बाद हो चुका हूँ। मैं टूट चुका हूँ। मैं चल नहीं सकता, मैं अपाहिज और लंगड़ा हूँ। शुक्र है कि मैं अभी भी खुद खाना खा सकता हूँ, लेकिन इसके अलावा मेरी देखभाल एक बच्चे की तरह करनी पड़ती है। मुझे बिस्तर पर लिटाना, नहलाना और कपड़े पहनाना। खैर, यह कोई मज़ाक नहीं है। शुक्र है कि भले ही मेरा बाहरी रूप सड़ रहा हो, लेकिन मेरा भीतरी हिस्सा अभी भी ठीक है।”
जी हाँ, बिलकुल। दुनिया का सबसे बेहतरीन दिल।
“दिल? शायद। मेरा मतलब दिल से नहीं था। मेरा मतलब दिमाग से है, मेरे प्रिय, वह है मूल तत्व। मेरा दिमाग, वह अभी भी शानदार ढंग से काम करता है।”
मैं कम से कम यह तो स्पष्ट रूप से समझ सकता था कि शील की दिशा में मस्तिष्क में कोई गिरावट नहीं आई थी।
“और आपको यहाँ अच्छा लगता है?” मैंने पूछा।

पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
“ठीक है। आप समझ रहे हैं ना, ये कोई आलीशान होटल नहीं है। जी हाँ, बिलकुल नहीं। जब मैं पहली बार यहाँ आया था, तब मेरा कमरा छोटा और कम साज-सज्जा वाला था। मुझे इस कमरे में बिना कोई किराया बढ़ाए शिफ्ट होना पड़ा। फिर खाना, ये तो घटिया अंग्रेज़ खाना है। ब्रसेल्स स्प्राउट्स इतने बड़े और सख्त, जो अंग्रेज़ों को इतने पसंद हैं। आलू उबले हुए और या तो सख्त होते हैं या टुकड़े- टुकड़े हो जाते हैं। सब्ज़ियाँ जिनमें पानी ही पानी होता है। किसी भी व्यंजन में नमक और काली मिर्च बिल्कुल नहीं होती...” वह भावपूर्ण ढंग से रुका।
मैंने कहा, "यह तो बहुत बुरा लग रहा है।"
“मुझे कोई शिकायत नहीं है,” पोइरोट ने कहा और फिर आगे बोलने लगे। “और ये तथाकथित आधुनिकीकरण भी है। बाथरूम, हर जगह लगे नल, और उनसे क्या निकलता है? दिन के अधिकांश समय गुनगुना पानी, मेरे दोस्त। और तौलिए, इतने पतले, इतने कमज़ोर!”
“पुराने दिनों की अपनी ही एक अलग खूबसूरती थी,” मैंने सोच-विचार करते हुए कहा। मुझे याद आया वो भाप के बादल जो स्टाइल्स के पुराने बाथरूम के गर्म नल से निकलते थे, उन बाथरूमों में से एक जिसमें महोगनी की दीवारों वाला एक विशाल बाथटब फर्श के बीचोंबीच शान से रखा हुआ था। मुझे बड़े-बड़े तौलिए और अक्सर रखे हुए पीतल के चमकदार गर्म पानी के डिब्बे भी याद आए जो पुराने जमाने के बेसिन में रखे रहते थे।
“लेकिन शिकायत नहीं करनी चाहिए,” पोइरोट ने फिर कहा। “मैं एक अच्छे उद्देश्य के लिए कष्ट सहने को तैयार हूँ।”
अचानक मेरे मन में एक विचार आया।

“मैंने कहा, पोइरोट, आप कहीं तंगहाली में तो नहीं हैं? मुझे पता है कि युद्ध ने निवेश को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है।” पोइरोट ने मुझे तुरंत आश्वस्त कर दिया।
“नहीं, नहीं, मेरे दोस्त। मैं बेहद आरामदायक परिस्थितियों में हूँ। वास्तव में, मैं अमीर हूँ। आर्थिक स्थिति मुझे यहाँ नहीं लाई है।”
“तो फिर ठीक है,” मैंने कहा।
मैं गया:
मुझे लगता है मैं आपकी भावना समझ सकता हूँ। उम्र बढ़ने के साथ-साथ, इंसान धीरे-धीरे पुराने दिनों की ओर लौटने लगता है। पुरानी भावनाओं को फिर से जगाने की कोशिश करता है। मुझे यहाँ रहना एक तरह से कष्टदायक लगता है, फिर भी यह मुझे उन सैकड़ों पुरानी यादों और भावनाओं की याद दिलाता है जिन्हें मैं पूरी तरह से भूल चुका था कि मैंने कभी महसूस किया था। मुझे यकीन है कि आप भी ऐसा ही महसूस करते होंगे।
"बिल्कुल नहीं। मुझे ऐसा बिल्कुल भी महसूस नहीं होता।"
मैंने उदास होकर कहा, "वे अच्छे दिन थे।"
“हेस्टिंग्स, आप अपने बारे में तो कह सकते हैं। मेरे लिए, स्टाइल्स सेंट मैरी में मेरा आगमन एक दुखद और पीड़ादायक समय था। मैं एक शरणार्थी था, घायल, अपने देश और घर से निर्वासित, एक परदेस में दान के सहारे जी रहा था। नहीं, यह सुखद नहीं था। तब मुझे नहीं पता था कि इंग्लैंड मेरा घर बन जाएगा और मुझे यहाँ सुख मिलेगा।”
मैंने स्वीकार किया, "मैं यह बात भूल गया था।"
“बिल्कुल सही। आप हमेशा अपने मन की भावनाओं को दूसरों पर थोप देते हैं। हेस्टिंग्स खुश था - सब लोग खुश थे!”

“नहीं, नहीं,” मैंने हंसते हुए विरोध किया।
“और वैसे भी यह सच नहीं है,” पोइरोट ने आगे कहा; “तुम पीछे मुड़कर देखते हो, आँखों में आँसू भर आते हैं, ‘ओह, वो कितने सुखद दिन थे। तब मैं जवान था।’ लेकिन वास्तव में, मेरे दोस्त, तुम उतने खुश नहीं थे जितना तुम सोचते हो। हाल ही में तुम बुरी तरह घायल हुए थे, सक्रिय सेवा के लिए अयोग्य होने के कारण तुम परेशान थे, एक नीरस स्वास्थ्य लाभ गृह में रहने के कारण तुम बेहद उदास थे, और जहाँ तक मुझे याद है, तुमने एक ही समय में दो महिलाओं से प्यार करके मामले को और भी जटिल बना दिया था।”
मैं हंस पड़ी और मेरा चेहरा लाल हो गया।
"आपकी याददाश्त कितनी अद्भुत है, पोइरोट।"
“टा टा टा - मुझे अब याद आ रहा है वो उदास आह जो तुमने दो प्यारी महिलाओं के बारे में मूर्खतापूर्ण बातें बड़बड़ाते हुए भरी थी।”
“तुम्हें याद है तुमने क्या कहा था? तुमने कहा था, 'और इनमें से कोई भी तुम्हारे लिए नहीं है! कोई बात नहीं। खुद को तसल्ली दो, मेरे दोस्त। हम शायद फिर कभी साथ में शिकार करेंगे और फिर-'” मैं रुक गया। क्योंकि पोइरोट और मैं फिर से शिकार के लिए फ्रांस गए थे और वहीं मेरी मुलाकात उस एक महिला से हुई थी...
मेरे दोस्त ने धीरे से मेरी बांह थपथपाई।
“मुझे पता है, हेस्टिंग्स, मुझे पता है। घाव अभी ताजा है। लेकिन उस पर ध्यान मत दो, पीछे मुड़कर मत देखो। इसके बजाय आगे बढ़ो।” मैंने घृणा का भाव प्रकट किया।
“आगे देखना? आगे देखने लायक क्या है?”
“ठीक है, मेरे दोस्त, अभी बहुत काम करना बाकी है।”
“काम? कहाँ?”

"यहाँ।"
मैंने उसे घूर कर देखा।
“अभी-अभी,” पोइरोट ने कहा, “आपने मुझसे पूछा था कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ। शायद आपने ध्यान नहीं दिया होगा कि मैंने आपको कोई जवाब नहीं दिया। मैं अब आपको जवाब देता हूँ। मैं यहाँ एक हत्यारे को पकड़ने आया हूँ।”
मैंने और भी अधिक आश्चर्य से उसकी ओर देखा। एक पल के लिए मुझे लगा कि वह बस यूं ही बड़बड़ा रहा है।
"क्या आपका सचमुच यही मतलब है?"
“हाँ, मैं सच में ऐसा ही सोचता हूँ। आखिर मैंने आपको मेरे साथ आने के लिए क्यों कहा था? मेरे हाथ-पैर अब पहले जैसे काम नहीं करते, लेकिन मेरा दिमाग, जैसा कि मैंने आपको बताया, बिल्कुल ठीक है। याद रखिए, मेरा नियम हमेशा से एक ही रहा है - आराम से बैठिए और सोचिए। मैं अब भी ऐसा कर सकता हूँ। दरअसल, यही मेरे लिए मुमकिन है। अभियान के सक्रिय हिस्से के लिए मेरे साथ मेरे बहुमूल्य हेस्टिंग्स होंगे।”
“क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?” मैंने हैरानी से पूछा। “बिल्कुल, मेरा यही मतलब है। हेस्टिंग्स, हम दोनों एक बार फिर शिकार पर जा रहे हैं।”
मुझे यह समझने में कुछ मिनट लगे कि पोइरोट वास्तव में गंभीर था। हालांकि उनका बयान बहुत ही शानदार लग रहा था, लेकिन मुझे उनके फैसले पर संदेह करने का कोई कारण नहीं था।
हल्की मुस्कान के साथ उन्होंने कहा, "आखिरकार आप मान गए। पहले तो आपने यही सोचा था, है ना, कि मेरा दिमाग थोड़ा कमजोर हो गया है?"

“नहीं, नहीं,” मैंने जल्दी से कहा। “लेकिन यह जगह तो बिल्कुल ही असंभावित सी लग रही है।”
"अरे, आपको ऐसा लगता है?"
“बेशक मैंने अभी तक सभी लोगों को नहीं देखा है-”
आपने किसे देखा है?
"बस लुट्रेल परिवार और नॉर्टन नाम का एक आदमी, जो देखने में सीधा-सादा लगता है, और बॉयड कैरिंगटन - मुझे कहना होगा कि मैं उसे बहुत पसंद करने लगा था।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
"अच्छा, हेस्टिंग्स, मैं तुम्हें यह बता दूं। जब तुम घर के बाकी सदस्यों को देख लोगे, तो मेरा यह कथन तुम्हें उतना ही असंभव लगेगा जितना अभी लग रहा है।"
“वहाँ और कौन है?”
“फ्रैंकलिन परिवार – डॉक्टर और श्रीमती – अस्पताल की नर्स जो श्रीमती फ्रैंकलिन की देखभाल करती हैं, आपकी बेटी जूडिथ। फिर एक आदमी है जिसका नाम एलर्टन है, जो महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है, और एक मिस कोल हैं, जिनकी उम्र लगभग पैंतीस साल है। मैं आपको बता दूं, ये सभी बहुत अच्छे लोग हैं।”
और उनमें से एक हत्यारा है?
और उनमें से एक हत्यारा है।
लेकिन क्यों - कैसे - आपको ऐसा क्यों सोचना चाहिए -?
मुझे अपने सवालों को सही ढंग से तैयार करने में कठिनाई हुई; वे एक दूसरे पर उलझ गए।
“शांत हो जाओ, हेस्टिंग्स। चलो शुरू से शुरू करते हैं। कृपया मुझे दराज से वह छोटा सा डिब्बा लाकर दो। ठीक है। और अब चाबी - तो

- ”

उसने डिस्पैच केस का ताला खोलकर उसमें से टाइप किए गए दस्तावेजों और अखबारों की कतरनों का एक बड़ा ढेर निकाला। “हेस्टिंग्स, आप इन्हें फुर्सत में पढ़ सकते हैं। फिलहाल मैं अखबारों की कटिंग्स पर ध्यान नहीं दूंगा। ये तो बस विभिन्न त्रासदियों की प्रेस रिपोर्ट हैं, जो कभी-कभी गलत होती हैं, कभी- कभी संकेत देती हैं। आपको मामलों की जानकारी देने के लिए, मेरा सुझाव है कि आप मेरे द्वारा तैयार किए गए सारांश को पढ़ लें।” मुझे इसमें गहरी दिलचस्पी हुई और मैंने पढ़ना शुरू कर दिया। मामला ए. एथरिंगटन
लियोनार्ड एथरिंगटन। बुरी आदतें - नशा करते थे और शराब भी पीते थे। उनका स्वभाव विचित्र और क्रूर था। उनकी पत्नी जवान और आकर्षक थीं। वे उनसे बेहद नाखुश थीं। एथरिंगटन की मौत, जाहिर तौर पर भोजन विषाक्तता से हुई। डॉक्टर संतुष्ट नहीं थे। पोस्टमार्टम के बाद पता चला कि मौत आर्सेनिक विषाक्तता के कारण हुई थी। घर में खरपतवारनाशक मौजूद था, लेकिन इसे काफी समय पहले मंगवाया गया था। श्रीमती एथरिंगटन को गिरफ्तार कर हत्या का आरोप लगाया गया। हाल ही में उनकी भारत लौट रहे एक सिविल सेवा अधिकारी से दोस्ती हुई थी। बेवफाई का कोई सबूत नहीं था, लेकिन उनके बीच गहरी सहानुभूति के प्रमाण मिले। उस युवक ने भारत यात्रा के दौरान मिली एक लड़की से सगाई कर ली थी। इस बात पर संदेह है कि श्रीमती एथरिंगटन को यह पत्र उनके पति की मृत्यु के बाद मिला था या पहले। वे खुद कहती हैं कि मृत्यु से पहले मिला था। उनके खिलाफ सबूत ज्यादातर परिस्थितिजन्य थे, कोई अन्य संभावित संदिग्ध नहीं था और दुर्घटना की संभावना बहुत कम थी। मुकदमे के दौरान उनके प्रति गहरी सहानुभूति दिखाई गई, क्योंकि उनके पति का स्वभाव और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार के कारण ऐसा

किया गया था। न्यायाधीश का अंतिम निर्णय उनके पक्ष में था, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि फैसला किसी भी तरह के संदेह से परे होना चाहिए।
श्रीमती एथरिंगटन को बरी कर दिया गया। हालांकि, आम राय यही थी कि वह दोषी थीं। इसके बाद उनका जीवन बहुत कठिन हो गया क्योंकि उनके दोस्तों आदि ने उनसे दूरी बना ली थी। मुकदमे के दो साल बाद नींद की दवा की अधिक मात्रा लेने से उनकी मृत्यु हो गई। जांच में मृत्यु को आकस्मिक मृत्यु करार दिया गया।
मामला बी. शार्पल्स
बुजुर्ग अविवाहित महिला। बीमार, दुर्बल, अत्यंत पीड़ा से ग्रस्त। उनकी देखभाल उनकी भतीजी फ्रेडा क्ले करती थीं। मिस शार्पल्स की मृत्यु मॉर्फिया की अधिक मात्रा लेने से हुई। फ्रेडा क्ले ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी चाची की पीड़ा इतनी असहनीय थी कि वह उसे सहन नहीं कर सकीं और दर्द कम करने के लिए उन्होंने उन्हें और मॉर्फिया दे दी। पुलिस की राय थी कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया था, गलती से नहीं, लेकिन उनके पास मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे।
केस सी. रिग्स
एडवर्ड रिग्स, एक कृषि मजदूर। उसे शक था कि उसकी पत्नी का उनके किराएदार बेन क्रेग के साथ व्यभिचार है। क्रेग और श्रीमती रिग्स को गोली मारी गई। बाद में पता चला कि गोलियां रिग्स की बंदूक से चलाई गई थीं। रिग्स ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और कहा कि उसे लगता है उसने ही ऐसा किया होगा, लेकिन उसे याद नहीं आ रहा। उसने कहा कि उसका दिमाग सुन्न हो गया था। रिग्स को मौत की सजा सुनाई गई, जिसे बाद में आजीवन कारावास में बदल दिया गया।

केस डी. ब्रैडली
डेरेक ब्रैडली का एक लड़की के साथ गुप्त संबंध था। उसकी पत्नी को इस बात का पता चल गया; उसने उसे जान से मारने की धमकी दी। ब्रैडली की मौत बीयर में पोटेशियम साइनाइड मिलाकर पिलाए जाने से हुई। श्रीमती ब्रैडली को गिरफ्तार कर हत्या के आरोप में मुकदमा चलाया गया। पूछताछ के दौरान वह टूट गईं। दोषी ठहराए जाने पर उन्हें फांसी दे दी गई।
केस ई. लिचफील्ड
बुजुर्ग तानाशाह मैथ्यू लिचफील्ड। घर में चार बेटियाँ थीं, जिन्हें किसी भी प्रकार के सुख-सुविधाओं या खर्च करने के लिए धन की अनुमति नहीं थी। एक शाम घर लौटते समय, उन पर उनके घर के बाहर हमला किया गया और सिर पर वार करके उनकी हत्या कर दी गई। बाद में, पुलिस जांच के बाद, उनकी सबसे बड़ी बेटी मार्गरेट पुलिस स्टेशन गई और अपने पिता की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। उसने कहा कि उसने ऐसा इसलिए किया ताकि उसकी छोटी बहनें बहुत देर होने से पहले अपना जीवन जी सकें। लिचफील्ड अपने पीछे एक बड़ी संपत्ति छोड़ गए। मार्गरेट लिचफील्ड को मानसिक रूप से विक्षिप्त घोषित कर ब्रॉडमूर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कुछ ही समय बाद उनकी मृत्यु हो गई।
मैंने ध्यान से पढ़ा, लेकिन मेरी हैरानी बढ़ती जा रही थी। आखिरकार मैंने अखबार नीचे रख दिया और पोइरोट की ओर जिज्ञासा भरी नजरों से देखा।
“तो, मेरे दोस्त?”
मैंने धीरे से कहा, "मुझे ब्रैडली का मामला याद है। मैंने उस समय इसके बारे में पढ़ा था। वह बहुत खूबसूरत महिला थी।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।

"लेकिन आपको मुझे समझाना होगा। यह सब क्या है?"
"पहले मुझे यह बताओ कि तुम्हारी नजर में इसका क्या मतलब है।" मैं काफी हैरान था।
“आपने मुझे पाँच अलग-अलग हत्याओं का विवरण दिया। ये सभी अलग-अलग स्थानों पर और अलग-अलग वर्गों के लोगों के बीच घटी थीं। इसके अलावा, इनमें कोई सतही समानता नहीं दिखती। कहने का तात्पर्य यह है कि एक मामला ईर्ष्या का था, एक दुखी पत्नी अपने पति से छुटकारा पाना चाहती थी, दूसरे में पैसे का लालच था, तीसरे का उद्देश्य निस्वार्थ था क्योंकि हत्यारे ने सज़ा से बचने की कोशिश नहीं की, और पाँचवाँ मामला स्पष्ट रूप से क्रूर था, संभवतः शराब के नशे में किया गया था।”
मैं रुका और संशय से बोला:
"क्या उन सभी में कुछ ऐसा समान है जो मुझसे छूट गया है?"
नहीं, नहीं, आपने अपने सारांश में बहुत सटीकता बरती है। एकमात्र बिंदु जिसका आप उल्लेख कर सकते थे लेकिन नहीं किया, वह यह है कि उन मामलों में कोई वास्तविक संदेह मौजूद नहीं था।
मुझे नहीं लगता कि मैं समझ पा रहा हूँ?
उदाहरण के लिए, श्रीमती एथरिंगटन को बरी कर दिया गया था। लेकिन फिर भी, सभी को पूरा यकीन था कि उन्होंने ही यह किया था। फ्रेडा क्ले पर खुले तौर पर आरोप नहीं लगाया गया था, लेकिन किसी ने भी अपराध के किसी वैकल्पिक समाधान के बारे में नहीं सोचा। रिग्स ने कहा कि उसे अपनी पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या याद नहीं है, लेकिन किसी और के द्वारा ऐसा करने का कोई सवाल ही नहीं था। मार्गरेट लिचफील्ड ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आप देखिए, हेस्टिंग्स, हर मामले में एक ही स्पष्ट संदिग्ध था और कोई दूसरा नहीं था।

मैंने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
"हां, यह सच है - लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इससे क्या विशेष निष्कर्ष निकाल रहे हैं।"
“लेकिन देखिए, मैं एक ऐसे तथ्य पर आ रहा हूँ जिसके बारे में आपको अभी तक पता नहीं है। मान लीजिए, हेस्टिंग्स, कि मैंने जिन मामलों का वर्णन किया है, उन सभी में एक असामान्य बात समान थी?” "आपका क्या मतलब है?"
पोइरोट ने धीरे से कहा:
“हेस्टिंग्स, मैं अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहना चाहता हूँ। इसे ऐसे समझिए। एक व्यक्ति है - X। इन सभी मामलों में X का (स्पष्ट रूप से) पीड़ित की हत्या करने का कोई मकसद नहीं था। एक मामले में, जहाँ तक मुझे पता चला है, अपराध होने के समय X वास्तव में दो सौ मील दूर था। फिर भी, मैं आपको यह बता दूँगा। X के एथरिंगटन से घनिष्ठ संबंध थे, X कुछ समय तक रिग्स के गाँव में ही रहा था, X श्रीमती ब्रैडली से परिचित था। मेरे पास X और फ्रेडा क्ले की सड़क पर साथ चलते हुए एक तस्वीर है, और X उस घर के पास ही था जब बूढ़े मैथ्यू लिचफील्ड की मृत्यु हुई थी। इस बारे में आपका क्या कहना है?”
मैंने उसे घूर कर देखा। मैंने धीरे से कहा:
“हां, यह कुछ ज़्यादा ही है। संयोगवश दो या तीन मामले हो सकते हैं, लेकिन पांच मामले कुछ ज़्यादा ही हो रहे हैं। भले ही यह असंभव लगे, लेकिन इन अलग-अलग हत्याओं के बीच कोई न कोई संबंध ज़रूर होगा।”
"तो क्या आप भी वही मान रहे हैं जो मैंने माना है?"
“क्या X ही हत्यारा है? हाँ।”

“तो फिर, हेस्टिंग्स, आप मेरे साथ एक कदम और आगे बढ़ने को तैयार होंगे। मैं आपको यह बता दूं। X इसी घर में है।”
“यहाँ? स्टाइल्स में?”
“स्टाइल्स में। इससे क्या तार्किक निष्कर्ष निकाला जा सकता है?”
मुझे पता था कि क्या होने वाला है, इसलिए मैंने ऐसा कहा:
बोलो तो सही।
हरक्यूल पोइरोट ने गंभीरता से कहा:
"यहाँ जल्द ही एक हत्या होने वाली है - यहीं।"

□□□□

अध्याय 3
एक-दो पल के लिए मैंने निराशा से पोइरोट को देखा, फिर मैंने प्रतिक्रिया दी।
“नहीं, ऐसा नहीं होगा,” मैंने कहा। “तुम इसे रोक दोगे।” पोइरोट ने मुझे स्नेह भरी नजर से देखा।
“मेरे वफादार दोस्त। मुझ पर आपके भरोसे के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। फिर भी, मुझे यकीन नहीं है कि इस मामले में यह भरोसा जायज है या नहीं।”
“बकवास। बेशक आप इसे रोक सकते हैं।”
पोइरोट की आवाज गंभीर थी जब उन्होंने कहा:
"एक मिनट सोचो, हेस्टिंग्स। एक हत्यारे को पकड़ा जा सकता है, हाँ। लेकिन हत्या को रोकने के लिए आगे कैसे बढ़ा जाए?" "अच्छा, आप - आप - मतलब - अगर आपको पहले से पता हो तो -"
मैं कुछ देर के लिए हिचकिचाते हुए रुका - क्योंकि अचानक मुझे कठिनाइयाँ दिखाई देने लगीं।
पोइरोट ने कहा:
“देखा? यह इतना आसान नहीं है। वास्तव में, केवल तीन ही तरीके हैं। पहला है पीड़ित को चेतावनी देना। पीड़ित को सतर्क करना। यह हमेशा सफल नहीं होता, क्योंकि कुछ लोगों को यह विश्वास दिलाना बेहद मुश्किल होता है कि वे गंभीर खतरे में हैं - संभवतः किसी करीबी से। वे क्रोधित होते हैं और विश्वास करने से इनकार कर देते हैं। दूसरा तरीका है हत्यारे को चेतावनी देना। कुछ हद तक अस्पष्ट भाषा में कहना: 'मैं तुम्हारे इरादे जानता हूँ। अगर फलां व्यक्ति मर गया, मेरे दोस्त, तो तुम निश्चित रूप से फांसी पर चढ़ोगे।' यह पहले तरीके की तुलना में अधिक बार सफल होता है, लेकिन इसमें भी विफलता की संभावना रहती है। क्योंकि एक

हत्यारा, मेरे दोस्त, इस धरती पर किसी भी प्राणी से अधिक अभिमानी होता है। एक हत्यारा हमेशा दूसरों से अधिक चालाक होता है - कोई उस पर कभी संदेह नहीं करेगा - पुलिस पूरी तरह से हैरान रह जाएगी, इत्यादि। इसलिए वह (या वह) अपने काम को अंजाम देता ही रहता है, और अंत में आपको केवल उसे फांसी देने की संतुष्टि मिलती है।” वह रुका और सोच-विचार करते हुए बोला:
“मैंने अपने जीवन में दो बार एक हत्यारे को चेतावनी दी है - एक बार मिस्र में, एक बार कहीं और। दोनों ही मामलों में, अपराधी हत्या करने के लिए दृढ़ संकल्पित था... हो सकता है कि यहाँ भी ऐसा ही हो।”
मैंने उसे याद दिलाया, "आपने कहा था कि एक तीसरा तरीका भी है।" "हाँ, बिल्कुल। इसके लिए अत्यंत चतुराई की आवश्यकता होती है। आपको ठीक-ठीक अनुमान लगाना होता है कि वार कब और कैसे होगा और आपको ठीक उसी मनोवैज्ञानिक क्षण में हस्तक्षेप करने के लिए तैयार रहना होता है। आपको हत्यारे को पकड़ना होता है, यदि रंगे हाथों नहीं तो कम से कम इरादे के लिए उसे बिना किसी संदेह के दोषी साबित करना होता है।"
“और मेरे दोस्त,” पोइरोट ने आगे कहा, “मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि यह एक अत्यंत कठिन और नाजुक मामला है, और मैं एक पल के लिए भी इसकी सफलता की गारंटी नहीं दे सकता! मैं शायद थोड़ा घमंडी हूँ, लेकिन इतना भी नहीं।”
आप यहां कौन सी विधि आजमाने का प्रस्ताव रखते हैं?
"संभवतः तीनों। पहला सबसे कठिन है।"
“क्यों? मुझे तो लगा था कि यह सबसे आसान होगा।”
“हाँ, अगर आप लक्षित पीड़ित को जानते हों। लेकिन क्या आपको यह एहसास नहीं है, हेस्टिंग्स, कि यहाँ मैं पीड़ित को नहीं जानता?”

"क्या?"
मैंने बिना सोचे-समझे अपनी बात कह दी। फिर मुझे स्थिति की कठिनाइयाँ समझ आने लगीं। इन अपराधों की श्रृंखला को जोड़ने वाला कोई न कोई संबंध ज़रूर था, लेकिन हमें पता नहीं था कि वह संबंध क्या था। मकसद, सबसे महत्वपूर्ण मकसद, गायब था। और यह जाने बिना हम यह नहीं बता सकते थे कि किसे खतरा था।
पोइरोट ने सिर हिलाकर सहमति जताई क्योंकि उन्होंने मेरे चेहरे के भाव से समझ लिया था कि मुझे स्थिति की कठिनाइयों का एहसास हो रहा है।
"देखो, मेरे दोस्त, यह इतना आसान नहीं है।"
“नहीं,” मैंने कहा। “मैं समझ गया। क्या आप अभी तक इन विभिन्न मामलों के बीच कोई संबंध नहीं ढूंढ पाए हैं?”
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"कुछ नहीं।"
मैंने फिर से विचार किया। ए.बी.सी. अपराधों में, हमें एक ऐसी चीज़ से निपटना पड़ा जो दिखने में तो वर्णमाला क्रम में लिखी गई थी, लेकिन असल में वह कुछ बहुत अलग निकली।
मैंने पूछ लिया:
"क्या आपको पूरा यकीन है कि इसमें कोई बेतुका वित्तीय मकसद नहीं है - उदाहरण के लिए, एवलिन कार्लिस्ले के मामले में आपको जो मिला था, वैसा कुछ भी नहीं है?"
“नहीं। मेरे प्रिय हेस्टिंग्स, आप पूरी तरह से आश्वस्त रहें कि मैं सबसे पहले वित्तीय लाभ की तलाश करता हूँ।”
यह बात बिल्कुल सही थी। पोइरोट हमेशा से ही पैसे के प्रति पूरी तरह से संशयवादी रहे हैं।

मैंने फिर सोचा। क्या यह किसी तरह का प्रतिशोध था? यह तथ्यों के ज़्यादा करीब था। लेकिन फिर भी, कोई जुड़ाव नहीं दिख रहा था। मुझे एक कहानी याद आई जो मैंने पढ़ी थी, जिसमें सिलसिलेवार बेमतलब की हत्याएँ हुई थीं - सुराग यह था कि पीड़ित संयोग से एक जूरी के सदस्य थे, और अपराध उस व्यक्ति ने किए थे जिसे जूरी ने दोषी ठहराया था। मुझे लगा कि इस मामले में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है। मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि मैंने यह विचार अपने तक ही रखा। अगर मैं पोइरोट को इसका हल बता पाता तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात होती।
इसके बजाय मैंने पूछा:
"और अब मुझे बताओ, X कौन है?"
मुझे बेहद गुस्सा आया जब पोइरोट ने बड़े ही दृढ़ता से अपना सिर हिलाया।
"मेरे दोस्त, मैं यह बात किसी को नहीं बताता।"
“बकवास। क्यों नहीं?”
पोइरोट की आँखों में चमक आ गई।
क्योंकि, मेरे प्रिय, तुम अब भी वही पुराने हेस्टिंग्स हो। तुम्हारा चेहरा अब भी वैसा ही भावपूर्ण है। मैं नहीं चाहता, जैसा तुम देख रहे हो, कि तुम X को मुँह खुला रखकर घूरते रहो, और तुम्हारा चेहरा साफ-साफ कह रहा हो: 'यह - यह जिसे मैं देख रहा हूँ, एक हत्यारा है।'
"जरूरत पड़ने पर थोड़ा-बहुत छल करने के लिए आप मुझे श्रेय दे सकते हैं।"
“जब आप छल करने की कोशिश करते हैं, तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। नहीं, नहीं, मेरे दोस्त, हमें बहुत गुप्त रहना होगा, हम

दोनों को। फिर, जब हम हमला करेंगे, तो पूरी ताकत से हमला करेंगे।”
“तुम जिद्दी बूढ़े शैतान हो,” मैंने कहा। “मेरा तो मन कर रहा है कि—”
मेरी बात अधूरी रह गई क्योंकि दरवाजे पर दस्तक हुई। पोइरोट ने कहा, "अंदर आओ," और मेरी बेटी जूडिथ अंदर आ गई।
मैं जूडिथ का वर्णन करना चाहूँगा, लेकिन वर्णन करने में मैं हमेशा से ही कमजोर रहा हूँ।
जूडिथ लंबी है, वह अपना सिर ऊंचा रखती है, उसकी भौहें गहरी और सीधी हैं और उसके गाल और जबड़े की बनावट बेहद खूबसूरत है - अपनी सादगी में भी गंभीर। वह गंभीर और थोड़ी तिरस्कारपूर्ण है, और मेरे विचार से उसके व्यक्तित्व में हमेशा से ही त्रासदी की झलक दिखाई देती रही है।
जूडिथ ने आकर मुझे चूमा नहीं - वो उस तरह की नहीं है। उसने बस मुझे देखकर मुस्कुराया और कहा, "नमस्ते, पिताजी।"
उसकी मुस्कान शर्मीली और थोड़ी संकोची थी, लेकिन इससे मुझे यह एहसास हुआ कि अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त न करने के बावजूद वह मुझे देखकर खुश थी।
“ठीक है,” मैंने कहा, जैसा कि मैं अक्सर युवा पीढ़ी के साथ करता हूँ, मुझे मूर्खता का एहसास हो रहा था, “मैं यहाँ पहुँच गया हूँ।”
"बहुत ही चतुर हो तुम, प्रिय," जूडिथ ने कहा।
पोइरोट ने कहा, "मैं उसे खाना पकाने के बारे में बताता हूँ।" “क्या यह बहुत बुरा है?” जूडिथ ने पूछा।
“तुम्हें यह पूछने की ज़रूरत नहीं पड़नी चाहिए, मेरी बच्ची।
क्या तुम सिर्फ़ टेस्ट ट्यूब और माइक्रोस्कोप के बारे में ही

सोचती हो? तुम्हारी बीच वाली उंगली मेथिलीन ब्लू से रंगी हुई है। अगर तुम अपने पति के पेट में कोई दिलचस्पी नहीं लेती हो, तो यह उसके लिए अच्छा नहीं है।”
मुझे लगता है कि मेरा कोई पति नहीं होगा।
“तुम्हें पति जरूर मिलेगा। भगवान ने तुम्हें किसलिए बनाया है?” "मुझे उम्मीद है कि बहुत सी चीजें होंगी," जूडिथ ने कहा।
सबसे पहले विवाह।
“बहुत खूब,” जूडिथ ने कहा। “तुम मेरे लिए एक अच्छा पति ढूंढोगी और मैं उसके पेट का बहुत ध्यान रखूंगी।”
“वह मुझ पर हंसती है,” पोइरोट ने कहा। “एक दिन उसे पता चलेगा कि बूढ़े लोग कितने बुद्धिमान होते हैं।”
दरवाजे पर एक और दस्तक हुई और डॉ. फ्रैंकलिन अंदर आए। वे पैंतीस साल के लंबे, दुबले-पतले युवक थे, जिनका जबड़ा उभरा हुआ था, बाल लाल रंग के थे और आँखें चमकीली नीली थीं। वे अब तक के सबसे भद्दे आदमी थे जिन्हें मैं जानता था, और वे हमेशा अनमने ढंग से चीजों से टकराते रहते थे।
वह पोइरोट की कुर्सी के चारों ओर लगी स्क्रीन में जा घुसा और अपना सिर आधा घुमाते हुए अनायास ही बुदबुदाया, "मुझे क्षमा करें।"
मुझे हंसी आ रही थी, लेकिन मैंने देखा कि जूडिथ काफी गंभीर बनी हुई थी। मुझे लगता है कि वह इस तरह की चीजों की आदी हो चुकी थी। “तुम्हें मेरे पिता याद हैं,” जूडिथ ने कहा।
डॉ. फ्रैंकलिन चौंक गए, घबराकर झिझके, अपनी आँखें सिकोड़कर मेरी ओर देखा, फिर हाथ आगे बढ़ाते हुए अजीब तरह से बोले:
“बिल्कुल, बिल्कुल, आप कैसे हैं? मैंने सुना था कि आप आ रहे हैं।”

उसने जूडिथ की ओर रुख किया।
“मैंने पूछा, क्या आपको लगता है कि हमें बदलाव की ज़रूरत है? अगर नहीं, तो हम रात के खाने के बाद थोड़ा और आगे बढ़ सकते हैं। अगर हमें कुछ और स्लाइड्स तैयार मिल जाएं तो...”
“नहीं,” जूडिथ ने कहा। “मैं अपने पिता से बात करना चाहती हूँ।” “ओह हाँ। ओह, बिल्कुल।” अचानक उसके चेहरे पर एक मासूम सी मुस्कान आ गई, मानो वह माफी मांग रहा हो। “मुझे माफ कर दीजिए - मैं किसी भी बात में इतना उलझ जाता हूँ। यह बिल्कुल अक्षम्य है - इससे मैं बहुत स्वार्थी हो जाता हूँ। कृपया मुझे क्षमा कर दीजिए।”
घड़ी में घंटी बजी और फ्रैंकलिन ने जल्दी से उस पर नजर डाली। हे भगवान! क्या इतनी देर हो गई है? मैं मुसीबत में पड़ जाऊंगी। मैंने बारबरा से वादा किया था कि मैं उसे रात के खाने से पहले कहानी पढ़कर सुनाऊंगी।
उसने हम दोनों को देखकर मुस्कुराया और जल्दी से बाहर निकल गया, बाहर निकलते समय वह दरवाजे के चौखट से टकरा गया।
मैंने पूछा, "श्रीमती फ्रैंकलिन कैसी हैं?"
“बिल्कुल वैसा ही, बल्कि उससे भी कहीं ज्यादा,” जूडिथ ने कहा। मैंने कहा, "उनका इस तरह विकलांग होना बहुत दुखद है।" "डॉक्टरों के लिए यह बहुत परेशान करने वाली बात है," जूडिथ ने कहा। "डॉक्टरों को स्वस्थ लोग पसंद होते हैं।"
“तुम युवा लोग कितने मेहनती हो!” मैंने हैरानी से कहा। जूडिथ ने ठंडे स्वर में कहा:
मैं तो बस एक तथ्य बता रहा था।
फिर भी, पोइरोट ने कहा, "भले ही अच्छे डॉक्टर उसे पढ़कर सुनाने के लिए जल्दी करते हैं।"

“बहुत बेवकूफी वाली बात है,” जूडिथ ने कहा। “उसकी नर्स उसे बहुत अच्छे से पढ़कर सुना सकती है अगर वह चाहे तो। मुझे तो व्यक्तिगत रूप से किसी का भी मेरे लिए जोर से पढ़कर सुनाना बिल्कुल पसंद नहीं है।”
“खैर, खैर, सबकी पसंद अलग-अलग होती है,” मैंने कहा।
"वह बहुत ही मूर्ख महिला है," जूडिथ ने कहा।
“अब सुनो, मेरे बच्चे,” पोइरोट ने कहा, “मैं तुमसे सहमत नहीं हूँ।”
वह सबसे सस्ते उपन्यासों के अलावा कुछ नहीं पढ़ती। उसे उनके काम में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह मौजूदा विचारों से अवगत नहीं रहती। वह बस हर किसी से अपनी सेहत के बारे में बात करती रहती है जो उसकी बात सुनने को तैयार हो।
पोइरोट ने कहा, "मैं अब भी यही मानता हूं कि वह अपनी बुद्धि का इस्तेमाल ऐसे तरीकों से करती है जिनके बारे में तुम, मेरे बच्चे, कुछ नहीं जानते।"
“वह बहुत ही स्त्रीत्वपूर्ण स्वभाव की महिला है,” जूडिथ ने कहा। “वह मीठी-मीठी बातें करती है। मुझे लगता है कि आपको ऐसी ही महिलाएं पसंद हैं, अंकल हरक्यूल।”
“बिल्कुल नहीं,” मैंने कहा। “उन्हें बड़े और भड़कीले डिज़ाइन पसंद हैं, और वो भी रूसी डिज़ाइन वाले।”
"तो हेस्टिंग्स, तुम मुझे इसी तरह पकड़वाओगे? जूडिथ, तुम्हारे पिता को हमेशा से ही भूरे बालों का शौक रहा है। इसी वजह से वो कई बार मुसीबत में पड़ चुके हैं।"
जूडिथ ने हम दोनों को स्नेहपूर्वक देखकर मुस्कुराया। उसने कहा: आप दोनों कितने मजेदार जोड़े हैं!
वह मुँह फेरकर चली गई और मैं उठ खड़ा हुआ।

मुझे अपना सामान खोलना होगा, और हो सकता है कि मैं रात के खाने से पहले नहा लूं।
पोइरोट ने अपने हाथ की पहुँच में रखी एक छोटी घंटी दबाई और एक-दो मिनट बाद उनका नौकर अंदर आया। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वह आदमी अजनबी था।
“अरे! जॉर्जेस कहाँ है?”
पोइरोट का नौकर, जॉर्जेस, कई वर्षों से उसके साथ काम कर रहा था। “जॉर्जेस अपने परिवार के पास लौट गया है। उसके पिता बीमार हैं। मुझे उम्मीद है कि वह कभी न कभी मेरे पास वापस आएगा। इस बीच,” उसने नए नौकर की ओर मुस्कुराते हुए कहा, “कर्टिस मेरा ख्याल रखता है।”
कर्टिस ने सम्मानपूर्वक मुस्कुराकर जवाब दिया। वह एक लंबा- चौड़ा आदमी था जिसका चेहरा बैल जैसा, बल्कि कुछ हद तक मूर्ख सा था।
जैसे ही मैं दरवाजे से बाहर निकला, मैंने देखा कि पोइरोट कागजात सहित डिस्पैच केस को सावधानीपूर्वक बंद कर रहा था।
मेरा दिमाग उथल-पुथल में था, मैं गलियारे को पार करके अपने कमरे में चला गया।

□□□□

अध्याय 4
उस रात जब मैं खाना खाने नीचे गया तो मुझे ऐसा लगा जैसे अचानक से पूरा जीवन ही अवास्तविक हो गया हो।
कपड़े पहनते समय, एक-दो बार मैंने खुद से पूछा था कि क्या पोइरोट ने यह सब कल्पना की थी? आखिर, वह बूढ़ा आदमी अब बूढ़ा हो चुका था और उसकी सेहत भी काफी खराब थी। वह खुद भले ही दावा करे कि उसका दिमाग पहले की तरह ही ठीक है - लेकिन क्या सच में ऐसा था? उसने अपना पूरा जीवन अपराधों की जांच में बिताया था। क्या यह वाकई आश्चर्य की बात होगी अगर अंत में वह उन जगहों पर अपराधों की कल्पना करने लगे जहां कोई अपराध हुआ ही नहीं था? उसकी मजबूरी में की गई निष्क्रियता ने उसे बहुत परेशान किया होगा। इससे ज्यादा संभव क्या हो सकता है कि वह अपने लिए एक नया हत्यारा खोज अभियान शुरू कर दे? मनगढ़ंत कल्पना - एक बिल्कुल तर्कसंगत मानसिक विकार। उसने सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट की गई कई घटनाओं को चुना था, और उनमें कुछ ऐसा ढूंढ निकाला था जो था ही नहीं - उनके पीछे एक रहस्यमय आकृति - एक पागल सामूहिक हत्यारा। पूरी संभावना है कि श्रीमती एथरिंगटन ने सचमुच अपने पति की हत्या की थी, मजदूर ने अपनी पत्नी को गोली मारी थी, एक युवती ने अपनी बूढ़ी चाची को मॉर्फिया की अधिक मात्रा दी थी, एक ईर्ष्यालु पत्नी ने अपने पति को मार डाला था जैसा कि उसने धमकी दी थी, और एक पागल अविवाहित महिला ने सचमुच वह हत्या की थी जिसके लिए उसने बाद में खुद को पुलिस के हवाले कर दिया था। दरअसल, ये अपराध बिल्कुल वैसे ही थे जैसे वे दिख रहे थे!
उस दृष्टिकोण के विपरीत (जो निश्चित रूप से सामान्य ज्ञान पर आधारित है) मैं केवल पोइरोट की बुद्धिमत्ता में अपने अंतर्निहित विश्वास को ही कायम रख सका।

पॉयरॉट ने कहा कि हत्या की योजना बनाई गई थी। स्टाइल्स को दूसरी बार किसी अपराध के लिए पनाह देनी थी।
समय ही इस दावे को साबित या गलत साबित करेगा, लेकिन अगर यह सच है, तो हमें ऐसा होने से पहले ही इसे रोकना चाहिए।
और पोइरोट को हत्यारे की पहचान पता थी, जो मुझे नहीं पता थी। जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचता गया, उतना ही ज़्यादा मुझे गुस्सा आता गया! सच कहूँ तो, पोइरोट की यह सरासर गुस्ताखी थी! वह मेरा सहयोग चाहता था, फिर भी उसने मुझे अपने भरोसे में लेने से इनकार कर दिया!
क्यों? यही कारण था जो उसने बताया - यकीनन बहुत ही अपर्याप्त! मैं अपने "बोलते हुए चेहरे" के बारे में इस बेतुके मज़ाक से तंग आ चुकी थी। मैं किसी से कम नहीं, बल्कि राज़ रख सकती थी। पोइरोट हमेशा से इस अपमानजनक धारणा पर अड़ा रहा है कि मैं एक पारदर्शी चरित्र हूँ और कोई भी मेरे मन की बात पढ़ सकता है। वह कभी-कभी इसे मेरे सुंदर और ईमानदार स्वभाव से जोड़कर बात को नरम करने की कोशिश करता है, जो हर तरह के छल से घृणा करता है! बेशक, मैंने सोचा, अगर यह सब पोइरोट की कल्पना की उपज थी, तो उसकी चुप्पी को आसानी से समझा जा सकता है।
घंटी बजने तक मैं किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा था, और मैं खुले दिमाग से, लेकिन पोइरोट के काल्पनिक X का पता लगाने के लिए सतर्क निगाहों से, रात के खाने के लिए नीचे गया।
फिलहाल मैं पोइरोट की कही हर बात को अक्षरशः सच मान लूँगा। इस छत के नीचे एक ऐसा व्यक्ति था जो पहले ही पाँच हत्याएँ कर चुका था और एक और हत्या करने की तैयारी कर रहा था। वह कौन था?
खाना खाने से पहले ड्राइंग रूम में मेरी मुलाकात मिस कोल और मेजर एलर्टन से हुई। मिस कोल लंबी और बेहद खूबसूरत थीं, जिनकी

उम्र लगभग तैंतीस या चौंतीस वर्ष थी। मेजर एलर्टन मुझे स्वभाव से ही नापसंद थे। वे चालीस की उम्र के आसपास के एक आकर्षक व्यक्ति थे, चौड़े कंधों वाले, सांवले चेहरे वाले, सहज बोलने वाले, और उनकी कही हर बात में दोहरा अर्थ छिपा होता था। उनकी आंखों के नीचे काले घेरे थे, जो अय्याशी भरी जीवनशैली का नतीजा होते हैं। मुझे उन पर गुंडागर्दी करने, जुआ खेलने, शराब पीने और अय्याशी करने का शक था।
मैंने देखा कि बूढ़े कर्नल लुटरेल भी उसे ज़्यादा पसंद नहीं करते थे, और बॉयड कैरिंगटन का व्यवहार भी उसके प्रति कुछ रूखा था। एलर्टन को पार्टी की महिलाओं में काफी दिलचस्पी थी। श्रीमती लुटरेल उससे बड़ी प्रसन्नता से बातें कर रही थीं, जबकि वह आलस्य और लगभग छिपी हुई बदतमीज़ी के साथ उसकी चापलूसी कर रहा था। मुझे यह देखकर भी गुस्सा आया कि जूडिथ भी उसकी संगति का आनंद ले रही थी और उससे बात करने के लिए सामान्य से कहीं ज़्यादा कोशिश कर रही थी। सबसे बुरे किस्म का आदमी हमेशा सबसे अच्छी महिलाओं को भी खुश और आकर्षित क्यों कर लेता है, यह बात मेरी समझ से परे रही है। मुझे सहज रूप से पता था कि एलर्टन एक घटिया आदमी है - और दस में से नौ पुरुष मुझसे सहमत होते। जबकि नौ महिलाएं या शायद सभी दस महिलाएं तुरंत उस पर मोहित हो जातीं। जैसे ही हम खाने की मेज पर बैठे और हमारे सामने सफेद चिपचिपे तरल से भरी प्लेटें रखी गईं, मैंने संभावनाओं का आकलन करते हुए अपनी नजरें मेज के चारों ओर घुमाईं।
अगर पोइरोट सही थे और उनकी सोचने-समझने की क्षमता बरकरार रही, तो इनमें से एक व्यक्ति खतरनाक हत्यारा था - और शायद एक पागल भी।

पोइरोट ने सीधे तौर पर ऐसा नहीं कहा था, लेकिन मैंने अनुमान लगाया कि X संभवतः एक पुरुष था। इनमें से कौन सा पुरुष होने की संभावना थी?
यकीनन ये बूढ़ा कर्नल लुटरेल तो नहीं हो सकता, जो अपनी अनिर्णयता और कमजोरी के लिए जाना जाता था। नॉर्टन, वही आदमी जिससे मैं दूरबीन लेकर घर से भागते हुए मिला था? ये मुमकिन नहीं लग रहा था। वो देखने में तो अच्छा लग रहा था, पर कुछ सुस्त और ऊर्जाहीन सा। मैंने मन ही मन सोचा, बेशक, कई हत्यारे छोटे-मोटे और महत्वहीन लोग होते हैं - इसी वजह से अपराध करके अपनी पहचान बनाते हैं। उन्हें नजरअंदाज किए जाने का बुरा लगता है। नॉर्टन भी शायद इसी तरह का हत्यारा हो। लेकिन पक्षियों के प्रति उसका लगाव तो था ही। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि प्रकृति से प्रेम होना एक अच्छे इंसान की निशानी है।
बॉयड कैरिंगटन? नाम तो बिलकुल ही मुमकिन नहीं। एक ऐसा शख्स जिसका नाम पूरी दुनिया में जाना जाता था। एक बेहतरीन खिलाड़ी, एक कुशल प्रशासक, एक ऐसा व्यक्ति जिसे हर कोई पसंद करता था और सम्मान देता था। मैंने फ्रैंकलिन को भी नामंजूर कर दिया। मैं जानता था कि जूडिथ उनका कितना आदर और सम्मान करती थी।
अब मेजर एलर्टन की बारी थी। मैंने उन्हें गौर से देखा। अगर मैंने कभी किसी बुरे आदमी को देखा है, तो वो यही था! ऐसा आदमी जो अपनी दादी की खाल भी उतार दे। और ये सब उसके दिखावटी आकर्षण के पीछे छिपा हुआ था। अब वो बोलने लगा - अपनी ही हार की कहानी सुना रहा था और अपने ऊपर किए गए एक मजाक पर पछतावे भरी सराहना जताकर सबको हंसा रहा था।
मैंने तय किया कि अगर एलर्टन ही एक्स था, तो उसके अपराध किसी न किसी रूप में लाभ के लिए किए गए थे।

यह सच था कि पोइरोट ने स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा था कि X एक पुरुष है। मैंने मिस कोल को एक संभावना के रूप में माना। उनकी हरकतें बेचैन और अटपटी थीं - स्पष्ट रूप से एक घबराई हुई महिला। उम्रदराज दिखने के बावजूद, वह देखने में काफी सामान्य लग रही थीं। वह, श्रीमती लुटरेल और जूडिथ ही खाने की मेज पर बैठी एकमात्र महिलाएं थीं। श्रीमती फ्रैंकलिन ऊपर अपने कमरे में खाना खा रही थीं, और उनकी देखभाल करने वाली नर्स ने हमारे बाद खाना खाया।
रात के खाने के बाद मैं ड्राइंग रूम की खिड़की के पास खड़ा होकर बगीचे की ओर देख रहा था और उस समय को याद कर रहा था जब मैंने सिंथिया मर्डोक को, भूरे बालों वाली एक युवती को, उस लॉन पर दौड़ते हुए देखा था। सफेद ओवरऑल में वह कितनी प्यारी लग रही थी...
अतीत की यादों में खोया हुआ, मैं चौंक गया जब जूडिथ ने अपना हाथ मेरे हाथ में डाला और मुझे अपने साथ खिड़की से बाहर छत पर खींच लिया।
उसने अचानक कहा, "क्या बात है?"
मैं चौंक गया। “क्या बात है? आपका क्या मतलब है?”
“तुम पूरी शाम से ही अजीब व्यवहार कर रहे हो। रात के खाने के दौरान तुम सबको क्यों घूर रहे थे?”
मुझे गुस्सा आ रहा था। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैंने अपने विचारों को खुद पर इतना हावी होने दिया था।
“क्या मैं ऐसा सोच रहा था? मुझे लगता है मैं अतीत के बारे में सोच रहा था। शायद भूतों को देख रहा था।”
"ओह हाँ, बिल्कुल, जब आप जवान थे तो आप यहाँ रुके थे, है ना? यहाँ एक बूढ़ी औरत की हत्या हुई थी, या कुछ ऐसा ही हुआ था?"

स्ट्राइकिन से जहर दिया गया।
वह कैसी थी? अच्छी थी या बुरी?
मैंने इस प्रश्न पर विचार किया।
मैंने धीरे से कहा, "वह बहुत दयालु महिला थीं। उदार थीं। दान-पुण्य में बहुत कुछ देती थीं।"
"वाह, यह तो बहुत ही उदारता है।"
जूडिथ की आवाज़ में हल्की सी तिरस्कार की भावना थी। फिर उसने एक विचित्र प्रश्न पूछा:
“क्या यहाँ के लोग खुश थे?”
नहीं, वे खुश नहीं थे। कम से कम इतना तो मुझे पता था। मैंने धीरे से कहा:
"नहीं।"
"क्यों नहीं?"
“क्योंकि उन्हें कैदियों जैसा महसूस होता था। आप जानते हैं, श्रीमती इंगलेथॉर्प के पास सारा पैसा था और वह उसे बांटती रहती थीं। उनके सौतेले बच्चों की अपनी कोई जिंदगी नहीं हो सकती थी।” मैंने जूडिथ को गहरी सांस लेते सुना। मेरे हाथ पर उसकी पकड़ और कस गई।
“यह बहुत ही घिनौना है – घोर घिनौना। सत्ता का दुरुपयोग। इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। बूढ़े, बीमार लोगों को युवा और स्वस्थ लोगों के जीवन को प्रभावित करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्हें बांधकर रखना, उन्हें चिंता में रखना, उनकी शक्ति और ऊर्जा को व्यर्थ करना, जिसका उपयोग किया जा सकता था – यह अनुचित है। यह सरासर स्वार्थ है।”
मैंने रूखेपन से कहा, "बूढ़ों का उस गुणवत्ता पर एकाधिकार नहीं है।"

“ओह, मुझे पता है, पिताजी, आपको लगता है कि युवा स्वार्थी होते हैं। शायद हम हैं भी, लेकिन यह एक शुद्ध स्वार्थ है। कम से कम हम केवल वही करना चाहते हैं जो हम खुद चाहते हैं, हम नहीं चाहते कि दूसरे भी वही करें जो हम चाहते हैं, हम दूसरों को गुलाम नहीं बनाना चाहते।”
"नहीं, अगर वे आपके रास्ते में आ जाएं तो आप उन्हें कुचल दो।" जूडिथ ने मेरी बांह दबाई। उसने कहा:
“इतने कड़वे मत बनो! मैं सचमुच किसी को कुचलने का काम नहीं करती
- और तुमने कभी हममें से किसी के जीवन पर हुकुम चलाने की कोशिश नहीं की। हम इसके लिए आभारी हैं।”
मैंने ईमानदारी से कहा, "मुझे अफसोस है कि मैं ऐसा करना चाहता था। तुम्हारी माँ ने ही जोर दिया था कि तुम्हें अपनी गलतियाँ करने की अनुमति मिलनी चाहिए।"
जूडिथ ने मेरी बांह को एक बार फिर हल्के से दबाया। उसने कहा: “मुझे पता है। तुम मुर्गी की तरह हमारी देखभाल करना चाहती थी! मुझे देखभाल करना बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। लेकिन तुम मुझसे सहमत हो ना, कि उपयोगी जिंदगियों को बेकार जिंदगियों के लिए कुर्बान करना ठीक नहीं है?”
मैंने स्वीकार किया, "ऐसा कभी-कभी हो जाता है। लेकिन इसके लिए कोई कड़े कदम उठाने की जरूरत नहीं है... आप जानते हैं, कोई भी व्यक्ति वहां से निकल सकता है।"
“हां, लेकिन क्या सच में ऐसा है? क्या सच में ऐसा है?”
उसकी आवाज़ इतनी उग्र थी कि मैं कुछ हैरानी से उसकी ओर देखने लगा। अंधेरा होने के कारण उसका चेहरा साफ दिखाई नहीं दे रहा था। वह धीमी और परेशान आवाज़ में बोलती रही।

"बहुत कुछ है - यह बहुत मुश्किल है - वित्तीय विचार, जिम्मेदारी की भावना, किसी प्रिय व्यक्ति को ठेस न पहुँचाने की अनिच्छा - ये सब बातें, और कुछ लोग इतने बेईमान होते हैं - वे जानते हैं कि इन सभी भावनाओं का फायदा कैसे उठाना है। कुछ लोग - कुछ लोग जोंक की तरह होते हैं!"
"मेरी प्यारी जूडिथ," मैंने उसकी आवाज़ में व्याप्त क्रोध को देखकर आश्चर्यचकित होकर कहा।
उसे शायद एहसास हो गया था कि वह कुछ ज्यादा ही उग्र हो गई थी, क्योंकि वह हंस पड़ी और उसने अपना हाथ मेरे हाथ से छुड़ा लिया। “क्या मेरी बातें कुछ ज़्यादा ही गंभीर लग रही थीं? ये एक ऐसा मामला है जिस पर मुझे बहुत गुस्सा आता है। देखिए, मैंने एक मामला देखा है... एक बूढ़ी ज़ालिम औरत। और जब किसी ने हिम्मत करके उसके बंधन को तोड़कर उसके चाहने वालों को आज़ाद कराया, तो लोगों ने उसे पागल कह दिया। पागल? ये तो सबसे समझदारी भरा काम था जो कोई कर सकता था - और सबसे बहादुरी भरा भी!”
मेरे मन में एक भयानक शंका उत्पन्न हुई। कुछ समय पहले ही मैंने ऐसा कुछ कहाँ सुना था?
मैंने तीखे स्वर में कहा, "जूडिथ, तुम किस मामले की बात कर रही हो?"
“अरे, आप किसी को नहीं जानते। फ्रैंकलिन परिवार के कुछ दोस्त। एक बूढ़ा आदमी जिसका नाम लिचफील्ड था। वह काफी अमीर था और अपनी बेचारी बेटियों को लगभग भूखा ही रखता था - उन्हें कभी किसी से मिलने या बाहर जाने नहीं देता था। वह सचमुच पागल था, लेकिन चिकित्सकीय दृष्टि से उतना नहीं।”
मैंने कहा, "और सबसे बड़ी बेटी ने उसकी हत्या कर दी।"

“ओह, मुझे लगता है आपने इसके बारे में पढ़ा होगा? मुझे लगता है आप इसे हत्या कहेंगे - लेकिन यह निजी स्वार्थ से प्रेरित नहीं थी। मार्गरेट लिचफील्ड सीधे पुलिस के पास गईं और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। मुझे लगता है वह बहुत बहादुर थीं। मुझमें इतनी हिम्मत नहीं होती।”
“खुद को सौंपने का साहस या हत्या करने का साहस?”
"दोनों।"
मैंने कड़े लहजे में कहा, "यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, और मुझे यह सुनकर अच्छा नहीं लगता कि आप कुछ मामलों में हत्या को जायज़ ठहरा रहे हैं।" मैं थोड़ा रुका और फिर बोला, "डॉ. फ्रैंकलिन का क्या विचार था?"
“मुझे लगा कि उसके साथ यही होना चाहिए था,” जूडिथ ने कहा। “आप जानते हैं, पिताजी, कुछ लोग सचमुच खुद ही अपनी हत्या करवाना चाहते हैं।”
“मैं तुम्हें इस तरह बात नहीं करने दूंगी, जूडिथ। तुम्हारे दिमाग में ये विचार किसने डाले हैं?”
"कोई नहीं।"
"अच्छा, मैं आपको बता दूं कि यह सब सरासर बकवास है।"
“ठीक है। बात यहीं खत्म करते हैं।” वह थोड़ी देर रुकी। “मैं असल में आपको श्रीमती फ्रैंकलिन का संदेश देने आई हूँ। अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो वह आपसे मिलना चाहती हैं, आप उनके शयनकक्ष में आ सकते हैं।”
मुझे बहुत खुशी होगी। मुझे बहुत दुख है कि वह इतनी बीमार थीं कि रात के खाने पर नहीं आ सकीं।
"वह ठीक है," जूडिथ ने भावहीनता से कहा। "उसे बस बेवजह हंगामा करना पसंद है।"

युवा लोग बहुत ही असंवेदनशील होते हैं।

□□□□

अध्याय 5
मैं श्रीमती फ्रैंकलिन से पहले केवल एक बार मिली थी। वह लगभग तीस वर्ष की महिला थीं - जिन्हें मैं मैडोना जैसी कहूँगी। बड़ी- बड़ी भूरी आँखें, बीच से मांग निकाले हुए बाल और एक लंबा, सौम्य चेहरा। वह बहुत दुबली-पतली थीं और उनकी त्वचा में एक पारदर्शी कोमलता थी।
वह एक डे-बेड पर तकियों के सहारे लेटी हुई थी और उसने सफेद और हल्के नीले रंग की एक बहुत ही सुंदर नाइटगाउन पहनी हुई थी। फ्रैंकलिन और बॉयड कैरिंगटन वहां कॉफी पी रहे थे। श्रीमती फ्रैंकलिन ने हाथ बढ़ाकर और मुस्कुराते हुए मेरा स्वागत किया। "कैप्टन हेस्टिंग्स, मुझे बहुत खुशी है कि आप आ गए हैं। जूडिथ के लिए यह बहुत अच्छा होगा। बच्ची ने वाकई बहुत ज्यादा मेहनत की है।"
मैंने उसका नन्हा सा नाजुक हाथ अपने हाथ में लेते हुए कहा, "वह इस पर बहुत अच्छी लग रही है।"
बारबरा फ्रैंकलिन ने आह भरी।
“हाँ, वो बहुत भाग्यशाली है। मुझे उससे ईर्ष्या होती है। मुझे सच में विश्वास नहीं होता कि उसे बीमारी का मतलब भी पता है। नर्स, आपका क्या ख्याल है? ओह! चलिए मैं आपको मिलवाती हूँ। ये हैं नर्स क्रेवन, जो मेरे लिए बहुत ही अच्छी हैं। मुझे नहीं पता उनके बिना मैं क्या करूँगी। वो मुझसे बिल्कुल एक बच्चे की तरह व्यवहार करती हैं।”
नर्स क्रेवन लंबी, सुंदर और आकर्षक युवती थीं, जिनका रंग सांवला था और उनके बाल भूरे और घने थे। मैंने उनके हाथों पर ध्यान दिया, जो लंबे और सफेद थे - अस्पताल की कई नर्सों के हाथों से बिल्कुल

अलग। वह कुछ मामलों में कम बोलने वाली थीं और कभी-कभी जवाब नहीं देती थीं। अभी उन्होंने जवाब नहीं दिया, बस अपना सिर झुका लिया। “लेकिन सच में,” श्रीमती फ्रैंकलिन ने आगे कहा, “जॉन तुम्हारी उस बेचारी लड़की से बहुत ज्यादा काम करवा रहा है। वह तो बिल्कुल गुलामों की तरह काम करवाता है। तुम भी तो गुलामों की तरह काम करवाते हो, है ना, जॉन?”
उसका पति खिड़की से बाहर देख रहा था। वह खुद ही सीटी बजा रहा था और अपनी जेब में पड़े कुछ खुले पैसे खनका रहा था। पत्नी के सवाल पर वह थोड़ा चौंक गया।
“यह क्या है, बारबरा?”
मैं कह रहा था कि आप बेचारी जूडिथ हेस्टिंग्स पर शर्मनाक तरीके से ज़रूरत से ज़्यादा काम का बोझ डाल रहे हैं। अब कैप्टन हेस्टिंग्स यहाँ हैं, हम दोनों मिलकर इस पर विचार करेंगे और इसे होने नहीं देंगे।
डॉ. फ्रैंकलिन की खासियत व्यंग्य करना नहीं थी। वे थोड़े चिंतित दिखे और जूडिथ की ओर प्रश्नवाचक स्वर में मुड़े। उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा:
"अगर मैं हद से ज्यादा कर दूं तो मुझे जरूर बताना।"
जूडिथ ने कहा:
“वे बस मज़ाक करने की कोशिश कर रहे हैं। काम की बात करें तो, मैं आपसे दूसरी स्लाइड के उस दाग के बारे में पूछना चाहता था - आप जानते हैं, वह दाग जो -”
वह उत्सुकता से उसकी ओर मुड़ा और बीच में ही बोल पड़ा।
जी हां। मैं कहती हूं, अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो चलिए प्रयोगशाला चलते हैं। मैं पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहती हूं

- ”

बातें करते हुए वे दोनों साथ-साथ कमरे से बाहर चले गए।
बारबरा फ्रैंकलिन अपने तकियों पर लेट गई। उसने आह भरी। नर्स क्रेवन ने अचानक और कुछ अप्रिय स्वर में कहा:
मुझे लगता है कि मिस हेस्टिंग्स ही असली गुलामों की मालकिन हैं! श्रीमती फ्रैंकलिन ने फिर आह भरी। उन्होंने धीरे से कहा:
“मैं खुद को बहुत ही अक्षम महसूस करती हूँ। मुझे पता है कि मुझे जॉन के काम में और अधिक रुचि लेनी चाहिए, लेकिन मैं ऐसा कर ही नहीं पाती। शायद मुझमें ही कुछ गड़बड़ है, लेकिन...”
चिमनी के पास खड़े बॉयड कैरिंगटन की एक तेज आवाज से उसकी बात बीच में ही रुक गई।
“बकवास है, बैब्स,” उसने कहा। “तुम ठीक हो। चिंता मत करो।”
“ओह, लेकिन प्यारे बिल, मुझे चिंता होती है। मैं खुद को लेकर बहुत निराश हो जाती हूँ। ये सब कुछ—मैं इसे रोक नहीं पाती—ये सब बहुत बुरा लगता है। गिनी पिग, चूहे और सब कुछ। उफ़!” वह सिहर उठी। “मुझे पता है ये बेवकूफी है, लेकिन मैं कितनी मूर्ख हूँ। ये सब देखकर मुझे बहुत बुरा लगता है। मैं बस उन सभी प्यारी और खुशहाल चीजों के बारे में सोचना चाहती हूँ—पक्षी, फूल, और खेलते बच्चे। तुम्हें पता है ना, बिल।”
वह पास आया और उसने विनती भरे लहजे में उसकी ओर बढ़ाए हुए हाथ को थाम लिया। जब उसने उसकी ओर देखा तो उसका चेहरा बदल गया था, किसी भी स्त्री के चेहरे की तरह कोमल। यह किसी तरह प्रभावशाली था - क्योंकि बॉयड कैरिंगटन मूल रूप से एक मर्दाना व्यक्ति था। “बैब्स, तुम सत्रह साल की उम्र से ज़्यादा नहीं बदली हो,” उसने कहा। “क्या तुम्हें अपना वो बगीचे वाला घर, चिड़ियों के नहाने का कुंड और नारियल याद हैं?”
उसने मेरी ओर सिर घुमाया।

उन्होंने कहा, "बारबरा और मैं बचपन के दोस्त हैं।"
“ओह! प्लेमेट्स!” उसने विरोध किया।
“ओह, मैं इस बात से इनकार नहीं कर रहा कि तुम मुझसे पंद्रह साल से भी ज़्यादा छोटी हो। लेकिन जब मैं जवान था, तब मैंने तुम्हारे साथ नन्ही बच्ची की तरह खेला था। तुम्हें गोल्फ़ कूच खिलाया था, मेरी प्यारी। और फिर बाद में, जब मैं घर लौटा तो तुम्हें एक खूबसूरत युवती के रूप में पाया - दुनिया में अपना पहला कदम रखने ही वाली थी - और मैंने तुम्हें गोल्फ़ के मैदान में ले जाकर और गोल्फ़ खेलना सिखाकर अपना फर्ज निभाया। क्या तुम्हें याद है?”
"अरे बिल, क्या तुम्हें लगता है कि मैं भूल जाऊंगी?"
उन्होंने मुझे समझाया, “मेरे लोग पहले दुनिया के इस हिस्से में रहते थे। और बिल अपने बूढ़े चाचा सर एवरार्ड के साथ नैटन में रहने आया करता था।”
“और यह कैसा विशाल स्मारक था - और आज भी है,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “कभी-कभी मुझे इस जगह को रहने लायक बनाने की उम्मीद ही नहीं रहती।”
"ओह, बिल, इसे शानदार बनाया जा सकता है - सचमुच शानदार!"
“हां, बैब्स, लेकिन दिक्कत ये है कि मेरे पास कोई उपाय नहीं है। बाथटब और कुछ आरामदायक कुर्सियाँ – बस यही मेरे दिमाग में आ रहा है। इसके लिए एक महिला की ज़रूरत है।”
मैंने तुमसे कहा था कि मैं आकर तुम्हारी मदद करूंगा। मेरा मतलब यही है। सचमुच।
सर विलियम ने संदेह भरी नजरों से नर्स क्रेवन की ओर देखा।
"अगर आपमें हिम्मत है तो मैं आपको गाड़ी से यहाँ तक ले जा सकता हूँ। नर्स, आपका क्या ख्याल है?"

"जी हां, सर विलियम। मुझे सच में लगता है कि इससे श्रीमती फ्रैंकलिन को फायदा होगा - बशर्ते वह खुद को ज्यादा थकाने से बचें।"
“तो फिर, तारीख तय हो गई,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “अब आप चैन की नींद सोइए। कल के लिए अच्छे से तैयार हो जाइए।”
हम दोनों ने श्रीमती फ्रैंकलिन को "शुभ रात्रि" कहा और साथ में बाहर चले गए। जैसे ही हम सीढ़ियों से नीचे उतरे, बॉयड कैरिंगटन ने कर्कश स्वर में कहा:
“आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि सत्रह साल की उम्र में वह कितनी प्यारी थी। मैं बर्मा से घर लौटा था - मेरी पत्नी वहीं मर गई थी, आप जानते ही हैं। मैं आपको बता दूं कि मैं उस पर पूरी तरह फिदा हो गया था। उसने तीन-चार साल बाद फ्रैंकलिन से शादी कर ली। मुझे नहीं लगता कि उनकी शादी खुशहाल रही। मेरा मानना है कि यही उसकी खराब सेहत की जड़ है। वह उसे समझ नहीं पाता और न ही उसकी कद्र करता है। और वह बहुत संवेदनशील स्वभाव की है। मुझे लगता है कि उसकी यह कोमलता कुछ हद तक घबराहट की वजह से है। उसे उसकी असलियत से बाहर निकालो, उसका मनोरंजन करो, उसकी रुचि जगाओ, और वह बिल्कुल अलग इंसान बन जाती है! लेकिन वह सनकी डॉक्टर सिर्फ टेस्ट ट्यूब और पश्चिम अफ्रीकी मूल निवासियों और उनकी संस्कृतियों में ही दिलचस्पी रखता है।”
उसने गुस्से से नाक सिकोड़ी।
मुझे लगा कि शायद उसकी बातों में कुछ सच्चाई थी। फिर भी मुझे आश्चर्य हुआ कि बॉयड कैरिंगटन श्रीमती फ्रैंकलिन की ओर आकर्षित क्यों हुए, जो देखने में तो एक कमज़ोर और नाजुक महिला थीं, लेकिन खूबसूरती के मामले में थोड़ी बीमार थीं। लेकिन बॉयड कैरिंगटन खुद इतने ऊर्जावान और जीवंत थे कि मुझे लगा था कि वे

इस तरह की मानसिक रूप से बीमार महिला से बस चिढ़ जाएंगे। हालांकि, बारबरा फ्रैंकलिन बचपन में बहुत प्यारी रही होंगी, और कई पुरुषों के साथ, खासकर आदर्शवादी स्वभाव के पुरुषों के साथ, जैसा कि मैंने बॉयड कैरिंगटन को समझा, शुरुआती छाप आसानी से नहीं मिटती।
नीचे श्रीमती लुटरेल हम पर झपट पड़ीं और ब्रिज खेलने का सुझाव दिया। मैंने पोइरोट के साथ शामिल होने की इच्छा का बहाना बनाकर जाने की बात टाल दी।
मैंने अपने दोस्त को बिस्तर पर पाया। कर्टिस कमरे में इधर-उधर घूमकर सफाई कर रहा था, लेकिन थोड़ी देर बाद वह दरवाजा बंद करके बाहर चला गया।
“पोइरोट, तुम पर लानत है,” मैंने कहा। “तुम्हारी ये आदत है कि तुम हमेशा अपनी बातें छुपाकर रखते हो। मैंने पूरी शाम X को ढूंढने में बिता दी।”
“इससे तुम कुछ विचलित जरूर हो गए होगे,” मेरे दोस्त ने कहा। “क्या किसी ने तुम्हारी इस तल्लीनता पर टिप्पणी नहीं की और तुमसे नहीं पूछा कि क्या बात है?”
जूडिथ के सवालों को याद करके मेरा चेहरा थोड़ा लाल हो गया। मुझे लगता है कि पोइरोट ने मेरी बेचैनी को भांप लिया था। मैंने उनके होठों पर एक हल्की सी शरारती मुस्कान देखी। लेकिन उन्होंने बस इतना ही कहा:
और इस मुद्दे पर आप किस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं?
"क्या आप मुझे बताएंगे कि मैं सही था या नहीं?"
"हरगिज नहीं।"
मैंने उसके चेहरे को ध्यान से देखा।
मैंने नॉर्टन के बारे में सोचा था -”

पोइरोट के चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला।
मैंने कहा, "ऐसा नहीं है कि मेरे पास कोई ठोस सबूत है। मुझे बस लगा कि वह शायद बाकी लोगों की तुलना में कम संदिग्ध है। और फिर वह - खैर - गुमनाम है। मुझे लगता है कि जिस तरह के हत्यारे की हम तलाश कर रहे हैं, उसे गुमनाम ही रहना होगा।"
“यह सच है। लेकिन छिपने के और भी कई तरीके हैं जिनके बारे में आप सोचते भी नहीं हैं।”
"आपका क्या मतलब है?"
“मान लीजिए, एक काल्पनिक स्थिति में, यदि हत्या से कुछ सप्ताह पहले कोई संदिग्ध अजनबी बिना किसी स्पष्ट कारण के वहाँ आ जाता है, तो वह ध्यान आकर्षित करेगा। क्या यह बेहतर नहीं होगा यदि वह अजनबी एक नगण्य व्यक्ति हो, जो मछली पकड़ने जैसे किसी हानिरहित खेल में व्यस्त हो?”
“या फिर पक्षियों को देखना,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “हाँ, लेकिन मैं भी तो यही कह रहा था।”
“दूसरी ओर,” पोइरोट ने कहा, “यह और भी बेहतर हो सकता है यदि हत्यारा पहले से ही एक प्रमुख व्यक्ति हो – यानी, वह कसाई हो। इसका एक अतिरिक्त लाभ यह होगा कि कसाई पर खून के धब्बे किसी का ध्यान नहीं जाता!”
“तुम सरासर बेतुकी बातें कर रहे हो। अगर कसाई और बेकर के बीच झगड़ा हुआ होता तो सबको पता चल जाता।”
“ऐसा तब नहीं होगा जब कसाई सिर्फ बेकर की हत्या करने का मौका पाने के लिए कसाई बना हो। मेरे दोस्त, हमेशा एक कदम पीछे देखना चाहिए।”
मैंने उसे गौर से देखा, यह समझने की कोशिश करते हुए कि क्या उन शब्दों में कोई छिपा हुआ संकेत है। अगर उनका कोई निश्चित अर्थ

था, तो वे कर्नल लुटरेल की ओर इशारा करते प्रतीत होते थे। क्या उसने जानबूझकर किसी मेहमान की हत्या करने के अवसर के लिए गेस्ट हाउस खोला था?
पोइरोट ने बहुत धीरे से अपना सिर हिलाया। उन्होंने कहा:
"आपको इसका जवाब मेरे चेहरे से नहीं मिलेगा।"
“पोइरोट, तुम सचमुच पागल कर देने वाले आदमी हो,” मैंने आह भरते हुए कहा। “खैर, नॉर्टन ही मेरा एकमात्र संदिग्ध नहीं है। इस एलर्टन के बारे में क्या ख्याल है?”
पोइरोट ने, अपने चेहरे पर अभी भी भावहीनता लिए, पूछा:
"आप उसे पसंद नहीं करते?"
नहीं, मैं नहीं करता।
“अहा। जिसे आप घटिया सामान कहते हैं। सही कहा ना?”
“बिल्कुल। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
“बिल्कुल। वह एक ऐसा पुरुष है,” पोइरोट ने धीरे से कहा, “जो महिलाओं को बहुत आकर्षित करता है।”
मैंने तिरस्कार भरी आवाज निकाली।
“औरतें इतनी मूर्ख कैसे हो सकती हैं? उन्हें ऐसे आदमी में क्या दिखता है?”
“कौन कह सकता है? लेकिन ऐसा हमेशा होता है। महिलाएं हमेशा उसकी ओर आकर्षित होती हैं।”
"लेकिन क्यों?"
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
"हो सकता है कि वे कुछ ऐसा देख रहे हों जो हम नहीं देख पा रहे हों।"
"क्या पर?"

“खतरा, शायद... मेरे दोस्त, हर कोई अपने जीवन में थोड़ा-बहुत खतरा चाहता है। कुछ लोग इसे अप्रत्यक्ष रूप से पाते हैं - जैसे कि सांडों की लड़ाई में। कुछ लोग इसके बारे में पढ़ते हैं। कुछ लोग इसे सिनेमा में पाते हैं। लेकिन मुझे इस बात का पूरा यकीन है - अत्यधिक सुरक्षा इंसान के स्वभाव के विपरीत है। पुरुष कई तरीकों से खतरा ढूंढते हैं - महिलाएं अपना खतरा ज्यादातर यौन संबंधों में ही ढूंढती हैं। शायद इसीलिए वे बाघ की झलक - उसके म्यान में छिपे पंजे - उसकी धोखेबाज़ छलांग का स्वागत करती हैं। वह बेहतरीन पुरुष जो एक अच्छा और दयालु पति बन सकता है - उसे वे नज़रअंदाज़ कर देती हैं।”
मैंने कुछ मिनटों तक चुपचाप उदास मन से इस पर विचार किया। फिर मैं पिछले विषय पर लौट आया।
“आप जानते हैं, पोइरोट,” मैंने कहा। “मेरे लिए यह पता लगाना काफी आसान होगा कि X कौन है। मुझे बस छानबीन करनी है और यह पता लगाना है कि कौन-कौन उन सभी लोगों से परिचित था। मेरा मतलब है, आपके पांचों मामलों से जुड़े लोग।”
मैंने इसे विजयी भाव से प्रकट किया, लेकिन पोइरोट ने मुझे केवल तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
"हेस्टिंग्स, मैंने यहाँ आपकी उपस्थिति इसलिए नहीं माँगी है कि मैं आपको उसी रास्ते पर अनाड़ीपन और मेहनत से चलते हुए देखूँ जिस पर मैं पहले ही चल चुका हूँ। और मैं आपको बता दूँ कि यह उतना आसान नहीं है जितना आप सोचते हैं। इनमें से चार मामले इसी काउंटी में हुए थे। इस छत के नीचे इकट्ठा हुए लोग अजनबी नहीं हैं जो यहाँ स्वतंत्र रूप से आए हैं। यह आम तौर पर इस्तेमाल होने वाला होटल नहीं है। लुटरेल परिवार इसी क्षेत्र से आया है; उनकी आर्थिक स्थिति खराब थी और उन्होंने यह जगह खरीदी और इसे एक

उद्यम के रूप में शुरू किया। यहाँ आने वाले लोग उनके दोस्त हैं, या उनके दोस्तों द्वारा सुझाए गए दोस्त हैं। सर विलियम ने फ्रैंकलिन परिवार को आने के लिए राजी किया। उन्होंने बदले में नॉर्टन को सुझाव दिया, और मुझे लगता है कि मिस कोल को भी - और इसी तरह आगे भी। कहने का तात्पर्य यह है कि इस बात की काफी संभावना है कि इनमें से किसी एक व्यक्ति को जानने वाला कोई व्यक्ति इन सभी लोगों को जानता हो। साथ ही, X के लिए यह भी संभव है कि वह जहाँ भी तथ्य सबसे अच्छी तरह से ज्ञात हों, वहाँ लोगों को लुभाए। मजदूर रिग्स का मामला लीजिए। जिस गाँव में वह त्रासदी हुई, वह बॉयड के घर से ज्यादा दूर नहीं है।" कैरिंगटन के चाचा। श्रीमती फ्रैंकलिन के परिवार वाले भी पास में ही रहते थे। गाँव का सराय पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। श्रीमती फ्रैंकलिन के परिवार के कुछ दोस्त वहाँ ठहरते थे। फ्रैंकलिन स्वयं भी वहाँ रह चुके हैं। नॉर्टन और मिस कोल भी शायद वहाँ ठहरे होंगे और संभवतः ठहरे भी होंगे।
“नहीं, नहीं, मेरे दोस्त। मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप उस रहस्य को सुलझाने के ये भद्दे प्रयास न करें जिसे मैं आपको बताना नहीं चाहता।”
“ये तो सरासर बेवकूफी है। जैसे कि मैं इसे आसानी से बता दूँगी। सुनो, पोइरोट, मैं अपने बोलने के तरीके पर होने वाले इन चुटकुलों से तंग आ चुकी हूँ। ये बिल्कुल भी मजेदार नहीं हैं।” पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा:
क्या आपको इतना यकीन है कि यही एकमात्र कारण है? क्या आपको यह एहसास नहीं है, मेरे मित्र, कि ऐसा ज्ञान खतरनाक हो सकता है? क्या आप नहीं देखते कि मैं आपकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं?

मैं उसे अवाक होकर देखता रहा। उस पल तक मैंने इस मामले के इस पहलू को नहीं समझा था। लेकिन यह बिल्कुल सच था। अगर एक चालाक और शातिर हत्यारा, जो पहले ही पाँच अपराधों को अंजाम देकर बच निकला था - जैसा कि उसने सोचा था कि किसी को शक नहीं हुआ - एक बार यह जान जाए कि कोई उसका पीछा कर रहा है, तो वाकई उसका पीछा करने वालों के लिए खतरा पैदा हो जाएगा।
मैंने तीखे स्वर में कहा:
"लेकिन फिर तो आप खुद खतरे में हैं, पोइरोट?"
पोइरोट ने अपनी अपंग अवस्था में जितना संभव हो सका, उतना ही तिरस्कार का भाव व्यक्त किया।
मुझे इसकी आदत है; मैं अपनी रक्षा कर सकता हूँ। और देखो, क्या मेरे पास मेरी रक्षा के लिए मेरा वफादार कुत्ता भी नहीं है? मेरा उत्कृष्ट और वफादार हेस्टिंग्स!

□□□□

अध्याय 6
पोइरोट को सुबह जल्दी उठना था। इसलिए मैंने उन्हें सोने के लिए छोड़ दिया और नीचे चला गया, रास्ते में अटेंडेंट कर्टिस से कुछ देर बात करने के लिए रुका।
मैंने उन्हें एक गंभीर स्वभाव का व्यक्ति पाया, जो बातों को समझने में धीमे थे, लेकिन भरोसेमंद और सक्षम थे। वे पोइरोट के मिस्र से लौटने के बाद से ही उनके साथ थे। उन्होंने मुझे बताया कि उनके मालिक का स्वास्थ्य काफी अच्छा था, लेकिन उन्हें कभी- कभी दिल का दौरा पड़ता था और पिछले कुछ महीनों में उनका दिल काफी कमजोर हो गया था। यह एक तरह से शरीर के धीरे-धीरे खराब होने जैसा था।
खैर, क्या ही कहें, जीवन कितना अच्छा रहा! फिर भी, मेरे पुराने दोस्त के लिए मेरा दिल दुख से भरा हुआ था, जो पतन के हर कदम पर बहादुरी से लड़ रहा था। अपंग और कमजोर होने के बावजूद, उसका अदम्य साहस उसे उस काम को जारी रखने के लिए प्रेरित कर रहा था जिसमें वह माहिर था।
मैं उदास मन से नीचे उतरी। मैं पोइरोट के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती थी...
ड्राइंग रूम में रबर पेंटिंग का काम खत्म हो रहा था, और मुझे उसमें हिस्सा लेने के लिए बुलाया गया। मैंने सोचा कि इससे मेरा ध्यान बँट जाएगा, इसलिए मैंने हाँ कर दी। बॉयड कैरिंगटन ने पेंटिंग का काम खत्म किया, और मैं नॉर्टन, कर्नल और श्रीमती लुटरेल के साथ बैठ गया।
“अब आप क्या कहते हैं, श्रीमान नॉर्टन?” श्रीमती लुटरेल ने कहा। “क्या हम दोनों बाकी दो लोगों की जिम्मेदारी लें? हमारी पिछली साझेदारी बहुत सफल रही है।”

नॉर्टन ने सुखद मुस्कान के साथ धीरे से कहा, "शायद, वास्तव में, उन्हें क्या काटना चाहिए?"
श्रीमती लुटरेल ने सहमति तो दे दी, लेकिन मुझे लगा कि उन्होंने कुछ अरुचि से ऐसा किया।
नॉर्टन और मैं लुटरेल परिवार के खिलाफ एक साथ आगे बढ़े। मैंने देखा कि श्रीमती लुटरेल इससे बहुत नाराज़ थीं। उन्होंने अपने होंठ काटे, और उनका आकर्षण और आयरिश लहजा उस पल के लिए पूरी तरह गायब हो गया।
मुझे जल्द ही इसका कारण पता चल गया। मैंने कर्नल लुटरेल के साथ कई बार खेला, और वे वास्तव में इतने बुरे खिलाड़ी नहीं थे। मैं उन्हें एक औसत दर्जे का खिलाड़ी कहूंगा, लेकिन वे भूलने की आदत रखते थे। कभी-कभी इसी वजह से वे कोई बड़ी गलती कर बैठते थे। लेकिन अपनी पत्नी के साथ खेलते हुए, वे लगातार गलतियाँ करते रहे। जाहिर है, वे अपनी पत्नी से घबराते थे, और इसी वजह से वे सामान्य से लगभग तीन गुना खराब खेलते थे। श्रीमती लुटरेल खुद एक बहुत अच्छी खिलाड़ी थीं, हालांकि उनके साथ खेलना थोड़ा अप्रिय था। वे हर संभव फायदा उठाती थीं, अगर उनके प्रतिद्वंद्वी को नियमों की जानकारी नहीं होती थी तो वे उन्हें नजरअंदाज कर देती थीं, और जब भी उन्हें फायदा होता था तो वे तुरंत नियमों का पालन करवाती थीं। वे अपने प्रतिद्वंद्वी के हाथ में मौजूद पत्तों को झटपट देखने में भी माहिर थीं। दूसरे शब्दों में, वे सिर्फ जीतने के लिए खेलती थीं।
और मुझे जल्द ही समझ आ गया कि पोइरोट का सिरके से क्या मतलब था। ताश खेलते समय उसका संयम टूट जाता था और वह अपने पति की हर गलती पर तीखी टिप्पणी करती थी। यह नॉर्टन और मेरे दोनों के लिए बेहद असहज था, और जब यह खेल खत्म हुआ तो मुझे राहत मिली।

हम दोनों ने देर रात होने के कारण एक और गेम खेलने से मना कर दिया।
जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, नॉर्टन ने कुछ हद तक लापरवाही से अपनी भावनाओं को व्यक्त कर दिया।
“हेस्टिंग्स, ये तो बहुत ही भयानक था। उस बेचारे को इस तरह धमकाते हुए देखकर मुझे बहुत गुस्सा आता है। और वो इसे कितनी शांति से सहता है! बेचारा। उसमें उस तेज-तर्रार भारतीय कर्नल की कोई झलक नहीं है।”
"चुप रहो," मैंने चेतावनी दी, क्योंकि नॉर्टन की आवाज ऊंची हो गई थी और मुझे डर था कि बूढ़ा कर्नल लुटरेल सुन लेगा।
नहीं, लेकिन यह बहुत बुरा है।
मैंने भावुक होकर कहा:
"अगर वह कभी उस पर कुल्हाड़ी चलाएगा तो मैं इसे समझ जाऊंगा।" नॉर्टन ने अपना सिर हिलाया।
“वो नहीं करेगा। लोहे का साया उसकी आत्मा में समा चुका है। वो यही कहता रहेगा, ‘हाँ, मेरी जान, नहीं, मेरी जान, माफ़ करना, मेरी जान,’ अपनी मूंछें खींचते हुए और दबे स्वर में मिमियाते हुए, जब तक कि उसे उसके ताबूत में न डाल दिया जाए। वो कोशिश करने पर भी खुद को साबित नहीं कर पाएगा!”
मैंने दुख से अपना सिर हिलाया, क्योंकि मुझे डर था कि नॉर्टन सही कह रहा था।
हम हॉल में रुके और मैंने देखा कि बगीचे की ओर जाने वाला बगल का दरवाजा खुला था और हवा अंदर आ रही थी।
मैंने पूछा, "क्या हमें इसे बंद कर देना चाहिए?"
नॉर्टन ने बोलने से पहले एक मिनट तक हिचकिचाया:
"अच्छा - उह - मुझे नहीं लगता कि अभी तक सभी लोग शामिल हुए हैं।"

अचानक मेरे मन में एक संदेह पैदा हो गया।
कौन-कौन बाहर है?
"मुझे लगता है आपकी बेटी - और - एर - एलर्टन।"
उसने अपनी आवाज को बेहद अनौपचारिक बनाने की कोशिश की, लेकिन पोइरोट के साथ मेरी बातचीत के बाद मिली जानकारी ने मुझे अचानक बेचैन कर दिया।
जूडिथ - और एलर्टन। यकीनन जूडिथ, मेरी चतुर, शांत जूडिथ, उस तरह के आदमी के झांसे में नहीं आएगी? यकीनन वह उसे पहचान लेगी? कपड़े उतारते हुए मैंने बार-बार खुद से यही कहा, लेकिन वह अस्पष्ट बेचैनी बनी रही। मुझे नींद नहीं आ रही थी और मैं करवटें बदलती रही।
रात के तनावों में अक्सर ऐसा ही होता है, हर बात अतिशयोक्तिपूर्ण लगने लगती है। निराशा और हानि का एक नया एहसास मुझ पर छा गया। काश मेरी प्यारी पत्नी जीवित होती। वह जिसके विवेकपूर्ण निर्णय पर मैंने इतने वर्षों तक भरोसा किया था। वह हमेशा बच्चों के मामले में समझदार और संवेदनशील रही थी।
उसके बिना, मैं खुद को बेहद अक्षम महसूस कर रहा था। उनकी सुरक्षा और खुशी की ज़िम्मेदारी मेरी थी। क्या मैं इस कार्य को पूरा कर पाऊंगा? भगवान मेरी मदद करे, मैं कोई होशियार आदमी नहीं था। मैंने गलतियाँ कीं। अगर जूडिथ अपनी खुशियों के मौके बर्बाद कर देती, अगर उसे कष्ट सहना पड़ता -
मैंने हताशा में लाइट जलाई और उठकर बैठ गया।
इस तरह जीना ठीक नहीं था। मुझे सोना ही होगा। बिस्तर से उठकर मैं वॉशबेसिन के पास गया और एस्पिरिन की गोलियों की बोतल को संदेह भरी नजरों से देखा।

नहीं, मुझे एस्पिरिन से ज़्यादा असरदार दवा चाहिए थी। मैंने सोचा कि पोइरोट के पास शायद कोई नींद की दवा होगी। मैं गलियारे से होते हुए उनके कमरे में गया और दरवाज़े के बाहर एक मिनट तक हिचकिचाता रहा। बूढ़े आदमी को जगाना ठीक नहीं था।
जब मैं हिचकिचा रहा था, तभी मुझे कदमों की आहट सुनाई दी और मैंने पीछे मुड़कर देखा। एलर्टन गलियारे में मेरी ओर आ रहा था। वहाँ हल्की रोशनी थी और जब तक वह पास नहीं आया, मैं उसका चेहरा नहीं देख पाया और एक पल के लिए सोच में पड़ गया कि वह कौन है। फिर मैंने देखा और एकदम सुन्न पड़ गया। क्योंकि वह आदमी मन ही मन मुस्कुरा रहा था, और मुझे वह मुस्कान बिल्कुल पसंद नहीं आई। उसने ऊपर देखा और अपनी भौहें उठाईं।
"हेलो, हेस्टिंग्स, अभी भी यहीं हो?"
मैंने संक्षेप में कहा, "मुझे नींद नहीं आ रही थी।"
“बस इतना ही? मैं जल्द ही तुम्हारा काम तमाम कर दूंगा। मेरे साथ आओ।”
मैं उसके कमरे में उसके पीछे-पीछे गया, जो मेरे कमरे के ठीक बगल में था। एक अजीब सी जिज्ञासा ने मुझे उस आदमी को जितना हो सके करीब से जानने के लिए प्रेरित किया।
मैंने कहा, "आप खुद भी देर रात तक जागते हैं।"
“मैं कभी भी जल्दी सोने वालों में से नहीं रहा हूँ। खासकर जब विदेश में खेल चल रहा हो। ये खूबसूरत शामें यूं ही बर्बाद करने के लिए नहीं बनी हैं।”
वह हँसा - और मुझे उसकी हँसी पसंद नहीं आई।
मैं उसके पीछे-पीछे बाथरूम में गया। उसने एक छोटी सी अलमारी खोली और उसमें से गोलियों की एक बोतल निकाली।

ये लीजिए। ये है असली कमाल की चीज़। आप गहरी नींद सोएंगे और मीठे सपने भी देखेंगे। कमाल की चीज़ है स्लंबरील - यही इसका पेटेंट नाम है।
उसकी आवाज़ में उत्साह देखकर मुझे थोड़ा झटका लगा। क्या वह भी नशा करता था? मैंने संदेह से कहा:
“क्या यह खतरनाक नहीं है?”
“अगर आप इसकी बहुत अधिक मात्रा लेते हैं तो ऐसा होता है। यह बार्बिट्यूरेट्स में से एक है - जिसकी विषाक्त खुराक प्रभावी खुराक के बहुत करीब होती है।” वह मुस्कुराया, उसके होंठों के कोने अप्रिय ढंग से उसके चेहरे पर ऊपर की ओर सरक गए।
मैंने कहा, "मुझे नहीं सोचना चाहिए था कि इसे डॉक्टर के पर्चे के बिना प्राप्त किया जा सकता है।"
“तुम नहीं कर सकते, यार। वैसे, सचमुच में, तुम नहीं कर सकते। उस क्षेत्र में मेरा दबदबा है।”
मुझे लगता है यह मेरी मूर्खता थी, लेकिन मुझे कभी-कभी ऐसी भावनाएं आ जाती हैं। मैंने कहा:
"मुझे लगता है कि आप एथरिंगटन को जानते थे?"
मुझे तुरंत एहसास हो गया कि मैंने कुछ असरदार बात कह दी है। उसकी आँखें सख्त और सतर्क हो गईं। उसने कहा - और उसकी आवाज़ बदल गई थी - यह धीमी और बनावटी थी:
“ओह हाँ - मैं एथरिंगटन को जानता था। बेचारा।” फिर, क्योंकि मैं कुछ नहीं बोला, वह आगे बोला: “एथरिंगटन ड्रग्स लेता था, बेशक - लेकिन उसने हद से ज़्यादा ले लिया था। किसी को पता होना चाहिए कि कब रुकना है। वह नहीं रुका। बहुत बुरा हुआ। उसकी पत्नी खुशकिस्मत थी। अगर जूरी की सहानुभूति उसके साथ न होती, तो उसे फांसी हो जाती।”

उसने मुझे कुछ गोलियां थमा दीं। फिर उसने लापरवाही से कहा: क्या आप एथरिंगटन को अच्छी तरह जानते थे?
मैंने सच ही जवाब दिया।
"नहीं।"
एक पल के लिए वह असमंजस में पड़ गया कि आगे क्या करे। फिर उसने हल्की हंसी के साथ उसे बंद कर दिया:
"मज़ेदार इंसान था। बिल्कुल संडे स्कूल जाने लायक तो नहीं था, लेकिन कभी-कभी उसकी संगत अच्छी लगती थी।"
मैंने गोलियों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और अपने कमरे में वापस चला गया।
जब मैं दोबारा लेट गया और लाइट बंद कर दी, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैं मूर्ख था।
मुझे यह बात बहुत दृढ़ता से महसूस हुई कि एलर्टन लगभग निश्चित रूप से एक्स ही था। और मैंने उसे यह बात स्पष्ट कर दी थी कि मुझे इस बात का संदेह था।

□□□□

अध्याय 7
स्टाइल्स में बिताए दिनों का मेरा वर्णन कुछ हद तक बिखरा हुआ सा होगा। मेरी स्मृति में, यह मेरे सामने संवादों की एक श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत होता है - उन अर्थपूर्ण शब्दों और वाक्यांशों की श्रृंखला के रूप में जो मेरी चेतना में अंकित हो गए।
सबसे पहले, और बहुत शुरुआत में ही, मुझे हरक्यूल पोइरोट की दुर्बलता और लाचारी का एहसास हुआ। जैसा कि उन्होंने कहा था, मुझे विश्वास था कि उनका दिमाग अभी भी पहले की तरह ही तेज गति से काम कर रहा है, लेकिन शारीरिक रूप से वे इतने कमजोर हो चुके थे कि मुझे तुरंत समझ आ गया कि मेरी भूमिका सामान्य से कहीं अधिक सक्रिय होने वाली है। मुझे मानो पोइरोट की आंखें और कान बनना था।
यह सच है कि हर सुहावने दिन कर्टिस अपने मालिक को उठाकर सावधानीपूर्वक नीचे ले जाता, जहाँ उनकी कुर्सी पहले से ही नीचे रखी होती और उनका इंतज़ार कर रही होती। फिर वह पोइरोट को बगीचे में ले जाता और ठंडी हवा से सुरक्षित कोई जगह चुनता। अन्य दिनों में, जब मौसम अनुकूल नहीं होता था, तो उन्हें ड्राइंग रूम में ले जाया जाता था।
वह जहाँ भी होते, कोई न कोई आकर उनके पास बैठ जाता और बातें करता, लेकिन यह वैसा नहीं था जैसा कि पोइरोट अपने लिए किसी एक व्यक्ति को चुनकर उससे बातचीत कर सकते थे। अब वह अपनी इच्छानुसार किसी एक व्यक्ति को चुनकर बात नहीं कर सकते थे।
मेरे आगमन के अगले दिन फ्रैंकलिन मुझे बगीचे में स्थित एक पुराने स्टूडियो में ले गया, जिसे वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए अव्यवस्थित ढंग से तैयार किया गया था।

मैं अभी और यहीं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि मेरे पास स्वयं वैज्ञानिक सोच नहीं है। डॉ. फ्रैंकलिन के कार्यों का वर्णन करते समय, मैं संभवतः सभी गलत शब्दों का प्रयोग करूँगा और ऐसे मामलों में उचित रूप से शिक्षित लोगों की आलोचना का पात्र बनूँगा।
जहां तक मैं, एक साधारण व्यक्ति, समझ पाया, फ्रैंकलिन कैलाबार बीन (फाइसोस्टिग्मा वेनेनोसम) से प्राप्त विभिन्न एल्कलॉइडों पर प्रयोग कर रहे थे। फ्रैंकलिन और पोइरोट के बीच एक दिन हुई बातचीत के बाद मुझे और अधिक समझ आया। जूडिथ, जिसने मुझे समझाने की कोशिश की, हमेशा की तरह उत्साही युवाओं की तरह, लगभग असंभव रूप से तकनीकी थी। उसने विद्वतापूर्ण ढंग से फाइसोस्टिग्माइन, एसेरीन, फाइसोवेनिन और जेनेसेरीन जैसे एल्कलॉइडों का जिक्र किया, और फिर एक बेहद जटिल लगने वाले पदार्थ, प्रोस्टिग्मिन या 3-हाइड्रॉक्सीफेनिल ट्राइमिथाइल लैमोनम के डेमिथाइलकार्बोनिक एस्टर आदि के बारे में बताया, और भी बहुत कुछ, जो ऐसा प्रतीत हुआ कि एक ही चीज थी, बस उसे बनाने का तरीका अलग था! यह सब मेरे लिए बिल्कुल समझ से परे था, और मैंने जूडिथ से यह पूछकर उसे चिढ़ा दिया कि इससे मानव जाति को क्या लाभ होने वाला है? एक सच्चे वैज्ञानिक को इससे ज्यादा परेशान करने वाला कोई सवाल नहीं होता। जूडिथ ने तुरंत मुझे तिरस्कार भरी नज़र से देखा और एक और लंबी-चौड़ी और विद्वतापूर्ण व्याख्या शुरू कर दी। मुझे समझ आया कि इसका सार यह था कि पश्चिम अफ़्रीका के कुछ अज्ञात मूल निवासियों ने एक अज्ञात, लेकिन घातक बीमारी के प्रति उल्लेखनीय प्रतिरोधक क्षमता दिखाई थी - जिसे, जहाँ तक मुझे याद है, जॉर्डनाइटिस कहा जाता था - और इस बीमारी का पता सबसे पहले उत्साही डॉ. जॉर्डन ने लगाया था। यह एक अत्यंत दुर्लभ

उष्णकटिबंधीय बीमारी थी, जो एक-दो बार श्वेत लोगों को भी हुई थी और जिसके घातक परिणाम हुए थे।
मैंने यह कहकर जूडिथ के क्रोध को भड़काने का जोखिम उठाया कि खसरा के दुष्प्रभावों को कम करने वाली कोई दवा खोजना अधिक समझदारी भरा कदम होगा! दया और तिरस्कार के भाव से जूडिथ ने मुझे स्पष्ट कर दिया कि मानव जाति का कल्याण नहीं, बल्कि मानव ज्ञान का विस्तार ही एकमात्र ऐसा लक्ष्य है जो प्राप्त करने योग्य है।
मैंने माइक्रोस्कोप से कुछ स्लाइड देखीं, पश्चिम अफ्रीकी मूल निवासियों की कुछ तस्वीरें देखीं (वास्तव में काफी मनोरंजक!), पिंजरे में एक सुस्त चूहे पर मेरी नजर पड़ी और मैं जल्दी से बाहर हवा में निकल गया।
जैसा कि मैंने कहा, मेरी जो भी रुचि थी, वह फ्रैंकलिन और पोइरोट की बातचीत से ही जागृत हुई।
उसने कहा:
"पता है, पोइरोट, ये चीज़ असल में तुम्हारे लिए ज़्यादा काम की है, मेरे लिए नहीं। ये है वो परीक्षा वाली फली - जिसके बारे में कहा जाता है कि ये बेगुनाही या गुनाह साबित करती है। पश्चिम अफ़्रीकी जनजातियाँ इस पर पूरी तरह विश्वास करती हैं - या करती थीं - आजकल तो ये काफ़ी समझदार हो गए हैं। वे इसे बड़े विश्वास के साथ चबाते हैं कि अगर वे दोषी हैं तो ये उन्हें मार डालेगी और अगर वे निर्दोष हैं तो उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचाएगी।" “और इस तरह, अफसोस, उनकी मृत्यु हो जाती है?”
“नहीं, वे सब मरते नहीं हैं। यही बात अब तक नज़रअंदाज़ होती रही है। इस पूरे मामले के पीछे बहुत कुछ है - मुझे लगता है कि इसमें एक तरह का जादू-टोना भी शामिल है। इस फली की दो अलग-अलग

प्रजातियाँ हैं - दिखने में इतनी मिलती-जुलती हैं कि उनमें अंतर करना मुश्किल है। लेकिन अंतर है। दोनों में फिज़ोस्टिग्माइन, जेनेसेरिन और बाकी तत्व मौजूद हैं, लेकिन दूसरी प्रजाति में एक और एल्कलॉइड अलग किया जा सकता है - या मुझे लगता है कि मैं कर सकता हूँ - और उस एल्कलॉइड का असर बाकी एल्कलॉइड्स के असर को बेअसर कर देता है। इतना ही नहीं, उस दूसरी प्रजाति को एक गुप्त अनुष्ठान में एक खास समूह नियमित रूप से खाता है - और इसे खाने वाले लोगों को कभी जॉर्डनाइटिस नहीं होता। इस तीसरे पदार्थ का मांसपेशियों पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है - बिना किसी हानिकारक प्रभाव के। यह वाकई दिलचस्प है। दुर्भाग्य से शुद्ध एल्कलॉइड बहुत अस्थिर होता है। फिर भी, मुझे नतीजे मिल रहे हैं। लेकिन ज़रूरत है इस क्षेत्र में और ज़्यादा शोध की। यह काम होना ही चाहिए! जी हाँ, बिल्कुल होना चाहिए…” मैं अपनी आत्मा भी बेच दूंगा -”
वह अचानक रुक गया। उसके चेहरे पर फिर से मुस्कान आ गई।
"दुकान को माफ कर दीजिए। मैं इन चीजों को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हो जाता हूँ!"
“जैसा कि आपने कहा,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा, “अगर मैं इतनी आसानी से अपराध और निर्दोषता की जाँच कर पाता, तो मेरा पेशा निश्चित रूप से बहुत आसान हो जाता। आह, काश कोई ऐसा पदार्थ होता जो कैलाबार बीन के बारे में किए जा रहे दावों को पूरा कर पाता!” फ्रैंकलिन ने कहा:
लेकिन आपकी मुसीबतें यहीं खत्म नहीं होंगी! आखिर, दोषी होना या निर्दोष होना क्या होता है?
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह हो सकता है।" वह मेरी ओर मुड़ा।

“बुराई क्या है? अच्छाई क्या है? इन विषयों पर विचार सदियों से बदलते रहे हैं। आप शायद अपराधबोध या निर्दोषता की भावना का परीक्षण कर रहे होंगे। वास्तव में, परीक्षण के रूप में इसका कोई महत्व ही नहीं है।”
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इसे कैसे समझा रहे हैं।
मेरे प्रिय मित्र, मान लीजिए कि कोई व्यक्ति यह सोचता है कि उसे किसी तानाशाह, साहूकार, दलाल या किसी भी ऐसे व्यक्ति को मारने का दैवीय अधिकार है जो उसे नैतिक रूप से क्रोधित करता है। वह एक ऐसा कार्य करता है जिसे आप अपराध मानते हैं - लेकिन वह उसे निर्दोष मानता है। आपका बेचारा इस बारे में क्या कर सकता है? मैंने कहा, "हत्या करने पर हमेशा अपराधबोध तो होता ही होगा, है ना?"
डॉ. फ्रैंकलिन ने खुशी से कहा, "ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें मैं मारना चाहता हूँ। यकीन मानिए, उसके बाद मेरा ज़मीर मुझे रात को सोने नहीं देगा। मेरा यही विचार है कि मानव जाति के लगभग अस्सी प्रतिशत लोगों को खत्म कर देना चाहिए। उनके बिना हमारा जीवन कहीं बेहतर होगा।"
वह उठा और खुशी से सीटी बजाते हुए टहलते हुए चला गया।
मैंने संदेह भरी निगाहों से उसे देखा। पोइरोट की धीमी हंसी ने मुझे होश में ला दिया।
“मेरे मित्र, आप तो ऐसे लग रहे हैं जैसे आपने साँपों का घोंसला देख लिया हो। उम्मीद है कि हमारे मित्र डॉक्टर अपने उपदेशों पर अमल न करें।”
“अरे,” मैंने कहा। “लेकिन मान लीजिए कि वह ऐसा करता है?”

परदा

द्वितीय
कुछ हिचकिचाहट के बाद मैंने फैसला किया कि मुझे एलर्टन के बारे में जूडिथ से बात करनी चाहिए। मुझे लगा कि मुझे उसकी प्रतिक्रिया जाननी ही चाहिए। मैं जानती थी कि वह एक समझदार लड़की है, अपना ख्याल रखने में सक्षम है, और मुझे नहीं लगता था कि वह एलर्टन जैसे सस्ते आदमी के आकर्षण में आसानी से फंस जाएगी। दरअसल, मुझे लगता है कि मैंने उससे इस विषय पर बात इसलिए की क्योंकि मैं इस बात को लेकर आश्वस्त होना चाहती थी। दुर्भाग्यवश मुझे वो नहीं मिला जो मैं चाहता था... शायद मैंने बड़ी बेढंगी तरह से कोशिश की। युवाओं को बड़ों की सलाह सबसे ज़्यादा बुरी लगती है। मैंने अपने शब्दों को बेपरवाह और शालीन दिखाने की कोशिश की। लगता है मैं नाकाम रहा।
जूडिथ तुरंत भड़क उठी।
“यह क्या है?” उसने कहा। “क्या यह किसी बड़े और खतरनाक भेड़िये के बारे में माता-पिता की चेतावनी है?”
"नहीं, नहीं, जूडिथ, बिलकुल नहीं।"
"मुझे लगता है कि आपको मेजर एलर्टन पसंद नहीं हैं?"
"सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता। असल में मुझे नहीं लगता कि आपको भी पता होगा।"
"क्यों नहीं?"
"अच्छा - उह - वो तुम्हारे टाइप का नहीं है, है ना?"
"पिताजी, आपके अनुसार मेरे लिए किस तरह के लोग उपयुक्त हैं?"

जूडिथ मुझे हमेशा ही हैरान कर देती है। मैं बुरी तरह से अचंभित हो गया। वह मेरी तरफ देखती रही, उसके होंठ हल्के से तिरस्कारपूर्ण मुस्कान में ऊपर की ओर मुड़े हुए थे।
"बेशक आपको वो पसंद नहीं होगा," उसने कहा। "मुझे तो वो बहुत पसंद है। मुझे लगता है वो बहुत मजेदार है।"
“ओह, मजेदार - शायद।” मैंने इसे टालने की कोशिश की।
जूडिथ ने जानबूझकर कहा:
“वह बहुत आकर्षक है। कोई भी महिला ऐसा ही सोचेगी। पुरुष, बेशक, इसे नहीं देख पाएंगे।”
“वे ऐसा बिल्कुल नहीं करेंगे।” मैंने कुछ अटपटे ढंग से आगे कहा: “तुम पिछली रात उसके साथ बहुत देर तक बाहर थे-”
मुझे अपनी बात पूरी करने की अनुमति नहीं मिली। तूफान आ गया। “सच में, पिताजी, आप हद से ज़्यादा बेवकूफ़ बन रहे हैं। क्या आपको यह एहसास नहीं है कि मेरी उम्र में मैं अपने मामले खुद संभालने में सक्षम हूँ? आपको ज़रा भी हक़ नहीं है कि आप मेरे कामों या मेरे दोस्तों के चुनाव पर रोक लगाएँ। बच्चों की ज़िंदगी में इस तरह का बेमतलब का दखल ही माता-पिता को इतना गुस्सा दिलाता है। मैं आपको बहुत पसंद करती हूँ - लेकिन मैं एक वयस्क महिला हूँ और मेरी ज़िंदगी मेरी अपनी है। खुद को मिस्टर बैरेट मत बनाइए।”
इस बेहद ही अनुचित टिप्पणी से मुझे इतना दुख हुआ कि मैं जवाब देने में पूरी तरह असमर्थ हो गई और जूडिथ जल्दी से वहां से चली गई।
मुझे इस बात का बेहद निराशाजनक एहसास हुआ कि मैंने फायदे से ज्यादा नुकसान ही किया है।

मैं अपने विचारों में खोया हुआ खड़ा था तभी श्रीमती फ्रैंकलिन की नर्स की तीखी आवाज से मैं जाग उठा:
"कैप्टन हेस्टिंग्स, आपके विचार क्या हैं?"
मैंने खुशी-खुशी उस व्यवधान का स्वागत किया।
नर्स क्रेवन सचमुच एक बेहद खूबसूरत युवती थीं। उनका व्यवहार शायद थोड़ा चंचल और नज़ाकत भरा था, लेकिन वह मिलनसार और बुद्धिमान थीं।
वह अभी-अभी अस्थायी प्रयोगशाला से कुछ ही दूरी पर एक धूप वाली जगह पर अपने मरीज को भर्ती करके आई थी।
मैंने पूछा, "क्या श्रीमती फ्रैंकलिन को अपने पति के काम में दिलचस्पी है?"
नर्स क्रेवन ने तिरस्कारपूर्वक अपना सिर झटक दिया।
"ओह, यह उसके लिए कुछ ज़्यादा ही तकनीकी है। कैप्टन हेस्टिंग्स, वह बिल्कुल भी चतुर महिला नहीं है।"
नहीं, मुझे नहीं लगता।
“डॉ. फ्रैंकलिन के काम की सराहना तो वही कर सकते हैं जिन्हें चिकित्सा का कुछ ज्ञान हो। वे वाकई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति थे। प्रतिभाशाली। बेचारे, मुझे उन पर बहुत दया आती है।”
"उसकी ओर से क्षमा चाहता हूं?"
“हां। मैंने ऐसा कई बार होते देखा है। मेरा मतलब है, गलत तरह की महिला से शादी करना।”
"क्या आपको लगता है कि वह उसके लिए सही तरह की लड़की नहीं है?" “अच्छा, क्या ऐसा नहीं है? उनमें तो बिलकुल भी समानता नहीं है।” मैंने कहा, "वह उससे बहुत प्यार करता हुआ लगता है। उसकी इच्छाओं का बहुत ध्यान रखता है।"
नर्स क्रेवन ने कुछ अप्रिय ढंग से हँसी।

“वह इस बात का पूरा ध्यान रखती है!”
मैंने संदेह से पूछा, "क्या आपको लगता है कि वह अपनी खराब सेहत का फायदा उठाती है?"
नर्स क्रेवन हंस पड़ीं।
“उसे अपनी मनमानी करना सिखाना नामुमकिन है। उसकी हर मर्जी चलती है। कुछ औरतें ऐसी ही होती हैं – एकदम चालाक। अगर कोई उनका विरोध करे, तो वो चुपचाप लेट जाती हैं, आंखें बंद कर लेती हैं और बीमार व दयनीय दिखने का नाटक करती हैं, या फिर उन्हें गुस्सा आ जाता है – लेकिन मिसेज फ्रैंकलिन तो दयनीय किस्म की हैं। रात भर सोती नहीं और सुबह एकदम पीली और थकी हुई सी दिखती हैं।”
“लेकिन वह वास्तव में एक अपाहिज है, है ना?” मैंने थोड़ा चौंकते हुए पूछा।
नर्स क्रेवन ने मुझे एक अजीब सी नज़र से देखा। उसने रूखेपन से कहा:
“ओह, बिल्कुल,” और फिर उन्होंने अचानक ही विषय बदल दिया।
उसने मुझसे पूछा कि क्या यह सच है कि मैं बहुत पहले, पहले विश्व युद्ध के दौरान यहाँ आया था।
"जी हां, यह बिल्कुल सच है।"
उसने अपनी आवाज धीमी कर ली।
“यहाँ एक हत्या हुई थी, है ना? मुझे एक नौकरानी ने बताया था। एक बूढ़ी औरत की?”
"हाँ।"
"और आप उस समय वहां मौजूद थे?"
"मैं था।"
उसे हल्की सी कंपकंपी हुई। उसने कहा:
"अब बात समझ में आ गई, है ना?"

“किस बात की व्याख्या करता है?”
उसने मुझे तिरछी नजर से देखा।
“उस जगह का माहौल। क्या आपको महसूस नहीं होता? मुझे तो होता है। कुछ गड़बड़ है, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा मतलब क्या है?”
मैं एक पल के लिए चुप रहा, सोच-विचार करता रहा। क्या उसने जो कहा वह सच था? क्या किसी खास जगह पर हिंसा से, जानबूझकर की गई दुर्भावना से हुई मौत का असर उस जगह पर इतना गहरा था कि इतने सालों बाद भी महसूस हो रहा था? कुछ लोग तो ऐसा ही कहते हैं। क्या स्टाइल्स पर वाकई उस घटना के निशान बाकी थे जो इतने साल पहले घटी थी? यहीं, इन दीवारों के भीतर, इन बगीचों में, हत्या के विचार पनपते रहे, मजबूत होते गए और अंत में अपने अंजाम तक पहुँच गए। क्या उनका असर आज भी हवा में महसूस हो रहा था?
नर्स क्रेवन ने अचानक यह कहकर मेरे विचारों को भंग कर दिया: “एक बार मैं एक ऐसे घर में थी जहाँ हत्या का मामला हुआ था। मैं इसे कभी नहीं भूल सकती। भला कोई इसे कैसे भूल सकता है? मेरे एक मरीज़ का मामला था। मुझे गवाही देनी पड़ी थी और भी बहुत कुछ। इससे मुझे काफी अजीब सा महसूस हुआ। एक लड़की के लिए यह बहुत बुरा अनुभव होता है।”
“ऐसा ही होना चाहिए। मैं खुद को जानता हूँ-”
मैंने अपनी बात रोक दी क्योंकि बॉयड कैरिंगटन घर के कोने से तेजी से आते हुए दिखाई दिए।
हमेशा की तरह, उनका विशाल और जीवंत व्यक्तित्व मानो अंधकार और अनकही चिंताओं को दूर कर देता था। वे इतने विशाल, इतने समझदार और इतने खुले विचारों वाले थे - उन प्यारे और प्रभावशाली व्यक्तित्वों में से एक जो प्रसन्नता और व्यावहारिक ज्ञान का संचार करते हैं।

"सुप्रभात, हेस्टिंग्स; सुप्रभात, नर्स। श्रीमती फ्रैंकलिन कहाँ हैं?"
"शुभ प्रभात, सर विलियम। श्रीमती फ्रैंकलिन बगीचे के निचले हिस्से में प्रयोगशाला के पास बीच के पेड़ के नीचे हैं।"
"और मुझे लगता है कि फ्रैंकलिन प्रयोगशाला के अंदर है?"
"जी हां, सर विलियम - मिस हेस्टिंग्स के साथ।"
"बेचारी लड़की! सोचो, ऐसी सुबह में इस तरह की गंदी हरकतें करने के लिए बंद कमरे में रहना पड़े! तुम्हें विरोध करना चाहिए, हेस्टिंग्स।"
नर्स क्रेवन ने जल्दी से कहा:
"ओह, मिस हेस्टिंग्स तो काफी खुश हैं। उन्हें यह अच्छा लगता है, और मुझे यकीन है कि डॉक्टर उनके बिना काम नहीं चला सकते।" “बेचारा आदमी,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “अगर मेरी सेक्रेटरी जूडिथ जैसी खूबसूरत लड़की होती, तो मैं गिनी पिग्स की बजाय उसे ही देख रहा होता, है ना?”
यह उस तरह का मजाक था जिसे जूडिथ बिल्कुल नापसंद करती, लेकिन नर्स क्रेवन को यह काफी पसंद आया और वह खूब हंसी।
“ओह, सर विलियम,” उसने हैरानी से कहा। “आपको ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। मुझे यकीन है कि हम सब जानते हैं कि आप कैसे होंगे! लेकिन बेचारे डॉ. फ्रैंकलिन तो बड़े गंभीर हैं – अपने काम में पूरी तरह डूबे हुए हैं।”
बॉयड कैरिंगटन ने प्रसन्नतापूर्वक कहा:
"लगता है उसकी पत्नी ने ऐसी जगह चुन ली है जहाँ से वह अपने पति पर नज़र रख सके। मुझे लगता है कि वह ईर्ष्या कर रही है।"
“आप बहुत ज्यादा जानते हैं, सर विलियम!”

नर्स क्रेवन इस हंसी-मजाक से बेहद खुश लग रही थीं। उन्होंने अनिच्छा से कहा:
"खैर, मुझे लगता है कि मुझे श्रीमती फ्रैंकलिन के माल्टेड मिल्क के बारे में पता लगाने जाना चाहिए।"
वह धीरे-धीरे वहां से चली गई और बॉयड कैरिंगटन उसे देखता रहा। “सुंदर लड़की,” उसने कहा। “प्यारे बाल और दांत। नारीत्व का उत्तम नमूना। बीमार लोगों की देखभाल करते-करते जीवन नीरस हो जाता होगा। ऐसी लड़की बेहतर भाग्य की हकदार है।”
“खैर,” मैंने कहा। “मुझे लगता है कि वह एक दिन शादी कर लेगी।” "मुझे उम्मीद है।"
उन्होंने आह भरी - और मुझे लगा कि वे अपनी मृत पत्नी के बारे में सोच रहे थे। फिर उन्होंने कहा:
"क्या तुम मेरे साथ नैटन चलना और वह जगह देखना चाहोगे?"
“हाँ, मैं ऐसा करना चाहूँगा। लेकिन पहले मैं देख लूँगा कि पोइरोट को मेरी ज़रूरत है या नहीं।”
मैंने पोइरोट को बरामदे में बैठा पाया, वह अच्छे से ढके हुए थे। उन्होंने मुझे जाने के लिए प्रोत्साहित किया।
“लेकिन हेस्टिंग्स, जरूर जाओ। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही खूबसूरत संपत्ति है। तुम्हें इसे जरूर देखना चाहिए।”
मैं ऐसा करना तो चाहती थी, लेकिन मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जाना चाहती थी।
“मेरे वफादार दोस्त! नहीं, नहीं, सर विलियम के साथ जाओ। वह एक आकर्षक व्यक्ति हैं, है ना?”
मैंने उत्साह से कहा, "फर्स्ट क्लास।"
पोइरोट मुस्कुराया।
“हाँ, बिल्कुल। मुझे लगा था कि वो तुम्हारे टाइप का है।”

परदा

तृतीय
मुझे अपनी यात्रा में बहुत आनंद आया।
मौसम न केवल सुहावना था - एक सचमुच प्यारा ग्रीष्म ऋतु का दिन - बल्कि मुझे उस व्यक्ति की संगति का भी आनंद मिला।
बॉयड कैरिंगटन में एक अलग ही आकर्षण था, जीवन और स्थानों का उनका व्यापक अनुभव उन्हें एक बेहतरीन साथी बनाता था। उन्होंने मुझे भारत में अपने प्रशासनिक दिनों की कहानियां सुनाईं, पूर्वी अफ्रीकी जनजातीय परंपराओं के कुछ रोचक विवरण दिए और वे इतने दिलचस्प थे कि मैं पूरी तरह से खो गया और जूडिथ के बारे में अपनी चिंताओं और पोइरोट के खुलासों से उत्पन्न गहरी बेचैनी को भूल गया।
मुझे बॉयड कैरिंगटन का मेरे मित्र के बारे में बोलने का तरीका भी अच्छा लगा। उनके मन में उनके काम और चरित्र दोनों के लिए गहरा सम्मान था। पोइरोट की वर्तमान खराब सेहत दुखद थी, फिर भी बॉयड कैरिंगटन ने दया के दिखावटी शब्द नहीं कहे। उन्हें लगता था कि पोइरोट जैसा जीवन जीना अपने आप में एक बड़ा पुरस्कार था और उनकी यादों में मेरे मित्र को संतोष और आत्मसम्मान मिल सकता था।
उन्होंने आगे कहा, "इसके अलावा, मैं शर्त लगा सकता हूं कि उनका दिमाग पहले की तरह ही तेज है।"
“हाँ, बिल्कुल है,” मैंने उत्सुकता से सहमति जताई।
“यह सोचना सबसे बड़ी गलती है कि किसी व्यक्ति के पैर बंधे होने से उसके दिमाग पर असर पड़ता है। बिलकुल नहीं। उम्र का असर दिमाग पर उतना नहीं पड़ता जितना आप सोचते हैं। कसम से, मैं हरक्यूल

पोइरोट की नाक के नीचे हत्या करने की हिम्मत भी नहीं करूँगा - चाहे अभी का समय ही क्यों न हो।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "अगर तुमने ऐसा किया तो वो तुम्हें पकड़ लेगा।"
“मुझे यकीन है कि वो ऐसा करेगा। वैसे,” उसने अफसोस जताते हुए कहा, “वैसे भी मुझे हत्या करने में ज्यादा महारत हासिल नहीं है। मैं योजना नहीं बना सकता, आप जानते हैं। मैं बहुत अधीर हूँ। अगर मैंने कभी हत्या की भी, तो वो अचानक गुस्से में ही कर दी होगी।” "शायद यह सबसे मुश्किल अपराध है जिसका पता लगाना कठिन है।" मुझे तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। मैं शायद हर तरफ सुराग छोड़ जाऊँगा। खैर, शुक्र है कि मेरा दिमाग अपराधी जैसा नहीं है। मैं सिर्फ एक ब्लैकमेलर को ही मारने की सोच सकता हूँ। वैसे, यह बहुत घिनौना काम है। मैंने हमेशा यही सोचा है कि ब्लैकमेलर को गोली मार देनी चाहिए। आपका क्या कहना है?
मैंने स्वीकार किया कि मुझे उनके दृष्टिकोण से कुछ हद तक सहानुभूति है।
फिर हम घर पर किए गए काम की जांच करने लगे, तभी एक युवा वास्तुकार हमसे मिलने के लिए आगे आया।
नैटन मुख्य रूप से ट्यूडर काल का भवन है, जिसमें बाद में एक हिस्सा जोड़ा गया था। अठारह सौ चालीस के आसपास दो साधारण स्नानघरों के निर्माण के बाद से इसका आधुनिकीकरण या इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया था।
बॉयड कैरिंगटन ने बताया कि उनके चाचा लगभग एकांतवासी थे, लोगों को नापसंद करते थे और विशाल घर के एक कोने में रहते थे। बॉयड कैरिंगटन और उनके भाई को वहाँ रहने की अनुमति थी और सर एवरार्ड

के बाद में इतने एकांतवासी बनने से पहले वे स्कूली छात्र के रूप में अपनी छुट्टियाँ वहीं बिताते थे।
उस बूढ़े व्यक्ति ने कभी शादी नहीं की थी और अपनी विशाल आय का केवल दसवां हिस्सा ही खर्च किया था, इसलिए मृत्यु करों का भुगतान करने के बाद भी, वर्तमान बैरोनेट खुद को एक बहुत अमीर व्यक्ति के रूप में पा रहे थे।
“लेकिन बहुत अकेलापन।” उसने आह भरते हुए कहा।
मैं चुप रहा। मेरी सहानुभूति इतनी तीव्र थी कि उसे शब्दों में व्यक्त करना असंभव था। क्योंकि मैं भी अकेला था। सिंडर्स की मृत्यु के बाद से, मैं खुद को आधा इंसान ही समझता था।
इस समय, थोड़ी हिचकिचाहट के साथ, मैंने अपने मन की कुछ भावनाओं को व्यक्त किया।
"हाँ, हेस्टिंग्स, लेकिन तुम्हारे पास कुछ ऐसा था जो मेरे पास कभी नहीं था।"
वह एक पल के लिए रुका और फिर - कुछ अटपटे ढंग से - उसने मुझे अपनी त्रासदी की एक संक्षिप्त रूपरेखा बताई।
उस खूबसूरत युवती की कहानी, जो आकर्षण और खूबियों से भरपूर एक प्यारी सी महिला थी, लेकिन जिसका वंश कलंकित था। उसके परिवार के लगभग सभी सदस्य शराब के कारण मर गए थे, और वह स्वयं भी उसी अभिशाप का शिकार हो गई। शादी के बमुश्किल एक साल बाद ही वह शराब की लत से ग्रस्त होकर मर गई। उसने उसे दोषी नहीं ठहराया। उसे एहसास था कि वंशानुगत बीमारी उस पर हावी हो गई थी।
उसकी मृत्यु के बाद वह एकाकी जीवन व्यतीत करने लगा था। अपने अनुभव से दुखी होकर उसने दोबारा शादी न करने का निश्चय कर लिया था।

उन्होंने सरल शब्दों में कहा, "अकेले रहने में ज्यादा सुरक्षित महसूस होता है।"
"हां, मैं आपकी इस भावना को समझ सकता हूँ - कम से कम शुरुआत में तो ऐसा ही लगता है।"
“यह सब एक त्रासदी थी। इसने मुझे समय से पहले बूढ़ा और कड़वा बना दिया।” वह रुका। “यह सच है - एक समय मैं बहुत आकर्षित हुआ था। लेकिन वह बहुत छोटी थी - मुझे लगा कि उसे एक निराश व्यक्ति से जोड़ना उचित नहीं होगा। मैं उसके लिए बहुत बूढ़ा था - वह तो बिल्कुल बच्ची थी - बहुत सुंदर - बिल्कुल मासूम।”
उसने सिर हिलाते हुए अपनी बात अधूरी छोड़ दी।
"क्या यह फैसला करने का अधिकार उसी को नहीं था?"
“मुझे नहीं पता, हेस्टिंग्स। मुझे लगा ही नहीं था। वो—वो मुझे पसंद करती हुई लग रही थी। लेकिन फिर, जैसा कि मैंने कहा, वो बहुत छोटी थी। मुझे वो हमेशा वैसे ही याद रहेगी जैसे मैंने उसे उस छुट्टी के आखिरी दिन देखा था। उसका सिर थोड़ा एक तरफ झुका हुआ— वो थोड़ा हैरान सा चेहरा—उसका छोटा सा हाथ—”
वह रुक गया। उन शब्दों ने मेरे मन में एक ऐसी तस्वीर उकेरी जो कुछ जानी-पहचानी सी लग रही थी, हालांकि मैं यह नहीं समझ पा रहा था कि क्यों।
बॉयड कैरिंगटन की अचानक कर्कश आवाज ने मेरे विचारों को भंग कर दिया।
“मैं मूर्ख था,” उसने कहा। “हर वो इंसान मूर्ख होता है जो अवसर को हाथ से जाने देता है। खैर, अब मेरे पास एक आलीशान घर है जो मेरे लिए बहुत बड़ा है, और मेरे पास कोई ऐसी सुंदर शख्सियत नहीं है जो मेरी मेज के मुखिया के रूप में बैठ सके।”

मुझे उनकी बात कहने का थोड़ा पुराने जमाने का तरीका बहुत आकर्षक लगता था। इससे पुराने जमाने के आकर्षण और सहजता की छवि उभरती थी।
मैंने पूछा, "वह महिला अब कहाँ है?"
“ओह - शादीशुदा।” उसने थोड़ी देर के लिए बात बंद कर दी। “सच कहूँ तो, हेस्टिंग्स, अब मैं कुंवारे जीवन के लिए ही बना हूँ। मेरे अपने कुछ तरीके हैं। आओ और बगीचे देख लो। उनकी बहुत उपेक्षा हुई है, लेकिन वे अपने तरीके से बहुत अच्छे हैं।”
हमने उस जगह का भ्रमण किया और जो कुछ मैंने देखा उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। नैट्टन निस्संदेह एक बहुत ही शानदार जागीर थी और मुझे इस बात पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ कि बॉयड कैरिंगटन को इस पर गर्व था। वह आस-पड़ोस को अच्छी तरह जानता था और आसपास के अधिकांश लोगों से भी परिचित था, हालांकि निश्चित रूप से उसके समय के बाद से कुछ नए लोग भी आए थे।
वह पुराने समय से कर्नल लुटरेल को जानते थे और उन्होंने पूरी उम्मीद जताई कि स्टाइल्स का उद्यम सफल साबित होगा।
“बेचारे टोबी लुटरेल की हालत बहुत खराब है, जानते हो,” उन्होंने कहा। “अच्छा आदमी था। अच्छा सिपाही भी था और बहुत बढ़िया निशानेबाज भी। एक बार उसके साथ अफ्रीका में सफारी पर गया था। आह, क्या दिन थे! तब तो उसकी शादी हो चुकी थी, पर शुक्र है उसकी पत्नी नहीं आई। सुंदर तो थी, पर हमेशा थोड़ी अकड़ू भी। अजीब बात है कि एक आदमी औरत से क्या-क्या बर्दाश्त कर लेता है। बूढ़ा टोबी लुटरेल, जो जूनियर अधिकारियों को डरा देता था, इतना सख्त मिजाज था! और देखो, अब वह कितना दब्बू औरत के दबाव में है, दबा हुआ और दब्बू जैसा! इसमें कोई शक नहीं कि उस औरत की जुबान बहुत कड़वी है। फिर भी, दिमाग तो उसी के पास है। अगर कोई इस जगह को

मुनाफे में ला सकता है, तो वो वही है। लुटरेल को व्यापार की ज्यादा समझ नहीं थी - पर श्रीमती टोबी अपनी दादी की खाल भी उतार सकती थीं!”
मैंने शिकायत करते हुए कहा, "वह हर बात को लेकर बहुत उत्साहित है।"
बॉयड कैरिंगटन को हंसी आ रही थी।
मुझे पता है। सब बहुत अच्छे हैं। लेकिन क्या आपने उनके साथ ब्रिज खेला है?
मैंने भावुक होकर उत्तर दिया कि मैंने ऐसा किया था।
“आम तौर पर मैं ब्रिज खेलने वाली महिलाओं से दूरी बनाए रखता हूँ,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “और अगर आप मेरी सलाह मानेंगे, तो आप भी ऐसा ही करेंगे।”
मैंने उसे बताया कि मेरे आगमन की पहली शाम को नॉर्टन और मुझे कितना असहज महसूस हुआ था।
“बिल्कुल सही। समझ ही नहीं आता कि कहां ढूंढें!”
उन्होंने आगे कहा:
“नॉर्टन बड़ा अच्छा आदमी है। वैसे तो बहुत शांत रहता है। हमेशा पक्षियों और दूसरी चीज़ों को देखता रहता है। उसने मुझे बताया कि उसे शिकार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कमाल है! खेल के प्रति कोई लगाव नहीं। मैंने उससे कहा कि वह बहुत बार निशाना चूक जाता है। मुझे समझ नहीं आता कि ठंडे जंगलों में छिपकर चश्मे से पक्षियों को देखने में क्या रोमांच हो सकता है।”
तब हमें इस बात का कितना कम ही अंदाजा था कि नॉर्टन का शौक आने वाली घटनाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

□□□□

अध्याय 8
दिन बीतते गए। यह एक असंतोषजनक समय था - किसी चीज की प्रतीक्षा करने की बेचैनी भरी भावना के साथ।
अगर मैं इसे इस तरह कहूँ तो, वास्तव में कुछ भी नहीं हुआ। फिर भी कुछ घटनाएँ हुईं, अटपटी बातचीत के अंश, स्टाइल्स के विभिन्न कैदियों के बारे में कुछ झलकियाँ, कुछ ज्ञानवर्धक टिप्पणियाँ। ये सब मिलकर, अगर इन्हें ठीक से जोड़ा जाता, तो मुझे बहुत कुछ ज्ञान प्रदान कर सकते थे।
यह पोइरोट ही थे जिन्होंने कुछ प्रभावशाली शब्दों से मुझे वह बात दिखाई जिसके प्रति मैं आपराधिक रूप से अंधा था।
मैं एक बार फिर शिकायत कर रहा था कि वह जानबूझकर मुझे अपने विश्वास में शामिल नहीं करता। मैंने उससे कहा कि यह उचित नहीं है। हम दोनों का ज्ञान हमेशा बराबर रहा है - भले ही मैं कम बुद्धिमान रहा हूँ और वह उस ज्ञान से सही निष्कर्ष निकालने में चतुर रहा है।
उसने अधीरता से हाथ हिलाया।
बिल्कुल सही, मेरे दोस्त। यह उचित नहीं है! यह खेल भावना के विरुद्ध है! यह खेल नहीं है! यह सब स्वीकार करो और इससे दूर रहो। यह कोई खेल नहीं है - यह खेल नहीं है। तुम तो X की पहचान का बेतुका अनुमान लगाने में लगे हो। मैंने तुम्हें यहाँ इसके लिए नहीं बुलाया था। तुम्हें इसमें समय बर्बाद करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मुझे उस प्रश्न का उत्तर पता है। लेकिन जो मुझे नहीं पता और जो मुझे जानना ही चाहिए, वह यह है: 'कौन मरने वाला है - बहुत जल्द?' यह प्रश्न, मेरे पुराने, तुम्हारे अनुमान लगाने के खेल का नहीं है, बल्कि एक इंसान को मरने से बचाने का है।
मैं चौंक गया।

“बिल्कुल,” मैंने धीरे से कहा। “मैं— खैर, मुझे पता था कि आपने लगभग ऐसा कहा था, लेकिन मुझे इसका एहसास नहीं हुआ था।”
"तो इसे अभी, तुरंत समझ लें।"
“हां, हां, मैं करूंगा - मेरा मतलब है, मैं करूंगा।”
“ठीक है! तो मुझे बताओ, हेस्टिंग्स, मरने वाला कौन है?”
मैंने उसे खाली निगाहों से देखा।
मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है!
“तो फिर आपको अंदाजा तो होगा ही! आप यहाँ और किसलिए आए हैं?” मैंने इस विषय पर अपने चिंतन को दोहराते हुए कहा, "निश्चित रूप से पीड़ित और X के बीच कोई न कोई संबंध अवश्य होगा, ताकि यदि आप मुझे बता दें कि X कौन था -"
पोइरोट ने इतनी ज़ोर से अपना सिर हिलाया कि उसे देखना काफी कष्टदायक था।
“क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया कि यही X की तकनीक का सार है? X का मृत्यु से कोई संबंध नहीं होगा। यह निश्चित है।”
"आपका मतलब है कि कनेक्शन छिपा रहेगा?"
"यह इतनी अच्छी तरह से छिपा होगा कि न तो आप और न ही मैं इसे ढूंढ पाएंगे।"
लेकिन निश्चित रूप से एक्स के अतीत का अध्ययन करके-"
“मैं तुमसे कहता हूँ, नहीं। निश्चित रूप से इस समय नहीं। हत्या किसी भी क्षण हो सकती है, तुम समझते हो?”
"इस घर में किसी को?"
"इस घर में किसी को।"
और क्या आप सचमुच नहीं जानते कि कौन है, या कैसे है?
"अरे, अगर मुझे पता होता, तो मैं आपसे मेरे लिए पता लगाने का आग्रह नहीं कर रहा होता!"

“क्या आप अपनी धारणा को केवल X की उपस्थिति पर आधारित कर रहे हैं?”
मेरी आवाज़ में थोड़ा संदेह झलक रहा था। पोइरोट, जिसका आत्म-नियंत्रण कम हो गया था क्योंकि उसके अंग मजबूरीवश गतिहीन हो गए थे, लगभग मुझ पर चिल्ला उठा।
"अरे बाप रे, मुझे ये सब कितनी बार दोहराना पड़ेगा? अगर यूरोप के किसी खास इलाके में अचानक बहुत सारे युद्ध संवाददाता आ जाएं, तो इसका क्या मतलब है? मतलब युद्ध! अगर दुनिया भर से डॉक्टर किसी शहर में आ जाएं - तो इसका क्या मतलब? कि वहां कोई चिकित्सा सम्मेलन होने वाला है। जहां गिद्ध मंडराता दिखे, वहां कोई शव होगा। अगर शिकारी किसी बंजर ज़मीन पर चलते दिखें, तो वहां शिकार होगा। अगर कोई आदमी अचानक रुक जाए, अपना कोट उतारकर समुद्र में कूद जाए, तो इसका मतलब है कि वहां डूबने से किसी को बचाया जाएगा।"
“अगर आप मध्यम आयु वर्ग की, सभ्य दिखने वाली महिलाओं को झाड़ियों के बीच से झांकते हुए देखें, तो आप समझ सकते हैं कि कोई अनुचित बात होने वाली है! और अंत में, अगर आपको एक मनमोहक खुशबू आए और कई लोग एक ही दिशा में गलियारे में चलते हुए दिखाई दें, तो आप निश्चिंत हो सकते हैं कि भोजन परोसा जाने वाला है!”
मैंने एक-दो मिनट तक इन उपमाओं पर विचार किया, फिर मैंने पहली उपमा को लेते हुए कहा:
फिर भी, एक युद्ध संवाददाता युद्ध नहीं करवाता!
"बिल्कुल नहीं। और एक चिड़िया से गर्मी नहीं आ जाती। लेकिन एक हत्यारा, हेस्टिंग्स, एक हत्या जरूर करवाता है।"
यह बात तो निर्विवाद थी। लेकिन फिर भी मेरे मन में यह ख्याल आया, जबकि पोइरोट के मन में शायद ही आया था, कि एक हत्यारे का भी कभी-

कभी खाली समय होता है। हो सकता है कि X स्टाइल्स में सिर्फ़ छुट्टियाँ मनाने आया हो और उसका इरादा किसी की जान लेने का न हो। हालाँकि पोइरोट इतना उत्तेजित था कि मैंने यह सुझाव देने की हिम्मत नहीं की। मैंने बस इतना कहा कि मुझे तो यह सब कुछ निराशाजनक लग रहा है। हमें इंतज़ार करना होगा।
“और देखो,” पोइरोट ने बात समाप्त की। “ठीक वैसे ही जैसे पिछले युद्ध में मिस्टर अस्क्विथ थे। मेरे प्रिय, हमें ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए। ध्यान रहे, मैं यह नहीं कह रहा कि हम सफल होंगे, क्योंकि जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी बताया है, जब कोई हत्यारा मारने का निश्चय कर लेता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होता। लेकिन हम कम से कम कोशिश तो कर सकते हैं। हेस्टिंग्स, कल्पना करो कि तुम्हारे सामने कागज़ पर ब्रिज प्रॉब्लम है। तुम सारे पत्ते देख सकते हो। तुम्हें बस इतना करना है कि ‘डील के परिणाम का पूर्वानुमान लगाओ’।”
मैंने अपना सिर हिलाया।
“यह ठीक नहीं है, पोइरोट। मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है। अगर मुझे पता भी होता कि X कौन है तो...”
पोइरोट ने मुझ पर फिर से चिल्लाया। वह इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि कर्टिस बगल वाले कमरे से डर के मारे भागता हुआ अंदर आ गया।
पोइरोट ने उसे हाथ हिलाकर जाने का इशारा किया और जब वह वापस चला गया, तो मेरे दोस्त ने ज़्यादा संयमित लहजे में बात की। "हेस्टिंग्स, तुम उतने मूर्ख नहीं हो जितना तुम दिखावा करते हो। तुमने वे मामले पढ़े हैं जो मैंने तुम्हें पढ़ने के लिए दिए थे।
हो सकता है तुम यह न जानते हो कि X कौन है, लेकिन तुम X की अपराध करने की तकनीक जानते हो।"
“ओह,” मैंने कहा। “मैं समझ गया।”

“बिल्कुल, आप समझ रहे हैं। आपकी समस्या यह है कि आप मानसिक रूप से आलसी हैं। आपको खेल खेलना और अनुमान लगाना पसंद है। आप दिमाग से काम करना पसंद नहीं करते। X की तकनीक का मूल तत्व क्या है? क्या यह नहीं है कि अपराध होने पर वह पूरा हो जाता है? यानी, अपराध का एक मकसद होता है, एक अवसर होता है, साधन होते हैं और अंत में, सबसे महत्वपूर्ण बात, दोषी व्यक्ति कटघरे में खड़ा होता है।”
मुझे तुरंत ही मुख्य बात समझ में आ गई और मुझे एहसास हुआ कि इसे पहले न समझकर मैंने कितनी बड़ी मूर्खता की थी।
मैंने कहा, "मैं समझ गया। मुझे ऐसे किसी व्यक्ति को ढूंढना होगा जो इन आवश्यकताओं को पूरा करता हो - यानी संभावित पीड़ित।" पोइरोट ने आह भरते हुए पीछे की ओर झुककर सांस ली।
“अंत में! मैं बहुत थक गया हूँ। कर्टिस को मेरे पास भेजो। अब तुम अपना काम समझ गए हो। तुम सक्रिय हो, इधर-उधर घूम सकते हो, लोगों का पीछा कर सकते हो, उनसे बात कर सकते हो, बिना किसी को पता चले उन पर नज़र रख सकते हो -” (मैंने लगभग गुस्से में विरोध किया, लेकिन खुद को रोक लिया। यह बहुत पुराना तर्क था।) “तुम बातचीत सुन सकते हो, तुम्हारे घुटने अभी भी मुड़ सकते हैं और तुम्हें घुटने टेककर चाबी के छेदों से झाँकने की अनुमति देते हैं -” मैंने गुस्से में बीच में ही टोकते हुए कहा, "मैं ताले के छेदों से नहीं देखूंगा।"
पोइरोट ने अपनी आंखें बंद कर लीं।
“ठीक है, तो फिर। आप ताले के छेदों से नहीं देखेंगे। आप एक सच्चे अंग्रेज सज्जन बने रहेंगे और किसी की जान जाएगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। एक अंग्रेज के लिए सम्मान सर्वोपरि होता है। आपका

सम्मान किसी और के जीवन से अधिक महत्वपूर्ण है। ठीक है! यह समझ में आ गया।”
“नहीं, लेकिन धिक्कार है, पोइरोट -”
पोइरोट ने ठंडे स्वर में कहा:
“कर्टिस को मेरे पास भेजो। चले जाओ। तुम जिद्दी और बेहद मूर्ख हो और काश कोई और होता जिस पर मैं भरोसा कर पाता, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे तुम्हारे और निष्पक्षता के तुम्हारे बेतुके विचारों को बर्दाश्त करना पड़ेगा। चूंकि तुम अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं कर सकते, क्योंकि तुम्हारे पास दिमाग है ही नहीं, तो कम से कम अपनी आंखें, कान और नाक का इस्तेमाल करो, अगर जरूरत पड़े तो सम्मान के नियमों के अनुसार।”

परदा

द्वितीय
अगले दिन मैंने हिम्मत करके एक ऐसा विचार सामने रखा जो मेरे मन में कई बार आ चुका था। मैंने ऐसा थोड़ा संशय के साथ किया, क्योंकि कोई नहीं जानता कि पोइरोट की क्या प्रतिक्रिया होगी! मैंने कहा था:
“पोइरोट, मैं सोच रहा था। मुझे पता है कि मैं कोई खास आदमी नहीं हूँ। तुमने मुझे बेवकूफ कहा है। खैर, एक तरह से यह सच है। और मैं पहले जैसा आधा भी नहीं रहा। सिंडर्स की मौत के बाद से-”
मैं रुक गया। पोइरोट ने सहानुभूति जताते हुए एक कर्कश आवाज निकाली।
मैं गया:
“लेकिन यहाँ एक ऐसा आदमी है जो हमारी मदद कर सकता है – बिल्कुल वैसा ही आदमी जिसकी हमें ज़रूरत है। बुद्धिमान, कल्पनाशील, साधन संपन्न – निर्णय लेने में माहिर और व्यापक अनुभव वाला व्यक्ति। मैं बॉयड कैरिंगटन की बात कर रहा हूँ। पोइरोट, हमें वही चाहिए। उसे अपने विश्वास में लो। सारी बात उसके सामने रखो।” पोइरोट ने अपनी आँखें खोलीं और अत्यंत दृढ़ता से कहा:
"हरगिज नहीं।"
"लेकिन क्यों नहीं? आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि वह चतुर है - मुझसे कहीं ज्यादा चतुर है।"
“वो तो आसान होता,” पोइरोट ने तीखे व्यंग्य के साथ कहा। “लेकिन हेस्टिंग्स, इस विचार को अपने दिमाग से निकाल दो। हम किसी पर भी

भरोसा नहीं करते। यह तो समझ में आ गया होगा - है ना? समझ रहे हो ना, मैं तुम्हें इस मामले पर बात करने से मना करता हूँ।”
“ठीक है, अगर आप ऐसा कहते हैं, लेकिन वास्तव में बॉयड कैरिंगटन -” “आह टाटा! बॉयड कैरिंगटन। आप बॉयड कैरिंगटन के पीछे इतनी दीवानी क्यों हैं? आखिर वो है क्या? एक बड़ा आदमी जो घमंडी है और खुद पर इतना गर्व करता है क्योंकि लोग उसे 'महामहिम' कहते हैं। एक ऐसा आदमी जिसमें—हाँ, थोड़ी-बहुत शिष्टता और शालीन व्यवहार है। लेकिन आपका बॉयड कैरिंगटन इतना भी अद्भुत नहीं है। वो अपनी बात दोहराता है, एक ही कहानी दो बार सुनाता है—और तो और, उसकी याददाश्त इतनी खराब है कि वो आपको वही कहानी सुनाता है जो आपने उसे सुनाई है (क्या वो असाधारण प्रतिभा का धनी है? बिलकुल नहीं। एक बूढ़ा उबाऊ आदमी—बकवास करने वाला—अंततः—एक अकड़ू!” “ओह,” मैंने कहा, तभी मुझे ज्ञान प्राप्त हुआ।
यह बिल्कुल सच था कि बॉयड कैरिंगटन की याददाश्त अच्छी नहीं थी। और वास्तव में उन्होंने एक ऐसी भूल कर दी थी जिससे अब मुझे समझ आया कि पोइरोट काफी नाराज हो गए थे। पोइरोट ने उन्हें बेल्जियम में अपने पुलिस दिनों की एक कहानी सुनाई थी, और कुछ ही दिनों बाद, जब हममें से कई लोग बगीचे में इकट्ठा हुए थे, तो बॉयड कैरिंगटन ने बड़ी सहजता से वही कहानी पोइरोट को फिर से सुनाई, और उससे पहले यह टिप्पणी की: "मुझे याद है कि पेरिस में चीफ डे ला सुरेते ने मुझसे कहा था -"
अब मुझे एहसास हुआ कि इससे उसे ठेस पहुंची थी!
मैंने चतुराई से काम लेते हुए और कुछ नहीं कहा और वहां से चला गया।

परदा

तृतीय
मैं सीढ़ियों से नीचे उतरकर बगीचे में चला गया। वहाँ कोई नहीं था और मैं पेड़ों के झुरमुट से होते हुए एक घास के टीले पर पहुँचा, जिसके शिखर पर एक जर्जर हालत में, कुछ हद तक घिसटता हुआ ग्रीष्मकालीन घर था। यहाँ मैं बैठ गया, अपनी पाइप जलाई और सोचने लगा।
स्टाइल्स में कौन-कौन मौजूद था जिसके पास किसी और की हत्या करने का काफी ठोस मकसद था - या जिसके पास ऐसा मकसद होने का अनुमान लगाया जा सकता है?
कर्नल लुटरेल के मामले को एक तरफ रखते हुए, जो कि मुझे डर था कि रबर के मैदान के बीच में अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी चलाने की संभावना बहुत कम थी, हालांकि वह कदम न्यायसंगत हो सकता था, मैं शुरू में किसी और के बारे में नहीं सोच सका।
समस्या यह थी कि मैं इन लोगों के बारे में ज़्यादा नहीं जानता था। उदाहरण के लिए, नॉर्टन और मिस कोल? हत्या के आम मकसद क्या होते हैं? पैसा? मुझे लगता था कि बॉयड कैरिंगटन ही उस समूह का इकलौता अमीर आदमी था। अगर उसकी मृत्यु हो जाती, तो उस धन का वारिस कौन होता? क्या घर में मौजूद कोई होता? मुझे ऐसा नहीं लगता था, लेकिन यह एक ऐसा मुद्दा था जिसकी जाँच की जा सकती थी। हो सकता है, उसने अपना पैसा शोध के लिए छोड़ा हो और फ्रैंकलिन को ट्रस्टी बनाया हो। डॉक्टर की मानव जाति के 80 प्रतिशत को खत्म करने के विषय पर की गई कुछ हद तक अविवेकी टिप्पणियों के साथ, यह लाल बालों वाले डॉक्टर के खिलाफ एक काफी गंभीर मामला बन सकता था। या शायद नॉर्टन या मिस कोल दूर के रिश्तेदार हों और उन्हें

स्वतः ही विरासत मिल जाए। दूर की कौड़ी लगती है, लेकिन संभव है। क्या कर्नल लुटरेल, जो एक पुराने दोस्त थे, बॉयड कैरिंगटन की वसीयत से लाभान्वित होंगे? इन संभावनाओं से पैसे का पहलू खत्म होता दिख रहा था। मैंने अधिक रोमांटिक संभावनाओं की ओर रुख किया। फ्रैंकलिन परिवार। श्रीमती फ्रैंकलिन एक बीमार महिला थीं। क्या यह संभव था कि उसे धीरे-धीरे ज़हर दिया जा रहा था - और क्या उसकी मौत का दोष उसके पति पर मढ़ा जाएगा? वह एक डॉक्टर था; उसके पास अवसर और साधन तो थे ही, इसमें कोई शक नहीं। मकसद क्या था? जैसे ही मुझे यह ख्याल आया कि जूडिथ इसमें शामिल हो सकती है, मेरे मन में एक अप्रिय शंका कौंध गई। मुझे उनके रिश्तों की व्यावहारिकता का अच्छा-खासा ज्ञान था - लेकिन क्या आम जनता इस पर विश्वास करेगी? क्या एक संशयवादी पुलिस अधिकारी इस पर विश्वास करेगा? जूडिथ एक बेहद खूबसूरत युवती थी। एक आकर्षक सेक्रेटरी या असिस्टेंट कई अपराधों का मकसद बन चुकी थी। इस संभावना ने मुझे भयभीत कर दिया।
इसके बाद मैंने एलर्टन के बारे में सोचा। क्या एलर्टन को खत्म करने का कोई कारण हो सकता है? अगर हत्या होनी ही है, तो मैं एलर्टन को शिकार बनते देखना पसंद करूँगा! उसे खत्म करने के लिए आसानी से कारण मिल जाने चाहिए। मिस कोल, हालांकि जवान नहीं थीं, फिर भी खूबसूरत महिला थीं। अगर उनके और एलर्टन के बीच कभी घनिष्ठ संबंध रहे हों, तो संभवतः वह ईर्ष्या से प्रेरित हो सकती हैं, हालांकि मेरे पास ऐसा मानने का कोई कारण नहीं था। इसके अलावा, अगर एलर्टन X था -
मैंने अधीरता से अपना सिर हिलाया। इन सब से मुझे कोई फायदा नहीं हो रहा था। तभी नीचे बजरी पर किसी के कदमों की आहट ने मेरा ध्यान खींचा। फ्रैंकलिन तेजी से घर की ओर आ रहा था, उसके हाथ जेब में

थे और सिर आगे की ओर झुका हुआ था। उसका पूरा हावभाव निराशा से भरा था। उसे इस तरह बेखबर देखकर मैं दंग रह गया, वह सचमुच बहुत दुखी लग रहा था।
मैं उसे घूरने में इतना मग्न था कि मुझे पास में किसी के कदमों की आहट सुनाई नहीं दी और जब मिस कोल ने मुझसे बात की तो मैं चौंककर मुड़ गया।
"मुझे आपके आने की आवाज नहीं सुनाई दी," मैंने माफी मांगते हुए कहा और झट से उठ खड़ी हुई।
वह ग्रीष्मकालीन आवास का निरीक्षण कर रही थी।
“क्या शानदार विक्टोरियन युग का अवशेष है!”
“है ना? मुझे डर है कि यहाँ मकड़ी के जाले जैसे निशान हैं। कृपया बैठ जाइए। मैं आपके लिए सीट साफ कर देता हूँ।”
मुझे लगा कि यहाँ मुझे अपने साथी मेहमानों में से एक को थोड़ा बेहतर तरीके से जानने का मौका मिल गया है। मैंने मकड़ी के जाले झाड़ते हुए चुपके से मिस कोल को देखा।
वह तीस से चालीस वर्ष की महिला थी, थोड़ी थकी हुई, सुस्पष्ट चेहरे वाली और बेहद खूबसूरत आँखों वाली। उसके चेहरे पर एक तरह का संकोच, बल्कि संदेह झलक रहा था। अचानक मुझे एहसास हुआ कि यह एक ऐसी महिला थी जिसने बहुत कष्ट झेले थे और परिणामस्वरूप जीवन के प्रति उसका गहरा अविश्वास था। मुझे एलिजाबेथ कोल के बारे में और अधिक जानने की इच्छा हुई।
मैंने रूमाल को आखिरी बार झटकते हुए कहा, "बस, मैं इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकता।"
“धन्यवाद।” वह मुस्कुराई और बैठ गई। मैं भी उसके बगल में बैठ गया। कुर्सी से एक अजीब सी चरमराहट की आवाज आई, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

मिस कोल ने कहा:
"मुझे बताइए, जब मैं आपके पास आया तो आप क्या सोच रहे थे? आप काफी सोच में डूबे हुए लग रहे थे।"
मैंने धीरे से कहा:
मैं डॉ. फ्रैंकलिन को देख रहा था।
"हाँ?"
मुझे अपने मन में जो विचार थे उन्हें दोहराने में कोई आपत्ति नहीं दिखी।
मुझे ऐसा लगा कि वह बहुत दुखी व्यक्ति लग रहा था।
मेरे बगल में बैठी महिला ने धीरे से कहा:
“लेकिन बेशक वह है। आपको यह बात समझ आ गई होगी।”
मुझे लगता है मैंने अपनी हैरानी ज़ाहिर कर दी। मैंने थोड़ा हकलाते हुए कहा:
“नहीं - नहीं - मैंने ऐसा नहीं किया है। मैंने हमेशा उन्हें अपने काम में पूरी तरह डूबे हुए ही देखा है।”
"तो वह है।"
“क्या आप इसे दुख कहते हैं? मुझे तो कहना चाहिए था कि यह कल्पना से परे सबसे सुखद स्थिति है।”
"हाँ, मैं इस बात से असहमत नहीं हूँ - लेकिन तब नहीं जब आपको वह करने से रोका जा रहा हो जो आप करने में सक्षम महसूस करते हैं। यानी, अगर आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकते।"
मैंने उसे देखा, और मुझे कुछ हैरानी महसूस हुई। फिर उसने समझाना शुरू किया।
"पिछली शरद ऋतु में, डॉ. फ्रैंकलिन को अफ्रीका जाकर वहां अपना शोध कार्य जारी रखने का अवसर मिला। जैसा कि आप जानते हैं, वे

इसके लिए बेहद उत्सुक हैं और उन्होंने उष्णकटिबंधीय चिकित्सा के क्षेत्र में पहले ही उत्कृष्ट कार्य किया है।"
और वह नहीं गया?
“नहीं। उनकी पत्नी ने विरोध किया। उनकी खुद की सेहत इतनी अच्छी नहीं थी कि वे वहां के मौसम को सहन कर सकें और उन्हें पीछे छूट जाने का विचार बिल्कुल पसंद नहीं था, खासकर इसलिए क्योंकि इससे उनका जीवन यापन बहुत ही किफायती हो जाता। प्रस्तावित वेतन भी बहुत कम था।”
“ओह,” मैंने कहा। मैंने धीरे-धीरे बोलना जारी रखा: “मुझे लगता है कि उसने महसूस किया होगा कि उसकी सेहत की स्थिति में वह उसे छोड़कर नहीं जा सकता था।”
"कैप्टन हेस्टिंग्स, क्या आपको उनकी सेहत के बारे में ज्यादा जानकारी है?"
"अच्छा, मैं - नहीं - लेकिन वह तो विकलांग है, है ना?"
“उनकी सेहत तो वाकई खराब है,” मिस कोल ने रूखेपन से कहा। मैंने उन्हें संदेह भरी नजरों से देखा। यह साफ था कि उनकी सहानुभूति पूरी तरह से पति के साथ थी।
मैंने धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि जो महिलाएं नाजुक होती हैं, वे स्वार्थी होने की अधिक संभावना रखती हैं?"
"हां, मुझे लगता है कि विकलांग - दीर्घकालिक विकलांग - आमतौर पर बहुत स्वार्थी होते हैं। शायद उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। ऐसा करना बहुत आसान है।"
"क्या आपको नहीं लगता कि श्रीमती फ्रैंकलिन के साथ वाकई कोई गंभीर समस्या है?"
"ओह, मुझे ऐसा कहना अच्छा नहीं लगेगा। यह सिर्फ एक संदेह है। वह हमेशा अपनी मर्जी से कुछ भी करने में सक्षम लगती है।"

मैंने एक-दो मिनट चुपचाप सोचा। मुझे लगा कि मिस कोल फ्रैंकलिन परिवार के जटिल मामलों से अच्छी तरह वाकिफ थीं। मैंने कुछ जिज्ञासावश पूछा:
"मुझे लगता है कि आप डॉ. फ्रैंकलिन को अच्छी तरह जानते हैं?" उसने अपना सिर हिलाया।
“अरे नहीं। यहाँ मिलने से पहले मैं उनसे सिर्फ एक या दो बार ही मिला था।”
"लेकिन मुझे लगता है कि उसने आपसे अपने बारे में बात की है?" उसने फिर से अपना सिर हिलाया।
"नहीं, जो कुछ मैंने अभी आपको बताया है, वह मैंने आपकी बेटी जूडिथ से सीखा है।"
मैंने एक पल की कड़वाहट के साथ सोचा, जूडिथ मुझसे छोड़कर बाकी सभी से बात करती थी।
मिस कोल ने आगे कहा:
"जूडिथ अपने मालिक के प्रति बेहद वफादार है और उसके पक्ष में जमकर आवाज़ उठाती है। श्रीमती फ्रैंकलिन की स्वार्थपरता की उसकी निंदा बेहद तीखी है।"
"क्या आपको भी लगता है कि वह स्वार्थी है?"
“हाँ, लेकिन मैं उसकी बात समझ सकती हूँ। मैं बीमार लोगों की स्थिति समझती हूँ। मैं डॉ. फ्रैंकलिन के उसके सामने झुकने की बात भी समझ सकती हूँ। जूडिथ तो यही सोचती है कि उन्हें अपनी पत्नी को कहीं भी छोड़कर अपना काम करना चाहिए। आपकी बेटी एक बहुत ही उत्साही वैज्ञानिक कार्यकर्ता है।”
“मुझे पता है,” मैंने कुछ उदास स्वर में कहा। “कभी-कभी मुझे चिंता होती है। ये स्वाभाविक नहीं लगता, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा मतलब क्या है। मुझे लगता है कि उसे और अधिक मानवीय होना

चाहिए - मौज-मस्ती करने में और अधिक रुचि रखनी चाहिए। खुद को खुश रखना चाहिए - एक-दो अच्छे लड़कों से प्यार करना चाहिए। आखिर जवानी तो मौज-मस्ती करने का समय होता है - न कि सिर्फ सपने देखने में। ये स्वाभाविक नहीं है। हम जवानी के दिनों में मौज-मस्ती करते थे - फ्लर्ट करते थे - आनंद लेते थे - आप जानते हैं ना।” कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया। फिर मिस कोल ने एक अजीब, ठंडी आवाज़ में कहा:
"मुझें नहीं पता।"
मैं पल भर में भयभीत हो गया। अनजाने में ही मैंने ऐसे बात की थी मानो हम दोनों समकालीन हों - लेकिन अचानक मुझे एहसास हुआ कि वह मुझसे दस साल से भी अधिक छोटी थी और मैंने अनजाने में ही बेहद असभ्य व्यवहार किया था।
मैंने यथासंभव माफी मांगी। उसने मेरे हकलाते हुए शब्दों को बीच में ही काट दिया।
नहीं, नहीं, मेरा मतलब वो नहीं था। कृपया माफ़ी न मांगें। मेरा मतलब बस वही था जो मैंने कहा। मुझे नहीं पता। मैं कभी भी 'जवान' नहीं थी, जैसा कि आप समझते हैं। मैंने कभी भी 'मौज-मस्ती' नहीं की।
उसकी आवाज़ में कुछ कड़वाहट, एक गहरी नाराजगी थी, जिसने मुझे स्तब्ध कर दिया। मैंने बड़ी बेमन से, लेकिन पूरी ईमानदारी से कहा:
"मुझे माफ़ करें।"
वह मुस्कुराई।
"अरे, कोई बात नहीं। इतना परेशान मत दिखो। चलो किसी और विषय पर बात करते हैं।"
मैंने आज्ञा का पालन किया।

मैंने कहा, "मुझे यहां मौजूद बाकी लोगों के बारे में कुछ बताओ। कहीं ऐसा तो नहीं कि वे सब तुम्हारे लिए अजनबी हों।"
“मैं लुटरेल परिवार को पूरी जिंदगी से जानता हूँ। यह बहुत दुख की बात है कि उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है - खासकर उनके लिए। वह बहुत प्यारे इंसान हैं। और वह जितनी आप सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा अच्छी हैं। पूरी जिंदगी तंगी और संघर्ष झेलने की वजह से ही वह थोड़ी - खैर - शिकारी जैसी हो गई हैं। अगर आप हमेशा लालच में रहते हैं, तो अंत में इसका असर दिख ही जाता है। मुझे उनकी बस एक ही बात नापसंद है, और वह है उनका ज़रूरत से ज़्यादा भावुक होने का तरीका।”
मुझे मिस्टर नॉर्टन के बारे में कुछ बताइए।
“उसके बारे में बताने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है। वह बहुत अच्छा है - थोड़ा शर्मीला - शायद थोड़ा नासमझ भी। वह हमेशा से ही थोड़ा नाज़ुक रहा है। वह अपनी माँ के साथ रहता था - जो थोड़ी चिड़चिड़ी और नासमझ औरत थी। मुझे लगता है कि वह उस पर काफी हुकुम चलाती थी। उसकी माँ का कुछ साल पहले निधन हो गया। उसे पक्षियों, फूलों और ऐसी ही चीज़ों में बहुत दिलचस्पी है। वह बहुत दयालु इंसान है - और वह ऐसा व्यक्ति है जिसने दुनिया को बहुत करीब से देखा है।”
"क्या आपका मतलब उनके चश्मे के ज़रिए है?"
मिस कोल मुस्कुराईं।
"खैर, मेरा मतलब इसे शाब्दिक रूप से कहना नहीं था। मेरा मतलब यह था कि वह बहुत कुछ नोटिस करता है। शांत स्वभाव के लोग अक्सर ऐसा करते हैं। वह निस्वार्थ है - और एक पुरुष होने के नाते बहुत विचारशील भी है, लेकिन वह कुछ हद तक अप्रभावी है, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है।"

मेंने सिर हिलाया।
"ओह हाँ, मुझे पता है।"
एलिजाबेथ कोल ने अचानक कहा, और एक बार फिर उनकी आवाज में गहरा कड़वापन था:
“इस तरह की जगहों का सबसे निराशाजनक पहलू यही है। टूटे-फूटे सज्जनों द्वारा चलाए जाने वाले अतिथिगृह। ये असफल लोगों से भरे पड़े हैं - ऐसे लोगों से जो कभी कहीं नहीं पहुँच पाए और न कभी पहुँच पाएंगे, ऐसे लोगों से जो जीवन से पराजित और टूट चुके हैं, ऐसे लोगों से जो बूढ़े, थके हुए और हताश हैं।”
उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई। एक गहरा और गहरा दुख मुझ पर छा गया। कितना सच था! हम सब यहाँ थे, ढलते सूरज की धुंध में डूबे लोगों का एक समूह। सफ़ेद बालों वाले, सफ़ेद दिल वाले, सफ़ेद सपनों वाले। मैं, उदास और अकेला, मेरे बगल में बैठी महिला भी एक कड़वी और निराश इंसान। डॉ. फ्रैंकलिन, जिनकी महत्वाकांक्षाएँ दब गईं और नाकाम हो गईं, उनकी पत्नी बीमारी से ग्रस्त। शांत छोटा नॉर्टन लंगड़ाते हुए पक्षियों को देख रहा था। यहाँ तक कि पोइरोट, जो कभी प्रतिभाशाली थे, अब एक टूटे-फूटे, अपाहिज बूढ़े आदमी बन गए थे।
पुराने दिनों में हालात कितने अलग थे - वो दिन जब मैं पहली बार स्टाइल्स आया था। यह सोचकर ही मेरा मन भर आया - दर्द और पछतावे से भरी एक दबी हुई चीख मेरे होठों से निकल पड़ी।
मेरे साथी ने तुरंत कहा:
"यह क्या है?"
“कुछ नहीं। मैं बस इस अंतर को देखकर हैरान रह गया था - मैं कई साल पहले, एक नौजवान के रूप में यहाँ आया था। मैं तब और अब के बीच के अंतर के बारे में सोच रहा था।”

“मैं समझ गया। तब वह एक खुशहाल घर था? यहाँ सब लोग खुश थे?” कभी-कभी यह देखना अजीब लगता है कि हमारे विचार किस तरह बहुरंगी शीशे में घूमते रहते हैं। अभी मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। यादों और घटनाओं का एक हैरान कर देने वाला फेरबदल और पुनर्व्यवस्थापन। फिर वह मोज़ेक अपने वास्तविक स्वरूप में स्थिर हो गया।
मुझे अतीत के लिए खेद था, न कि वास्तविकता के लिए। क्योंकि उस सुदूर समय में भी, स्टाइल्स में कोई सुख नहीं था। मुझे तटस्थ भाव से वास्तविक तथ्य याद थे। मेरा मित्र जॉन और उसकी पत्नी, दोनों दुखी और उस जीवन से व्याकुल थे जो उन्हें जीने के लिए मजबूर किया गया था। लॉरेंस कैवेंडिश उदासी में डूबा हुआ था। सिंथिया, जिसकी चंचलता उसकी आश्रित स्थिति के कारण धूमिल हो गई थी। इंगलेथॉर्प ने धन के लिए एक धनी महिला से शादी की थी। नहीं, उनमें से कोई भी खुश नहीं था। और अब, फिर से, यहाँ कोई भी खुश नहीं था। स्टाइल्स एक भाग्यशाली घर नहीं था।
मैंने मिस कोल से कहा:
“मैं झूठी भावनाओं में बह रहा था। यह घर कभी खुशहाल नहीं था। अब भी नहीं है। यहाँ हर कोई दुखी है।”
“नहीं, नहीं। आपकी बेटी-”
जूडिथ खुश नहीं है।
मैंने यह बात अचानक मिले ज्ञान के आत्मविश्वास से कही। नहीं, जूडिथ खुश नहीं थी।
मैंने संशय से कहा, "बॉयड कैरिंगटन। वो पिछले दिन कह रहा था कि उसे अकेलापन महसूस हो रहा है - लेकिन इन सब बातों के बावजूद मुझे लगता है कि वो काफी आनंद ले रहा है - अपने घर और बाकी सब चीजों के साथ।"
मिस कोल ने तीखी आवाज में कहा:

“हाँ, लेकिन सर विलियम अलग हैं। वे हम सब की तरह यहाँ के नहीं हैं। वे बाहरी दुनिया से हैं - सफलता और स्वतंत्रता की दुनिया से। उन्होंने अपने जीवन में सफलता हासिल की है और वे यह जानते हैं। वे अपंगों में से एक नहीं हैं।”
यह एक अजीब शब्द था जिसे उसने चुना था। मैं मुड़ा और उसे घूरने लगा।
मैंने पूछा, "क्या आप मुझे बताएँगे कि आपने उस विशेष अभिव्यक्ति का प्रयोग क्यों किया?"
“क्योंकि,” उसने अचानक तीव्र ऊर्जा के साथ कहा, “यही सच है। कम से कम मेरे बारे में तो यही सच है। मैं अपंग हूँ।”
मैंने नरमी से कहा, "मैं देख सकता हूँ कि आप बहुत दुखी हैं।" उसने धीमी आवाज़ में कहा:
"आप मुझे नहीं जानते, है ना?"
“अह - मुझे आपका नाम पता है -”
"कोल मेरा नाम नहीं है - कहने का तात्पर्य यह है कि यह मेरी माँ का नाम था। मैंने इसे बाद में अपनाया।"
"बाद में?"
मेरा असली नाम लिचफील्ड है।
एक-दो मिनट तक मुझे समझ नहीं आया - यह बस एक जाना-पहचाना सा नाम था। फिर मुझे याद आया।
“मैथ्यू लिचफील्ड।”
उसने सिर हिलाया।
“मुझे लगता है कि आपको इसके बारे में पता है। अभी मेरा मतलब यही था। मेरे पिता एक बीमार और अत्याचारी व्यक्ति थे। उन्होंने हमें किसी भी तरह का सामान्य जीवन जीने से रोक रखा था। हम

दोस्तों को घर नहीं बुला सकते थे। उन्होंने हमें पैसों की तंगी में रखा। हम एक तरह से कैद में थे।”
वह रुक गई, उसकी आंखें, वे खूबसूरत आंखें, चौड़ी और गहरी हो गईं। और फिर मेरी बहन - मेरी बहन -
वह रुक गई।
“कृपया ऐसा मत करो – आगे मत बोलो। यह तुम्हारे लिए बहुत कष्टदायक है। मुझे पता है। मुझे बताने की कोई जरूरत नहीं है।” “लेकिन तुम नहीं जानतीं। तुम जान ही नहीं सकतीं। मैगी। यह अकल्पनीय है - अविश्वसनीय है। मुझे पता है कि वह पुलिस के पास गई, उसने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया, उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। लेकिन फिर भी कभी-कभी मुझे यकीन नहीं होता! मुझे कहीं न कहीं ऐसा लगता है कि यह सच नहीं था - ऐसा नहीं हुआ - ऐसा हो ही नहीं सकता था जैसा उसने बताया।”
“आपका मतलब है-” मैं हिचकिचाया- “कि तथ्य आपस में विरोधाभासी थे-”
उसने मेरी बात बीच में ही काट दी।
“नहीं, नहीं। वो नहीं। नहीं, ये तो खुद मैगी है। ये उसके जैसी नहीं थी। ये मैगी नहीं थी!”
मेरे होठों पर शब्द कांप रहे थे, लेकिन मैंने उन्हें नहीं कहा। अभी वह समय नहीं आया था जब मैं उससे ये कह पाता:
“आप सही कह रहे हैं। यह मैगी नहीं थी...”

□□□□

अध्याय 9
लगभग छह बजे के आसपास कर्नल लुटरेल रास्ते से गुजरे। उनके पास एक कौवे का शिकार करने वाली राइफल थी और वे अपने साथ दो मरे हुए जंगली कबूतर ले जा रहे थे।
जब मैंने उसे आवाज दी तो वह चौंक गया और हमें देखकर आश्चर्यचकित प्रतीत हुआ।
"हेलो, तुम दोनों वहाँ क्या कर रहे हो? वह जर्जर पुरानी जगह सुरक्षित नहीं है, तुम्हें पता है। वह टूट-फूट रही है। शायद तुम्हारे सिर के पास तक टूट जाएगी। मुझे डर है कि तुम वहाँ गंदी हो जाओगी, एलिजाबेथ।"
"ओह, कोई बात नहीं। कैप्टन हेस्टिंग्स ने मेरी पोशाक को साफ रखने के नेक काम में अपना एक रूमाल कुर्बान कर दिया है।" कर्नल ने अस्पष्ट स्वर में कुछ बुदबुदाया:
"अरे, सच में? कोई बात नहीं।"
वह वहीं खड़ा अपने होंठ खींच रहा था और हम भी उठकर उसके साथ शामिल हो गए।
आज शाम उनका मन कहीं और ही खोया हुआ सा लग रहा था। उन्होंने खुद को संभालते हुए कहा:
मैं इन शापित जंगली कबूतरों को पकड़ने की कोशिश कर रहा हूँ। ये बहुत नुकसान करते हैं, आप जानते हैं।
मैंने उससे कहा, "मैंने सुना है कि तुम बहुत अच्छे निशानेबाज हो।"
“अरे? ये किसने बताया? ओह, बॉयड कैरिंगटन ने। हुआ करता था – हुआ करता था। आजकल थोड़ा जंग खा गया है। उम्र का असर तो दिखता ही है।”
मैंने सुझाव दिया, "दृष्टि।"

उन्होंने तुरंत ही इस सुझाव को नकार दिया।
“बकवास। मेरी नज़र पहले जैसी ही अच्छी है। हाँ, पढ़ने के लिए चश्मा पहनना पड़ता है। लेकिन दूर की चीज़ें देखने में कोई दिक्कत नहीं है।”
उन्होंने एक या दो मिनट बाद दोहराया:
“हाँ - ठीक है। वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता...”
उसकी आवाज धीरे-धीरे खोई-खोई बुदबुदाहट में बदल गई।
मिस कोल ने चारों ओर देखते हुए कहा:
"कितनी खूबसूरत शाम है!"
वह बिलकुल सही थी। सूरज पश्चिम की ओर ढल रहा था और प्रकाश सुनहरा था, जिससे पेड़ों की गहरी हरी पत्तियाँ एक शानदार चमक बिखेर रही थीं। वह एक शांत और स्थिर शाम थी, बिल्कुल वैसी ही जैसी दूर-दराज के उष्णकटिबंधीय देशों में याद आती है। मैंने भी यही कहा।
कर्नल लुटरेल ने उत्सुकतापूर्वक सहमति व्यक्त की।
“हां, हां, अक्सर भारत में ऐसी शामों के बारे में सोचा करता था। इससे सेवानिवृत्ति और घर बसाने का मन करता है - है ना?”
मैंने सिर हिलाया। वह बोलते रहे, उनकी आवाज़ बदल गई:
"हां, बस जाना - घर लौटना - कुछ भी वैसा नहीं होता जैसा आप कल्पना करते हैं - नहीं - नहीं।"
मुझे लगा कि यह बात शायद उनके मामले में विशेष रूप से सच थी। उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि वह एक गेस्ट हाउस चलाएंगे, उसे चलाने की कोशिश करेंगे और उनकी पत्नी हमेशा उन पर चिल्लाती और शिकायत करती रहेगी।

हम धीरे-धीरे घर की ओर बढ़े। नॉर्टन और बॉयड कैरिंगटन बरामदे में बैठे थे और कर्नल और मैं भी उनके साथ बैठ गए जबकि मिस कोल घर के अंदर चली गईं।
हमने कुछ मिनट बातचीत की। कर्नल लुटरेल का चेहरा खिल उठा था। उन्होंने एक-दो चुटकुले सुनाए और हमेशा की तुलना में कहीं अधिक प्रसन्न और सजग लग रहे थे।
“आज का दिन बहुत गर्म रहा,” नॉर्टन ने कहा। “मुझे प्यास लग रही है।”
“चलो एक ड्रिंक लेते हैं, दोस्तों। मेरी तरफ से?” कर्नल उत्सुक और खुश लग रहे थे।
हमने उन्हें धन्यवाद दिया और सामान स्वीकार कर लिया। वे उठे और अंदर चले गए।
जिस हिस्से में हम बैठे थे, वह डाइनिंग रूम की खिड़की के ठीक बाहर था, और वह खिड़की खुली हुई थी।
हमने अंदर कर्नल की आवाज सुनी - एक अलमारी खोलते हुए, फिर कॉर्कस्क्रू की चरमराहट और बोतल का कॉर्क निकलते ही धीमी सी आवाज सुनी।
और फिर, तेज और बुलंद आवाज में श्रीमती कर्नल लुटरेल की अनौपचारिक आवाज सुनाई दी!
"जॉर्ज, तुम क्या कर रहे हो?"
कर्नल की आवाज धीमी होकर बुदबुदाहट में बदल गई थी।
हमें इधर-उधर कुछ अस्पष्ट शब्द ही सुनाई दिए - बाहर कुछ लोग - शराब पी रहे हैं।
तीखी, चिड़चिड़ी आवाज गुस्से से फूट पड़ी:
“तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे, जॉर्ज। ज़रा सोचो। अगर तुम सबके सामने खड़े होकर ड्रिंक्स पिलाते रहोगे, तो हम इस जगह का खर्च कैसे

चला पाएंगे? यहाँ ड्रिंक्स का बिल तो चुकाना ही पड़ेगा। अगर तुम्हारे पास बिज़नेस की समझ नहीं है, तो मेरे पास है। अरे, अगर मैं न होता तो तुम कल ही दिवालिया हो जाते! मुझे तुम्हारी देखभाल बच्चे की तरह करनी पड़ती है। हाँ, बिल्कुल बच्चे की तरह। तुम्हें ज़रा भी अक्ल नहीं है। मुझे वह बोतल दो। मुझे दो, मैं कहता हूँ।”
फिर से एक दर्द भरी, धीमी, विरोधात्मक बड़बड़ाहट सुनाई दी। श्रीमती लुटरेल ने चिड़चिड़ेपन से जवाब दिया:
मुझे परवाह नहीं कि वे ऐसा करते हैं या नहीं। बोतल अलमारी में वापस जाएगी, और मैं अलमारी को ताला भी लगा दूंगा।
ताले में चाबी घुमाने की आवाज सुनाई दी।
“बस हो गया। यही तरीका है।”
इस बार कर्नल की आवाज अधिक स्पष्ट सुनाई दी:
“तुम हद पार कर रही हो, डेज़ी। मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूँगा।” “क्या आप इसे स्वीकार नहीं करेंगे? और मैं जानना चाहता हूँ कि आप कौन हैं? इस घर का मुखिया कौन है? मैं हूँ। और इसे कभी मत भूलना।”
पर्दों की हल्की सी सरसराहट सुनाई दी और श्रीमती लुटरेल जाहिर तौर पर कमरे से बाहर निकल गईं।
कुछ क्षणों के बाद कर्नल फिर से प्रकट हुए। उन कुछ क्षणों में वे काफी बूढ़े और कमजोर प्रतीत हो रहे थे।
हममें से ऐसा कोई नहीं था जिसे उसके लिए गहरा दुख न हुआ हो और जो स्वेच्छा से श्रीमती लुटरेल की हत्या न कर देता।
“बहुत खेद है दोस्तों,” उसने कठोर और बनावटी आवाज़ में कहा।
“लगता है व्हिस्की खत्म हो गई है।”

उन्हें यह एहसास जरूर हो गया होगा कि हम सबने अनजाने में ही सब कुछ सुन लिया था। अगर उन्हें यह एहसास नहीं हुआ होता, तो हमारे हाव-भाव से उन्हें जल्द ही पता चल जाता। हम सब बेहद असहज थे, और नॉर्टन तो अपना आपा ही खो बैठे। उन्होंने पहले तो जल्दी से कहा कि उन्हें ड्रिंक नहीं चाहिए - डिनर का समय अभी ठीक नहीं था, और फिर बड़ी चतुराई से विषय बदलते हुए बेतुकी बातें करने लगे। वाकई वह एक बुरा पल था। मैं तो जैसे सुन्न पड़ गया था और बॉयड कैरिंगटन, जो हममें से एकमात्र ऐसा व्यक्ति था जो शायद इस बात को नज़रअंदाज़ कर सकता था, नॉर्टन की बकवास के कारण उसे कोई मौका ही नहीं मिला।
मेरी नजर के कोने से मैंने श्रीमती लुटरेल को बागवानी के दस्ताने और जंगली घास उखाड़ने वाले औजार के साथ एक रास्ते पर धीरे-धीरे जाते हुए देखा। वह बेशक एक कुशल महिला थीं, लेकिन उस पल मुझे उनके प्रति बहुत गुस्सा आया। किसी भी इंसान को दूसरे इंसान को अपमानित करने का अधिकार नहीं है।
नॉर्टन अभी भी जोश में बातें कर रहा था। उसने एक जंगली कबूतर उठा लिया था और पहले तो उसने हमें बताया कि कैसे उसके प्रीप स्कूल में खरगोश को मरते देख उल्टी करने पर उसका मज़ाक उड़ाया गया था, फिर वह ग्राउज़ मूर के विषय पर आ गया और स्कॉटलैंड में हुई एक दुर्घटना की लंबी और कुछ हद तक निरर्थक कहानी सुनाने लगा, जिसमें एक शिकारी को गोली लग गई थी। हमने अपने जाने-पहचाने विभिन्न शिकार दुर्घटनाओं के बारे में बात की, और फिर बॉयड कैरिंगटन ने अपना गला साफ़ किया और कहा:
"एक बार मेरे एक बैटमैन के साथ एक मजेदार घटना घटी। वो आयरिश था। उसकी छुट्टी थी और वो आयरलैंड चला गया। जब वो वापस आया, तो मैंने उससे पूछा कि उसकी छुट्टी कैसी रही।"

"'हाँ, बिल्कुल, माननीय न्यायाधीश, यह मेरे जीवन की सबसे बेहतरीन छुट्टी रही है!'"
"'मुझे इस बात की खुशी है,' मैंने कहा, उनकी उत्सुकता देखकर मैं थोड़ा हैरान था।"
"'अरे हाँ, बिल्कुल, यह एक शानदार छुट्टी थी! मैंने अपने भाई को गोली मार दी।'"
"'तुमने अपने भाई को गोली मार दी!' मैंने हैरानी से कहा।"
“हाँ, बिल्कुल। सालों से मैं ऐसा करना चाहता था। और मैं डबलिन में एक छत पर था और तभी मैंने देखा कि मेरा भाई और मैं हाथ में राइफल लिए सड़क से नीचे आ रहे हैं। वैसे तो मैंने खुद ही कहा था कि निशाना बहुत बढ़िया था। मैंने उसे पक्षी की तरह साफ-सुथरा मार गिराया। आह! वह एक शानदार पल था, और मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा!”
बॉयड कैरिंगटन ने अतिरंजित नाटकीय अंदाज़ में एक कहानी बहुत अच्छे से सुनाई, और हम सब हँसे और हमें अच्छा लगा। जब वह उठकर यह कहते हुए चले गए कि उन्हें रात के खाने से पहले नहाना है, तो नॉर्टन ने उत्साह से हमारी भावना को व्यक्त करते हुए कहा:
वह कितना शानदार व्यक्ति है!
मैं सहमत हो गया, और लुटरेल ने कहा: "हाँ, हाँ, एक अच्छा आदमी।" “वह हमेशा से हर जगह सफल रहे हैं, इसलिए मैं समझता हूँ,” नॉर्टन ने कहा। “उन्होंने जिस भी काम में हाथ डाला है, उसमें सफलता मिली है। स्पष्ट सोच वाले, अपने मन की बात जानने वाले - असल में कर्मठ व्यक्ति। सच्चे सफल व्यक्ति।”
लुटरेल ने धीरे से कहा:

“कुछ लोग ऐसे ही होते हैं। वे जिस भी काम में हाथ डालते हैं, उसमें सफल हो जाते हैं। उनसे गलती हो ही नहीं सकती। कुछ लोग तो भाग्य के धनी होते हैं।”
नॉर्टन ने जल्दी से सिर हिलाया।
“नहीं, नहीं महोदय। भाग्य नहीं,” उन्होंने अर्थपूर्ण ढंग से कहा। “हमारे सितारों में नहीं, प्रिय ब्रूटस - बल्कि हममें ही है।”
लुटरेल ने कहा: "शायद आप सही हैं।"
मैंने जल्दी से कहा:
“खैर, उसे नैट्टन विरासत में मिलना सौभाग्य की बात है। क्या जगह है! लेकिन उसे शादी जरूर कर लेनी चाहिए। वह वहां अकेले बहुत अकेला महसूस करेगा।”
नॉर्टन हँस पड़ा। "शादी करके घर बसा ले? और मान लो उसकी पत्नी उसे परेशान करे तो..."
यह महज़ बदकिस्मती थी। ऐसी बात तो कोई भी कह सकता है। लेकिन उस समय हालात कुछ और ही थे, और नॉर्टन को ठीक उसी क्षण इसका एहसास हुआ जब उसके मुंह से शब्द निकले। उसने अपने शब्दों को वापस लेने की कोशिश की, लेकिन वह हिचकिचाया, हकलाया और अजीब तरह से रुक गया। इससे मामला और बिगड़ गया।
हम दोनों ने एक साथ बोलना शुरू किया। मैंने शाम की रोशनी के बारे में कोई बेवकूफी भरी टिप्पणी की। नॉर्टन ने खाने के बाद ब्रिज खेलने के बारे में कुछ कहा।
कर्नल लुटरेल ने हम दोनों में से किसी पर भी ध्यान नहीं दिया।
उन्होंने एक अजीब, भावहीन स्वर में कहा:

“नहीं, बॉयड कैरिंगटन अपनी पत्नी से दबने वाला नहीं है। वह उस तरह का आदमी नहीं है जो खुद को दबने दे। वह ठीक है। वह एक मर्द है!”
यह बहुत ही अजीब स्थिति थी। नॉर्टन फिर से पुल के बारे में बड़बड़ाने लगा। इसी बीच एक बड़ा जंगली कबूतर हमारे सिर के ऊपर से फड़फड़ाता हुआ आया और पास ही एक पेड़ की शाखा पर बैठ गया। कर्नल लुटरेल ने अपनी बंदूक उठा ली।
“ये उनमें से एक बदमाश है,” उसने कहा।
लेकिन इससे पहले कि वह निशाना साध पाता, पक्षी फिर से पेड़ों के बीच से उड़ गया, जहां से उस पर गोली चलाना असंभव था।
हालांकि, उसी समय, दूर की ढलान पर हुई एक हलचल ने कर्नल का ध्यान भटका दिया।
अरे यार, एक खरगोश उन छोटे फलों के पेड़ों की छाल कुतर रहा है।
मुझे लगा था मैंने पूरे इलाके में तार लगा रखे थे।
उसने राइफल उठाई और गोली चलाई, और जैसा मैंने देखा -
एक महिला की चीख सुनाई दी। वह चीख एक भयानक गड़गड़ाहट में तब्दील हो गई।
कर्नल के हाथ से राइफल गिर गई, उनका शरीर लड़खड़ा गया - उन्होंने अपने होंठ पकड़ लिए।
हे भगवान! यह तो डेज़ी है!
मैं पहले ही लॉन पार करके दौड़ रहा था। नॉर्टन मेरे पीछे आया। मैं उस जगह पर पहुँचा और घुटनों के बल बैठ गया। वहाँ श्रीमती लुटरेल थीं। वह घुटनों के बल बैठकर एक छोटे फलदार पेड़ से एक खूंटी बाँध रही थीं। वहाँ घास लंबी थी, इसलिए मुझे समझ आया कि कर्नल उन्हें ठीक से क्यों नहीं देख पाए थे और घास में केवल

हलचल ही देख पाए थे। रोशनी भी भ्रम पैदा कर रही थी। उनके कंधे में गोली लगी थी और खून तेजी से बह रहा था।
मैंने घाव की जांच करने के लिए झुककर नॉर्टन की ओर देखा। वह एक पेड़ से टिका हुआ था और उसका चेहरा पीला पड़ गया था, मानो उसे उल्टी आने वाली हो। उसने माफी मांगते हुए कहा:
मुझे खून बिल्कुल पसंद नहीं है।
मैंने तीखे स्वर में कहा:
“तुरंत फ्रैंकलिन से संपर्क करो। या फिर नर्स से।”
उसने सिर हिलाया और भाग गया।
सबसे पहले नर्स क्रेवन घटनास्थल पर पहुंचीं। वह बेहद कम समय में वहां आ गईं और तुरंत ही पेशेवर तरीके से खून बहना रोकने में जुट गईं। फ्रैंकलिन भी कुछ ही देर बाद दौड़ते हुए वहां पहुंचे। दोनों ने मिलकर श्रीमती लुटरेल को घर के अंदर ले जाकर बिस्तर पर लिटाया। फ्रैंकलिन ने घाव पर पट्टी बांधी और उनके डॉक्टर को बुलवाया, जबकि नर्स क्रेवन उनके साथ रहीं।
मैं फ्रैंकलिन से ठीक उसी समय मिला जब वह टेलीफोन छोड़कर जा रहा था।
वह कैसी है?
“ओह! वो ठीक हो जाएगी। सौभाग्य से कोई महत्वपूर्ण अंग बच गया। ये सब कैसे हुआ?”
मैंने उसे बताया। उसने कहा:
“मैं समझ गया। बूढ़ा कहाँ है? वो बहुत थका हुआ होगा। मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए। शायद उसे उससे ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि उसका दिल बहुत अच्छा है।”

हमें कर्नल लुटरेल धूम्रपान कक्ष में मिले। उनके मुंह के आसपास का रंग नीला पड़ गया था और वे पूरी तरह से स्तब्ध लग रहे थे। उन्होंने टूटी हुई आवाज़ में कहा:
“डेज़ी? क्या वो — कैसी है वो?”
फ्रैंकलिन ने तुरंत कहा:
“वह ठीक हो जाएगी, महोदय। आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।”
“मैंने सोचा कि खरगोश पेड़ की छाल कुतर रहा है - पता नहीं मुझसे यह गलती कैसे हो गई। मेरी आंखों में रोशनी थी।”
“ये सब होता रहता है,” फ्रैंकलिन ने रूखेपन से कहा। “मैंने अपने जीवन में एक-दो बार ऐसा होते देखा है। देखिए महोदय, बेहतर होगा कि आप मुझे थोड़ा तरोताज़ा करने दीजिए। आपकी तबीयत कुछ ठीक नहीं लग रही है।”
मैं ठीक हूँ। क्या मैं उसके पास जा सकती हूँ?
“अभी नहीं। नर्स क्रेवन उनके साथ हैं। लेकिन आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। वह ठीक हैं। डॉक्टर ओलिवर अभी यहाँ आएंगे और वह भी आपको यही बताएंगे।”
मैंने उन दोनों को वहीं छोड़ दिया और शाम की धूप में बाहर निकल गया। जूडिथ और एलर्टन रास्ते से मेरी ओर आ रहे थे। उसका सिर जूडिथ के सिर से सटा हुआ था और वे दोनों हंस रहे थे।
अभी-अभी हुई त्रासदी के बाद, इस घटना ने मुझे बहुत गुस्सा दिलाया। मैंने जूडिथ को तेज़ आवाज़ में पुकारा और वह आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगी। मैंने कुछ ही शब्दों में उन्हें सारी बात बता दी।
मेरी बेटी ने कहा, "यह तो एक असाधारण घटना है।"

मुझे लगा कि वह उतनी परेशान नहीं लग रही थी जितनी उसे होनी चाहिए थी।
एलर्टन का व्यवहार बेहद आपत्तिजनक था। ऐसा लग रहा था मानो वह इस पूरी घटना को एक मजाक समझ रहा हो।
“उस बुढ़िया के साथ यही होना चाहिए था,” उसने कहा। “लगता है उस बूढ़े ने जानबूझकर ऐसा किया होगा।”
मैंने तीखे स्वर में कहा, "बिल्कुल नहीं। यह एक दुर्घटना थी।" “हाँ, लेकिन मैं इन हादसों को जानता हूँ। कभी-कभी तो ये बेहद सुविधाजनक होते हैं। अगर उस बूढ़े ने जानबूझकर उसे गोली मारी है, तो मैं उसे सलाम करता हूँ।”
मैंने गुस्से से कहा, "ऐसा कुछ भी नहीं था।"
“इतना भी यकीन मत करो। मैं दो ऐसे आदमियों को जानता हूँ जिन्होंने अपनी पत्नियों को गोली मार दी। एक तो अपना रिवाल्वर साफ कर रहा था। दूसरे ने मजाक में उस पर एकदम करीब से गोली चला दी, उसने बताया। उसे पता ही नहीं था कि रिवाल्वर में गोली भरी है। दोनों बच गए। सच कहूँ तो, गोली का निशाना बहुत सटीक था।” मैंने ठंडे स्वर में कहा, "कर्नल लुटरेल उस तरह के आदमी नहीं हैं।"
“अच्छा, आप यह तो नहीं कह सकते कि यह राहत की बात नहीं होगी, है ना?” एलर्टन ने प्रासंगिक लहजे में पूछा। “क्या उनके बीच कोई झगड़ा हुआ था?”
मैं गुस्से से मुंह फेरकर दूसरी तरफ मुड़ गया, साथ ही अपने अंदर की बेचैनी को छिपाने की कोशिश भी कर रहा था। एलर्टन कुछ ज्यादा ही सटीक बात कह बैठा था। पहली बार मेरे मन में संदेह पैदा हुआ।

बॉयड कैरिंगटन से मिलने से भी स्थिति बेहतर नहीं हुई। उन्होंने बताया कि वह झील की ओर टहलने गए थे। जब मैंने उन्हें यह खबर बताई, तो उन्होंने तुरंत कहा:
"तुम्हें नहीं लगता कि उसने जानबूझकर उसे गोली मारी होगी, हैस्टिंग्स?"
मेरे प्रिय पुरुष।
"माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए। मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था। बस उस पल के लिए मन में ख्याल आया... उसने उसे थोड़ा उकसाया था, आप जानते हैं।"
हम दोनों कुछ पल के लिए चुप हो गए क्योंकि हमें वह दृश्य याद आ गया जिसे हमने अनजाने में सुन लिया था।
मैं दुखी और चिंतित महसूस करते हुए ऊपर गया और पोइरोट के दरवाजे पर दस्तक दी।
कर्टिस के ज़रिए उन्हें पहले ही सब कुछ पता चल चुका था, लेकिन वे पूरी जानकारी जानने के लिए उत्सुक थे। स्टाइल्स में आने के बाद से ही मैंने अपनी रोज़मर्रा की मुलाकातों और बातचीत को विस्तार से बताने की आदत डाल ली थी। मुझे लगता था कि इससे उस भले- बुज़ुर्ग को कम अकेलापन महसूस होता था। इससे उन्हें ऐसा लगता था मानो वे हर बात में हिस्सा ले रहे हों। मेरी याददाश्त हमेशा से अच्छी और सटीक रही है, इसलिए मुझे बातचीत को शब्दशः दोहराना बहुत आसान लगता था।
पोइरोट ने बड़ी ध्यान से सुना। मुझे उम्मीद थी कि वह उस भयानक सुझाव को पूरी तरह से खारिज कर देंगे जिसने अब तक मेरे मन पर बेचैनी से कब्जा कर लिया था, लेकिन इससे पहले कि उन्हें अपनी राय बताने का मौका मिलता, दरवाजे पर हल्की सी दस्तक हुई।

वह नर्स क्रेवन थीं। उन्होंने हमें परेशान करने के लिए माफी मांगी।
मुझे खेद है, लेकिन मुझे लगा कि डॉक्टर यहाँ हैं। बुढ़िया अब होश में हैं और अपने पति के बारे में चिंतित हैं। वह उनसे मिलना चाहती हैं। क्या आपको पता है कि वह कहाँ हैं, कैप्टन हेस्टिंग्स? मैं अपने मरीज़ को छोड़कर नहीं जाना चाहता। मैंने स्वेच्छा से जाकर उसे ढूंढने का जिम्मा लिया। पोइरोट ने सहमति में सिर हिलाया और नर्स क्रेवन ने मुझे हार्दिक धन्यवाद दिया।
मैंने कर्नल लुटरेल को एक छोटे से कमरे में पाया, जिसका इस्तेमाल बहुत कम होता था। वह खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देख रहे थे।
मेरे अंदर आते ही वह अचानक मुड़ा। उसकी आँखों में एक सवाल था। मुझे लगा कि वह डरा हुआ था।
"कर्नल लुटरेल, आपकी पत्नी होश में हैं और आपको बुला रही हैं।" “ओह।” उसके गालों का रंग खिल उठा और तब मुझे एहसास हुआ कि वह पहले कितना सफेद था। उसने धीरे-धीरे, लड़खड़ाते हुए, एक बूढ़े आदमी की तरह कहा:
“वह – वह – मुझे बुला रही है? मैं – मैं तुरंत आऊंगा।”
जब वह लड़खड़ाते हुए दरवाजे की ओर बढ़ने लगा तो उसका शरीर इतना अस्थिर हो गया कि मुझे आकर उसकी मदद करनी पड़ी। सीढ़ियाँ चढ़ते समय वह मुझ पर बुरी तरह झुक गया। उसे साँस लेने में कठिनाई हो रही थी। जैसा कि फ्रैंकलिन ने भविष्यवाणी की थी, सदमा बहुत गंभीर था।
हम बीमारों के कमरे के दरवाजे पर पहुँचे। मैंने दस्तक दी और नर्स क्रेवन की चुस्त और कुशल आवाज ने कहा, "अंदर आ जाओ।"

बूढ़े आदमी को सहारा देते हुए मैं उसके साथ कमरे में गया। बिस्तर के चारों ओर एक पर्दा लगा हुआ था। हम उसके कोने से घूमकर अंदर आए।
श्रीमती लुटरेल बेहद बीमार लग रही थीं - पीली और कमजोर, उनकी आंखें बंद थीं। जैसे ही हम स्क्रीन के कोने से मुड़े, उन्होंने अपनी आंखें खोलीं।
उसने धीमी, कांपती हुई आवाज में कहा:
“जॉर्ज - जॉर्ज -”
“डेज़ी - मेरी प्यारी...”
उसकी एक भुजा पर पट्टी बंधी थी और उसे सहारा दिया गया था। दूसरी भुजा, जो स्वतंत्र थी, लड़खड़ाते हुए उसकी ओर बढ़ी। उसने एक कदम आगे बढ़ाया और उसका छोटा सा नाजुक हाथ अपने हाथ में थाम लिया। उसने फिर कहा:
“डेज़ी...” और फिर, रूखेपन से, “भगवान का शुक्र है, तुम ठीक हो।” और जब मैंने उसकी ओर देखा, उसकी आँखों में हल्की नमी देखी, और उनमें गहरे प्यार और चिंता को महसूस किया, तो मुझे अपनी सभी भयावह कल्पनाओं पर बहुत शर्मिंदगी हुई।
मैं चुपके से कमरे से बाहर निकल गया। वाकई, यह एक छुपा हुआ हादसा था! कृतज्ञता की उस गहरी भावना को छिपाना नामुमकिन था। मुझे असीम राहत महसूस हुई।
गलियारे से गुजरते समय घंटी की आवाज़ से मैं चौंक गया। मैं समय का बिल्कुल ध्यान भूल गया था। दुर्घटना ने सब कुछ उलट-पुलट कर दिया था। केवल रसोइया ही हमेशा की तरह काम करता रहा और उसने तय समय पर खाना परोसा।
हममें से अधिकांश लोग नहीं बदले थे और कर्नल लुटरेल भी नहीं दिखे। लेकिन श्रीमती फ्रैंकलिन, हल्के गुलाबी रंग की शाम की

पोशाक में बेहद आकर्षक लग रही थीं, पहली बार नीचे आई थीं और स्वस्थ और खुशमिजाज लग रही थीं। मुझे लगा कि फ्रैंकलिन कुछ उदास और मग्न थीं।
रात के खाने के बाद, मेरी झुंझलाहट के बावजूद, एलर्टन और जूडिथ एक साथ बगीचे में चले गए। मैं थोड़ी देर वहीं बैठा रहा और फ्रैंकलिन और नॉर्टन को उष्णकटिबंधीय रोगों पर चर्चा करते हुए सुनता रहा। नॉर्टन एक सहानुभूतिपूर्ण और रुचि रखने वाला श्रोता था, भले ही उसे चर्चा के विषय के बारे में बहुत कम जानकारी थी।
श्रीमती फ्रैंकलिन और बॉयड कैरिंगटन कमरे के दूसरे छोर पर बातें कर रहे थे। वह उन्हें पर्दों या क्रेटन के कुछ डिज़ाइन दिखा रहा था।
एलिज़ाबेथ कोल एक किताब पढ़ रही थीं और उसमें पूरी तरह डूबी हुई लग रही थीं। मुझे लगा कि वह मुझसे थोड़ी असहज और शर्मिंदा थीं। दोपहर में उन्होंने जो बातें बताई थीं, उसके बाद शायद यह स्वाभाविक ही था। फिर भी मुझे इस बात का दुख हुआ और मुझे उम्मीद थी कि उन्हें मुझसे कही गई बातों पर पछतावा नहीं होगा। मैं उन्हें यह स्पष्ट कर देना चाहती थी कि मैं उनकी गोपनीयता का सम्मान करूंगी और उसे दोहराऊंगी नहीं। लेकिन उन्होंने मुझे मौका ही नहीं दिया।
कुछ देर बाद मैं पोइरोट के पास गया।
मैंने कर्नल लुटरेल को उस एक छोटे से बिजली के लैंप की रोशनी के घेरे में बैठे हुए पाया जो चालू था।
वह बोल रहा था और पोइरोट सुन रहा था। मुझे लगता है कि कर्नल अपने श्रोता से नहीं, बल्कि खुद से ही बात कर रहा था।

मुझे अच्छी तरह याद है - हाँ, यह एक हंट बॉल में हुआ था। उसने सफेद रंग का कपड़ा पहना था, जिसे ट्यूल कहते हैं, मुझे लगता है। वह उसके चारों ओर लहरा रहा था। कितनी सुंदर लड़की थी वह - मुझे उसी पल उस पर मोहित कर लिया। मैंने मन ही मन कहा, 'यही वह लड़की है जिससे मैं शादी करूंगा।' और सच में, मैंने उससे शादी कर ली। उसका अंदाज़ बहुत प्यारा था - चुलबुली, आप जानते हैं, खूब जवाब देती थी। हमेशा मुंहतोड़ जवाब देती थी, भगवान उसका भला करे। वह मुस्कराया।
मैंने उस दृश्य को अपनी कल्पना में देखा। मैं डेज़ी लुटरेल को एक युवा, चंचल चेहरे और उस तेज जुबान के साथ देख सकती थी - तब कितनी आकर्षक, लेकिन उम्र के साथ कितनी तीखी हो जाती थी।
लेकिन आज रात कर्नल लुटरेल उसी युवती, अपनी पहली सच्ची प्रेमिका, के रूप में उसके बारे में सोच रहे थे। उनकी डेज़ी। और मुझे फिर से उन बातों पर शर्म महसूस हुई जो हमने कुछ घंटे पहले कही थीं।
बेशक, जब कर्नल लुटरेल आखिरकार सोने चले गए, तो मैंने पोइरोट को सारी बात बता दी।
वह बहुत चुपचाप सुन रहा था। उसके चेहरे के भावों को मैं समझ नहीं पा रहा था।
"तो हेस्टिंग्स, आपका यही मानना था कि गोली जानबूझकर चलाई गई थी?"
“हां। अब मुझे शर्म आ रही है।”
पोइरोट ने मेरी वर्तमान भावनाओं को नजरअंदाज कर दिया।
"क्या यह विचार आपके मन में स्वयं आया, या किसी और ने आपको इसका सुझाव दिया?"

मैंने नाराज़गी से कहा, "एलर्टन ने कुछ इसी तरह की बात कही थी। वह तो ऐसा कहेगा ही।"
"किसी और को?"
"बॉयड कैरिंगटन ने इसका सुझाव दिया था।"
“आह! बॉयड कैरिंगटन।”
और आखिरकार, वह दुनियादारी का जानकार है और उसे इन चीजों का अनुभव है।
“ओह, बिल्कुल सही, बिल्कुल सही। लेकिन उसने घटना को होते हुए नहीं देखा था?”
नहीं, मैं टहलने गया था। रात के खाने के लिए कपड़े बदलने से पहले थोड़ी कसरत कर ली।
"अच्छा ऐसा है।"
मैंने बेचैनी से कहा:
मुझे नहीं लगता कि मैं वास्तव में उस सिद्धांत पर विश्वास करता था, यह केवल इतना ही था -”
पोइरोट ने मुझे बीच में ही रोक दिया।
"हेस्टिंग्स, आपको अपने संदेहों पर इतना पछतावा करने की ज़रूरत नहीं है। इन परिस्थितियों में किसी के भी मन में ऐसा विचार आना स्वाभाविक था। हाँ, यह सब बिल्कुल स्वाभाविक था।"
पोइरोट के व्यवहार में कुछ ऐसा था जिसे मैं पूरी तरह समझ नहीं पाया। एक तरह का संकोच। उनकी आँखें जिज्ञासा भरी नज़रों से मुझे देख रही थीं।
मैंने धीरे से कहा:
“शायद। लेकिन अब यह देखकर कि वह वास्तव में उसके प्रति कितना समर्पित है—”
पोइरोट ने सिर हिलाया।

“बिल्कुल सही। याद रखिए, अक्सर ऐसा ही होता है। रोजमर्रा की जिंदगी के झगड़ों, गलतफहमियों और दिखावटी दुश्मनी के नीचे सच्चा और वास्तविक स्नेह छिपा हो सकता है।”
मैं सहमत हो गया। मुझे नन्ही श्रीमती लुटरेल की आँखों में वो कोमल, स्नेहपूर्ण भाव याद आया जब वो अपने पति को अपने बिस्तर पर झुके हुए देख रही थीं। अब न कड़वाहट, न अधीरता, न चिड़चिड़ापन। मैंने बिस्तर पर जाते समय सोचा कि वैवाहिक जीवन एक अजीब चीज है। पोइरोट के हाव-भाव में कुछ ऐसा था जो मुझे अब भी चिंतित करता था। वह जिज्ञासु चौकस निगाह - मानो वह मेरे देखने का इंतजार कर रहा हो - क्या?
मैं बिस्तर पर लेट ही रहा था कि तभी वह मेरे पास आया। सीधे मेरी आँखों के बीचोंबीच लगा।
अगर श्रीमती लुटरेल की हत्या हुई होती, तो यह उन अन्य मामलों जैसा ही मामला होता। कर्नल लुटरेल ने जाहिर तौर पर अपनी पत्नी की हत्या की होती। इसे एक दुर्घटना मान लिया जाता, फिर भी साथ ही कोई भी निश्चित रूप से यह नहीं कह पाता कि यह दुर्घटना थी या जानबूझकर की गई थी। हत्या साबित करने के लिए अपर्याप्त सबूत होते, लेकिन हत्या का संदेह पैदा करने के लिए पर्याप्त सबूत होते।
लेकिन इसका मतलब यह था - इसका मतलब यह था -
इसका क्या मतलब था?
इसका मतलब यह था - अगर किसी बात का कोई मतलब होना था - कि मिसेज लुटरेल को कर्नल लुटरेल ने नहीं, बल्कि एक्स ने गोली मारी थी। और यह स्पष्ट रूप से असंभव था। मैंने सब कुछ अपनी आँखों से देखा था। कर्नल लुटरेल ने ही गोली चलाई थी। कोई और गोली नहीं चलाई गई थी।

जब तक कि - लेकिन यकीनन यह असंभव होगा। नहीं, शायद असंभव नहीं - बस बहुत ही कम संभावना है। लेकिन संभव तो है ही... मान लीजिए कि किसी और ने अपने मौके का इंतज़ार किया होता और ठीक उसी क्षण जब कर्नल लुटरेल ने (खरगोश पर) गोली चलाई होती, उसी क्षण उस दूसरे व्यक्ति ने श्रीमती लुटरेल पर गोली चला दी होती। तब तो केवल एक ही गोली की आवाज़ सुनाई देती। या, मामूली अंतर के साथ भी, उसे प्रतिध्वनि मान लिया जाता। (अब जब मैं इस बारे में सोचता हूँ, तो निश्चित रूप से प्रतिध्वनि हुई होगी।)
लेकिन नहीं, यह बेतुका था। गोली किस हथियार से चलाई गई थी, यह निर्धारित करने के तरीके थे। गोली पर बने निशान बैरल की राइफलिंग से मेल खाने चाहिए।
लेकिन मुझे याद आया कि यह तब की बात है जब पुलिस यह पता लगाने के लिए बेचैन थी कि गोली किस हथियार से चलाई गई थी। इस मामले में कोई पूछताछ नहीं होती। क्योंकि कर्नल लुटरेल को भी बाकी सभी की तरह पूरा यकीन होता कि जानलेवा गोली उन्होंने ही चलाई थी। इस तथ्य को बिना किसी सवाल के स्वीकार कर लिया जाता, जांच का तो सवाल ही नहीं उठता। एकमात्र संदेह यह होता कि गोली गलती से चली थी या आपराधिक इरादे से - एक ऐसा सवाल जिसका हल कभी नहीं निकल सकता।
और इसलिए यह मामला उन अन्य मामलों से बिल्कुल मेल खाता था - जैसे मजदूर रिग्स का मामला, जिसे याद नहीं था लेकिन उसे लगता था कि उसने ही यह किया होगा; और मैगी लिचफील्ड का मामला, जो अपना मानसिक संतुलन खो बैठी और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया - उस अपराध के लिए जो उसने किया ही नहीं था।

हाँ, यह मामला भी बाकी मामलों जैसा ही था और अब मुझे पोइरोट के तौर-तरीकों का मतलब समझ आ गया था। वह बस यही चाहता था कि मैं इस बात को समझ जाऊँ।

□□□□

अध्याय 10
मैंने अगली सुबह पोइरोट से इस विषय पर बात शुरू की। उनका चेहरा खिल उठा और उन्होंने सराहना में अपना सिर हिलाया।
"बहुत बढ़िया, हेस्टिंग्स। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या आप समानता देख पाएंगे। मैं आपको उकसाना नहीं चाहता था, आप समझ रहे हैं ना?" “तो मैं सही हूँ। यह भी एक X मामला है?”
“निस्संदेह।”
"लेकिन क्यों, पोइरोट? इसके पीछे मकसद क्या है?"
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
“क्या तुम्हें नहीं पता? क्या तुम्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है?”
पोइरोट ने धीरे से कहा:
"हाँ, मेरे पास एक विचार है।"
"क्या आपको इन सभी अलग-अलग मामलों के बीच का संबंध समझ में आ गया है?"
"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"
"तो ठीक है।"
मैं अपनी अधीरता को मुश्किल से ही रोक पाया।
नहीं, हेस्टिंग्स।
लेकिन मुझे यह जानना ही होगा।
"यह बेहतर होगा कि आप ऐसा न करें।"
"क्यों?"
"आपको मेरी बात माननी होगी कि यह सच है।"
मैंने कहा, "तुम सुधरने वाले नहीं हो। गठिया से बुरी तरह ग्रस्त हो। यहाँ असहाय बैठे हो। और फिर भी अकेले ही सब कुछ संभालने की कोशिश कर रहे हो।"

“यह मत सोचो कि मैं अकेला ही सब कुछ कर रहा हूँ। बिलकुल नहीं। इसके विपरीत, हेस्टिंग्स, तुम भी इस मामले में पूरी तरह से शामिल हो। तुम मेरी आँखें और मेरे कान हो। मैं तुम्हें केवल वही जानकारी देने से इनकार करता हूँ जो खतरनाक हो सकती है।”
"मेरे लिए?"
"हत्यारे को।"
मैंने धीरे से कहा, “तुम चाहते हो कि उसे शक न हो कि तुम उसका पीछा कर रहे हो? शायद यही बात है। वरना तुम्हें लगता है कि मैं अपना ख्याल नहीं रख सकता।”
"हेस्टिंग्स, तुम्हें कम से कम एक बात तो पता होनी चाहिए। जो आदमी एक बार हत्या कर देता है, वह फिर से हत्या करेगा - और बार-बार करता रहेगा।"
मैंने गंभीर स्वर में कहा, "खैर, इस बार कोई और हत्या नहीं हुई है। कम से कम एक गोली तो लक्ष्य से चूक गई है।"
“हां, यह बहुत सौभाग्य की बात थी – सचमुच बहुत सौभाग्य की बात। जैसा कि मैंने आपको बताया, इन चीजों का अनुमान लगाना मुश्किल होता है।”
उसने आह भरी। उसके चेहरे पर चिंता के भाव उभर आए।
मैं चुपचाप वहां से चला गया, यह सोचकर मुझे बहुत दुख हुआ कि पोइरोट अब किसी भी निरंतर प्रयास के लिए बिल्कुल भी सक्षम नहीं थे। उनका दिमाग अभी भी तेज था, लेकिन वे एक बीमार और थके हुए व्यक्ति थे।
पॉयरॉट ने मुझे X के व्यक्तित्व को समझने की कोशिश न करने की चेतावनी दी थी। लेकिन मन ही मन मैं इस बात पर अड़ा हुआ था कि मैंने उसके व्यक्तित्व को समझ लिया है। स्टाइल्स में केवल एक ही व्यक्ति था जो मुझे निश्चित रूप से दुष्ट लगा। हालांकि, एक

साधारण से प्रश्न से मैं एक बात सुनिश्चित कर सकता था। यह परीक्षण नकारात्मक होगा, लेकिन फिर भी इसका कुछ महत्व होगा। मैंने नाश्ते के बाद जूडिथ से बात की।
"कल शाम जब मेरी मुलाकात आपसे और मेजर एलर्टन से हुई थी, तब आप और मेजर एलर्टन कहाँ थे?"
समस्या यह है कि जब आप किसी चीज़ के एक पहलू पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप उसके अन्य सभी पहलुओं को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जब जूडिथ मुझ पर भड़क उठी तो मैं काफी हैरान रह गया।
"सचमुच, पिताजी, मुझे नहीं लगता कि इसमें आपका कोई लेना-देना है।"
मैं उसे हैरानी से देखता रहा, मानो अचंभित हो गया हो।
मैंने तो बस पूछा था।
“हाँ, लेकिन क्यों? आपको लगातार सवाल क्यों पूछने पड़ते हैं? मैं क्या कर रहा था? मैं कहाँ गया था? मैं किसके साथ था? यह सचमुच असहनीय है!”
सबसे मजेदार बात तो यह थी कि इस बार मैं वास्तव में यह नहीं पूछ रहा था कि जूडिथ कहाँ है। मेरी दिलचस्पी तो एलर्टन में थी। मैंने उसे शांत करने की कोशिश की।
"सच में, जूडिथ, मुझे समझ नहीं आता कि मैं एक साधारण सा सवाल क्यों नहीं पूछ सकता।"
मुझे समझ नहीं आता कि आप यह क्यों जानना चाहते हैं।
“मुझे खास तौर पर नहीं पता। मेरा मतलब है, मुझे बस आश्चर्य हुआ कि आप दोनों में से किसी को भी - मतलब - यह क्यों नहीं पता था कि क्या हुआ था।”

"क्या आपका मतलब उस दुर्घटना से है? अगर आपको जानना ही है तो मैं कुछ टिकटें लेने गांव गया था।"
मैंने व्यक्तिगत सर्वनाम पर झपट्टा मारा।
“क्या उस समय एलर्टन आपके साथ नहीं था?”
जूडिथ ने झुंझलाहट भरी आह भरी।
“नहीं, वो नहीं था,” उसने ठंडे गुस्से भरे स्वर में कहा। “दरअसल, हम घर के पास ही मिले थे और आपसे मिलने से सिर्फ़ दो मिनट पहले। मुझे उम्मीद है कि अब आप संतुष्ट होंगे। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि अगर मैंने पूरा दिन मेजर एलर्टन के साथ घूमते हुए बिताया होता, तो इससे आपका कोई लेना-देना नहीं है। मैं इक्कीस साल की हूँ और अपनी रोज़ी-रोटी खुद कमाती हूँ, और मैं अपना समय कैसे बिताती हूँ, यह पूरी तरह से मेरा निजी मामला है।”
मैंने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए जल्दी से कहा, "बिल्कुल।"
“मुझे खुशी है कि आप सहमत हैं।” जूडिथ थोड़ी शांत दिखीं। उन्होंने उदास सी मुस्कान दी। “ओह, प्यारे, कृपया इतना सख्त पिता बनने की कोशिश मत करो। तुम्हें नहीं पता कि यह कितना परेशान करने वाला होता है। अगर तुम इतना हंगामा न करो तो अच्छा होगा।”
मैंने उससे वादा किया, "मैं ऐसा नहीं करूंगा - मैं भविष्य में बिल्कुल ऐसा नहीं करूंगा।"
ठीक उसी क्षण फ्रैंकलिन तेजी से आते हुए दिखाई दिए।
"हेलो, जूडिथ। चलो। हमें सामान्य से अधिक देर हो गई है।"
उनका व्यवहार रूखा और बिल्कुल भी शिष्ट नहीं था। मुझे खुद पर काबू न रखते हुए भी गुस्सा आ रहा था। मैं जानती थी कि फ्रैंकलिन जूडिथ के मालिक थे, उनका जूडिथ के समय पर अधिकार था और चूंकि वे

इसके लिए भुगतान करते थे, इसलिए उन्हें आदेश देने का पूरा हक था। फिर भी मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वे सामान्य शिष्टाचार का पालन क्यों नहीं कर सकते थे। उनके व्यवहार को कोई भी परिष्कृत तो नहीं कहेगा, लेकिन कम से कम वे अधिकांश लोगों के साथ कुछ हद तक सामान्य शिष्टाचार का तो पालन करते थे। लेकिन जूडिथ के प्रति, खासकर हाल के दिनों में, उनका व्यवहार हमेशा रूखा और बेहद तानाशाही भरा रहता था। वे बोलते समय मुश्किल से ही जूडिथ की ओर देखते थे और केवल आदेश देते हुए चिल्लाते थे। जूडिथ को कभी इस बात का बुरा नहीं लगा, लेकिन मुझे उनकी ओर से बुरा लगा। मेरे मन में यह बात आई कि यह विशेष रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह एलर्टन के अत्यधिक ध्यान देने के व्यवहार से बिल्कुल विपरीत था। इसमें कोई संदेह नहीं कि जॉन फ्रैंकलिन एलर्टन से दस गुना बेहतर इंसान थे, लेकिन आकर्षण के मामले में वे उनके सामने बहुत फीके पड़ जाते थे।
मैंने फ्रैंकलिन को प्रयोगशाला की ओर जाते हुए देखा, उसकी बेढंगी चाल, उसका दुबला-पतला शरीर, उभरी हुई हड्डियाँ, लाल बाल और चेहरे पर पड़े धब्बे। एक बदसूरत और बेढंगा आदमी। उसमें कोई भी स्पष्ट गुण नहीं था। हाँ, उसका दिमाग अच्छा था, लेकिन औरतें अक्सर सिर्फ दिमाग पर ही मोहित नहीं होतीं। मुझे इस बात का दुख हुआ कि जूडिथ, अपनी नौकरी की वजह से, लगभग कभी दूसरे पुरुषों के संपर्क में नहीं आई। उसे अलग-अलग आकर्षक पुरुषों को परखने का मौका ही नहीं मिला। रूखे और अनाकर्षक फ्रैंकलिन की तुलना में, एलर्टन का दिखावटी आकर्षण बिल्कुल अलग था। मेरी बेचारी को उसकी असली कीमत परखने का कोई मौका ही नहीं मिला।
मान लीजिए कि वह सचमुच उससे प्यार करने लगे? अभी-अभी उसने जो चिड़चिड़ापन दिखाया था, वह एक चिंताजनक संकेत था। मैं जानता था

कि एलर्टन बहुत बुरा आदमी था। शायद वह कुछ और भी था। अगर एलर्टन X होता तो?
वह हो सकता है। जिस समय गोली चली, उस समय वह जूडिथ के साथ नहीं था।
लेकिन इन सभी प्रतीततः निरर्थक अपराधों के पीछे का मकसद क्या था? मुझे पूरा यकीन था कि एलर्टन में पागलपन का कोई अंश नहीं था। वह समझदार था - पूर्णतः समझदार - और बिल्कुल सिद्धांतहीन था।
और जूडिथ - मेरी जूडिथ - उससे कुछ ज्यादा ही मिल रही थी।

परदा

द्वितीय
हालांकि अब तक मैं अपनी बेटी को लेकर थोड़ी चिंतित थी, लेकिन एक्स को लेकर मेरी चिंता और किसी भी क्षण अपराध होने की संभावना ने व्यक्तिगत समस्याओं को मेरे दिमाग के पीछे धकेलने में सफलता प्राप्त कर ली थी।
अब जब वार हो चुका था, जब अपराध का प्रयास किया गया था और सौभाग्य से असफल रहा था, तो मैं इन बातों पर विचार करने के लिए स्वतंत्र था। और जितना अधिक मैं ऐसा करता, उतना ही अधिक चिंतित होता जाता। एक दिन संयोग से बोले गए एक शब्द से मुझे पता चला कि एलर्टन विवाहित व्यक्ति था।
बॉयड कैरिंगटन, जो सबके बारे में सब कुछ जानता था, ने मुझे और जानकारी दी। एलर्टन की पत्नी एक धर्मनिष्ठ रोमन कैथोलिक थी। शादी के कुछ समय बाद ही वह उसे छोड़कर चली गई थी। उसके धर्म के कारण तलाक का तो सवाल ही नहीं उठा था।
“और अगर आप मुझसे पूछें,” बॉयड कैरिंगटन ने स्पष्ट रूप से कहा, “तो यह उस बदमाश पर पूरी तरह से जँचता है। उसके इरादे हमेशा बेईमानी भरे होते हैं, और पृष्ठभूमि में पत्नी की भूमिका इस किताब के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।”
एक पिता के लिए यह सुनकर बहुत अच्छा लगा!
गोलीबारी की घटना के बाद के दिन ऊपरी तौर पर तो काफी शांतिपूर्ण ढंग से बीत गए, लेकिन उनके साथ-साथ मेरे भीतर बेचैनी की भावना भी बढ़ती जा रही थी।

कर्नल लुटरेल ने अपना अधिकांश समय अपनी पत्नी के शयनकक्ष में बिताया। मरीज की देखभाल के लिए एक नर्स आ गई थी और नर्स क्रेवन श्रीमती फ्रैंकलिन की देखभाल फिर से शुरू कर सकीं।
मैं किसी को ठेस पहुँचाना नहीं चाहती, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैंने श्रीमती फ्रैंकलिन में इस बात की झुंझलाहट देखी कि उन्हें बीमारों की देखभाल करने वाली सहायक नहीं बनाया गया था। श्रीमती लुटरेल के इर्द-गिर्द जो तामझाम और ध्यान केंद्रित था, वह उस छोटी महिला को स्पष्ट रूप से बहुत अप्रिय लग रहा था, जिसे अपनी सेहत को दिन का मुख्य विषय बने रहने की आदत थी।
वह झूले वाली कुर्सी पर लेटी हुई थी, हाथ बगल में रखे हुए, दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत कर रही थी। परोसा गया कोई भी भोजन उसके लिए उपयुक्त नहीं था, और उसकी सारी मांगें धैर्यपूर्वक सहन करने के दिखावे के पीछे छिपी हुई थीं।
“मुझे ये सब झंझट करना बिल्कुल पसंद नहीं,” उसने पोइरोट से धीमी और दुखी आवाज़ में कहा। “मुझे अपनी खराब सेहत पर बहुत शर्म आती है। लोगों से बार-बार काम करवाने के लिए कहना कितना अपमानजनक है। कभी-कभी तो मुझे लगता है कि बीमार होना सचमुच एक गुनाह है। अगर कोई स्वस्थ और बेफिक्र नहीं है, तो वो इस दुनिया के लायक नहीं है और उसे चुपचाप दफना देना चाहिए।”
“अरे नहीं, महोदया।” पोइरोट हमेशा की तरह विनम्र थे। “नाजुक विदेशी फूल को ग्रीनहाउस की शरण चाहिए होती है - वह ठंडी हवाओं को सहन नहीं कर सकता। आम खरपतवार सर्दियों की हवा में पनपता है - लेकिन इस कारण उसे अधिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। मेरे मामले पर विचार कीजिए - मैं जकड़ा हुआ, मुड़ा हुआ, हिलने-डुलने में असमर्थ हूँ, लेकिन मैं - मैं जीवन त्यागने के बारे में नहीं

सोचता। मैं अभी भी जो कुछ कर सकता हूँ उसका आनंद लेता हूँ - भोजन, पेय, बौद्धिक सुख।”
श्रीमती फ्रैंकलिन ने आह भरी और धीरे से बोलीं:
“लेकिन आपके लिए मामला अलग है। आपको अपने सिवा किसी और का ख्याल नहीं रखना है। मेरे मामले में, मेरे बेचारे जॉन हैं। मुझे इस बात का गहरा एहसास है कि मैं उन पर कितना बोझ हूँ। एक बीमार, निकम्मी पत्नी। उनके गले का फंदा।”
"मुझे पूरा यकीन है कि उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा कि आप वो हैं।" “अरे नहीं, ऐसा नहीं कहा। बिलकुल नहीं। लेकिन बेचारे मर्द कितने सीधे-सादे होते हैं। और जॉन अपनी भावनाओं को छुपाने में बिल्कुल भी माहिर नहीं है। उसका इरादा तो किसी के प्रति निर्दयी होने का नहीं है, लेकिन – खैर, खुद के लिए अच्छी बात यह है कि वह बहुत ही बेपरवाह किस्म का इंसान है। उसके अंदर कोई भावना ही नहीं है, इसलिए वह दूसरों से भी भावनाओं की उम्मीद नहीं करता। बेपरवाह पैदा होना वाकई बड़ी किस्मत की बात है।” मुझे डॉ. फ्रैंकलिन को कठोर हृदय वाला नहीं कहना चाहिए।
“क्या आप ऐसा नहीं करेंगे? ओह, लेकिन आप उन्हें उतना नहीं जानते जितना मैं जानती हूँ। बेशक मैं जानती हूँ कि अगर मैं न होती तो वह कहीं ज़्यादा आज़ाद होते। कभी-कभी, आप जानते हैं, मैं इतनी ज़्यादा उदास हो जाती हूँ कि मुझे लगता है कि सब कुछ खत्म कर देना कितना सुकून देने वाला होगा।”
"ओह, आइए, महोदया।"
“आखिर मैं किसी के काम की क्या हूँ? इन सब से निकलकर उस महान अज्ञात में चली जाऊँ तो?” उसने सिर हिलाया। “और फिर जॉन भी आज़ाद हो जाएगा।”

जब मैंने नर्स क्रेवन को यह बातचीत दोहराई, तो उन्होंने कहा, "बिल्कुल बकवास! वह ऐसा कुछ नहीं करेगी। कैप्टन हेस्टिंग्स, आप चिंता न करें। ये लोग जो मरते हुए बत्तख की तरह 'सब कुछ खत्म करने' की बात करते हैं, उनका ऐसा कुछ करने का ज़रा भी इरादा नहीं होता।"
और मुझे यह कहना होगा कि श्रीमती लुटरेल की चोट से उत्पन्न उत्तेजना शांत होने के बाद और नर्स क्रेवन के एक बार फिर उपस्थित होने के बाद, श्रीमती फ्रैंकलिन का मनोबल काफी हद तक सुधर गया।
एक सुहावनी सुबह कर्टिस पोइरोट को प्रयोगशाला के पास बीच के पेड़ों के नीचे वाले कोने में ले गया था। यह उसकी पसंदीदा जगह थी। यहाँ पूर्वी हवा का कोई असर नहीं होता था और वास्तव में वहाँ हवा का कोई एहसास भी नहीं होता था। यह पोइरोट को बहुत पसंद था, क्योंकि उसे ठंडी हवा बिल्कुल पसंद नहीं थी और वह हमेशा खुली हवा को लेकर संशय में रहता था। दरअसल, मुझे लगता है कि उसे घर के अंदर रहना ज्यादा अच्छा लगता था, लेकिन कंबल ओढ़कर वह बाहर की हवा को बर्दाश्त करने लगा था।
मैं टहलते हुए वहां उनके पास पहुंचा, और जैसे ही मैं वहां पहुंचा, श्रीमती फ्रैंकलिन प्रयोगशाला से बाहर आईं।
वह बेहद सलीके से कपड़े पहने हुए थीं और बेहद खुशमिजाज दिख रही थीं। उन्होंने बताया कि वह बॉयड कैरिंगटन के साथ घर देखने और क्रेटोन चुनने के बारे में विशेषज्ञ सलाह देने के लिए आ रही हैं।
“कल जब मैं जॉन से बात कर रही थी, तब मैं अपना हैंडबैग लैब में ही भूल गई थी,” उसने बताया। “बेचारे जॉन, वो और जूडिथ टैडकास्टर चले गए हैं - शायद उन्हें किसी रासायनिक पदार्थ की कमी हो गई थी।”

वह पोइरोट के पास एक कुर्सी पर बैठ गई और मजाकिया भाव से सिर हिलाया। "बेचारे - शुक्र है कि मेरे पास वैज्ञानिक दिमाग नहीं है। ऐसे सुहावने दिन में - यह सब कितना बचकाना लगता है।" "महामहिम, आपको वैज्ञानिकों को यह कहते हुए नहीं सुनना चाहिए।" “नहीं, बिलकुल नहीं।” उसका चेहरा बदल गया। वह गंभीर हो गई। उसने धीमी आवाज़ में कहा:
“आप यह न सोचें, मिस्टर पोइरोट, कि मैं अपने पति की प्रशंसा नहीं करती। मैं करती हूँ। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह अपने काम के लिए जीते हैं, वह वास्तव में अद्भुत है।”
उसकी आवाज में थोड़ी सी कंपन थी।
मेरे मन में एक शंका उठी कि श्रीमती फ्रैंकलिन को अलग-अलग भूमिकाएँ निभाना काफी पसंद था। इस समय वह एक वफादार और अपने आदर्श की पूजा करने वाली पत्नी की भूमिका निभा रही थीं।
वह आगे झुकी और पोइरोट के घुटने पर अपना हाथ रखा।
उसने कहा, "जॉन सचमुच एक संत जैसा है। कभी-कभी तो मुझे इससे काफी डर लगता है।"
मैंने सोचा कि फ्रैंकलिन को संत कहना कुछ हद तक अतिशयोक्ति होगी, लेकिन बारबरा फ्रैंकलिन अपनी बात जारी रखती रहीं, उनकी आंखें चमक रही थीं:
“वह मानव ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए कुछ भी करेगा - कोई भी जोखिम उठाएगा। यह बहुत अच्छी बात है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?” "बिल्कुल, बिल्कुल," पोइरोट ने तुरंत कहा।
“लेकिन कभी-कभी, आप जानते हैं,” श्रीमती फ्रैंकलिन ने आगे कहा, “मुझे उसके बारे में बहुत घबराहट होती है। मतलब, वो किस हद तक जा सकता है। ये भयानक सेम वाली चीज़ जिस पर वो आजकल प्रयोग कर रहा

है। मुझे बहुत डर लगता है कि कहीं वो खुद पर ही प्रयोग करना शुरू न कर दे।”
मैंने कहा, "वह हर तरह की सावधानी बरतेगा, निश्चित रूप से।" उसने थोड़ी उदास मुस्कान के साथ अपना सिर हिलाया।
“तुम जॉन को नहीं जानते। क्या तुमने कभी सुना है कि उसने उस नई गैस के साथ क्या किया?”
मैंने अपना सिर हिलाया।
“वे किसी नई गैस के बारे में पता लगाना चाहते थे। जॉन ने इसका परीक्षण करने के लिए स्वेच्छा से आगे आया। उसे लगभग छत्तीस घंटे तक एक टैंक में बंद रखा गया - उसकी नब्ज़, तापमान और श्वसन दर की जाँच की गई - ताकि इसके दुष्प्रभावों का पता लगाया जा सके और यह देखा जा सके कि क्या मनुष्यों और जानवरों पर इसके दुष्प्रभाव एक जैसे होते हैं। यह एक भयानक जोखिम था, जैसा कि एक प्रोफेसर ने मुझे बाद में बताया। वह आसानी से बेहोश हो सकता था। लेकिन जॉन ऐसा ही व्यक्ति है - अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह नहीं करता। मुझे लगता है कि ऐसा होना वाकई अद्भुत है, है ना? मुझमें कभी इतनी हिम्मत नहीं होगी।”
पोइरोट ने कहा, "इन कामों को निर्ममता से करने के लिए वाकई बहुत साहस की जरूरत होती है।"
बारबरा फ्रैंकलिन ने कहा:
“हाँ, ऐसा ही है। मुझे उस पर बहुत गर्व है, आप जानते हैं, लेकिन साथ ही साथ मुझे थोड़ी घबराहट भी होती है। क्योंकि, आप जानते हैं, गिनी पिग और मेंढक एक निश्चित सीमा के बाद किसी काम के नहीं रहते। आपको इंसानी प्रतिक्रिया चाहिए होती है। इसीलिए मुझे इतना डर लगता है कि जॉन कहीं जाकर खुद को उस खतरनाक फली की खुराक न दे दे और कुछ भयानक न हो जाए।” उसने आह भरी और सिर हिलाया।

“लेकिन वह तो मेरी चिंताओं पर हँसता है। वह सचमुच एक संत जैसा है, आप जानते हैं।”
इसी समय बॉयड कैरिंगटन हमारी ओर आया।
"हेलो, बैब्स, तैयार हो?"
"हां, बिल, मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था।"
मुझे उम्मीद है कि इससे आपको ज्यादा थकान नहीं होगी।
"बिल्कुल नहीं होगा। मैं आज बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जितना मैंने बहुत समय से नहीं किया।"
वह उठी, हम दोनों को देखकर प्यारी सी मुस्कान दी और अपने लंबे साथी के साथ लॉन की ओर चल पड़ी।
“डॉ. फ्रैंकलिन - आधुनिक संत - हम्म,” पोइरोट ने कहा।
मैंने कहा, "रवैया में काफी बदलाव आया है। लेकिन मुझे लगता है कि वह महिला ऐसी ही है।"
"कैसा?"
“वह अलग-अलग भूमिकाओं में खुद को नाटकीय रूप से प्रस्तुत करती हैं। कभी उपेक्षित, गलत समझी गई पत्नी, तो कभी त्याग करने वाली, पीड़ा सहने वाली महिला जो अपने प्रिय पुरुष पर बोझ बनना पसंद नहीं करती। आज वह अपने जीवनसाथी की पूजा करने वाली साथी हैं। दिक्कत यह है कि उनकी सभी भूमिकाएँ थोड़ी अतिरंजित लगती हैं।” पोइरोट ने सोच-समझकर कहा:
"क्या आपको नहीं लगता कि श्रीमती फ्रैंकलिन एक मूर्ख हैं?" "खैर, मैं ऐसा नहीं कहूंगा - हां, शायद बहुत प्रतिभाशाली नहीं।" "अरे, वो तुम्हारे टाइप की नहीं है।"
मैंने झट से पूछा, "मेरा टाइप कौन है?"
पोइरोट ने अप्रत्याशित रूप से उत्तर दिया:

अपना मुंह खोलो और अपनी आंखें बंद करो और देखो कि परियां तुम्हें क्या भेजेंगी-"
मैं जवाब देने से चूक गया क्योंकि नर्स क्रेवन घास पर तेज़ी से दौड़ती हुई आईं। उन्होंने हमें दांतों की एक शानदार चमक के साथ मुस्कुराया, प्रयोगशाला का दरवाजा खोला, अंदर गईं और दस्ताने लेकर वापस आईं।
"पहले रूमाल और अब दस्ताने, हमेशा कुछ न कुछ छूट ही जाता है," उसने कहा और उन्हें लेकर तेजी से वापस उस जगह चली गई जहाँ बारबरा फ्रैंकलिन और बॉयड कैरिंगटन इंतजार कर रहे थे।
मैंने सोचा, श्रीमती फ्रैंकलिन उस तरह की लापरवाह महिला थीं जो हमेशा चीजें पीछे छोड़ देती थीं, अपनी संपत्ति त्याग देती थीं और उम्मीद करती थीं कि हर कोई उन्हें स्वाभाविक रूप से वापस ले आएगा, और मुझे लगता था कि वह ऐसा करने पर खुद पर गर्व भी करती थीं। मैंने उन्हें एक से अधिक बार आत्मसंतुष्टि से बुदबुदाते हुए सुना था:
"बेशक मेरा दिमाग छलनी जैसा है।"
मैं नर्स क्रेवन को देखता रहा जब वह लॉन पार करके मेरी नज़रों से ओझल हो गई। वह अच्छी दौड़ रही थी, उसका शरीर चुस्त और संतुलित था। मैंने अचानक कहा:
“मुझे लगता है कि इस तरह की जिंदगी से कोई भी लड़की ऊब जाएगी। मेरा मतलब है, जब ज्यादा देखभाल का काम न हो – बस सामान लाना-ले जाना हो। मुझे नहीं लगता कि श्रीमती फ्रैंकलिन खास तौर पर विचारशील या दयालु हैं।”
पोइरोट की प्रतिक्रिया बेहद चिढ़ाने वाली थी। बिना किसी कारण के, उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और बुदबुदाया:
"भूरे रंग के बाल।"

इसमें कोई शक नहीं कि नर्स क्रेवन के बाल भूरे रंग के थे - लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि पोइरोट ने इस पर टिप्पणी करने के लिए ठीक यही समय क्यों चुना।
मैंने कोई जवाब नहीं दिया।

□□□□

अध्याय 11
मुझे लगता है कि अगली सुबह लंच से पहले एक बातचीत हुई थी जिसने मुझे थोड़ा बेचैन कर दिया था।
हम चार लोग थे - जूडिथ, मैं, बॉयड कैरिंगटन और नॉर्टन।
मुझे ठीक से याद नहीं कि यह विषय कैसे शुरू हुआ, लेकिन हम इच्छामृत्यु के बारे में बात कर रहे थे - इसके पक्ष और विपक्ष में तर्क।
स्वाभाविक रूप से, बॉयड कैरिंगटन ने ही अधिकांश बातें कीं, नॉर्टन ने बीच-बीच में एक-दो शब्द कहे और जूडिथ चुपचाप बैठी रही लेकिन ध्यान से सुनती रही।
मैंने स्वयं स्वीकार किया था कि यद्यपि देखने में इस प्रथा का समर्थन करने के सभी कारण प्रतीत होते थे, फिर भी वास्तव में मैं भावनात्मक रूप से इससे विमुख हो रहा था। इसके अलावा, मैंने कहा, मुझे लगता था कि इससे रिश्तेदारों के हाथों में बहुत अधिक शक्ति आ जाएगी।
नॉर्टन मुझसे सहमत थे। उन्होंने आगे कहा कि उनके विचार में ऐसा केवल रोगी की इच्छा और सहमति से ही किया जाना चाहिए, जहां लंबे समय तक पीड़ा सहने के बाद मृत्यु निश्चित हो।
बॉयड कैरिंगटन ने कहा:
"लेकिन यही तो अजीब बात है। क्या सबसे ज्यादा चिंतित व्यक्ति कभी 'अपने कष्टों से मुक्ति पाना' चाहता है, जैसा कि हम कहते हैं?"
फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई, जिसे उन्होंने प्रामाणिक बताया, एक ऐसे व्यक्ति की जो लाइलाज कैंसर से असहनीय पीड़ा झेल रहा था। उस व्यक्ति ने उपस्थित डॉक्टर से विनती की कि "उसे कुछ ऐसा दे दो जिससे यह सब खत्म हो जाए।" डॉक्टर ने उत्तर दिया: "मैं ऐसा नहीं

कर सकता, बूढ़े।" बाद में, जाते समय, उन्होंने मरीज के पास कुछ मॉर्फिया की गोलियां रख दीं और उसे सावधानीपूर्वक बताया कि वह कितनी गोलियां सुरक्षित रूप से ले सकता है और कितनी खुराक खतरनाक होगी। हालांकि ये गोलियां मरीज के पास ही रखी थीं और वह आसानी से घातक मात्रा ले सकता था, उसने ऐसा नहीं किया, "इस प्रकार यह सिद्ध होता है," बॉयड कैरिंगटन ने कहा, "कि, अपने शब्दों के बावजूद, उस व्यक्ति ने शीघ्र और दयालु मुक्ति के बजाय अपनी पीड़ा को चुना।"
तभी जूडिथ ने पहली बार बात की, पूरे जोश और अचानक स्वर में बोली: “बेशक वो ऐसा ही करता,” उसने कहा। “यह फैसला उसे नहीं सौंपा जाना चाहिए था।”
बॉयड कैरिंगटन ने पूछा कि उसका क्या मतलब था।
मेरा मतलब यह है कि जो भी कमजोर है - दर्द में है और बीमार है - उसमें फैसला लेने की ताकत नहीं होती। वे ऐसा कर ही नहीं सकते।
यह फैसला उनके लिए किसी और को लेना होगा। जो उनसे प्यार करता है, उसका यह फर्ज है कि वह फैसला ले।
“कर्तव्य?” मैंने संदेहपूर्वक पूछा।
जूडिथ ने मेरे खिलाफ मोर्चा खोल दिया।
"हां, कर्तव्य। कोई ऐसा व्यक्ति जिसका मन स्पष्ट हो और जो जिम्मेदारी लेने को तैयार हो।"
बॉयड कैरिंगटन ने अपना सिर हिलाया।
और अंत में हत्या के आरोप में कटघरे में खड़े हो जाएं?
"ज़रूरी नहीं। वैसे भी, अगर आप किसी से प्यार करते हैं, तो आप जोखिम उठाएंगे ही।"
“लेकिन देखो, जूडिथ,” नॉर्टन ने कहा। “तुम जो सुझाव दे रही हो, वह वास्तव में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है जिसे निभाना चाहिए।”

मुझे नहीं लगता ऐसा है। लोग जिम्मेदारी से बहुत डरते हैं। वे कुत्ते के मामले में तो जिम्मेदारी ले लेते हैं - तो इंसान के मामले में क्यों नहीं?
"खैर - यह काफी अलग है, है ना?"
जूडिथ ने कहा:
"हां, यह अधिक महत्वपूर्ण है।"
नॉर्टन ने धीरे से कहा:
"तुम्हे देखकर मेरी सांस रुक जाती है।"
बॉयड कैरिंगटन ने उत्सुकता से पूछा:
तो आप जोखिम उठाएंगे, है ना?
“मुझे ऐसा लगता है,” जूडिथ ने कहा। “मुझे जोखिम लेने से डर नहीं लगता।”
बॉयड कैरिंगटन ने अपना सिर हिलाया।
“ऐसा नहीं होना चाहिए, आप जानते हैं। आप यह बर्दाश्त नहीं कर सकते कि लोग यहाँ-वहाँ कानून को अपने हाथ में लें। जीवन और मृत्यु के मामलों का फैसला करें।”
नॉर्टन ने कहा:
"दरअसल, आप जानते हैं, बॉयड कैरिंगटन, ज्यादातर लोगों में यह जिम्मेदारी लेने का साहस नहीं होगा।"
उसने जूडिथ की ओर देखते हुए हल्की सी मुस्कान दी।
"मुझे नहीं लगता कि अगर ऐसी नौबत आई तो तुम ऐसा करोगे।"
जूडिथ ने शांत भाव से कहा:
“निश्चित रूप से कोई भी आश्वस्त नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि मुझे ऐसा करना चाहिए।”
नॉर्टन ने हल्की सी शरारत भरी मुस्कान के साथ कहा:

"ऐसा तब तक नहीं होगा जब तक कि आपका अपना कोई निजी स्वार्थ न हो।"
जूडिथ का चेहरा शर्म से लाल हो गया। उसने तीखे स्वर में कहा: “इससे साफ पता चलता है कि आप बिल्कुल नहीं समझते। अगर मेरा कोई निजी मकसद होता, तो मैं कुछ नहीं कर सकती थी। क्या आप नहीं समझते?” उसने हम सभी से अपील की। “यह पूरी तरह से निस्वार्थ होना चाहिए। आप किसी की जान लेने की जिम्मेदारी तभी ले सकते हैं जब आप अपने मकसद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हों। यह पूरी तरह से निस्वार्थ होना चाहिए।”
“फिर भी,” नॉर्टन ने कहा, “आप ऐसा नहीं करेंगे।”
जूडिथ ने जोर देकर कहा:
“मैं ऐसा ही सोचता हूँ। पहली बात तो यह है कि मैं जीवन को उतना पवित्र नहीं मानता जितना आप सब मानते हैं। अयोग्य जीवन, बेकार जीवन - उन्हें रास्ते से हटा देना चाहिए। चारों ओर बहुत गंदगी फैली हुई है। केवल उन्हीं लोगों को जीने की अनुमति मिलनी चाहिए जो समाज में सार्थक योगदान दे सकें। बाकी लोगों को बिना किसी कष्ट के विदा कर देना चाहिए।”
उसने अचानक बॉयड कैरिंगटन से अपील की।
आप मुझसे सहमत हैं, है ना?
उन्होंने धीरे से कहा:
“सैद्धांतिक रूप से, हाँ। केवल योग्य ही जीवित रहने चाहिए।” "अगर जरूरत पड़ी तो क्या आप कानून को अपने हाथ में नहीं लेंगे?" बॉयड कैरिंगटन ने धीरे से कहा:
“शायद। मुझे नहीं पता...”
नॉर्टन ने धीमी आवाज़ में कहा:

“सैद्धांतिक रूप से तो बहुत से लोग आपसे सहमत होंगे। लेकिन व्यवहार में मामला अलग है।”
“यह तर्कसंगत नहीं है।”
नॉर्टन ने अधीरता से कहा:
"बिल्कुल नहीं। असल में यह साहस का सवाल है। सीधे शब्दों में कहें तो, किसी में इतनी हिम्मत नहीं है।"
जूडिथ चुप रही। नॉर्टन ने आगे कहा:
"सच कहूँ तो, जूडिथ, तुम भी बिल्कुल ऐसी ही होतीं। जब बात आती, तो तुममें इतनी हिम्मत नहीं होती।"
क्या आपको ऐसा नहीं लगता?
"मैं इस बारे में निश्चिन्त हूं।"
“मुझे लगता है कि आप गलत हैं, नॉर्टन,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “मुझे लगता है कि जूडिथ में भरपूर साहस है। सौभाग्य से, ऐसी स्थिति अक्सर नहीं आती।”
घर से घंटा बजने की आवाज आई।
जूडिथ उठ खड़ी हुई।
उसने नॉर्टन से बहुत स्पष्ट रूप से कहा:
"तुम गलत हो। मुझमें तुम्हारी सोच से कहीं ज्यादा हिम्मत है।" वह तेजी से घर की ओर बढ़ी। बॉयड कैरिंगटन उसके पीछे-पीछे गया और बोला:
"अरे, मेरा इंतज़ार करो, जूडिथ।"
मैं उनके पीछे-पीछे गया, हालांकि मुझे किसी कारणवश थोड़ी निराशा महसूस हो रही थी। नॉर्टन, जो हमेशा दूसरों के मूड को जल्दी भांप लेता था, ने मुझे सांत्वना देने का प्रयास किया।

“उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था,” उसने कहा। “यह उस तरह का अधूरा विचार है जो जवानी में मन में आता है - लेकिन सौभाग्य से इसे अमल में नहीं लाया जाता। यह सिर्फ बातें बनकर रह जाती हैं।”
मुझे लगता है जूडिथ ने सुन लिया, क्योंकि उसने गुस्से से पीछे मुड़कर देखा।
नॉर्टन ने अपनी आवाज धीमी कर ली।
उन्होंने कहा, "सिद्धांतों से किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन हेस्टिंग्स, ज़रा यहाँ देखो..."
"हाँ?"
नॉर्टन कुछ शर्मिंदा लग रहे थे। उन्होंने कहा:
मैं बीच में दखल नहीं देना चाहता, लेकिन आप एलर्टन के बारे में क्या जानते हैं?
“एलर्टन के?”
"हाँ, अगर मैं बेवजह दखल दे रही हूँ तो माफ़ करना, लेकिन सच कहूँ तो - अगर मैं तुम्हारी जगह होती, तो मैं तुम्हारी उस लड़की को उससे ज़्यादा मिलने नहीं देती। उसकी - खैर, उसकी इज़्ज़त अच्छी नहीं है।"
मैंने कड़वाहट से कहा, "मैं खुद देख सकता हूँ कि वह किस तरह का बदमाश है। लेकिन आजकल ऐसा करना इतना आसान नहीं है।"
"ओह, मुझे पता है। कहावत है ना, लड़कियां अपना ख्याल खुद रख सकती हैं। उनमें से ज्यादातर रख भी सकती हैं। लेकिन - खैर - एलर्टन के पास इस मामले में एक खास तकनीक है।"
वह हिचकिचाया, फिर बोला:
"देखो, मुझे लगता है कि मुझे तुम्हें बताना चाहिए। बेशक, इसे और आगे मत फैलाना - लेकिन मुझे उसके बारे में कुछ बहुत ही घिनौनी बात पता है।"

उसने मुझे यह कहानी वहीं और उसी समय बताई थी - और बाद में मैं इसकी हर बारीकी की पुष्टि कर सका। यह एक घिनौनी कहानी थी। एक आत्मविश्वासी, आधुनिक और स्वतंत्र लड़की की कहानी। एलर्टन ने उस पर अपनी सारी "तकनीक" का इस्तेमाल किया था। बाद में कहानी का दूसरा पहलू सामने आया - कहानी का अंत एक हताश लड़की के वेरोनल की अधिक मात्रा लेकर आत्महत्या करने से हुआ।
और सबसे भयानक बात यह थी कि वह लड़की भी जूडिथ जैसी ही थी - स्वतंत्र और संभ्रांत स्वभाव की। ऐसी लड़की जो जब किसी के दिल में पड़ती है, तो उसे इतनी बेताबी और समर्पण के साथ खो देती है कि भोली-भाली और मासूम लड़कियां कभी समझ ही नहीं सकतीं।
मैं एक भयानक आशंका के साथ दोपहर का भोजन करने गया।

□□□□

अध्याय 12
"क्या कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है, मेरे दोस्त?" पोइरोट ने उस दोपहर पूछा।
मैंने कोई जवाब नहीं दिया, बस अपना सिर हिला दिया। मुझे लगा कि पोइरोट को इस बात से परेशान करने का मुझे कोई हक नहीं है, यह मेरी पूरी तरह से निजी समस्या थी। वैसे भी, वह किसी भी तरह से मेरी मदद नहीं कर सकते थे।
जूडिथ उसकी किसी भी आपत्ति को उसी मुस्कुराते हुए तटस्थ भाव से लेती, जैसे युवा लोग बूढ़ों की उबाऊ सलाहों को उदासीन भाव से लेते हैं।
जूडिथ, मेरी जूडिथ...
उस दिन मैंने जो कुछ सहा, उसे शब्दों में बयान करना अब कठिन है। बाद में, जब मैंने इस बारे में सोचा, तो मुझे लगता है कि इसका कुछ कारण स्टाइल्स का वातावरण ही था। वहाँ बुरे ख्याल आसानी से मन में आ जाते थे। वहाँ न केवल अतीत था, बल्कि एक भयावह वर्तमान भी था। हत्या और हत्यारे की छाया उस घर पर मंडरा रही थी।
और जहाँ तक मुझे याद है, हत्यारा एलर्टन था, और जूडिथ उस पर फिदा हो रही थी! यह सब अविश्वसनीय था - भयानक था - और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं।
दोपहर के भोजन के बाद बॉयड कैरिंगटन मुझे एक तरफ ले गए। उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट दिखाई, फिर मुद्दे पर आए। अंत में उन्होंने कुछ अटपटे स्वर में कहा:
"ऐसा मत सोचो कि मैं दखल दे रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें अपनी उस लड़की से बात करनी चाहिए। उसे चेतावनी दे दो - है ना? तुम्हें पता है ना, ये एलर्टन नाम का आदमी - उसकी इज़्ज़त काफी खराब है, और वो - खैर, मामला कुछ गड़बड़ लग रहा है।"

जिन पुरुषों के बच्चे नहीं होते, उनके लिए इस तरह बोलना कितना आसान होता है! क्या उसे चेतावनी देनी चाहिए?
क्या इससे कोई फायदा होगा? क्या इससे स्थिति और बिगड़ जाएगी? काश सिंडर्स यहाँ होती। उसे पता होता कि क्या करना है - क्या कहना है।
मैं मानता हूँ कि मेरा मन चुप रहने और कुछ न कहने का कर रहा था।
लेकिन कुछ देर बाद मुझे एहसास हुआ कि यह तो सिर्फ़ कायरता थी।
जूडिथ से खुलकर बात करने की अप्रिय स्थिति से मैं घबरा रहा था।
दरअसल, मैं अपनी लंबी, खूबसूरत बेटी से डरता था।
मैं बढ़ती हुई बेचैनी में बगीचों में इधर-उधर चक्कर लगाता रहा।
अंततः मेरे कदम मुझे गुलाब के बगीचे तक ले गए, और वहाँ, मानो, निर्णय मेरे हाथ से निकल गया, क्योंकि जूडिथ अकेली एक चौकी पर बैठी थी, और मैंने अपने पूरे जीवन में किसी भी महिला के चेहरे पर इतनी अधिक उदासी का भाव कभी नहीं देखा था।
मुखौटा उतर चुका था। अनिर्णय और गहरी निराशा स्पष्ट रूप से झलक रही थी।
मैंने हिम्मत जुटाई। मैं उसके पास गया। जब तक मैं उसके पास नहीं पहुंचा, उसने मुझे सुना ही नहीं।
मैंने कहा, "जूडिथ, भगवान के लिए, जूडिथ, इतना परेशान मत हो।" वह चौंककर मेरी ओर मुड़ी।
“पिताजी? मैंने आपको सुना नहीं।”
मैं आगे बढ़ता रहा, यह जानते हुए कि अगर वह मुझे वापस सामान्य रोजमर्रा की बातचीत की ओर मोड़ने में कामयाब हो गई तो यह घातक होगा।

“ओह, मेरे प्यारे बच्चे, यह मत सोचो कि मैं अनजान हूँ, कि मैं देख नहीं सकती। वह इसके लायक नहीं है - ओह, मेरी बात मानो, वह इसके लायक नहीं है।”
उसका चेहरा व्याकुल और भयभीत था, और वह मेरी ओर मुड़ी हुई थी। उसने धीमी आवाज़ में कहा:
"क्या आपको लगता है कि आप वाकई जानते हैं कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं?"
मुझे पता है। तुम इस आदमी की परवाह करती हो, लेकिन, मेरी प्यारी, यह ठीक नहीं है।
उसने उदास मुस्कान दी। एक दिल दहला देने वाली मुस्कान।
"शायद मैं भी इसे उतना ही अच्छी तरह जानता हूं जितना आप जानते हैं।"
“तुम ऐसा नहीं कर सकतीं। तुम ऐसा नहीं कर सकतीं। ओह, जूडिथ, इन सब का क्या नतीजा निकलेगा? वह शादीशुदा आदमी है। तुम्हारे लिए वहाँ कोई भविष्य नहीं है - केवल दुख और शर्मिंदगी - और अंत में ये सब खुद से घृणा में परिणत होगा।”
उसकी मुस्कान और भी चौड़ी हो गई - और भी अधिक दुख भरी।
आप कितनी धाराप्रवाह बोलते हैं, है ना?
"हार मान लो, जूडिथ - सब कुछ छोड़ दो।"
"नहीं!"
"वह इसके लायक नहीं है, मेरी प्यारी।"
उसने बहुत धीमी और शांत आवाज़ में कहा:
वह मेरे लिए दुनिया में सब कुछ है।
“नहीं, नहीं। जूडिथ, मैं तुमसे विनती करता हूँ-”
उसके चेहरे से मुस्कान गायब हो गई। वह प्रतिशोध की आग में जलते हुए मेरी ओर मुड़ी।

“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? दखलंदाजी करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूँगी। अब कभी भी इस बारे में मुझसे बात मत करना। मैं तुमसे नफरत करती हूँ - मैं तुमसे नफरत करती हूँ। यह तुम्हारा मामला नहीं है। यह मेरी जिंदगी है - मेरी निजी जिंदगी का राज!”
वह उठी। एक हाथ से उसने मुझे धक्का देकर एक तरफ कर दिया और मेरे पास से गुज़र गई। मानो वह प्रतिशोध की आग में जल रही हो। मैं उसे देखता रह गया - भयभीत होकर।

परदा

द्वितीय
लगभग पंद्रह मिनट बाद भी मैं वहीं था, स्तब्ध और असहाय, यह सोचने में असमर्थ कि आगे क्या करना है।
जब एलिजाबेथ कोल और नॉर्टन ने मुझे ढूंढा, तब मैं वहीं मौजूद था।
मुझे बाद में एहसास हुआ कि वे मेरे प्रति बहुत दयालु थे। उन्होंने देखा होगा, और उन्हें ज़रूर पता चला होगा, कि मैं मानसिक रूप से बहुत परेशान था। लेकिन उन्होंने बड़ी चतुराई से मेरी मानसिक स्थिति का ज़रा सा भी ज़िक्र नहीं किया। इसके बजाय वे मुझे अपने साथ सैर पर ले गए। वे दोनों प्रकृति प्रेमी थे। एलिज़ाबेथ कोल ने मुझे जंगली फूल दिखाए, नॉर्टन ने अपनी दूरबीन से मुझे पक्षी दिखाए।
उनकी बातें सौम्य, सुखदायक और केवल पक्षियों और वन वनस्पतियों से संबंधित थीं। धीरे-धीरे मैं सामान्य हो गया, हालांकि भीतर से मैं अभी भी अत्यंत व्याकुल था।
इसके अलावा, मैं भी अन्य लोगों की तरह इस बात से आश्वस्त था कि जो भी घटना घटित हुई, वह मेरी अपनी विशेष उलझन से जुड़ी हुई थी। इसलिए, जब नॉर्टन ने चश्मा लगाए हुए कहा: "अरे वाह, ये तो चित्तीदार कठफोड़वा है! मैंने कभी नहीं देखा -" और फिर अचानक रुक गया, तो मुझे तुरंत शक हुआ। मैंने चश्मा लेने के लिए हाथ बढ़ाया।
"मुझे देखने दो।"
मेरी आवाज दृढ़ थी।

नॉर्टन ने चश्मे को लेकर थोड़ी उलझन महसूस की। उसने एक अजीब सी हिचकिचाती हुई आवाज़ में कहा:
"मुझसे गलती हो गई - वह उड़ गया - कम से कम, वास्तव में, वह एक काफी आम पक्षी था।"
उसका चेहरा पीला और चिंता से भरा हुआ था। वह हमारी तरफ देखने से बच रहा था। वह हैरान और परेशान लग रहा था।
अब भी मुझे नहीं लगता कि इस निष्कर्ष पर पहुंचना पूरी तरह से अनुचित था कि उसने अपने उन चश्मों से कुछ ऐसा देख लिया था जिसे वह मुझे देखने से रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित था।
उसने जो कुछ भी देखा था, उससे वह इतना हैरान रह गया था कि यह हम दोनों को स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।
उनकी नज़र दूर स्थित जंगल के एक हिस्से पर टिकी हुई थी। उन्होंने वहाँ क्या देखा था?
मैंने दृढ़ता से कहा:
मुझे देखने दो।
मैंने चश्मा छीन लिया। मुझे याद है कि उसने मुझसे चश्मा बचाने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें नाकाम रहा। मैंने उसे ज़ोर से छीन लिया।
नॉर्टन ने कमजोर आवाज में कहा:
“ऐसा नहीं था - मेरा मतलब है, चिड़िया चली गई... काश -”
मेरे हाथ थोड़े कांप रहे थे, मैंने चश्मा अपनी आँखों पर ठीक से लगाया। ये बहुत तेज़ रोशनी वाला चश्मा था। मैंने उसे उस जगह पर टिकाने की पूरी कोशिश की जहाँ मुझे लगा कि नॉर्टन देख रहा था। लेकिन मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया - पेड़ों में गायब होती हुई सफेद रंग की एक हल्की सी चमक (किसी लड़की की सफेद पोशाक?) के अलावा कुछ भी नहीं।

मैंने चश्मा नीचे रख दिया। बिना कुछ कहे मैंने उसे नॉर्टन को वापस दे दिया। उसने मेरी आँखों में नहीं देखा। वह चिंतित और परेशान लग रहा था।
हम चुपचाप घर वापस चले गए और मुझे याद है कि नॉर्टन पूरे रास्ते बिल्कुल चुप रहा।

परदा

तृतीय
घर लौटने के कुछ ही देर बाद श्रीमती फ्रैंकलिन और बॉयड कैरिंगटन अंदर आए। वह उन्हें अपनी कार में टैडमिंस्टर ले गए थे क्योंकि वह कुछ खरीदारी करना चाहती थीं।
मुझे लगता है कि उसने यह काम काफी अच्छे से किया था। कार से बहुत सारे पार्सल निकले और वह काफी उत्साहित दिख रही थी, बातें कर रही थी, हंस रही थी और उसके गालों पर लाली छाई हुई थी।
उसने बॉयड कैरिंगटन को एक विशेष रूप से नाजुक वस्तु लेकर भेजा और मैंने बड़े ही सजगता से एक और खेप स्वीकार की।
उसकी बातचीत सामान्य से अधिक तेज और घबराहट भरी थी।
“बेहद गर्मी है, है ना? मुझे लगता है तूफान आने वाला है। यह मौसम जल्द ही बदलना चाहिए। लोग कहते हैं कि पानी की बहुत कमी है। पिछले कई सालों में इतना भीषण सूखा कभी नहीं पड़ा।”
उसने एलिजाबेथ कोल की ओर मुड़ते हुए आगे कहा:
“आप सब लोग क्या कर रहे थे? जॉन कहाँ है? उसने कहा था कि उसे सिरदर्द है और वह टहलने जा रहा है। उसे सिरदर्द होना तो बिल्कुल अजीब बात है। मुझे लगता है, वह अपने प्रयोगों को लेकर चिंतित है। शायद वे ठीक से नहीं चल रहे हैं। काश वह और बातें करता।”
वह रुकी और फिर नॉर्टन से बोली:
“आप बहुत चुप हैं, श्रीमान नॉर्टन। क्या कोई बात है? आप डरे हुए लग रहे हैं। क्या आपने बूढ़ी श्रीमती (जो भी थीं) का भूत नहीं देखा?”
नॉर्टन ने शुरुआत की।

नहीं, नहीं। मैंने कोई भूत नहीं देखा। मैं बस किसी बात के बारे में सोच रहा था।
उसी समय कर्टिस दरवाजे से अंदर आया और पोइरोट को उनकी विकलांगों वाली कुर्सी पर बिठाकर लाया था।
वह इसे लेकर हॉल में रुक गया, अपने मालिक को बाहर ले जाने और सीढ़ियों से ऊपर ले जाने की तैयारी में।
पोइरोट की आंखें अचानक चौकन्नी हो गईं और उन्होंने हममें से एक-एक करके सभी को देखा।
उन्होंने तीखी आवाज में कहा:
“क्या बात है? क्या कोई समस्या है?”
एक मिनट तक हममें से किसी ने जवाब नहीं दिया, फिर बारबरा फ्रैंकलिन ने थोड़ी बनावटी हंसी के साथ कहा:
नहीं, बिलकुल नहीं। क्या बात है? बस – शायद बिजली कड़कने वाली है? मैं – ओह, मैं बहुत थकी हुई हूँ। कृपया इन बातों पर चर्चा कीजिए, कैप्टन हेस्टिंग्स। बहुत-बहुत धन्यवाद।
मैं उसके पीछे-पीछे सीढ़ियों से ऊपर गया और पूर्वी विंग में चला गया। उसका कमरा उस तरफ का आखिरी कमरा था।
श्रीमती फ्रैंकलिन ने दरवाजा खोला। मैं उनके पीछे था, मेरे हाथों में पार्सल भरे हुए थे।
वह दरवाजे पर अचानक रुक गई। खिड़की के पास बॉयड कैरिंगटन की हथेली की जांच नर्स क्रेवन कर रही थी।
उसने ऊपर देखा और थोड़ा शरमाते हुए हँस दिया।
"हेलो, मैं अपना भविष्य जानने आया हूँ। नर्स को हाथ की रेखाएं पढ़ना बहुत अच्छे से आता है।"
“सच में? मुझे तो पता ही नहीं था।” बारबरा फ्रैंकलिन की आवाज़ तीखी थी। मुझे लगा कि वह नर्स क्रेवन से नाराज़ हैं। “कृपया ये

चीज़ें ले लीजिए, नर्स जी! और मेरे लिए एक अंडा भी बना दीजिए। मुझे बहुत थकान हो रही है। एक गर्म पानी की बोतल भी दे दीजिए।
मैं जितनी जल्दी हो सके बिस्तर पर जाना चाहती हूँ।”
"ज़रूर, श्रीमती फ्रैंकलिन।"
नर्स क्रेवन आगे बढ़ीं। उनके चेहरे पर पेशेवर चिंता के अलावा और कोई भाव नहीं दिख रहा था।
श्रीमती फ्रैंकलिन ने कहा:
"प्लीज़ जाओ, बिल, मैं बहुत थक गई हूँ।"
बॉयड कैरिंगटन काफी चिंतित दिख रहे थे।
“ओह, बैब्स, क्या यह तुम्हारे लिए बहुत ज़्यादा हो गया? मुझे माफ़ करना। मैं कितनी नासमझ हूँ। मुझे तुम्हें इतना थकाने नहीं देना चाहिए था।”
श्रीमती फ्रैंकलिन ने उन्हें अपनी देवदूत जैसी शहीद की मुस्कान दी।
“मैं कुछ कहना नहीं चाहती थी। मुझे दूसरों को परेशान करना बिल्कुल पसंद नहीं है।”
हम दोनों पुरुष कुछ शर्मिंदा होकर कमरे से बाहर निकल गए और उन दोनों महिलाओं को वहीं छोड़ दिया।
बॉयड कैरिंगटन ने पश्चातापपूर्वक कहा:
मैं कितना बड़ा मूर्ख हूँ। बारबरा इतनी खुशमिजाज और हंसमुख लग रही थी कि मैं उसे थकाने के बारे में पूरी तरह भूल गया। उम्मीद है कि वह बेहोश नहीं हुई होगी।
मैंने यंत्रवत रूप से कहा:
"ओह, मुझे उम्मीद है कि एक रात आराम करने के बाद वह ठीक हो जाएगी।"

उसने मेरी ओर स्थिर दृष्टि से देखा। फिर उसने धीमी आवाज़ में कहा:
“ठीक है। तो बात यही है।”
क्या आप इस बात से इनकार करती हैं कि आप उससे प्यार करती हैं? "नहीं।"
लेकिन आप नहीं जानते कि वह क्या है। आप जान ही नहीं सकते। मैंने जानबूझकर, बिना लाग-लपेट के, उसे एलर्टन के बारे में सुनी हुई कहानी दोहराई।
मैंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, "देखो, वह किस तरह का नीच और दरिंदा है।"
वह बिल्कुल अविचलित लग रही थी। उसके होंठ तिरस्कारपूर्ण ढंग से ऊपर की ओर मुड़े हुए थे।
"मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह संत थे।"
“क्या इससे तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ता? जूडिथ, तुम पूरी तरह से भ्रष्ट नहीं हो सकती।”
"अगर आप चाहें तो इसे ऐसा कह सकते हैं।"
“जुडिथ, तुमने ऐसा नहीं किया है—तुम ऐसा नहीं कर रही हो—” मैं अपनी बात शब्दों में व्यक्त नहीं कर सका। उसने अपना हाथ मेरे हाथ से छुड़ा लिया।
“अब सुनिए, पिताजी। मैं वही करता हूँ जो मैं चाहता हूँ। आप मुझे धमका नहीं सकते। और बड़बड़ाने से कोई फायदा नहीं। मैं अपने जीवन में वही करूँगा जो मुझे पसंद है, और आप मुझे रोक नहीं सकते।”
अगले ही पल वह कमरे से बाहर निकल गई।
मेरे घुटने कांपने लगे।

मैं कुर्सी पर बैठ गया। हालात और भी बदतर थे - मेरी सोच से कहीं ज़्यादा। बच्ची पूरी तरह से मोहित थी। अब कोई नहीं था जिससे मैं मदद मांग सकूँ। उसकी माँ, जिसकी बात वो सुन सकती थी, मर चुकी थी। सब कुछ मुझ पर निर्भर था।
मुझे नहीं लगता कि इससे पहले या इसके बाद मैंने कभी इतना कष्ट सहा हो जितना मैंने उस समय सहा था...

परदा

चतुर्थ
थोड़ी देर बाद मैं उठा। मैंने नहाया, दाढ़ी बनाई और कपड़े बदले। मैं खाना खाने नीचे गया। मुझे लगता है कि मैंने बिल्कुल सामान्य तरीके से व्यवहार किया। किसी को भी कुछ गड़बड़ नहीं लगी।
एक-दो बार मैंने जूडिथ को मेरी तरफ उत्सुकता भरी नज़र से देखते हुए देखा। मुझे लगता है कि वह इस बात से हैरान रही होगी कि मैं बिल्कुल अपने सामान्य रूप में कैसे दिख पा रहा था।
और इस पूरे समय के दौरान, मेरे भीतर-बीच में मेरा दृढ़ संकल्प बढ़ता ही जा रहा था।
मुझे बस साहस की जरूरत थी - साहस और बुद्धि दोनों की।
रात के खाने के बाद हम बाहर गए, आसमान की ओर देखा, वातावरण की निकटता पर टिप्पणी की, और बारिश, गरज और तूफान की भविष्यवाणी की।
मेरी नजर के कोने से मैंने जूडिथ को घर के कोने से ओझल होते देखा। थोड़ी देर बाद एलर्टन भी उसी दिशा में टहलते हुए दिखाई दिया।
मैंने बॉयड कैरिंगटन से अपनी बात खत्म की और मैं खुद उस तरफ चल पड़ा।
मुझे लगता है नॉर्टन ने मुझे रोकने की कोशिश की। उसने मेरा हाथ पकड़ा। मुझे लगता है उसने गुलाब के बगीचे तक चलने का सुझाव देने की कोशिश की। मैंने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया।
जब मैं घर के कोने पर मुड़ा, तब भी वह मेरे साथ ही था।

वे वहाँ थे। मैंने जूडिथ का ऊपर की ओर उठा हुआ चेहरा देखा, एलर्टन को उस पर झुका हुआ देखा - देखा कि कैसे उसने उसे अपनी बाहों में लिया और उसके बाद जो चुंबन हुआ।
फिर वे तेज़ी से अलग हो गए। मैंने एक कदम आगे बढ़ाया। लगभग पूरी ताकत से, नॉर्टन ने मुझे पीछे खींचकर कोने की ओर धकेल दिया। उसने कहा:
“यहाँ देखो, तुम ऐसा नहीं कर सकते-”
मैंने उसे बीच में ही रोक दिया। मैंने ज़ोर देकर कहा:
"मैं कर सकता हूँ और मैं करूँगा।"
“इससे कोई फायदा नहीं है, मेरे प्रिय मित्र। यह सब बहुत दुखद है, लेकिन अंततः आप कुछ नहीं कर सकते।”
मैं चुप रहा। हो सकता है उसे लगे कि ऐसा ही था, लेकिन मैं बेहतर जानता था।
नॉर्टन ने आगे कहा:
मुझे पता है कि आप कितने बेबस और निराश महसूस करते हैं, लेकिन हार स्वीकार करने के अलावा कोई चारा नहीं है। इसे मान लो, यार! मैंने उसका विरोध नहीं किया। मैंने उसे बोलने दिया और इंतजार किया। फिर मैं दृढ़ता से घर के कोने की ओर मुड़ गया।
वे दोनों अब गायब हो चुके थे, लेकिन मुझे एक सटीक अंदाजा था कि वे कहाँ हो सकते हैं। पास ही में बकाइन के पेड़ों के झुरमुट में एक ग्रीष्मकालीन आवास छिपा हुआ था।
मैं उसकी ओर बढ़ा। मुझे लगता है कि नॉर्टन अभी भी मेरे साथ था, लेकिन मुझे पक्का नहीं पता।
जैसे ही मैं पास पहुंचा, मुझे कुछ आवाजें सुनाई दीं और मैं रुक गया। मुझे एलर्टन की आवाज सुनाई दी।

“तो फिर, मेरी प्यारी बच्ची, बात पक्की हो गई। अब कोई आपत्ति मत करना। तुम कल शहर जाओगे। मैं कह दूँगा कि मैं इप्सविच में एक दोस्त के यहाँ एक-दो रात रुकने जा रहा हूँ। तुम लंदन से तार भेजना कि तुम वापस नहीं आ सकती। और मेरे फ्लैट पर उस प्यारे से डिनर के बारे में किसे पता चलेगा? तुम्हें पछतावा नहीं होगा, मैं वादा करता हूँ।”
मुझे लगा कि नॉर्टन मुझे खींच रहा है, और अचानक, दबे स्वर में, मैं मुड़ गई। उसके चिंतित और परेशान चेहरे को देखकर मुझे लगभग हंसी आ गई। मैंने उसे मुझे वापस घर तक घसीटने दिया। मैंने हार मानने का नाटक किया क्योंकि उस पल मुझे ठीक-ठीक पता था कि मैं क्या करने वाली हूँ...
मैंने उससे स्पष्ट और साफ-साफ कहा:
“चिंता मत करो, दोस्त। सब कुछ बेकार है - अब मुझे समझ आ गया है। आप अपने बच्चों के जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते। मेरा इससे नाता टूट गया है।”
उन्हें हद से ज्यादा राहत मिली।
कुछ देर बाद मैंने उससे कहा कि मैं जल्दी सोने जा रहा हूँ।
मैंने कहा कि मुझे थोड़ा सिरदर्द हो रहा है।
उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मैं क्या करने वाला हूं।

परदा

वी
मैं गलियारे में एक पल के लिए रुका। एकदम सन्नाटा था। आसपास कोई नहीं था। रात के लिए सभी बिस्तर तैयार कर दिए गए थे। नॉर्टन, जिसका कमरा इस तरफ था, उसे मैं नीचे ही छोड़ आया था। एलिजाबेथ कोल ब्रिज खेल रही थी। मुझे पता था कि कर्टिस नीचे खाना खा रहा होगा। मैं इस कमरे में अकेला था।
मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने इतने वर्षों तक पोइरोट के साथ व्यर्थ काम नहीं किया। मुझे पता था कि क्या सावधानियां बरतनी हैं।
एलर्टन कल लंदन में जूडिथ से मिलने नहीं जा रहा था।
एलर्टन कल कहीं नहीं जा रहा था...
यह सब कुछ वास्तव में बेहद सरल था।
मैं अपने कमरे में गया और एस्पिरिन की बोतल उठाई। फिर मैं एलर्टन के कमरे में गया और बाथरूम में घुस गया। स्लम्बरील की गोलियां अलमारी में थीं। मैंने सोचा, आठ गोलियां काफी होंगी। एक या दो गोलियां बताई गई खुराक थी। इसलिए आठ गोलियां पर्याप्त होनी चाहिए। एलर्टन ने खुद कहा था कि जहरीली खुराक ज्यादा नहीं है। मैंने लेबल पढ़ा: "निर्धारित खुराक से अधिक लेना खतरनाक है।"
मैंने मन ही मन मुस्कुरा दिया।
मैंने अपने हाथ पर रेशमी रुमाल लपेटा और बोतल का ढक्कन सावधानीपूर्वक खोला। इस पर उंगलियों के निशान नहीं होने चाहिए।

मैंने गोलियां निकाल दीं। हाँ, वे लगभग एस्पिरिन की गोलियों के बराबर ही थीं। मैंने बोतल में आठ एस्पिरिन डालीं, फिर उसमें आठ स्लम्बरील गोलियां भर दीं। बोतल अब बिल्कुल पहले जैसी दिख रही थी। एलर्टन को कोई फर्क नहीं दिखेगा।
मैं अपने कमरे में वापस गया। मेरे पास वहाँ व्हिस्की की एक बोतल थी - स्टाइल्स में हममें से ज़्यादातर लोगों के पास थी। मैंने दो गिलास और एक साइफन निकाला। मैंने अभी तक एलर्टन को कभी भी ड्रिंक के लिए मना करते नहीं देखा था। जब वह ऊपर आता, तो मैं उसे रात के आखिरी गिलास के लिए अंदर बुला लेता।
मैंने गोलियों को थोड़ी सी शराब में डालकर देखा। वे आसानी से घुल गईं। मैंने मिश्रण को धीरे से चखा। शायद थोड़ा कड़वा था, लेकिन न के बराबर। मेरा प्लान तैयार था। मैं अपने लिए एक ड्रिंक निकाल ही रहा था कि तभी एलर्टन आ गया। मैं उसे वह ड्रिंक दे देता और अपने लिए एक और निकाल लेता। सब कुछ बहुत आसान और स्वाभाविक था।
उसे मेरी भावनाओं का कोई अंदाज़ा नहीं हो सकता था - सिवाय इसके कि जूडिथ ने उसे बताया हो। मैंने एक पल के लिए इस पर विचार किया, लेकिन फैसला किया कि मैं यहाँ पूरी तरह सुरक्षित हूँ। जूडिथ कभी किसी को कुछ नहीं बताती।
वह शायद यह मान लेगा कि मुझे उनकी योजनाओं पर बिल्कुल भी संदेह नहीं है।
मेरे पास इंतज़ार करने के अलावा कोई चारा नहीं था। एलर्टन के बिस्तर पर आने में काफी समय लगेगा, शायद एक-दो घंटे। वह हमेशा देर से आने वाला व्यक्ति था।
मैं वहां चुपचाप बैठा इंतजार करता रहा।

दरवाजे पर अचानक दस्तक से मैं चौंक गया। लेकिन वह कर्टिस नहीं था। पोइरोट मुझसे मिलने आया था।
मैं एकदम चौंककर होश में आई। पोइरोट! पूरी शाम मैंने उनके बारे में एक बार भी नहीं सोचा था। उन्हें ज़रूर हैरानी हुई होगी कि मेरा क्या हाल हो गया। मुझे थोड़ी चिंता भी हुई। पहली बात तो यह कि मुझे शर्म आ रही थी कि मैं उनके आस-पास भी नहीं थी, और दूसरी बात यह कि मैं नहीं चाहती थी कि उन्हें शक हो कि कुछ गड़बड़ हुई है।
मैंने कर्टिस का पीछा करते हुए गलियारे को पार किया।
“एह बिएन,” पोइरोट ने हैरानी से कहा। “तो तुम मुझे छोड़कर जा रहे हो, है ना?”
मैंने जबरदस्ती जम्हाई ली और माफी मांगने वाली मुस्कान दी। “बहुत अफ़सोस है, मेरे दोस्त,” मैंने कहा। “सच कहूँ तो, मेरे सिर में इतना तेज़ दर्द हो रहा है कि मुझे कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा। लगता है ये गरज की आवाज़ है। मुझे तो चक्कर ही आ रहा है - इतना ज़्यादा कि मैं तुम्हें शुभ रात्रि कहना भूल ही गया।”
जैसा कि मैंने उम्मीद की थी, पोइरोट तुरंत ही मेरी मदद के लिए तरसने लगे। उन्होंने उपाय सुझाए। उन्होंने खूब चिंता जताई। उन्होंने मुझ पर आरोप लगाया कि मैं खुली हवा में ठंडी हवा में बैठा था। (गर्मी के सबसे गर्म दिन में!) मैंने एस्पिरिन लेने से यह कहकर इनकार कर दिया कि मैं पहले ही कुछ ले चुका हूँ, लेकिन फिर भी मुझे मीठी और बेहद घिनौनी चॉकलेट का एक कप दे दिया गया! "यह नसों को पोषण देता है, आप समझ रहे हैं ना," पोइरोट ने समझाया। मैंने बहस से बचने के लिए उसे पी लिया और फिर, पोइरोट के चिंतित और स्नेहपूर्ण उद्गार अभी भी मेरे कानों में गूंज रहे थे, मैंने उसे शुभ रात्रि कहा।

मैं अपने कमरे में लौटा और दिखावटी ढंग से दरवाजा बंद कर लिया। बाद में, मैंने बड़ी सावधानी से उसे थोड़ा सा खोला। अब जब एलर्टन आएगा तो मैं उसकी आवाज जरूर सुन लूंगा। लेकिन अभी कुछ समय बाकी था।
मैं वहाँ बैठकर प्रतीक्षा करता रहा। मुझे अपनी दिवंगत पत्नी की याद आई। एक बार मैंने दबी आवाज़ में कहा:
"तुम समझ रही हो ना, जान, मैं उसे बचाऊंगा।"
उसने जूडिथ को मेरी देखरेख में छोड़ा था। मैं उसे निराश नहीं करने वाला था।
उस शांति और सन्नाटे में मुझे अचानक यह एहसास हुआ कि सिंडर्स मेरे बहुत करीब है।
मुझे लगभग ऐसा महसूस हुआ जैसे वह कमरे में ही मौजूद हो।
और मैं फिर भी उदास होकर इंतजार करता रहा।

□□□□

अध्याय 13
किसी निराशाजनक अंत को निर्मम होकर लिख डालने से व्यक्ति के आत्मसम्मान को काफी ठेस पहुँचती है।
दरअसल, बात यह है कि मैं वहां एलर्टन का इंतजार करते-करते सो गया!
"सच कहूँ तो, इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। पिछली रात मेरी नींद बहुत खराब हुई थी। मैं पूरे दिन हवा में था। मैं चिंता और अपने फैसले को पूरा करने के लिए खुद को तैयार करने के तनाव से थका हुआ था। इन सबके ऊपर, भारी आंधी-तूफान भी था। शायद मेरे एकाग्रता के लिए किए जा रहे ज़बरदस्त प्रयास ने भी इसमें मदद की।"
खैर, जो हुआ सो गया। मैं अपनी कुर्सी पर ही सो गई, और जब उठी तो बाहर पक्षी चहचहा रहे थे, सूरज निकल चुका था और मैं अपनी शाम की पोशाक में, मुंह का स्वाद खराब और सिर में तेज दर्द के साथ, कुर्सी पर सिकुड़ी हुई और असहज अवस्था में धंसी हुई थी।
मैं अचंभित, अविश्वास से ग्रस्त, disgusted था, और अंततः असीम रूप से और अत्यधिक राहत महसूस कर रहा था।
किसने लिखा था: “सबसे अंधकारमय दिन (कल तक जीवित रहो) बीत जाएगा”? और यह कितना सच है। अब मुझे स्पष्ट और समझदारी से समझ आ गया कि मैं कितना अति उत्तेजित और गलत सोच वाला था। अति नाटकीय, संतुलन से पूरी तरह भटक गया था। मैंने सचमुच एक इंसान को मारने का मन बना लिया था।
ठीक उसी क्षण मेरी नज़र सामने रखे व्हिस्की के गिलास पर पड़ी। कंपकंपी के मारे मैं उठा, पर्दे खींचे और उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया। लगता है कल रात मैं पागल हो गया था!

मैंने दाढ़ी बनाई, नहाया और कपड़े पहने। फिर, काफी बेहतर महसूस करते हुए, मैं पोइरोट के पास गया। मुझे पता था कि वह हमेशा बहुत जल्दी उठते थे। मैं बैठ गया और उन्हें सारी बात साफ-साफ बता दी। मैं कह सकता हूँ कि यह बहुत बड़ी राहत थी।
उसने मेरी ओर देखकर धीरे से अपना सिर हिलाया।
“अरे, ये तो आपकी मूर्खता है। मुझे खुशी है कि आप अपने पापों को मेरे सामने स्वीकार करने आए। लेकिन मेरे प्रिय मित्र, आप कल रात मेरे पास क्यों नहीं आए और मुझे अपने मन की बात क्यों नहीं बताई?”
मैंने शर्मिंदा होकर कहा:
"मुझे डर था, शायद, कि आप मुझे रोकने की कोशिश करेंगे।"
“मैं तुम्हें ज़रूर रोक देता। हाँ, बिल्कुल। क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें मेजर एलर्टन नाम के एक घिनौने बदमाश की वजह से फांसी पर लटका हुआ देखना चाहता हूँ?”
मैंने कहा, "मुझे पकड़ा नहीं जाना चाहिए था। मैंने हर सावधानी बरती थी।"
“हत्यारे तो यही सोचते हैं। तुम्हारी सोच बिल्कुल सही थी! लेकिन सुन लो, मेरे दोस्त, तुम उतने चालाक नहीं थे जितना तुम खुद को समझते थे।”
मैंने हर तरह की सावधानी बरती। मैंने बोतल से अपने उंगलियों के निशान मिटा दिए।
“बिल्कुल सही। तुमने एलर्टन के फिंगरप्रिंट भी मिटा दिए। और जब वो मृत पाया जाता है - तो क्या होता है? पोस्टमार्टम किया जाता है और पता चलता है कि उसकी मौत स्लम्बरील की ओवरडोज से हुई है। क्या उसने इसे गलती से लिया था या जानबूझकर? टीन्स, बोतल पर उसके फिंगरप्रिंट नहीं हैं। लेकिन क्यों नहीं? चाहे दुर्घटना

हो या आत्महत्या, उसके पास फिंगरप्रिंट मिटाने का कोई कारण नहीं था। और फिर वे बची हुई गोलियों का विश्लेषण करते हैं और पाते हैं कि उनमें से लगभग आधी गोलियों को एस्पिरिन से बदल दिया गया है।”
“खैर, लगभग हर किसी के पास एस्पिरिन की गोलियां होती हैं,” मैंने कमजोर आवाज में कहा।
“हाँ, लेकिन हर किसी की बेटी ऐसी नहीं होती जिसे एलर्टन नापाक इरादों से परेशान कर रहा हो - पुराने ज़माने के नाटकीय मुहावरे का इस्तेमाल करें तो। और इस विषय पर आपकी अपनी बेटी से एक दिन पहले ही बहस हो चुकी है। बॉयड कैरिंगटन और नॉर्टन, दो लोग इस बात की गवाही दे सकते हैं कि आप उस आदमी के प्रति कितने उग्र थे। नहीं, हेस्टिंग्स, यह अच्छा नहीं लगता। तुरंत ही सारा ध्यान आप पर केंद्रित हो जाता, और तब तक आप शायद इतने डरे हुए - या पछतावे में - होते कि कोई ईमानदार पुलिस इंस्पेक्टर यह पक्का मान लेता कि आप ही दोषी हैं। यह भी मुमकिन है कि किसी ने आपको गोलियों से छेड़छाड़ करते हुए देख लिया हो।”
“वे ऐसा नहीं कर सके। वहाँ कोई नहीं था।”
"खिड़की के बाहर एक बालकनी है। हो सकता है कोई वहां से झांक रहा हो। या, कौन जाने, हो सकता है कोई चाबी के छेद से देख रहा हो।" "पोइरोट, तुम्हारा दिमाग तो बस चाबी के छेदों में ही उलझा रहता है। लोग सचमुच उतना समय चाबी के छेदों में झाँकने में नहीं बिताते जितना तुम सोचते हो।"
पोइरोट ने अपनी आंखें आधी बंद करते हुए टिप्पणी की कि मेरा स्वभाव हमेशा से ही बहुत भरोसेमंद रहा है।
और मैं आपको बता दूं, इस घर में चाबियों के साथ बहुत अजीबोगरीब चीजें होती हैं। मुझे तो यह अच्छा लगता है कि मेरा दरवाजा अंदर

से बंद हो, भले ही अच्छे कर्टिस बगल वाले कमरे में हों। मेरे यहां आने के कुछ ही देर बाद मेरी चाबी गायब हो जाती है - पूरी तरह से! मुझे दूसरी चाबी बनवानी पड़ती है।
“खैर, खैर,” मैंने राहत की गहरी सांस लेते हुए कहा, मेरा दिमाग अभी भी अपनी परेशानियों से भरा हुआ था, “यह कामयाब नहीं हुआ। यह सोचना भयानक है कि कोई इस तरह परेशान हो सकता है।” मैंने अपनी आवाज़ धीमी कर ली। “पोइरोट, क्या आपको नहीं लगता कि उस बहुत पहले हुए कत्ल की वजह से हवा में एक तरह का संक्रमण फैला हुआ है?”
“आपका मतलब हत्या का वायरस है? खैर, यह एक दिलचस्प सुझाव है।” मैंने सोच-विचार करते हुए कहा, "घरों का अपना एक माहौल होता है। इस घर का इतिहास अच्छा नहीं है।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
“हां। यहां ऐसे लोग रहे हैं - उनमें से कई - जो दिल से चाहते थे कि कोई और मर जाए। यह बात बिल्कुल सच है।”
“मुझे लगता है कि यह किसी न किसी तरह से किसी एक को अपने शिकंजे में ले लेगा। लेकिन अब, पोइरोट, मुझे बताओ, मैं इस सब के बारे में क्या करूँ - मेरा मतलब जूडिथ और एलर्टन से है? इसे किसी न किसी तरह रोकना ही होगा। तुम्हें क्या लगता है कि मुझे क्या करना चाहिए?”
"कुछ मत करो," पोइरोट ने जोर देकर कहा।
"अरे, लेकिन -"
"मेरा यकीन मानिए, दखल न देकर आप सबसे कम नुकसान करेंगे।" "अगर मुझे एलर्टन से निपटना पड़े तो-"
“आप क्या कह सकते हैं या कर सकते हैं? जूडिथ इक्कीस साल की है और अपनी खुद की मालकिन है।”

लेकिन मुझे लगता है कि मुझे ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए -" पोइरोट ने मुझे बीच में ही रोक दिया।
नहीं, हेस्टिंग्स। यह मत सोचो कि तुम इतने चतुर, इतने प्रभावशाली या इतने धूर्त हो कि उन दोनों पर अपना प्रभाव डाल सको। एलर्टन गुस्से वाले और शक्तिहीन पिताओं से निपटने का आदी है, और शायद इसे एक मज़ाक समझता है। जूडिथ ऐसी नहीं है जिसे डराया-धमकाया जा सके। अगर मैं तुम्हें कोई सलाह दूं, तो मैं यही कहूंगा कि कुछ बिल्कुल अलग करो। अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो मैं उस पर भरोसा करता।
मैंने उसे घूर कर देखा।
हरक्यूल पोइरोट ने कहा, "जुडिथ बहुत ही बेहतरीन इंसान है। मैं उसकी बहुत प्रशंसा करता हूं।"
मैंने लड़खड़ाती आवाज में कहा:
मैं भी उनकी प्रशंसा करती हूं। लेकिन मुझे उनके लिए डर लग रहा है।
पोइरोट ने अचानक जोश के साथ अपना सिर हिलाया।
“मुझे भी उसके लिए डर लग रहा है,” उसने कहा। “लेकिन तुम्हारी तरह नहीं। मुझे बहुत डर लग रहा है। और मैं बेबस हूँ - या लगभग बेबस। और दिन बीतते जा रहे हैं। खतरा मंडरा रहा है, हेस्टिंग्स, और वह बहुत करीब है।”

परदा

द्वितीय
मुझे भी पोइरोट की तरह पता था कि खतरा बहुत करीब है। मेरे पास उससे कहीं अधिक यह जानने का कारण था, क्योंकि मैंने पिछली रात जो कुछ सुना था, वह सच था।
फिर भी, नाश्ता करने जाते समय मैंने पोइरोट के उस वाक्य पर विचार किया। "अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो उस पर भरोसा करता।" यह अप्रत्याशित था - लेकिन इसने मुझे एक अजीब सी राहत दी। और लगभग तुरंत ही, इसकी सच्चाई साबित हो गई। क्योंकि जूडिथ ने उस दिन लंदन जाने का अपना इरादा बदल लिया था।
इसके बजाय, वह हमेशा की तरह नाश्ते के तुरंत बाद फ्रैंकलिन के साथ प्रयोगशाला चली गई, और यह स्पष्ट था कि वहां उनका एक कठिन और व्यस्त दिन होने वाला था।
कृतज्ञता की एक गहरी भावना मुझ पर उमड़ पड़ी। पिछली रात मैं कितना पागल और कितना निराश था। मैंने मान लिया था - बिल्कुल निश्चित रूप से मान लिया था कि जूडिथ ने एलर्टन के झूठे प्रस्तावों को मान लिया होगा। लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि यह सच था कि मैंने उसे कभी सहमति देते हुए नहीं सुना था। नहीं, वह इतनी अच्छी, इतनी नेक और सच्ची थी कि वह हार नहीं मान सकती थी। उसने मुलाकात से इनकार कर दिया था।
मुझे पता चला कि एलर्टन ने सुबह जल्दी नाश्ता कर लिया था और इप्सविच के लिए निकल गए थे। इसलिए, उन्होंने योजना का पालन किया था और उन्हें यह मानना चाहिए कि जूडिथ भी तय योजना के अनुसार लंदन जा रही थीं।

मैंने मन ही मन सोचा, उसे निराशा ही हाथ लगेगी।
बॉयड कैरिंगटन आए और उन्होंने कुछ चिड़चिड़ेपन से टिप्पणी की कि मैं आज सुबह बहुत खुश दिख रहा था।
“हां,” मैंने कहा। “मुझे कुछ अच्छी खबर मिली है।”
उन्होंने कहा कि यह उनकी क्षमता से कहीं अधिक था। उन्हें आर्किटेक्ट का एक थकाऊ फोन आया था, निर्माण में कुछ दिक्कतें थीं - एक स्थानीय सर्वेक्षक ने ज़मीन की कटाई-छंटाई कर दी थी। साथ ही कुछ चिंताजनक पत्र भी आए थे। और उन्हें डर था कि उन्होंने श्रीमती फ्रैंकलिन को एक दिन पहले ज़रूरत से ज़्यादा काम करने दिया था।
श्रीमती फ्रैंकलिन हाल ही में अपने अच्छे स्वास्थ्य और खुशमिजाजी की भरपाई कर रही थीं। नर्स क्रेवन से मुझे जो पता चला, उसके अनुसार वह खुद को काफी असहज बना रही थीं।
नर्स क्रेवन को अपने दोस्तों से मिलने के लिए तय की गई छुट्टी छोड़नी पड़ी थी, और वह इस बात से बहुत नाराज़ थीं। सुबह से ही श्रीमती फ्रैंकलिन नमक, गर्म पानी की बोतलें, तरह-तरह के खाने- पीने की चीज़ें माँग रही थीं और नर्स को कमरे से बाहर नहीं जाने दे रही थीं। उन्हें नसों में दर्द, दिल के आसपास दर्द, पैरों और टांगों में ऐंठन, कंपकंपी और न जाने क्या-क्या तकलीफें थीं। मैं अभी और यहीं कह सकता हूँ कि न तो मैं और न ही कोई और वास्तव में चिंतित था। हम सभी ने इसे श्रीमती फ्रैंकलिन की रोगसूचक प्रवृत्ति का हिस्सा मान लिया।
यही बात नर्स क्रेवन और डॉ. फ्रैंकलिन पर भी लागू होती थी। बाद में उसे प्रयोगशाला से बुलाया गया, उसने अपनी पत्नी की शिकायतें सुनीं, उससे पूछा कि क्या वह स्थानीय डॉक्टर को बुलाना चाहेगी (श्रीमती फ्रैंकलिन ने इस पर कड़ा विरोध जताया),

फिर उसने उसे एक शामक दवा दी, उसे यथासंभव शांत किया और वापस काम पर चला गया।
नर्स क्रेवन ने मुझसे कहा:
"वह जानता है कि वह सिर्फ नाटक कर रही है।"
"क्या आपको सच में नहीं लगता कि इसमें कोई बड़ी बात है?"
"उसका तापमान सामान्य है, और उसकी नाड़ी बिल्कुल ठीक है। अगर मुझसे पूछो तो बस चिंता करने की कोई बात नहीं है।"
वह चिढ़ गई और सामान्य से अधिक अविवेकी ढंग से बोल पड़ी।
“उसे दूसरों के मजे में खलल डालना अच्छा लगता है। वह चाहती है कि उसका पति परेशान रहे, मैं उसके पीछे-पीछे भागती रहूँ, और यहाँ तक कि सर विलियम को भी यह महसूस कराना है कि वह एक असभ्य इंसान है क्योंकि उन्होंने 'कल उसे बहुत थका दिया था।' वह इसी तरह की इंसान है।”
आज नर्स क्रेवन को अपनी मरीज़ को संभालना लगभग नामुमकिन लग रहा था। मुझे समझ आया कि श्रीमती फ्रैंकलिन उनके साथ बहुत ही बदतमीज़ी से पेश आई थीं। वह ऐसी महिला थीं जिन्हें नर्स और नौकरानियां स्वभाव से नापसंद करती थीं - न केवल इसलिए कि वह कितनी परेशानी देती थीं, बल्कि इसलिए भी कि उनका व्यवहार ठीक नहीं था।
तो, जैसा कि मैंने कहा, हममें से किसी ने भी उसकी अस्वस्थता को गंभीरता से नहीं लिया।
इसका एकमात्र अपवाद बॉयड कैरिंगटन था, जो एक डांटे गए छोटे लड़के की तरह दयनीय रूप से इधर-उधर घूम रहा था।
तब से लेकर अब तक मैंने कितनी ही बार उस दिन की घटनाओं को बार-बार दोहराया है, कुछ ऐसी बात याद करने की कोशिश की है जिसे अब तक भुला दिया गया है - कोई छोटी सी भूली हुई घटना, हर किसी के हावभाव

को ठीक से याद करने का प्रयास किया है। वे कितने सामान्य थे, या कितने उत्साहित थे।
मुझे एक बार फिर से, हर किसी के बारे में जो कुछ भी याद है, उसे ठीक-ठीक लिख लेने दीजिए।
जैसा कि मैंने बताया, बॉयड कैरिंगटन असहज और कुछ हद तक दोषी महसूस कर रहे थे। उन्हें लग रहा था कि वे कल कुछ ज़्यादा ही उत्साहित हो गए थे और अपने साथी की नाज़ुक सेहत का ध्यान न रखकर स्वार्थीपन का शिकार हुए थे। वे बारबरा फ्रैंकलिन का हालचाल पूछने के लिए एक-दो बार ऊपर गए थे, और नर्स क्रेवन, जो खुद भी अच्छे मूड में नहीं थीं, उनके साथ रूखेपन और चिड़चिड़ेपन से पेश आई थीं। वे गाँव भी गए थे और चॉकलेट का एक डिब्बा खरीद लाए थे। ये नीचे भेजा गया था। "श्रीमती फ्रैंकलिन को चॉकलेट बिल्कुल पसंद नहीं थीं।"
कुछ हद तक उदास होकर, उसने धूम्रपान कक्ष में डिब्बा खोला और नॉर्टन, मैं और वह सभी ने गंभीरतापूर्वक अपने लिए भोजन निकाल लिया।
अब मुझे लगता है कि नॉर्टन के मन में उस सुबह ज़रूर कुछ चल रहा था। वह खोया-खोया सा था; एक-दो बार उसकी भौंहें सिकुड़ गईं मानो वह किसी बात को लेकर उलझन में हो।
उन्हें चॉकलेट बहुत पसंद थी, और वे बड़ी बेफिक्री से ढेर सारी चॉकलेट खा जाते थे।
बाहर मौसम बहुत खराब था। सुबह दस बजे से लगातार बारिश हो रही थी।
उस दिन में वो उदासी नहीं थी जो कभी-कभी बारिश के दिन के साथ आती है। वास्तव में, यह हम सभी के लिए राहत की बात थी।

दोपहर के करीब कर्टिस पोइरोट को नीचे ले आया था और उसे ड्राइंग रूम में बिठा दिया था। वहाँ एलिजाबेथ कोल भी उसके साथ आ गई थी और उसके लिए पियानो बजा रही थी। उसका हाथ बहुत सुरीला था और वह बाख और मोजार्ट दोनों की रचनाएँ बजाती थी - ये दोनों ही मेरे दोस्त के पसंदीदा संगीतकार थे।
फ्रैंकलिन और जूडिथ लगभग पौने एक बजे बगीचे से आए। जूडिथ का चेहरा पीला और थका हुआ लग रहा था। वह बहुत चुप थी, मानो किसी सपने में खोई हुई हो, इधर-उधर देख रही थी और फिर चली गई। फ्रैंकलिन हमारे साथ बैठ गया। वह भी थका हुआ और मग्न लग रहा था, और उसके हाव-भाव से लग रहा था कि वह बहुत परेशान है।
मैंने कहा, मुझे याद है, बारिश से राहत मिलने के बारे में कुछ कहा था, और उसने तुरंत कहा:
“हां। ऐसे समय भी आते हैं जब कुछ न कुछ टूटना ही पड़ता है।”
और किसी तरह मुझे ऐसा लगा कि वह सिर्फ मौसम के बारे में ही नहीं बोल रहा था। हमेशा की तरह अजीब हरकतें करते हुए, वह मेज से टकराया और आधी चॉकलेट गिरा दीं। हमेशा की तरह घबराए हुए अंदाज़ में उसने माफ़ी मांगी - जाहिरा तौर पर डिब्बे से।
"मुझे माफ करें।"
यह मज़ेदार होना चाहिए था, लेकिन किसी तरह नहीं हुआ। वह जल्दी से झुका और गिरी हुई चॉकलेट उठा लीं।
नॉर्टन ने उनसे पूछा कि क्या उनकी सुबह थका देने वाली रही थी।
फिर उनके चेहरे पर एक मुस्कान खिल उठी - उत्सुक, बचकानी, जीवंत।
“नहीं-नहीं- अभी-अभी अचानक एहसास हुआ कि मैं गलत रास्ते पर था।
असल में, एक बहुत ही सरल प्रक्रिया की ज़रूरत है। अब शॉर्टकट ले सकता हूँ।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
“[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

परदा

तृतीय
अगर सुबह हम सब बेचैन और दिशाहीन थे, तो दोपहर अप्रत्याशित रूप से सुहावनी रही। सूरज निकल आया, मौसम ठंडा और ताज़ा था। श्रीमती लुटरेल को नीचे लाया गया और उन्हें बरामदे में बैठाया गया। वह बहुत खुश थीं - अपने आकर्षण और व्यवहार का प्रदर्शन हमेशा की तरह कम दिखावटीपन के साथ कर रही थीं, और उनमें ज़रा भी कड़वाहट नहीं थी। उन्होंने अपने पति से हल्के-फुल्के अंदाज़ में और स्नेह से मज़ाक किया, और उनके पति भी उन्हें देखकर मुस्कुरा उठे। उन्हें इतने अच्छे भावों में देखना वाकई बहुत सुखद था। पोइरोट को भी व्हीलचेयर पर बाहर आने की अनुमति मिल गई, और वे भी अच्छे मूड में थे। मुझे लगता है कि उन्हें लुट्रेल परिवार को आपस में इतने दोस्ताना व्यवहार में देखकर अच्छा लगा। कर्नल तो सालों छोटे लग रहे थे। उनका व्यवहार पहले से कम अस्थिर लग रहा था, वे अपनी मूंछें भी कम खींच रहे थे। उन्होंने तो यहाँ तक सुझाव दिया कि शायद उस शाम ब्रिज खेलने का प्लान हो।
"डेज़ी को अपने पुल की याद आ रही है।"
"जी हां, बिल्कुल," श्रीमती लुटरेल ने कहा।
नॉर्टन ने सुझाव दिया कि यह उसके लिए थका देने वाला होगा। श्रीमती लुटरेल ने कहा, "मैं एक रबर खेलूंगी," और मुस्कुराते हुए बोलीं, "और मैं अच्छा व्यवहार करूंगी और बेचारे जॉर्ज का सिर नहीं नोंच डालूंगी।"
“मेरी प्यारी,” उसके पति ने विरोध करते हुए कहा, “मुझे पता है कि मैं एक बहुत बुरा खिलाड़ी हूँ।”

"तो फिर इसमें क्या बुराई है?" श्रीमती लुटरेल ने कहा। "क्या मुझे इस बारे में आपको परेशान करने और तंग करने में बहुत आनंद नहीं आता?"
इससे हम सब हंस पड़े। श्रीमती लुटरेल ने आगे कहा:
"ओह, मुझे अपनी कमियां पता हैं, लेकिन इस उम्र में मैं उन्हें स्वीकार नहीं करने वाली। जॉर्ज को बस मुझे बर्दाश्त करना होगा।"
कर्नल लुटरेल ने उसे बड़े ही मूर्खतापूर्ण ढंग से देखा।
मुझे लगता है कि उन दोनों को इतने अच्छे संबंध में देखकर ही दिन में बाद में शादी और तलाक पर चर्चा शुरू हुई।
क्या तलाक की बेहतर सुविधा मिलने से पुरुष और महिलाएं वास्तव में अधिक खुश थे, या अक्सर ऐसा होता था कि झुंझलाहट और अलगाव की एक अस्थायी अवधि - या किसी तीसरे व्यक्ति को लेकर परेशानी - कुछ समय बाद स्नेह और मित्रता की बहाली में तब्दील हो जाती थी?
यह देखना कभी-कभी अजीब लगता है कि लोगों के विचार उनके अपने व्यक्तिगत अनुभवों से कितने भिन्न होते हैं।
मेरी अपनी शादी बेहद खुशहाल और सफल रही थी, और मैं मूल रूप से पुराने विचारों वाला व्यक्ति हूँ, फिर भी मैं तलाक के पक्ष में था – यानी नुकसान को कम करके नई शुरुआत करने के पक्ष में। बॉयड कैरिंगटन, जिनकी शादी नाखुशहाल रही थी, फिर भी अटूट वैवाहिक बंधन में विश्वास रखते थे। उन्होंने कहा कि विवाह संस्था के प्रति उनके मन में अत्यंत श्रद्धा थी। यह राज्य की नींव थी। नॉर्टन, जिनका कोई निजी स्वार्थ नहीं था, मेरी ही सोच के थे। आधुनिक वैज्ञानिक विचारक फ्रैंकलिन, आश्चर्यजनक रूप से, तलाक के घोर विरोधी थे। जाहिर तौर पर, यह स्पष्ट सोच और कार्य के उनके आदर्श को ठेस पहुँचाता था। व्यक्ति कुछ जिम्मेदारियाँ निभाता

है। उन्हें निभाना ही चाहिए, उनसे बचना या उन्हें दरकिनार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुबंध एक अनुबंध होता है। व्यक्ति अपनी स्वतंत्र इच्छा से इसमें प्रवेश करता है और उसका पालन करना ही चाहिए। इसके अलावा कुछ भी करने से, उनके अनुसार, गड़बड़ हो जाती है। अधूरे काम, आधे टूटे रिश्ते।
अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुकते हुए, अपनी लंबी टांगों को मेज पर हल्के से मारते हुए, उन्होंने कहा:
“एक पुरुष अपनी पत्नी का चुनाव करता है। जब तक वह मर नहीं जाती - या वह स्वयं मर नहीं जाता - तब तक वह उसकी जिम्मेदारी होती है।” नॉर्टन ने कुछ हास्यास्पद ढंग से कहा:
और कभी-कभी - ओह, सुखद मृत्यु, है ना?
हम हँसे, और बॉयड कैरिंगटन ने कहा:
"तुम्हें बोलने की ज़रूरत नहीं है, मेरे बेटे; तुम्हारी कभी शादी नहीं हुई है।"
सिर हिलाते हुए नॉर्टन ने कहा:
और अब बहुत देर हो चुकी है।
“क्या आपने ऐसा किया है?” बॉयड कैरिंगटन की निगाहें सवालिया थीं। “क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?”
ठीक उसी समय एलिजाबेथ कोल हमारे साथ आ गईं। वह श्रीमती फ्रैंकलिन के साथ उठी थीं।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या यह मेरा भ्रम था, या बॉयड कैरिंगटन ने उससे लेकर नॉर्टन तक अर्थपूर्ण ढंग से देखा था, और क्या यह संभव था कि नॉर्टन शरमा गया हो?
इससे मेरे मन में एक नया विचार आया और मैंने एलिजाबेथ कोल को ध्यान से देखा। यह सच था कि वह अभी भी अपेक्षाकृत युवा महिला थी। इसके अलावा, वह काफी सुंदर भी थी। वास्तव में, वह एक बेहद

आकर्षक और दयालु व्यक्तित्व वाली महिला थी जो किसी भी पुरुष को खुश कर सकती थी। और हाल ही में उसने और नॉर्टन ने काफी समय साथ बिताया था। जंगली फूलों और पक्षियों की खोज में वे दोस्त बन गए थे; मुझे याद आया कि कैसे उसने नॉर्टन के बारे में बताया था कि वह कितना दयालु व्यक्ति है।
अगर ऐसा है, तो मुझे उसकी भलाई की खुशी है। उसका भूखा-प्यासा और बांझ बचपन उसकी अंतिम खुशी के रास्ते में बाधा नहीं बनेगा। जिस त्रासदी ने उसका जीवन चकनाचूर कर दिया था, वह व्यर्थ नहीं जाएगी। उसे देखकर मुझे लगा कि वह निश्चित रूप से पहले से कहीं ज्यादा खुश और हां, हंसमुख दिख रही थी, जब मैं पहली बार स्टाइल्स आया था।
एलिजाबेथ कोल और नॉर्टन - हाँ, ऐसा हो सकता है। और अचानक, कहीं से भी, बेचैनी और घबराहट की एक अस्पष्ट भावना ने मुझे घेर लिया। यहाँ खुश रहने की योजना बनाना सुरक्षित नहीं था - यह सही नहीं था। स्टाइल्स के माहौल में कुछ बुराई थी। मुझे अभी - इसी क्षण - यह महसूस हुआ। अचानक बूढ़ा और थका हुआ महसूस हुआ - हाँ, और डरा हुआ भी।
एक मिनट बाद वो एहसास गायब हो गया। मुझे लगता है कि बॉयड कैरिंगटन के अलावा किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया था। कुछ मिनट बाद उसने दबी आवाज़ में मुझसे कहा:
"क्या कोई बात है, हेस्टिंग्स?"
"क्यों नहीं?"
"अच्छा - आपने देखा - मैं इसे पूरी तरह से समझा नहीं सकता।"
"बस एक एहसास - आशंका।"
“बुराई का पूर्वाभास?”

"हां, अगर आप इसे इस तरह कहना चाहें तो। एक एहसास था कि कुछ होने वाला है।"
“मजेदार। मुझे भी एक-दो बार ऐसा महसूस हुआ है। क्या आपको कुछ पता है?”
वह मुझे बहुत ध्यान से देख रहा था।
मैंने अपना सिर हिलाया। दरअसल, मुझे किसी विशेष बात का कोई निश्चित आभास नहीं था। यह तो बस गहरी निराशा और भय की एक लहर थी। फिर जूडिथ घर से बाहर आई। वह धीरे-धीरे आई, सिर ऊंचा किए, होंठ कसकर बंद किए, चेहरा गंभीर और सुंदर था।
मैंने सोचा कि वह मुझसे और सिंडर्स से कितनी अलग थी। वह किसी युवा पुजारिन जैसी दिखती थी। नॉर्टन को भी कुछ ऐसा ही महसूस हुआ। उसने उससे कहा:
"तुम अपने नाम वाली महिला की तरह दिखती हो, जिसने होलोफर्नेस का सिर काटने से पहले ऐसा ही रूप धारण किया होगा।"
जूडिथ मुस्कुराई और उसने अपनी भौहें थोड़ी ऊपर उठाईं।
मुझे अब याद नहीं आ रहा कि वह ऐसा क्यों करना चाहती थी।
"ओह, बिलकुल सर्वोच्च नैतिक आधार पर, समुदाय की भलाई के लिए!" उसके लहजे में छिपी हल्की-फुल्की हंसी से जूडिथ चिढ़ गई। वह शर्म से लाल हो गई और उसके पास से गुज़रकर फ्रैंकलिन के बगल में बैठ गई। उसने कहा:
"श्रीमती फ्रैंकलिन की तबीयत काफी बेहतर है। वह चाहती हैं कि हम सब आज शाम उनके साथ कॉफी पीने आएं।"

परदा

चतुर्थ
रात के खाने के बाद जब हम सब ऊपर जा रहे थे, तब मुझे लगा कि श्रीमती फ्रैंकलिन सचमुच मिजाज की एक अजीब शख्सियत थीं। दिन भर सबकी जिंदगी मुश्किल बनाने के बाद, अब वह सबके साथ बेहद प्यार से पेश आ रही थीं।
वह हल्के नीले रंग की नाइटी पहने अपने सोफे पर लेटी हुई थी। उसके बगल में एक छोटी घूमने वाली किताबों की अलमारी थी, जिस पर कॉफी बनाने का सामान रखा हुआ था। उसकी कुशल और सफेद उंगलियां नर्स क्रेवन की थोड़ी सी मदद से कॉफी बनाने की रस्म निभा रही थीं। हम सभी वहां मौजूद थे, सिवाय पोइरोट के, जो हमेशा खाने से पहले चले जाते थे; एलर्टन के, जो इप्सविच से नहीं लौटे थे; और श्रीमती और कर्नल लुटरेल के, जो नीचे ही रुके हुए थे।
कॉफी की खुशबू हमारी नाक तक पहुंची - एक मनमोहक सुगंध। स्टाइल्स में मिलने वाली कॉफी बेस्वाद और गाढ़ी थी, इसलिए हम सभी श्रीमती फ्रैंकलिन की ताज़ी पिसी हुई बेरीज से बनी कॉफी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।
फ्रैंकलिन मेज के दूसरी तरफ बैठी कप भरते हुए उन्हें आगे बढ़ा रही थी। बॉयड कैरिंगटन सोफे के निचले हिस्से के पास खड़ा था। एलिजाबेथ कोल और नॉर्टन खिड़की के पास थीं। नर्स क्रेवन बिस्तर के सिरहाने के पास पीछे हट गई थीं। मैं एक आरामकुर्सी पर बैठा टाइम्स के क्रॉसवर्ड को हल करने में लगा हुआ था और सुराग पढ़ रहा था।

“क्या प्यार भी – या तीसरे पक्ष का जोखिम?” मैंने पढ़कर सुनाया। “आठ अक्षर।”
"शायद यह एक एनाग्राम है," फ्रैंकलिन ने कहा।
हमने एक मिनट सोचा। मैंने आगे कहा:
"पहाड़ियों के बीच रहने वाले लोग निर्दयी हैं।"
“यातनादाता,” बॉयड कैरिंगटन ने तुरंत कहा।
“उद्धरण: 'और जो भी पूछा जाता है, वह उसका उत्तर देती है -' रिक्त स्थान। टेनीसन। पाँच अक्षर।”
“कहाँ?” श्रीमती फ्रैंकलिन ने सुझाव दिया। “ज़रूर यह सही होगा। 'और इको जवाब देती है कहाँ'?”
मुझे संदेह था।
"इससे शब्द का अंत 'w' से होगा।"
"खैर, कई शब्द 'w' पर समाप्त होते हैं। जैसे 'How', 'now' और 'snow'।"
एलिजाबेथ कोल ने खिड़की से कहा:
टेनीसन का उद्धरण है: 'और प्रतिध्वनि से जो भी पूछा जाता है, उसका उत्तर मृत्यु ही देती है।'
मुझे अपने पीछे से किसी के सांस लेने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। मैंने ऊपर देखा। वह जूडिथ थी। वह हमारे पास से गुज़रकर खिड़की की ओर गई और बालकनी में चली गई।
मैंने आखिरी सुराग लिखते हुए कहा: "प्यार भी एनाग्राम नहीं हो सकता। अब दूसरा अक्षर 'A' है।"
"सुराग क्या है?"
“यहां तक कि प्रेम या तीसरे पक्ष का जोखिम भी। रिक्त स्थान A और छह रिक्त स्थान।”
“प्रेमिका,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा।

मैंने बारबरा फ्रैंकलिन की तश्तरी पर चम्मच की खड़खड़ाहट सुनी। मैं अगले सुराग की ओर बढ़ गया।
“‘ईर्ष्या एक हरी आंखों वाला राक्षस है,’ उस व्यक्ति ने कहा।” “शेक्सपियर,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा।
"क्या यह ओथेलो था या एमिलिया?" श्रीमती फ्रैंकलिन ने कहा। “बहुत लंबा है। सुराग तो सिर्फ पांच अक्षरों का है।” “इयागो।”
मुझे पूरा यकीन है कि यह ओथेलो ही था।
“यह ओथेलो में बिल्कुल भी नहीं था। रोमियो ने यह बात जूलियट से कही थी।”
हम सभी ने अपनी राय रखी। अचानक बालकनी से जूडिथ चिल्लाई: “देखो, एक टूटता तारा। ओह, एक और है।”
बॉयड कैरिंगटन ने कहा: “कहाँ? हमें बस कामना करनी होगी।” वह बालकनी में गए और एलिजाबेथ कोल, नॉर्टन और जूडिथ के साथ शामिल हो गए। नर्स क्रेवन भी बाहर आईं। फ्रैंकलिन भी उठे और उनके साथ आ गए। वे सब वहाँ खड़े होकर हैरानी जताते हुए रात के अंधेरे में बाहर देख रहे थे।
मैं सिर झुकाए क्रॉसवर्ड हल करता रहा। मुझे टूटते तारे को देखने की इच्छा क्यों होनी चाहिए? मेरे पास तो कुछ भी चाहने को नहीं था...
अचानक बॉयड कैरिंगटन वापस कमरे में आ गया।
"बारबरा, तुम्हें बाहर आना होगा।"
श्रीमती फ्रैंकलिन ने तीखे स्वर में कहा:
“नहीं, मैं नहीं कर सकता। मैं बहुत थका हुआ हूँ।”
“बकवास, बैब्स। तुम्हें आकर दुआ मांगनी होगी!” वह हँसा। “अब विरोध मत करो। मैं तुम्हें उठा लूँगा।”

और अचानक झुककर उसने उसे अपनी बाहों में उठा लिया। वह हँसी और विरोध करने लगी:
"बिल, मुझे नीचे उतारो - इतनी बेवकूफी मत करो।"
“छोटी बच्चियों को आकर मन्नत मांगनी चाहिए।” उसने उसे खिड़की से अंदर ले जाकर बालकनी पर बिठा दिया।
मैं कागज़ पर और झुक गई। क्योंकि मुझे याद आ रहा था... एक साफ़, उष्णकटिबंधीय रात - मेंढक टर्रा रहे थे... और एक टूटता तारा। मैं खिड़की के पास खड़ी थी, और मैंने मुड़कर सिंडर्स को उठाया और उसे अपनी बाहों में लेकर बाहर चली गई ताकि तारे देख सकूँ और मन्नत माँग सकूँ...
क्रॉसवर्ड की रेखाएं मेरी आंखों के सामने दौड़ती और धुंधली होती चली गईं।
एक आकृति बालकनी से अलग होकर कमरे में आई - जूडिथ।
जूडिथ को मुझे कभी भी रोते हुए नहीं देखना चाहिए। यह ठीक नहीं होगा। जल्दी से मैं किताबों की अलमारी के चारों ओर घूमी और किताब ढूंढने का नाटक किया। मुझे याद आया कि मैंने वहाँ शेक्सपियर का एक पुराना संस्करण देखा था। हाँ, यह रहा। मैंने ओथेलो के पन्ने पलटे।
“आप क्या कर रहे हैं, पिताजी?”
मैंने सुराग के बारे में कुछ बुदबुदाया, मेरी उंगलियां पन्ने पलट रही थीं। हां, यह इयागो ही था।
"हे मेरे स्वामी, ईर्ष्या से सावधान रहें;"
यह ईर्ष्यालु राक्षस ही है जो उपहास करता है।
जिस मांस को यह खाता है।"
जूडिथ ने कुछ और पंक्तियाँ बोलना जारी रखा:
"न अफीम, न ही मंड्रागोरा,"

और न ही दुनिया के सारे नींद लाने वाले सिरप,
क्या औषधि तुम्हें मीठी नींद दिलाएगी?
जो तुम पर कल बकाया था।"
उसकी आवाज गूंज उठी, सुंदर और गहरी।
बाकी लोग हंसते-हंसते और बातें करते हुए वापस आ रहे थे। श्रीमती फ्रैंकलिन सोफे पर अपनी जगह पर बैठ गईं। फ्रैंकलिन भी अपनी सीट पर वापस आए और अपनी कॉफी को हिलाया। नॉर्टन और एलिजाबेथ कोल ने अपनी कॉफी खत्म की और चले गए, क्योंकि उन्होंने लुट्रेल परिवार के साथ ब्रिज खेलने का वादा किया था।
श्रीमती फ्रैंकलिन ने अपनी कॉफी पी और फिर अपनी "दवा की बूंदें" मांगीं। जूडिथ उनके लिए बाथरूम से बूंदें ले आई, क्योंकि नर्स क्रेवन अभी-अभी बाहर गई थीं।
फ्रैंकलिन कमरे में इधर-उधर भटक रहा था। वह एक छोटी मेज से टकरा गया। उसकी पत्नी ने तीखे स्वर में कहा:
"इतने अनाड़ी मत बनो, जॉन।"
"माफ़ करना, बारबरा। मैं किसी और चीज़ के बारे में सोच रहा था।" श्रीमती फ्रैंकलिन ने कुछ बनावटी अंदाज़ में कहा:
"कितने बड़े भालू हो तुम, प्यारे?"
उसने उसे कुछ अनमने भाव से देखा। फिर उसने कहा:
"सुंदर रात है; लगता है मैं टहलने जाऊँगा।"
वह चला गए।
श्रीमती फ्रैंकलिन ने कहा:
“वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, आप जानते हैं। उनके व्यवहार से ही यह पता चलता है। मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करता हूँ। उनके काम के प्रति उनका जुनून अद्भुत है।”

“जी हां, होशियार आदमी,” बॉयड कैरिंगटन ने बड़ी बेपरवाही से कहा।
जूडिथ अचानक कमरे से बाहर निकल गई और दरवाजे पर नर्स क्रेवन से लगभग टकरा गई।
बॉयड कैरिंगटन ने कहा:
"बैब्स, पिक्वेट का एक गेम खेलने के बारे में क्या ख्याल है?" “ओह, बहुत बढ़िया। क्या आप कुछ कार्ड का इंतजाम कर सकती हैं, नर्स?”
नर्स क्रेवन कार्ड लेने गई थीं, और मैंने श्रीमती फ्रैंकलिन को शुभ रात्रि कहा और कॉफी के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।
बाहर निकलते ही मैंने फ्रैंकलिन और जूडिथ को पीछे छोड़ दिया। वे गलियारे की खिड़की से बाहर देख रहे थे। वे कुछ बोल नहीं रहे थे। बस एक-दूसरे के बगल में खड़े थे।
जैसे ही मैं पास पहुंचा, फ्रैंकलिन ने पीछे मुड़कर देखा। वह एक-दो कदम आगे बढ़ा, झिझका और बोला:
“क्या तुम टहलने के लिए बाहर आ रही हो, जूडिथ?”
मेरी बेटी ने सिर हिलाया।
“आज रात नहीं,” उसने अचानक कहा, “मैं सोने जा रही हूँ। शुभ रात्रि।”
मैं फ्रैंकलिन के साथ नीचे गया। वह धीरे-धीरे सीटी बजा रहा था और मुस्कुरा रहा था।
मैंने कुछ चिड़चिड़ेपन से यह बात कही, क्योंकि मैं खुद भी उदास महसूस कर रहा था:
"आज रात तुम खुद से काफी खुश लग रहे हो।"
उसने यह बात स्वीकार कर ली।

“हां। मैंने वो काम कर लिया है जो मैं काफी समय से करना चाहता था। बहुत संतोषजनक रहा।”
मैं उससे अलग होकर नीचे चला गया और एक मिनट के लिए ब्रिज खेलने वालों को देखने लगा। श्रीमती लुटरेल की नज़र न होने पर नॉर्टन ने मुझे आँख मारी। ऐसा लग रहा था कि खेल असामान्य रूप से तालमेल के साथ आगे बढ़ रहा है।
एलर्टन अभी तक वापस नहीं आया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि उसके बिना घर में ज़्यादा खुशी और घुटन का एहसास कम हो गया था।
मैं पोइरोट के कमरे में गया। मैंने देखा कि जूडिथ उनके साथ बैठी थी। मेरे अंदर आते ही उसने मुझे देखकर मुस्कुरा दिया और कुछ नहीं बोली।
"उसने तुम्हें माफ कर दिया है, मेरे दोस्त," पोइरोट ने कहा - एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी।
“सचमुच,” मैंने हकलाते हुए कहा। “मुझे तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता

— ”

जूडिथ उठी। उसने मेरी गर्दन में हाथ डाला और मुझे चूमा। उसने कहा:
“बेचारे पिताजी। चाचा हरक्यूल आपकी गरिमा पर हमला नहीं करेंगे। मुझे क्षमा की आवश्यकता है। इसलिए मुझे क्षमा कर दीजिए और शुभ रात्रि कहिए।”
मुझे ठीक से पता नहीं क्यों, लेकिन मैंने कहा:
“मुझे माफ कर दो, जूडिथ। मुझे बहुत खेद है। मेरा मतलब यह नहीं था-”
उसने मुझे रोक दिया।

“कोई बात नहीं। चलो इसे भूल जाते हैं। अब सब ठीक है।” उसने एक धीमी, बेसुध मुस्कान दी। उसने फिर कहा: “अब सब ठीक है...” और चुपचाप कमरे से चली गई।
जब वह चली गई, तो पोइरोट ने मेरी तरफ देखा।
“तो फिर,” उसने पूछा, “आज शाम क्या-क्या हुआ है?”
मैंने अपने हाथ फैला दिए।
मैंने उससे कहा, "कुछ भी नहीं हुआ है और न ही कुछ होने की संभावना है।"
दरअसल, मेरा अनुमान बिल्कुल गलत था। उस रात कुछ हुआ था। श्रीमती फ्रैंकलिन की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई। दो और डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अगले दिन सुबह उनकी मृत्यु हो गई।
चौबीस घंटे बाद हमें पता चला कि उसकी मौत फिजोस्टिग्माइन नामक जहर के कारण हुई थी।

□□□□

अध्याय 14
दो दिन बाद जांच हुई। इस क्षेत्र में यह दूसरी बार था जब मैं किसी जांच में शामिल हुआ था।
कोरोनर एक सक्षम अधेड़ उम्र का व्यक्ति था जिसकी निगाहें तेज थीं और बोलने का तरीका शुष्क था।
सबसे पहले चिकित्सीय साक्ष्य लिए गए। इनसे यह सिद्ध हुआ कि मृत्यु फिज़ोस्टिग्माइन नामक विष के कारण हुई थी, और कैलाबार फली के अन्य एल्कलॉइड भी मौजूद थे। विष पिछली शाम सात बजे से आधी रात के बीच लिया गया होगा। पुलिस सर्जन और उनके सहयोगी ने इससे अधिक सटीक जानकारी देने से इनकार कर दिया।
अगले गवाह डॉ. फ्रैंकलिन थे। उन्होंने कुल मिलाकर अच्छा प्रभाव छोड़ा। उनका बयान स्पष्ट और सरल था। अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने प्रयोगशाला में अपने घोलों की जाँच की। उन्होंने पाया कि एक बोतल, जिसमें कैलाबार बीन के एल्कलॉइड का गाढ़ा घोल होना चाहिए था, जिस पर वे प्रयोग कर रहे थे, उसमें साधारण पानी भर दिया गया था जिसमें मूल सामग्री का केवल एक अंश ही मौजूद था। वे निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते थे कि यह कब हुआ था, क्योंकि उन्होंने उस विशेष घोल का कुछ दिनों से उपयोग नहीं किया था। इसके बाद प्रयोगशाला में प्रवेश के प्रश्न पर विचार किया गया। डॉ. फ्रैंकलिन ने स्वीकार किया कि प्रयोगशाला आमतौर पर बंद रहती थी और चाबी अक्सर उनकी जेब में रहती थी। उनकी सहायक, मिस हेस्टिंग्स के पास एक अतिरिक्त चाबी थी। स्टूडियो में जाने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को चाबी उनसे या स्वयं डॉ. फ्रैंकलिन से लेनी पड़ती थी। उनकी पत्नी कभी-कभी चाबी उधार लेती थीं, जब वह अपना सामान प्रयोगशाला में छोड़ जाती थीं। उन्होंने स्वयं कभी भी फिज़ोस्टिग्माइन का घोल घर या अपनी पत्नी के कमरे में नहीं

लाया था और उनका मानना था कि किसी भी स्थिति में उनकी पत्नी ने इसे गलती से नहीं लिया होगा।
जब पुलिस अधिकारी ने उनसे आगे पूछताछ की, तो उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी कुछ समय से अस्वस्थ और घबराहट की स्थिति में थीं। उन्हें कोई शारीरिक बीमारी नहीं थी। वह अवसाद और मनोदशा में तेजी से बदलाव से पीड़ित थीं।
उन्होंने बताया कि हाल ही में वह हंसमुख थीं और उन्हें लगा कि उनके स्वास्थ्य और मनोदशा में सुधार हुआ है। उनके बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ था और उनके संबंध अच्छे थे। पिछली शाम उनकी पत्नी खुशमिजाज लग रही थीं, उदास नहीं।
उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी कभी-कभी आत्महत्या करने की बात करती थीं, लेकिन उन्होंने उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया था। जब उनसे स्पष्ट रूप से पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि उनकी राय में उनकी पत्नी आत्महत्या करने वाली प्रवृत्ति की नहीं थीं। यह उनकी चिकित्सीय राय के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत राय भी थी।
उनके पीछे नर्स क्रेवन थीं। अपनी साफ-सुथरी वर्दी में वह चुस्त-दुरुस्त और कुशल दिख रही थीं, और उनके जवाब सटीक और पेशेवर थे। वह दो महीने से अधिक समय से श्रीमती फ्रैंकलिन की सेवा में थीं। श्रीमती फ्रैंकलिन अवसाद से बुरी तरह पीड़ित थीं। गवाहों ने उन्हें कम से कम तीन बार यह कहते सुना था कि वह "सब कुछ खत्म कर देना चाहती हैं", कि उनका जीवन व्यर्थ है और वह अपने पति के गले का बोझ बन गई हैं।
“उसने ऐसा क्यों कहा? क्या उन दोनों के बीच कोई कहासुनी हुई थी?”

"नहीं, लेकिन उसे पता था कि उसके पति को हाल ही में विदेश में एक पद की पेशकश की गई थी। उसने उसे ठुकरा दिया था ताकि वह उसे छोड़कर न जाए।"
और कभी-कभी उसे इस बात से बहुत निराशा होती थी?
"हां। वह अपनी खराब सेहत को दोष देती और बहुत परेशान हो जाती।" “क्या डॉ. फ्रैंकलिन को इसके बारे में पता था?”
मुझे नहीं लगता कि वह अक्सर उससे ऐसा कहती थी।
लेकिन क्या वह अवसाद के दौरों से ग्रस्त थी?
“ओह, बिल्कुल।”
क्या उसने कभी आत्महत्या करने का ज़िक्र किया था?
"मुझे लगता है कि उसने 'मैं सब कुछ खत्म करना चाहती हूं' जैसे वाक्य कहे थे।"
"क्या उसने कभी आत्महत्या करने का कोई विशेष तरीका नहीं सुझाया?"
नहीं। उसका जवाब काफी अस्पष्ट था।
"क्या हाल ही में कोई ऐसी खास बात हुई थी जिससे वह उदास हो गई थी?"
नहीं। वह काफी अच्छे मूड में थी।
"क्या आप डॉ. फ्रैंकलिन से सहमत हैं कि उनकी मृत्यु की रात वह अच्छे मूड में थीं?"
नर्स क्रेवन हिचकिचाईं।
“खैर – वह उत्साहित थी। उसका दिन खराब गुजरा था – उसे दर्द और चक्कर आने की शिकायत थी। शाम को वह बेहतर लग रही थी – लेकिन उसकी खुशी कुछ बनावटी सी थी। वह बुखार से पीड़ित और कुछ कृत्रिम सी लग रही थी।”

"क्या आपने कोई बोतल देखी, या ऐसी कोई चीज देखी जिसमें जहर हो सकता था?"
"नहीं।"
उसने क्या खाया-पिया?
“उसने सूप, कटलेट, हरी मटर और मैश किए हुए आलू, और चेरी टार्ट खाया। उसने इसके साथ एक गिलास बरगंडी वाइन भी ली।”
“बरगंडी वाइन कहाँ से आई?”
“उसके कमरे में एक बोतल थी। बाद में उसमें से कुछ बचा हुआ था, लेकिन मेरा मानना है कि उसकी जांच की गई और वह बिल्कुल ठीक पाया गया।”
"क्या उसने आपकी नज़रों के बिना अपने गिलास में दवा डाल दी होगी?"
“हाँ, बिल्कुल। मैं कमरे में इधर-उधर घूम रही थी, चीज़ों को ठीक कर रही थी और व्यवस्थित कर रही थी। मैं उसे नहीं देख रही थी। उसके पास एक छोटा सा डिब्बा और एक हैंडबैग था। वह बरगंडी वाइन में, या बाद में कॉफ़ी में, या फिर आखिरी बार पी गई गर्म दूध में कुछ भी डाल सकती थी।”
"अगर ऐसा हुआ हो तो क्या आपको कोई अंदाजा है कि वह बोतल या डिब्बे का क्या कर सकती थी?"
नर्स क्रेवन ने विचार किया।
“खैर, मुझे लगता है कि वह बाद में इसे खिड़की से बाहर फेंक सकती थी। या कूड़ेदान में डाल सकती थी, या फिर बाथरूम में धोकर दवाइयों की अलमारी में वापस रख सकती थी। वहाँ कई खाली बोतलें पड़ी हैं। मैं उन्हें इसलिए बचाकर रखती हूँ क्योंकि वे काम आती हैं।”
“आपने श्रीमती फ्रैंकलिन को आखिरी बार कब देखा था?”

साढ़े दस बजे। मैंने उसे रात के लिए सुला दिया। उसने गर्म दूध पिया और कहा कि उसे एक एस्पिरिन चाहिए।
“तब वह कैसी थी?”
गवाह ने एक मिनट सोचा। "खैर, असल में, हमेशा की तरह... नहीं, मुझे लगता है कि वह शायद थोड़ी ज़्यादा ही उत्साहित थी।"
“क्या आप अवसादग्रस्त नहीं हैं?”
"नहीं, बल्कि और भी ज्यादा तनावग्रस्त। लेकिन अगर आप आत्महत्या के बारे में सोच रहे हैं, तो शायद इससे उसका ऐसा हाल हो जाए। उसे शायद इस बारे में गर्व या गौरव महसूस हो।"
"क्या आपको लगता है कि वह आत्महत्या करने की संभावित उम्मीदवार थी?"
कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। नर्स क्रेवन निर्णय लेने में असमंजस में लग रही थीं।
अंत में उसने कहा, "ठीक है, मैं करती भी हूँ और नहीं भी। हाँ, कुल मिलाकर मैं करती हूँ। वह बहुत ही असंतुलित थी।"
इसके बाद सर विलियम बॉयड कैरिंगटन आए। वे सचमुच परेशान लग रहे थे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से अपनी गवाही दी।
जिस रात उनकी मृत्यु हुई, उस रात उन्होंने उनके साथ पिकनिक खेली थी। उस समय उन्होंने उनमें अवसाद के कोई लक्षण नहीं देखे थे, लेकिन कुछ दिन पहले हुई बातचीत में श्रीमती फ्रैंकलिन ने आत्महत्या करने की बात कही थी। वह बहुत ही निस्वार्थ महिला थीं और इस बात से बेहद दुखी थीं कि वह अपने पति के करियर में बाधा बन रही हैं। वह अपने पति के प्रति समर्पित थीं और उनके लिए बहुत महत्वाकांक्षी थीं। कभी-कभी वह अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित रहती थीं।

जूडिथ को बुलाया गया, लेकिन उसके पास कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था।
उसे प्रयोगशाला से फिज़ोस्टिग्माइन हटाए जाने के बारे में कुछ भी पता नहीं था। त्रासदी वाली रात श्रीमती फ्रैंकलिन उसे सामान्य ही लग रही थीं, हालांकि शायद कुछ ज़्यादा ही उत्तेजित थीं। उसने श्रीमती फ्रैंकलिन को कभी आत्महत्या का ज़िक्र करते नहीं सुना था।
अंतिम गवाह हरक्यूल पोइरोट थे। उन्होंने बड़े ही प्रभावशाली ढंग से अपनी गवाही दी और उसका गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने श्रीमती फ्रैंकलिन के निधन से एक दिन पहले उनसे हुई बातचीत का वर्णन किया। श्रीमती फ्रैंकलिन बहुत उदास थीं और उन्होंने कई बार इस सब से मुक्ति पाने की इच्छा व्यक्त की थी। वे अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थीं और उन्होंने पोइरोट को बताया था कि उन्हें गहरे अवसाद के दौरे पड़ते हैं, जब जीवन अर्थहीन लगता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उन्हें लगता है कि काश वे सो जातीं और फिर कभी न जागतीं।
उनके अगले जवाब ने और भी ज्यादा सनसनी पैदा कर दी।
“दस जून की सुबह आप प्रयोगशाला के दरवाजे के बाहर बैठे थे?” "हाँ।"
क्या आपने श्रीमती फ्रैंकलिन को प्रयोगशाला से बाहर आते देखा? “मैंने किया।”
क्या उसके हाथ में कुछ था?
उसके दाहिने हाथ में एक छोटी बोतल थी।
"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"
"हाँ।"
"क्या आपको देखकर उसने कोई हैरानी जताई?"

"वह चौंक गई थी, बस इतना ही।"
कोरोनर ने अपना सारांश प्रस्तुत करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि उन्हें यह तय करना होगा कि मृतक की मृत्यु कैसे हुई। चिकित्सा साक्ष्यों से यह स्पष्ट था कि मृत्यु का कारण निर्धारित करने में उन्हें कोई कठिनाई नहीं होगी। मृतक को फिज़ोस्टिग्माइन सल्फेट से जहर दिया गया था। उन्हें केवल यह तय करना था कि क्या उसने इसे गलती से लिया था या जानबूझकर, या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसे दिया गया था। उन्होंने सुना था कि मृतक को उदासी के दौरे पड़ते थे, उसका स्वास्थ्य खराब था, और यद्यपि कोई शारीरिक रोग नहीं था, फिर भी उसकी तंत्रिका संबंधी स्थिति खराब थी। एम. हरक्यूल पोइरोट, एक गवाह जिसका नाम महत्वपूर्ण माना जाता है, ने दृढ़ता से कहा था कि उन्होंने श्रीमती फ्रैंकलिन को प्रयोगशाला से हाथ में एक छोटी बोतल लिए हुए बाहर आते देखा था और उन्हें देखकर वह चौंक गई थीं। वे इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि उसने स्वयं को समाप्त करने के इरादे से प्रयोगशाला से जहर लिया था। ऐसा प्रतीत होता था कि वह इस जुनून से ग्रस्त थी कि वह अपने पति के जीवन में बाधा बन रही है और उसके करियर में रुकावट डाल रही है। डॉ. फ्रैंकलिन के बारे में यह कहना उचित ही था कि वे एक दयालु और स्नेही पति प्रतीत होते थे, और उन्होंने कभी भी उनकी कोमलता पर नाराज़गी नहीं जताई, न ही कभी शिकायत की कि वह उनके करियर में बाधा बन रही हैं। यह विचार पूरी तरह से उनका अपना ही प्रतीत होता था। मानसिक रूप से टूटने की स्थिति में महिलाओं को इस तरह के लगातार विचार आते हैं। इस बात का कोई सबूत नहीं था कि ज़हर किस समय और किस माध्यम से लिया गया था। यह शायद थोड़ा असामान्य था कि जिस बोतल में मूल रूप से ज़हर था वह नहीं मिली, लेकिन यह संभव था कि, जैसा कि नर्स

क्रेवन ने सुझाव दिया था, श्रीमती फ्रैंकलिन ने उसे धोकर बाथरूम की अलमारी में रख दिया हो, जहाँ से उन्होंने शायद इसे लिया हो। यह निर्णय जूरी को स्वयं लेना था।
थोड़े ही विलंब के बाद फैसला सुनाया गया।
जूरी ने पाया कि श्रीमती फ्रैंकलिन ने अस्थायी रूप से मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के दौरान आत्महत्या कर ली थी।

परदा

द्वितीय
आधे घंटे बाद मैं पोइरोट के कमरे में था। वह बहुत थका हुआ लग रहा था। कर्टिस ने उसे बिस्तर पर लिटा दिया था और उसे उत्तेजक दवा देकर होश में लाने की कोशिश कर रहा था।
मुझे बात करने की बहुत तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन मुझे तब तक खुद को संयमित रखना पड़ा जब तक कि वैलेट अपना काम खत्म करके कमरे से बाहर नहीं निकल गया।
फिर मैं फूट पड़ा:
"क्या वह बात सच थी, पोइरोट, जो आपने कही थी? कि आपने श्रीमती फ्रैंकलिन के हाथ में एक बोतल देखी थी जब वह प्रयोगशाला से बाहर आईं?"
पोइरोट के नीले रंग के होठों पर एक हल्की सी मुस्कान फैल गई। उन्होंने धीरे से कहा:
"क्या तुमने इसे नहीं देखा, मेरे दोस्त?"
"नहीं मैने नहीं।"
"लेकिन शायद आपने ध्यान नहीं दिया होगा, है ना?"
“नहीं, शायद नहीं। मैं पक्का तो नहीं कह सकता कि उसके पास वह नहीं था।” मैंने संदेह भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। “सवाल यह है कि क्या आप सच बोल रहे हैं?”
"क्या तुम्हें लगता है कि मैं झूठ बोलूंगा, मेरे दोस्त?"
मुझे आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी।
“हेस्टिंग्स, तुमने मुझे चौंका दिया। तुम्हारा सरल विश्वास अब कहाँ है?”

“ठीक है,” मैंने स्वीकार किया, “मुझे नहीं लगता कि आप सचमुच झूठी गवाही देंगे।”
पोइरोट ने नरमी से कहा:
“यह झूठी गवाही नहीं होगी। यह शपथ पर नहीं दी गई थी।”
तो क्या यह झूठ था?
पोइरोट ने अनायास ही अपना हाथ हिला दिया।
“जो मैंने कह दिया, मेरे मित्र, वो कह दिया गया है। इस पर चर्चा करना अनावश्यक है।”
मैंने रोते हुए कहा, "मैं तुम्हें बिल्कुल नहीं समझ पा रही हूँ।"
आपको क्या समझ नहीं आया?
"आपके द्वारा दिए गए सभी सबूत - श्रीमती फ्रैंकलिन द्वारा आत्महत्या करने की बात करने के बारे में - उनके अवसादग्रस्त होने के बारे में।"
"अंत में, आपने खुद उसे ऐसी बातें कहते हुए सुना।"
“हां। लेकिन यह कई मनोदशाओं में से एक थी। आपने इसे स्पष्ट नहीं किया।”
"शायद मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।"
मैंने उसे घूर कर देखा।
"क्या आप चाहते थे कि फैसला आत्महत्या का हो?"
पोइरोट ने जवाब देने से पहले कुछ देर रुककर कहा:
"मुझे लगता है, हेस्टिंग्स, कि आप स्थिति की गंभीरता को नहीं समझते हैं। हाँ, अगर आप चाहें तो मैं चाहता था कि फैसला आत्महत्या का हो..."
"लेकिन क्या आपको खुद नहीं लगता कि उसने आत्महत्या की थी?" धीरे-धीरे पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।

मैंने कहा था:
"क्या आपको लगता है कि उसकी हत्या की गई थी?"
"हां, हेस्टिंग्स, उसकी हत्या की गई थी।"
"तो फिर इसे दबाने की कोशिश क्यों की जा रही है - इसे आत्महत्या का नाम देकर किनारे रख देने की कोशिश क्यों की जा रही है? इससे तो सारी जांच रुक जाएगी।"
"एकदम सही।"
"तुम वह चाहते हो?"
"हाँ।"
"लेकिन क्यों?"
“क्या यह मुमकिन है कि तुम देख नहीं पा रहे? छोड़ो – इस बारे में बात न करें। तुम्हें मेरी बात माननी होगी कि यह हत्या थी – सोची- समझी, पूर्व नियोजित हत्या। मैंने तुमसे कहा था, हेस्टिंग्स, कि यहाँ एक अपराध होगा, और यह मुमकिन नहीं कि हम इसे रोक सकें – क्योंकि हत्यारा बेरहम और दृढ़ निश्चयी है।”
मैं कांप उठा। मैंने कहा:
और आगे क्या होगा?
पोइरोट मुस्कुराया।
“मामला सुलझ गया - इसे आत्महत्या करार देकर बंद कर दिया गया। लेकिन हेस्टिंग्स, तुम और मैं, छुपकर काम करते रहेंगे, जैसे तिलचट्टे। और, देर-सवेर, हमें X मिल ही जाएगा।”
मैंने कहा था:
और मान लीजिए कि इसी बीच किसी और की हत्या हो जाती है? पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।

“□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□, □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ – □□□□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□…?”

□□□□

अध्याय 15
श्रीमती फ्रैंकलिन की मृत्यु की जांच के तुरंत बाद के दिनों की घटनाओं के बारे में मेरी स्मृति थोड़ी धुंधली है। बेशक, उनका अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें स्टाइल्स सेंट मैरी के कई जिज्ञासु लोग शामिल हुए थे। उसी अवसर पर एक बूढ़ी महिला ने मुझसे बात की, जिसकी आंखें धुंधली थीं और जिसका व्यवहार अप्रिय रूप से भयावह था।
जब हम कब्रिस्तान से बाहर निकल रहे थे, तभी वह मेरे पास आकर रुक गई।
"मुझे आप याद हैं, महोदय?"
“अच्छा - उह, शायद -”
वह बोलती रही, मेरी बातों पर उसने शायद ही ध्यान दिया हो। “बीस साल पहले की बात है। जब कोर्ट में उस बुढ़िया की मौत हुई थी। स्टाइल्स के मामले में वह पहली हत्या थी। मुझे यकीन है, यह आखिरी नहीं होगी। बूढ़ी श्रीमती इंगलेथॉर्प, उनके पति ने ही उनकी हत्या की थी, ऐसा हम सब कहते थे। हमें पूरा यकीन था।” उसने चालाकी से मेरी तरफ देखा। “शायद इस बार पति ने ही की हो।” “तुम्हारा क्या मतलब है?” मैंने तीखे स्वर में कहा। “क्या तुमने नहीं सुना कि फैसला आत्महत्या का था?”
“कोरोनर ने यही कहा है। लेकिन हो सकता है वो गलत हों, आपको नहीं लगता?” उसने मुझे कोहनी मारी। “डॉक्टरों को अपनी पत्नियों को मौत के घाट उतारना आता है। और लगता है वो उसके लिए कुछ खास अच्छी नहीं थी।”
मैंने गुस्से से उसकी ओर देखा और वह धीरे से खिसक गई, बड़बड़ाते हुए बोली कि उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था, बस यह अजीब लग रहा था,

है ना, कि ऐसा दूसरी बार हो रहा है? "और यह अजीब बात है कि आप दोनों बार वहाँ मौजूद थे, महोदय, है ना?"
एक पल के लिए मुझे लगा कि शायद उसे शक है कि मैंने ही दोनों अपराध किए हैं। यह बहुत ही परेशान करने वाला था। इससे मुझे यह एहसास हुआ कि स्थानीय लोगों का शक कितना विचित्र और भयावह होता है।
और आखिरकार, यह पूरी तरह से गलत भी नहीं था। क्योंकि श्रीमती फ्रैंकलिन की हत्या किसी ने की थी।
जैसा कि मैंने कहा, मुझे उन दिनों की बहुत कम बातें याद हैं। एक तो, पोइरोट का स्वास्थ्य मुझे गंभीर चिंता में डाल रहा था। कर्टिस थोड़ा परेशान चेहरे के साथ मेरे पास आया और बताया कि पोइरोट को दिल का दौरा पड़ा है, जो काफी चिंताजनक था।
"मुझे लगता है, महोदय, उन्हें डॉक्टर से मिलना चाहिए।"
मैं तुरंत पोइरोट के पास गया, जिन्होंने इस सुझाव को पूरी सख्ती से खारिज कर दिया। मुझे लगा कि यह उनके स्वभाव के बिल्कुल विपरीत था। मेरी राय में, वे हमेशा से ही अपने स्वास्थ्य को लेकर बेहद सतर्क रहते थे। ठंडी हवा से बचने के लिए वे हमेशा गले को रेशम और ऊन से लपेट लेते थे, पैरों को गीला होने से बेहद डरते थे, और जरा सी भी ठंड लगने का शक होने पर अपना तापमान मापकर बिस्तर पर चले जाते थे - "नहीं तो कहीं मुझे सीने में सूजन न हो जाए!" मुझे पता था कि छोटी-मोटी बीमारियों में भी वे हमेशा तुरंत डॉक्टर से सलाह लेते थे।
अब, जब वह वास्तव में बीमार था, तो स्थिति उलट सी प्रतीत हुई। लेकिन शायद यही असली वजह थी। बाकी की बीमारियाँ तो मामूली थीं।
अब, जब वह सचमुच बीमार था, तो शायद उसे अपनी बीमारी की सच्चाई

स्वीकार करने में डर लग रहा था। डर के मारे उसने इसे हल्के में लिया।
उन्होंने मेरी आपत्तियों का जवाब जोश और कड़वाहट के साथ दिया। “अरे, मैंने तो कई डॉक्टरों से सलाह ली है! एक नहीं, बल्कि कई! मैं ब्लैंक और डैश (उन्होंने दो विशेषज्ञों के नाम लिए) के पास गया था, और उन्होंने क्या किया? - मुझे मिस्र भेज दिया, जहाँ पहुँचते ही मेरी हालत और भी बदतर हो गई। मैं आर के पास भी गया था।”
मुझे पता था कि आर. हृदय रोग विशेषज्ञ थे। मैंने तुरंत पूछा: “उसने क्या कहा?”
पोइरोट ने अचानक मुझे तिरछी नजर से देखा - और मेरा दिल अचानक दर्द से उछल पड़ा।
उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा:
“उन्होंने मेरे लिए वह सब कुछ किया है जो किया जा सकता था। मेरे इलाज, मेरी दवाइयाँ, सब कुछ मेरे पास ही उपलब्ध हैं। इसके अलावा
– कुछ नहीं है। तो देखो, हेस्टिंग्स, और डॉक्टरों को बुलाने से कोई फायदा नहीं होगा। मशीन, मेरे दोस्त, घिस जाती है। अफसोस, नया इंजन लगाकर उसे पहले की तरह मोटर कार की तरह चलाना संभव नहीं है।”
लेकिन देखो, पोइरोट, ज़रूर कुछ तो है। कर्टिस-"
पोइरोट ने तीखे स्वर में कहा: "कर्टिस?"
“हां, वह मेरे पास आया था। वह चिंतित था - आपको दौरा पड़ा था -” पोइरोट ने धीरे से सिर हिलाया।
“हां, हां। कभी-कभी ये दिल के दौरे देखना बहुत दर्दनाक होता है। मुझे लगता है कि कर्टिस को इस तरह के दिल के दौरे झेलने की आदत नहीं है।”

क्या आप वाकई डॉक्टर से नहीं मिलेंगे?
इसका कोई फायदा नहीं है, मेरे दोस्त।
उन्होंने बहुत ही कोमल स्वर में, लेकिन निर्णायक ढंग से बात की। और एक बार फिर मेरे दिल में दर्द भरी जकड़न महसूस हुई। पोइरोट ने मेरी ओर देखकर मुस्कुराया। उन्होंने कहा:
“हेस्टिंग्स, यह मेरा आखिरी केस होगा। और यह मेरा सबसे दिलचस्प केस भी होगा - और सबसे दिलचस्प अपराधी भी। क्योंकि X के पास एक ऐसी तकनीक है जो बेमिसाल, शानदार है - जो खुद को भी प्रभावित करती है। अब तक, मेरे प्रिय, इस X ने इतनी कुशलता से काम किया है कि उसने मुझे - हरक्यूल पोइरोट को - हरा दिया है! उसने एक ऐसी रणनीति विकसित की है जिसका मेरे पास कोई जवाब नहीं है।”
“अगर आपकी सेहत ठीक होती तो...” मैंने दिलासा देते हुए कहना शुरू किया।
लेकिन जाहिर तौर पर यह कहना सही नहीं था। हरक्यूल पोइरोट तुरंत गुस्से से भड़क उठे।
“अरे! क्या मुझे आपको छत्तीस बार, और फिर छत्तीस बार, यह बताना पड़ेगा कि शारीरिक मेहनत की कोई आवश्यकता नहीं है? बस सोचने की जरूरत है।”
"जी हां, बिल्कुल आप ऐसा कर सकते हैं।"
“ठीक है? मैं इसे बेहतरीन तरीके से कर सकता हूँ। मेरे हाथ-पैर लकवाग्रस्त हैं, मेरा दिल मुझे धोखा देता है, लेकिन मेरा दिमाग, हेस्टिंग्स - मेरा दिमाग बिना किसी कमी के काम करता है। मेरा दिमाग अभी भी सर्वोच्च स्तर का है।”
मैंने शांत भाव से कहा, "यह तो बहुत बढ़िया है।"
लेकिन जैसे-जैसे मैं धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था, मैंने मन ही मन सोचा कि पोइरोट का दिमाग उतनी तेज़ी से काम नहीं

कर रहा जितना उसे करना चाहिए था। पहले श्रीमती लुटरेल का बाल-बाल बचना और अब श्रीमती फ्रैंकलिन की मृत्यु। और हम इसके बारे में क्या कर रहे थे? लगभग कुछ भी नहीं।

परदा

द्वितीय
अगले दिन पोइरोट ने मुझसे कहा:
"हेस्टिंग्स, आपने ही सुझाव दिया था कि मुझे डॉक्टर से मिलना चाहिए।"
“हां,” मैंने उत्सुकता से कहा। “अगर आप ऐसा करेंगे तो मुझे बहुत खुशी होगी।”
“ठीक है, मैं सहमत हूँ। मैं फ्रैंकलिन से मिलूंगा।” “फ्रैंकलिन?” मैंने संदेह भरी नजरों से देखा।
"अच्छा, वो तो डॉक्टर हैं, है ना?"
"हां, लेकिन - उनका मुख्य क्षेत्र अनुसंधान है, है ना?" “निस्संदेह। मुझे लगता है कि वह एक सामान्य चिकित्सक के रूप में सफल नहीं होगा। उसमें मरीज़ों के साथ सहज व्यवहार करने का हुनर नहीं है। लेकिन योग्यताएं तो हैं। वास्तव में, जैसा कि फिल्मों में कहा जाता है, 'वह अपने काम में दूसरों से कहीं बेहतर माहिर है।'”
मैं अब भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। हालाँकि मुझे फ्रैंकलिन की क्षमता पर कोई संदेह नहीं था, फिर भी मुझे वह हमेशा से एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतीत होते थे जो मानवीय कष्टों के प्रति अधीर और उदासीन थे। शोध कार्य के लिए शायद यह एक प्रशंसनीय दृष्टिकोण हो सकता है, लेकिन उन बीमार व्यक्तियों के लिए यह अच्छा नहीं था जिनकी वह देखभाल करते थे।
हालांकि, पोइरोट का इतना आगे जाना एक तरह की रियायत थी, और चूंकि पोइरोट के पास कोई स्थानीय चिकित्सक नहीं था, इसलिए फ्रैंकलिन ने तुरंत उनकी जांच करने पर सहमति जताई। लेकिन उन्होंने स्पष्ट

किया कि यदि नियमित चिकित्सा की आवश्यकता हुई, तो स्थानीय चिकित्सक को बुलाना पड़ेगा। वह इस मामले में उपस्थित नहीं हो सकते थे।
फ्रैंकलिन ने उनके साथ काफी समय बिताया।
जब वह आखिरकार बाहर आया, तो मैं उसका इंतजार कर रही थी। मैंने उसे अपने कमरे में खींच लिया और दरवाजा बंद कर दिया।
“तो?” मैंने चिंता से पूछा।
फ्रैंकलिन ने सोच-समझकर कहा:
"वह एक बहुत ही असाधारण व्यक्ति हैं।"
“ओह! हाँ, वो बात सही है—” मैंने इस स्पष्ट तथ्य को नज़रअंदाज़ कर दिया। “लेकिन उनकी सेहत?”
“अरे! उनकी सेहत?” फ्रैंकलिन काफी हैरान लग रहे थे - मानो मैंने कोई मामूली सी बात कह दी हो। “अरे! उनकी सेहत तो एकदम खराब है।” मुझे लगा कि यह बात कहने का बिल्कुल भी पेशेवर तरीका नहीं था। फिर भी मैंने जूडिथ से सुना था कि फ्रैंकलिन अपने समय के सबसे प्रतिभाशाली छात्रों में से एक थे।
“वह कितना बुरा है?” मैंने चिंता से पूछा।
उसने मुझे घूरकर देखा।
क्या आप जानना चाहते हैं?
"बिल्कुल।"
उस मूर्ख ने क्या सोचा?
उन्होंने लगभग तुरंत ही मुझे बताया:
उन्होंने कहा, “ज्यादातर लोग जानना नहीं चाहते। उन्हें मीठी- मीठी बातें चाहिए। उन्हें उम्मीद चाहिए। उन्हें थोड़ा-थोड़ा करके दिलासा दिया जाना चाहिए। और बेशक, चमत्कारिक रूप से ठीक

होने के मामले भी होते हैं। लेकिन पोइरोट के मामले में ऐसा नहीं होगा।”
“क्या तुम्हारा मतलब है-” एक बार फिर उस ठंडे हाथ ने मेरे दिल को जकड़ लिया।
फ्रैंकलिन ने सिर हिलाया।
"हाँ, वो इसके लिए तैयार है। और बहुत जल्द, मुझे लगता है। अगर उसने मुझे ऐसा करने की अनुमति न दी होती तो मैं आपको ये बात न बताता।"
"तो फिर उसे पता चल जाएगा।"
फ्रैंकलिन ने कहा:
“उसे अच्छी तरह पता है। उसका दिल कभी भी धड़क सकता है – धत् तेरे की – किसी भी पल। बेशक, ठीक-ठीक कब होगा, यह कोई नहीं कह सकता।” वह रुका, फिर धीरे से बोला:
“उसकी बातों से मुझे लगता है कि वह किसी काम को पूरा करने को लेकर चिंतित है, ऐसा काम जिसे उसने अपने हाथ में लिया है। क्या आपको इसके बारे में कुछ पता है?”
“हां,” मैंने कहा। “मुझे पता है।”
फ्रैंकलिन ने मुझे रुचि भरी नजरों से देखा।
वह काम पूरा करने को लेकर आश्वस्त होना चाहता है।
"अच्छा ऐसा है।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या जॉन फ्रैंकलिन को इस बात का कोई अंदाजा था कि वह नौकरी क्या थी!
उन्होंने धीरे से कहा:
“मुझे उम्मीद है कि वह इसे संभाल लेगा। उसकी बातों से लगता है कि यह उसके लिए बहुत मायने रखता है।” वह रुका और बोला, “उसका दिमाग बहुत व्यवस्थित है।”

मैंने घबराकर पूछा:
“क्या कुछ किया जा सकता है—इलाज के रूप में कुछ किया जा सकता है

— ”

उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
“कुछ नहीं होगा। उसके पास एमिल नाइट्राइट के एम्प्यूल हैं जिनका इस्तेमाल वह तब करता है जब उसे लगता है कि दौरा पड़ने वाला है।”
फिर उसने एक अजीब सी बात कही।
"उन्हें मानव जीवन के प्रति बहुत सम्मान है, है ना?"
"हां - मुझे लगता है कि उसने किया है।"
मैंने कितनी बार पोइरोट को यह कहते हुए नहीं सुना था: "मैं हत्या का समर्थन नहीं करता।" इतने सलीके से कही गई उनकी यह बात मुझे हमेशा लुभाती थी।
फ्रैंकलिन आगे कह रहा था:
“यही तो हम दोनों में अंतर है। मैंने ऐसा नहीं किया है...!” मैंने उत्सुकता से उसकी ओर देखा। उसने हल्की सी मुस्कान के साथ अपना सिर झुकाया।
“बिल्कुल सही,” उन्होंने कहा। “चूंकि मौत तो आनी ही है, तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि वो जल्दी आए या देर से? इसमें बहुत कम अंतर है।”
"अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आखिर किस बात ने आपको डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया?" मैंने कुछ आक्रोश के साथ पूछा।
“ओह, मेरे प्रिय मित्र – डॉक्टरी केवल मृत्यु को टालने का मामला नहीं है – यह उससे कहीं अधिक है – यह जीवन को बेहतर बनाना है। अगर एक स्वस्थ व्यक्ति मर जाता है, तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। अगर कोई मंदबुद्धि व्यक्ति मर जाता है, तो यह अच्छी बात

है – लेकिन अगर सही ग्रंथि का प्रयोग करके आप उस मंदबुद्धि व्यक्ति की थायरॉइड की कमी को दूर करके उसे एक स्वस्थ, सामान्य व्यक्ति में बदल देते हैं, तो मेरे विचार से यह बहुत मायने रखता है।”
मैंने उन्हें और अधिक रुचि से देखा। मुझे अब भी यही लग रहा था कि अगर मुझे फ्लू हो जाए तो मैं डॉक्टर फ्रैंकलिन के पास नहीं जाऊँगा, लेकिन मुझे उनकी सच्ची ईमानदारी और उनमें छिपी वास्तविक शक्ति को स्वीकार करना ही पड़ा। उनकी पत्नी की मृत्यु के बाद से मैंने उनमें बदलाव देखा था। उन्होंने शोक के पारंपरिक लक्षण बहुत कम दिखाए थे। इसके विपरीत, वे अधिक जीवंत, कम खोई-खोई और एक नई ऊर्जा और जोश से भरे हुए लग रहे थे।
उसने अचानक मेरी सोच को भंग करते हुए कहा:
"तुम और जूडिथ में ज़्यादा समानता नहीं है, है ना?"
"नहीं, मुझे लगता है कि हम नहीं हैं।"
क्या वह अपनी मां जैसी है?
मैंने सोचा, फिर धीरे से अपना सिर हिलाया।
"सच में नहीं। मेरी पत्नी एक हंसमुख और हंसमुख महिला थी। वह किसी भी बात को गंभीरता से नहीं लेती थी - और मुझे भी वैसा ही बनाने की कोशिश करती थी, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली।"
उसने हल्की सी मुस्कान दी।
“नहीं, आप तो कुछ ज्यादा ही गंभीर पिता हैं, है ना?” जूडिथ कहती है। जूडिथ ज्यादा हंसती नहीं है - गंभीर स्वभाव की युवती है। मुझे लगता है काम का बोझ बहुत ज्यादा है। मेरी गलती है।
वह एक भूरे रंग के अध्ययन कक्ष में चला गया। मैंने परंपरागत रूप से कहा:

आपका काम बहुत ही दिलचस्प होगा।
“एह?”
मैंने कहा था कि आपका काम दिलचस्प होना चाहिए।
“सिर्फ़ आधे-आधे लोगों को ही पता है, बाकी सबको तो ये बेहद उबाऊ लगता है - और शायद वो सही भी हैं। खैर -” उसने अपना सिर पीछे की ओर झटका, उसके कंधे सीधे हो गए, वो अचानक अपने असली रूप में दिखने लगा, एक ताकतवर और जोशीला आदमी - “मुझे अब मौका मिल गया है! हे भगवान, मैं ज़ोर से चिल्ला सकता हूँ। मिनिस्टर इंस्टीट्यूट के लोगों ने मुझे आज बताया। नौकरी अभी भी खाली है और मुझे मिल गई है। मैं दस दिन में काम शुरू करूँगा।”
“अफ्रीका के लिए?”
“हाँ। यह शानदार है।”
"इतनी जल्दी," मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ।
उसने मेरी ओर घूरकर देखा।
“तुम्हारा मतलब क्या है - जल्द ही? ओह।” उसकी भौंहें तन गईं। “तुम्हारा मतलब बारबरा की मृत्यु के बाद है? भला क्यों नहीं? यह दिखावा करने का कोई फायदा नहीं है कि उसकी मृत्यु मेरे लिए सबसे बड़ी राहत नहीं थी?”
मेरे चेहरे के भाव देखकर वह शायद खुश हो रहा था।
मुझे अफसोस है कि मेरे पास पारंपरिक सोच के लिए समय नहीं है। मुझे बारबरा से प्यार हो गया - वह बहुत खूबसूरत लड़की थी - मैंने उससे शादी की और लगभग एक साल में ही मेरा प्यार उससे दूर हो गया।
मुझे नहीं लगता कि हमारा प्यार उससे इतने लंबे समय तक भी चला।
ज़ाहिर है, मैं उसके लिए निराशा का कारण बना। उसे लगा कि वह मुझे प्रभावित कर सकती है। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी। मैं एक

स्वार्थी, जिद्दी और क्रूर इंसान हूँ, और मैं वही करता हूँ जो मैं चाहता हूँ।
"लेकिन आपने उसके कारण ही अफ्रीका में यह नौकरी ठुकरा दी थी," मैंने उसे याद दिलाया।
“हाँ। हालाँकि, यह पूरी तरह से आर्थिक मामला था। मैंने बारबरा को उसके जीवनयापन के तरीके में सहारा देने का जिम्मा लिया था। अगर मैं चला जाता, तो इसका मतलब होता कि मैं उसे बहुत मुश्किल में छोड़ जाता। लेकिन अब—” उसने एक मासूम सी मुस्कान के साथ कहा— “यह मेरे लिए बहुत ही सौभाग्यशाली साबित हुआ है।”
मुझे घृणा हुई। यह सच है, शायद, कि कई पुरुष जिनकी पत्नियाँ मर जाती हैं, वे उतने दुखी नहीं होते और यह बात लगभग सभी को पता होती है। लेकिन यह तो बहुत ही स्पष्ट था।
उसने मेरा चेहरा देखा, लेकिन उसे कोई आपत्ति नहीं हुई। उन्होंने कहा, "सत्य की कद्र कम ही होती है। फिर भी यह बहुत समय और बहुत सी गलत बातों से बचाता है।"
मैंने तीखे स्वर में कहा:
"और क्या आपको इस बात की बिल्कुल भी चिंता नहीं है कि आपकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली?"
उन्होंने सोच-समझकर कहा:
मुझे यकीन नहीं होता कि उसने आत्महत्या की होगी। यह बहुत ही असंभव है -”
लेकिन फिर, आपके विचार से क्या हुआ होगा?
उसने मुझे पकड़ लिया।
मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं जानना चाहता हूँ। समझे? मैंने उसे घूर कर देखा। उसकी आँखें कठोर और निर्मल थीं। उन्होंने फिर कहा:

□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□?
□□□□□ □□□□ □□ □□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□

परदा

तृतीय
मुझे याद नहीं कब मुझे एहसास हुआ कि स्टीफन नॉर्टन के मन में कुछ चल रहा है। पूछताछ के बाद से वह बहुत चुप थे, और उसके बाद और अंतिम संस्कार के बाद भी, वह इधर-उधर घूमते रहे, उनकी नज़रें ज़मीन पर टिकी रहतीं और माथे पर शिकन रहती। उन्हें अपने छोटे- छोटे भूरे बालों में हाथ फेरने की आदत थी, जिससे बाल स्ट्रूमेल पीटर की तरह खड़े हो जाते थे। यह हास्यास्पद था, लेकिन पूरी तरह से अचेतन था और उनके मन की किसी उलझन को दर्शाता था। जब आप उनसे बात करते, तो वह अनमने जवाब देते, और आखिरकार मुझे समझ आया कि वह किसी बात को लेकर ज़रूर चिंतित हैं। मैंने उनसे धीरे से पूछा कि क्या उन्हें कोई बुरी खबर मिली है, जिसका उन्होंने तुरंत इनकार कर दिया। इस तरह फिलहाल बात वहीं खत्म हो गई।
लेकिन थोड़ी देर बाद वह किसी मामले पर मुझसे बेढंगे और घुमावदार तरीके से राय लेने की कोशिश करता हुआ प्रतीत हुआ।
जब वह किसी बात को लेकर गंभीर होता था, तो हमेशा की तरह थोड़ा हकलाते हुए, उसने नैतिकता के एक मुद्दे पर केंद्रित एक जटिल कहानी सुनाना शुरू किया।
"हेस्टिंग्स, तुम्हें पता है, किसी चीज़ के सही या गलत होने का फैसला करना बहुत आसान होना चाहिए - लेकिन असल में, जब बात आती है तो यह इतना आसान नहीं होता। मेरा मतलब है, कभी-कभी किसी के सामने ऐसी चीज़ आ जाती है - जो तुम्हारे लिए नहीं बनी होती - यह सब एक तरह का संयोग होता है, और यह ऐसी चीज़ होती है जिसका तुम फायदा नहीं उठा सकते, फिर भी यह बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। क्या तुम मेरी बात समझ रहे हो?"

“मुझे डर है कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है,” मैंने स्वीकार किया। नॉर्टन की भौंहें फिर से सिकुड़ गईं। उसने अपने बालों में फिर से हाथ फेरा ताकि वे हमेशा की तरह मजाकिया ढंग से सीधे खड़े हो जाएं।
“इसे समझाना बहुत मुश्किल है। मेरा मतलब है, मान लीजिए कि आपने गलती से किसी निजी पत्र में कुछ देख लिया - जैसे कि कोई पत्र जो गलती से खुल गया हो - कोई पत्र जो किसी और के लिए था और आपने उसे पढ़ना शुरू कर दिया क्योंकि आपको लगा कि वह आपके लिए लिखा गया है, और इस तरह आपने अनजाने में कुछ ऐसा पढ़ लिया जो आपको नहीं पढ़ना चाहिए था। ऐसा हो सकता है, आप जानते हैं।”
"हां, बिल्कुल हो सकता है।"
"अच्छा, मेरा मतलब है, कोई क्या करेगा?"
“अच्छा—” मैंने इस समस्या पर विचार किया। “मुझे लगता है कि आप उस व्यक्ति के पास जाकर कहेंगे: 'मुझे बहुत खेद है, लेकिन मैंने इसे गलती से खोल दिया।'”
नॉर्टन ने आह भरी। उन्होंने कहा कि यह इतना आसान नहीं था। "देखो, हेस्टिंग्स, तुमने शायद कुछ शर्मनाक पढ़ लिया है।" "इससे दूसरे व्यक्ति को शर्मिंदगी होगी, आपका मतलब यही है? मुझे लगता है कि आपको ऐसा दिखावा करना होगा कि आपने वास्तव में कुछ पढ़ा ही नहीं - कि आपको अपनी गलती का समय रहते पता चल गया।" “हां।” नॉर्टन ने कुछ क्षण रुकने के बाद यह कहा, और ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि उन्हें अभी तक कोई संतोषजनक समाधान मिल पाया है। उन्होंने कुछ उदास स्वर में कहा:
काश मुझे पता होता कि मुझे क्या करना चाहिए।
मैंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह और कुछ कर सकता है।
नॉर्टन ने माथे पर अभी भी वही उलझन भरी शिकन लिए कहा:

"देखो, हेस्टिंग्स, बात इससे कहीं ज़्यादा जटिल है। मान लो कि तुमने जो पढ़ा, वो किसी और के लिए काफ़ी महत्वपूर्ण था।"
मेरा धैर्य टूट गया।
“सच में, नॉर्टन, मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपका क्या मतलब है। आप दूसरों के निजी पत्रों को यूं ही नहीं पढ़ सकते, है ना?”
“नहीं नहीं, बिलकुल नहीं। मेरा मतलब वो नहीं था। और वैसे भी, वो कोई पत्र नहीं था। मैंने तो बस बात समझाने की कोशिश में ऐसा कहा था। ज़ाहिर है, आपने गलती से भी जो कुछ देखा, सुना या पढ़ा हो, उसे आप अपने तक ही रखेंगे, जब तक कि...”
“लेकिन क्या?”
नॉर्टन ने धीरे से कहा:
"जब तक कि यह कोई ऐसा विषय न हो जिसके बारे में आपको बात करनी चाहिए।"
मैंने अचानक जागृत हुई रुचि से उसकी ओर देखा। उसने आगे कहा: “देखो, इसे इस तरह सोचो - मान लो कि तुमने किसी चीज को एक ताले के छेद से देखा -”
चाबी के छेद देखकर मुझे पोइरोट की याद आ गई! नॉर्टन लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ रहा था:
मेरा मतलब है, आपके पास चाबी के छेद से देखने का एक बिल्कुल सही कारण था - हो सकता है चाबी अटक गई हो और आपने बस यह देखने के लिए देखा हो कि रास्ता साफ है या नहीं - या - या कोई और अच्छा कारण - और आपने एक पल के लिए भी यह उम्मीद नहीं की थी कि आपको वह दिखेगा जो आपने देखा...
एक-दो पल के लिए मैं उसके लड़खड़ाते वाक्यों का क्रम भूल गया, क्योंकि मुझे ज्ञान प्राप्त हो गया था। मुझे घास के टीले पर बिताया एक दिन याद आया, जब नॉर्टन ने चितकबरी कठफोड़वा को देखने

के लिए अपना चश्मा ऊपर उठाया था। मुझे उसकी तत्काल घबराहट और शर्मिंदगी याद आई, और मुझे भी चश्मा लगाने से रोकने की उसकी कोशिशें याद आईं। उस समय मैंने यह निष्कर्ष निकाल लिया था कि उसने जो देखा था उसका मुझसे कुछ लेना-देना था - वास्तव में, वह एलर्टन और जूडिथ थे। लेकिन मान लीजिए कि ऐसा नहीं था? कि उसने कुछ बिल्कुल अलग देखा था? मैंने मान लिया था कि इसका एलर्टन और जूडिथ से कुछ लेना-देना है क्योंकि उस समय मैं उनके बारे में इतना सोचता रहता था कि मेरे दिमाग में और कुछ नहीं आता था। मैंने अचानक कहा:
"क्या यह कुछ ऐसा था जो आपने अपने उन चश्मों से देखा था?" नॉर्टन चौंक भी गया और उसे राहत भी मिली।
“मैंने कहा, हेस्टिंग्स, तुमने कैसे अनुमान लगाया?”
"क्या ऐसा ही किसी दिन हुआ था जब तुम, मैं और एलिजाबेथ कोल उस पहाड़ी पर थे?"
"हाँ यह सही है।"
"और आप नहीं चाहते थे कि मैं देखूं?"
“नहीं। यह नहीं था—मतलब, यह हममें से किसी के देखने के लिए नहीं था।”
"यह क्या था?"
नॉर्टन ने फिर से भौंहें चढ़ाईं।
“बस यही बात है। क्या मुझे कुछ कहना चाहिए? मेरा मतलब है, यह जासूसी थी। मैंने कुछ ऐसा देखा जो मुझे नहीं देखना चाहिए था। मैं उसे ढूंढ नहीं रहा था - वहाँ सचमुच एक चित्तीदार कठफोड़वा था - एक प्यारा सा पक्षी, और फिर मैंने दूसरी चीज़ देखी।”
वह रुक गया। मैं उत्सुक था, बेहद उत्सुक था, फिर भी मैंने उसकी नैतिकता का सम्मान किया।

मैंने पूछ लिया:
"क्या यह कोई मायने रखती थी?"
उन्होंने धीरे से कहा:
"शायद इससे फर्क पड़े। बस यही बात है। मुझे नहीं पता।" मैंने तब पूछा:
क्या इसका संबंध श्रीमती फ्रैंकलिन की मृत्यु से है?
उसने प्रारम्भ किया।
"तुम्हारा ऐसा कहना अजीब है।"
“तो क्या ऐसा हुआ है?”
“नहीं – नहीं, सीधे तौर पर नहीं। लेकिन हो सकता था।” उन्होंने धीरे से कहा: “इससे कुछ चीजों पर अलग रोशनी पड़ेगी। इसका मतलब यह होगा कि – ओह, धिक्कार है, मुझे नहीं पता कि क्या करना है!” मैं दुविधा में था। मेरी जिज्ञासा चरम पर थी, फिर भी मुझे लग रहा था कि नॉर्टन अपनी देखी हुई बातें बताने में बहुत हिचकिचा रहा था। मैं यह समझ सकता था। मुझे भी ऐसा ही महसूस होता। किसी ऐसी जानकारी का मिलना हमेशा अप्रिय होता है जिसे बाहरी दुनिया संदिग्ध तरीके से हासिल किया गया हो।
तभी मेरे मन में एक विचार आया।
"पोइरोट से सलाह क्यों न लें?"
“पोइरोट?” नॉर्टन थोड़ा संशय में लग रहा था।
"हां, उनसे सलाह लें।"
“खैर,” नॉर्टन ने धीरे से कहा, “यह एक विचार है। लेकिन, ज़ाहिर है, वह एक विदेशी है-” वह थोड़ा शर्मिंदा होकर रुक गया।
मैं समझ गया कि उसका क्या मतलब था। पोइरोट की "खेल खेलने" के विषय पर तीखी टिप्पणियाँ मेरे लिए बहुत जानी-पहचानी थीं। मुझे बस यही हैरानी थी कि पोइरोट ने खुद कभी पक्षियों को देखने के

लिए चश्मा क्यों नहीं लगाया! अगर उसे ख्याल आता तो वह ज़रूर लगा लेता।
मैंने आग्रह किया, “वह आपके भरोसे का सम्मान करेगा। और अगर आपको उसकी सलाह पसंद नहीं आती है, तो आपको उस पर अमल करने की जरूरत नहीं है।”
“यह सच है,” नॉर्टन ने माथे पर शिकन डालते हुए कहा। “हेस्टिंग्स, मुझे लगता है कि मैं यही करूंगा।”

परदा

चतुर्थ
मुझे पोइरोट की मेरे द्वारा दी गई जानकारी पर तत्काल प्रतिक्रिया देखकर आश्चर्य हुआ।
"हेस्टिंग्स, तुम क्या कह रहे हो?"
उसने अपने होठों तक ले जा रहे पतले टोस्ट के टुकड़े को नीचे गिरा दिया। उसने अपना सिर आगे की ओर झुकाया।
मुझे बताओ। जल्दी बताओ।
मैंने कहानी दोहराई।
“उस दिन उसने चश्मे से कुछ देखा था,” पोइरोट ने सोच-समझकर दोहराया। “कुछ ऐसा जो वह तुम्हें नहीं बताएगा।” उसका हाथ तेज़ी से बढ़ा और उसने मेरी बांह पकड़ ली। “उसने इसके बारे में किसी और को नहीं बताया?”
मुझे ऐसा नहीं लगता। नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि उसने ऐसा नहीं किया है।
"हेस्टिंग्स, बहुत सावधान रहो। यह अत्यंत आवश्यक है कि बी किसी को भी न बताए - उसे जरा भी संकेत नहीं देना चाहिए। ऐसा करना खतरनाक हो सकता है।"
"खतरनाक?"
"बहुत खतरनाक।"
पोइरोट का चेहरा गंभीर था।
“उससे बात कर लो, मेरे दोस्त, कि वह आज शाम मुझसे मिलने आ जाए। बस एक आम सी दोस्ताना मुलाकात, समझ रहे हो? किसी को शक मत होने देना कि उसके आने का कोई खास कारण है। और हेस्टिंग्स, सावधान रहना;

बहुत-बहुत सावधान रहना। तुमने कहा था कि उस समय तुम्हारे साथ और कौन था?”
“एलिजाबेथ कोल।”
क्या उसने उसके व्यवहार में कुछ अजीब देखा?
मैंने याद करने की कोशिश की।
मुझे नहीं पता। शायद उसने किया हो। क्या मैं उससे पूछ लूँ कि क्या-"
"तुम कुछ नहीं कहोगे, हेस्टिंग्स - बिलकुल कुछ नहीं।"

□□□□

अध्याय 16
मैंने नॉर्टन को पोइरोट का संदेश दिया।
मैं उनसे मिलने जरूर जाऊंगा। मुझे अच्छा लगेगा। लेकिन हेस्टिंग्स, मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने इस मामले का जिक्र आपसे भी किया।
“वैसे,” मैंने कहा। “आपने इसके बारे में किसी और को कुछ नहीं बताया है, है ना?”
"नहीं - कम से कम - नहीं, बिल्कुल नहीं।"
"क्या आपको पूरा यकीन है?"
नहीं, नहीं, मैंने कुछ नहीं कहा है।
"अच्छा, ऐसा मत करो। पोइरोट देखने के बाद ही।"
मैंने उसके पहले उत्तर में उसकी आवाज़ में थोड़ी सी झिझक महसूस की थी, लेकिन उसका दूसरा आश्वासन काफी दृढ़ था। हालाँकि, मुझे वह थोड़ी सी झिझक बाद में याद रह गई।

परदा

द्वितीय
मैं फिर से उस घास के टीले पर गया जहाँ हम उस दिन गए थे। वहाँ पहले से ही कोई और मौजूद था। एलिजाबेथ कोल। जैसे ही मैं ढलान पर चढ़ा, उसने अपना सिर मेरी ओर घुमाया।
उसने कहा:
“कैप्टन हेस्टिंग्स, आप बहुत उत्साहित लग रहे हैं। क्या कोई बात है?”
मैंने खुद को शांत करने की कोशिश की।
“नहीं, नहीं, कुछ नहीं। तेज़ चलने से मेरी सांस फूल रही है।” मैंने सामान्य लहजे में कहा:
बारिश होने वाली है।
उसने आकाश की ओर देखा।
"हां, मुझे लगता है कि यह है।"
हम एक-दो मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। इस महिला में कुछ ऐसा था जिसके प्रति मुझे बहुत सहानुभूति हुई। जब से उसने मुझे अपनी असलियत बताई थी और उस त्रासदी के बारे में बताया था जिसने उसकी जिंदगी तबाह कर दी थी, तब से मुझे उसमें दिलचस्पी हो गई थी। जिन दो लोगों ने दुख झेला हो, उनके बीच एक गहरा बंधन होता है। फिर भी, मुझे ऐसा लग रहा था कि उसके लिए एक नई उम्मीद जगी है। मैंने अब अचानक कहा:
"उत्साहित होने की बजाय, मैं आज उदास हूँ। मुझे अपने प्यारे पुराने दोस्त के बारे में बुरी खबर मिली है।"
“एम. पोइरोट के बारे में?”

उनकी सहानुभूतिपूर्ण रुचि ने मुझे अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए प्रेरित किया।
जब मैंने बोलना समाप्त कर लिया, तो उसने धीरे से कहा:
“मैं समझ गया। तो क्या अंत कभी भी आ सकता है?”
मैं कुछ बोल नहीं सका, बस सिर हिलाया।
एक-दो मिनट बाद मैंने कहा:
"जब वह चला जाएगा, तो मैं सचमुच दुनिया में अकेला रह जाऊंगा।" "अरे नहीं, आपके पास जूडिथ है - और आपके दूसरे बच्चे भी हैं।" "वे पूरी दुनिया में फैले हुए हैं, और जूडिथ - खैर, उसके पास अपना काम है। उसे मेरी जरूरत नहीं है।"
मुझे लगता है कि बच्चों को अपने माता-पिता की ज़रूरत तब तक नहीं पड़ती जब तक वे किसी मुसीबत में न पड़ जाएँ। आपको इसे एक मूलभूत नियम की तरह मान लेना चाहिए। मैं आपसे कहीं ज़्यादा अकेला हूँ। मेरी दोनों बहनें बहुत दूर रहती हैं - एक अमेरिका में और दूसरी इटली में।
मैंने कहा, "मेरी प्यारी बेटी, तुम्हारे जीवन की शुरुआत हो रही है।"
“पैंतीस साल की उम्र में?”
“पैंतीस क्या होता है? काश मैं पैंतीस साल का होता।” मैंने शरारत भरे लहजे में कहा: “मैं पूरी तरह से अंधा नहीं हूँ, तुम्हें पता है।”
उसने जिज्ञासा भरी नजर से मेरी ओर देखा, फिर उसका चेहरा लाल हो गया।
“आपको ऐसा नहीं लगता - अरे! स्टीफन नॉर्टन और मैं सिर्फ दोस्त हैं। हमारे बीच बहुत कुछ समान है -”
"और भी अच्छा।"

वह बहुत ही दयालु व्यक्ति हैं।
“ओह, मेरी प्यारी,” मैंने कहा। “यह मत मानो कि यह सब दयालुता है। हम पुरुष ऐसे नहीं बने हैं।”
लेकिन एलिजाबेथ कोल का चेहरा अचानक पीला पड़ गया था। उसने धीमी, तनाव भरी आवाज़ में कहा:
“तुम निर्दयी हो – अंधे हो! मैं शादी के बारे में कैसे सोच सकती हूँ? मेरे अतीत को देखते हुए। मेरी बहन एक हत्यारी है – या अगर वह नहीं तो पागल है। मुझे नहीं पता कि इनमें से कौन सी बात ज़्यादा बुरी है।”
मैंने दृढ़ता से कहा:
“इसे अपने मन पर हावी न होने दें। याद रखें, यह सच नहीं भी हो सकता है।”
“तुम्हारा क्या मतलब है? यह सच है।”
"क्या आपको याद नहीं कि आपने मुझसे एक बार कहा था: 'यह मैगी नहीं थी'?"
उसने गहरी सांस ली।
"ऐसा महसूस होता है।"
"जो हम महसूस करते हैं, वह अक्सर सच होता है।"
उसने मेरी तरफ घूरकर देखा।
"आपका क्या मतलब है?"
मैंने कहा, "तुम्हारी बहन ने अपने पिता की हत्या नहीं की।" उसका हाथ धीरे से उसके मुंह तक पहुंचा। उसकी आंखें चौड़ी और डरी हुई थीं, और उसने मेरी आंखों में देखा।
“तुम पागल हो,” उसने कहा। “तुम ज़रूर पागल हो। तुम्हें यह किसने बताया?”

□□□□□□ □□□□, "□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□"

परदा

तृतीय
घर के पास ही मेरी मुलाकात बॉयड कैरिंगटन से हुई।
“यह मेरी आखिरी शाम है,” उसने मुझसे कहा। “मैं कल यहाँ से चला जाऊँगा।”
“नैटन के लिए?”
"हाँ।"
"यह आपके लिए बहुत ही रोमांचक बात है।"
“क्या सच में? मुझे लगता है ऐसा ही है।” उसने आह भरी। “खैर, हेस्टिंग्स, मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि मुझे यहाँ से जाने में खुशी होगी।”
"खाना तो वाकई बहुत खराब है और सेवा भी अच्छी नहीं है।"
“मेरा मतलब वो नहीं है। आखिर ये सस्ता है, और इन किराए पर रहने वाले मेहमानों से आप ज्यादा उम्मीद नहीं कर सकते। नहीं, हेस्टिंग्स, मेरा मतलब असुविधा से कहीं ज्यादा है। मुझे ये घर पसंद नहीं है - इसमें कुछ बुरी सी शान है। यहाँ अजीबोगरीब घटनाएं होती रहती हैं।”
“वे निश्चित रूप से ऐसा करते हैं।”
“मुझे नहीं पता कि क्या बात है। शायद जिस घर में एक बार हत्या हो चुकी हो, वह उसके बाद कभी पहले जैसा नहीं रहता... लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है। पहले श्रीमती लुटरेल के साथ वह हादसा हुआ - एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना। और फिर बेचारी छोटी बारबरा का क्या हुआ।”
वह रुका।

"मुझे कहना चाहिए था कि वह दुनिया का सबसे अप्रत्याशित व्यक्ति था जिसने आत्महत्या की होगी।"
मैं झिझक गया।
खैर, मुझे नहीं लगता कि मैं इतनी दूर तक जाऊंगा-”
उसने मेरी बात काट दी।
“हाँ, मैं तो ज़रूर करूँगा। वैसे भी, मैं तो उससे पहले दिन भर उसके साथ ही था। वो बहुत खुश थी - उसे हमारा आउटिंग बहुत अच्छा लगा। उसे बस यही चिंता थी कि कहीं जॉन अपने प्रयोगों में इतना मग्न न हो जाए कि कुछ ज़्यादा ही कर दे या फिर अपने ही कुछ प्रयोगों को खुद पर आज़मा ले। हेस्टिंग्स, क्या तुम जानते हो कि मैं क्या सोचता हूँ?”
"नहीं।"
“उसका पति ही उसकी मौत के लिए ज़िम्मेदार है। मुझे लगता है उसने उसे ताने मारे होंगे। जब वो मेरे साथ थी तो हमेशा खुश रहती थी। उसने उसे ये एहसास दिलाया कि वो उसके कीमती करियर में बाधा बन रही है (काश उसका करियर भी होता!) और इससे वो टूट गई। कितना बेरहम है वो आदमी, उसे ज़रा भी फर्क नहीं पड़ा। उसने बड़े आराम से मुझसे कहा कि वो अब अफ्रीका जा रहा है। सच में, हेस्टिंग्स, अगर उसने ही उसकी हत्या की हो तो मुझे हैरानी नहीं होनी चाहिए।” मैंने तीखे स्वर में कहा, "आपका मतलब यह नहीं है।"
“नहीं-नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। हालांकि, ध्यान रहे, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि मुझे लगता है कि अगर उसने उसकी हत्या की होती, तो वह इस तरह से नहीं करता। मतलब, वह इस तरह की दवा - फिज़ोस्टिग्माइन - पर काम करता था, इसलिए यह तर्कसंगत है कि अगर उसने उसे मारा होता, तो वह इसका इस्तेमाल नहीं करता। लेकिन फिर भी, हेस्टिंग्स, मैं अकेला नहीं हूँ जो सोचता है कि

फ्रैंकलिन संदिग्ध है। मुझे यह जानकारी किसी ऐसे व्यक्ति से मिली है जिसे इस बारे में पता होना चाहिए।”
मैंने तीखे स्वर में पूछा, "वह कौन था?"
बॉयड कैरिंगटन ने अपनी आवाज धीमी कर ली।
“नर्स क्रेवन।”
“क्या?” मैं बेहद आश्चर्यचकित था।
"चुप रहो। चिल्लाओ मत। हाँ, नर्स क्रेवन ने ही मेरे दिमाग में यह विचार डाला था। वह एक समझदार लड़की है, तुम्हें पता है, बहुत होशियार है। उसे फ्रैंकलिन पसंद नहीं है - हमेशा से ही नापसंद रहा है।"
मुझे आश्चर्य हुआ। मुझे कहना चाहिए था कि नर्स क्रेवन को उसका अपना मरीज नापसंद था। अचानक मेरे मन में आया कि नर्स क्रेवन को फ्रैंकलिन परिवार के बारे में काफी कुछ पता होगा।
“वह आज रात यहीं रुकेगी,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा।
“क्या?” मैं चौंक गया। नर्स क्रेवन अंतिम संस्कार के तुरंत बाद चली गई थीं।
"मामलों के बीच सिर्फ एक रात के लिए," बॉयड कैरिंगटन ने समझाया। "अच्छा ऐसा है।"
नर्स क्रेवन की वापसी से मैं थोड़ा बेचैन तो था, पर मैं यह बता नहीं सकता था कि क्यों। मैंने सोचा, क्या उसके वापस आने का कोई कारण था? बॉयड कैरिंगटन ने कहा था कि वह फ्रैंकलिन को पसंद नहीं करती थी...
खुद को दिलासा देते हुए मैंने अचानक जोश से कहा:
"फ्रैंकलिन के बारे में इशारे करने का उसे कोई अधिकार नहीं है। आखिरकार, उसी के सबूतों से आत्महत्या साबित हुई थी। और साथ ही,

पोइरोट ने श्रीमती फ्रैंकलिन को स्टूडियो से हाथ में बोतल लिए बाहर आते देखा था।"
बॉयड कैरिंगटन ने तस्वीर खींची:
“बोतल क्या होती है? औरतें तो हमेशा बोतलें लिए घूमती रहती हैं - इत्र की बोतलें, हेयर लोशन, नेल पॉलिश। उस शाम तुम्हारी वो औरत हाथ में बोतल लिए इधर-उधर भाग रही थी - इसका मतलब ये तो नहीं कि वो आत्महत्या करने की सोच रही थी, है ना? बकवास!”
जैसे ही एलर्टन हमारे पास आया, उसकी बात अधूरी रह गई। बड़े ही नाटकीय अंदाज़ में, दूर से हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दी। मैंने पहले की तरह ही सोचा कि एलर्टन को खलनायक की भूमिका के लिए बिल्कुल सही चुना गया था।
लेकिन बारबरा फ्रैंकलिन की मौत वाली रात वह घर से बाहर था। और वैसे भी, उसके पास ऐसा करने का मकसद क्या हो सकता था?
लेकिन फिर मैंने सोचा, X का कोई मकसद ही नहीं था। यही उसकी स्थिति की ताकत थी। बस यही एक चीज़ थी जो हमें थामे हुए थी। और फिर भी, किसी भी पल, ज्ञान की वह छोटी सी किरण फूट सकती थी।

परदा

चतुर्थ
मुझे लगता है कि अभी और यहीं मैं यह बात स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि मैंने कभी एक पल के लिए भी यह नहीं सोचा था कि पोइरोट असफल हो सकता है। पोइरोट और X के बीच के संघर्ष में, मैंने कभी यह कल्पना भी नहीं की थी कि X विजयी हो सकता है। पोइरोट की कमज़ोरी और खराब स्वास्थ्य के बावजूद, मुझे उन पर पूरा भरोसा था और मुझे लगता था कि वे दोनों में से ज़्यादा शक्तिशाली हैं। दरअसल, मुझे पोइरोट की सफलता की आदत थी।
सबसे पहले पोइरोट ने ही मेरे मन में संदेह पैदा किया था।
मैं रात के खाने के लिए नीचे जाते समय उनसे मिलने गया। मुझे अब ठीक से याद नहीं है कि इसकी वजह क्या थी, लेकिन उन्होंने अचानक कहा, "अगर मुझे कुछ हो जाता है।"
मैंने तुरंत और ज़ोरदार विरोध किया। कुछ नहीं हुआ - कुछ हो ही नहीं सकता था।
"अच्छा, तो आपने डॉ. फ्रैंकलिन की बातें ध्यान से नहीं सुनीं।" “फ्रैंकलिन को नहीं पता। पोइरोट, अभी तो आपके पास कई सालों का अच्छा समय है।”
“यह संभव है, मेरे मित्र, हालांकि इसकी संभावना बहुत कम है। लेकिन मैं अभी विशिष्ट संदर्भ में बात कर रहा हूँ, सामान्य संदर्भ में नहीं। भले ही मेरी मृत्यु बहुत जल्द हो जाए, फिर भी यह हमारे मित्र X के लिए पर्याप्त जल्दी नहीं हो सकती।” “क्या?” मेरे चेहरे पर हैरानी के भाव साफ दिख रहे थे।
पोइरोट ने सिर हिलाया।

लेकिन हां, हेस्टिंग्स। एक्स आखिरकार बुद्धिमान है। वास्तव में, अत्यंत बुद्धिमान है। और एक्स को यह बात अवश्य समझ में आनी चाहिए कि मेरा अंत, भले ही वह प्राकृतिक मृत्यु से कुछ ही दिन पहले हो, उसके लिए अमूल्य लाभ का स्रोत हो सकता है।
लेकिन फिर - लेकिन फिर - क्या होगा?
मैं अचंभित रह गया।
“जब कर्नल का पद समाप्त हो जाता है, मेरे मित्र, तो द्वितीय-अधिकारी कमान संभाल लेता है। आप इसे जारी रखेंगे।”
मैं कैसे कर सकता हूँ? मुझे तो कुछ भी पता नहीं है।
“मैंने इसका इंतज़ाम कर रखा है। अगर मुझे कुछ हो जाता है, मेरे दोस्त, तो तुम्हें यहाँ मिल जाएगा—” उसने अपने बगल में रखे बंद डिस्पैच बॉक्स पर हाथ फेरते हुए कहा—“तुम्हें जितने भी सुराग चाहिए, सब मिल जाएँगे। मैंने हर तरह की स्थिति के लिए इंतज़ाम कर रखा है।”
“होशियार बनने की कोई जरूरत नहीं है। बस मुझे अभी सब कुछ बता दो जो जानने लायक है।”
नहीं, मेरे दोस्त। यह तथ्य कि तुम वह नहीं जानते जो मैं जानता हूँ, एक मूल्यवान संपत्ति है।
"क्या आपने मुझे घटनाओं का स्पष्ट लिखित विवरण दिया है?" "बिल्कुल नहीं। X को यह मिल सकता है।"
तो फिर तुम्हारे पास क्या बचा है?
“स्वरूप संकेत मिलेंगे। इनका X के लिए कोई महत्व नहीं होगा - इस बात का यकीन रखें - लेकिन ये आपको सत्य की खोज की ओर ले जाएंगे।” मुझे इस बात का यकीन नहीं है। पोइरोट, तुम्हारा दिमाग इतना पेचीदा क्यों है? तुम्हें हमेशा हर चीज़ को मुश्किल बनाना पसंद है। हमेशा से ही ऐसा रहा है!

“और अब यह मेरे लिए एक जुनून बन गया है? क्या आप यही कहेंगे? शायद। लेकिन निश्चिंत रहें, मेरे संकेत आपको सच्चाई तक ले जाएंगे।” वह रुका। फिर बोला: “और शायद तब आप चाहेंगे कि ये संकेत आपको इतनी दूर तक न ले जाएं। आप इसके बजाय कहेंगे: 'पर्दा गिरा दो।'”
उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने फिर से वही अस्पष्ट, अनकहा डर जगा दिया, जिसका एहसास मुझे पहले भी एक-दो बार हो चुका था। ऐसा लग रहा था मानो कहीं, नज़रों से ओझल, कोई ऐसी सच्चाई छिपी हो जिसे मैं देखना नहीं चाहती थी - जिसे मैं स्वीकार नहीं कर सकती थी। कुछ ऐसा जिसे मैं अपने भीतर गहराई से जानती थी...
मैंने उस भावना को झटक दिया और खाना खाने नीचे चला गया।

□□□□

अध्याय 17
रात का खाना काफी खुशनुमा था। श्रीमती लुटरेल फिर से उदास थीं और अपनी बनावटी आयरिश खुशी के रंग में रंगी हुई थीं। फ्रैंकलिन पहले से कहीं ज्यादा उत्साहित और खुशमिजाज लग रहे थे। नर्स क्रेवन को मैंने पहली बार नर्स की वर्दी के बजाय सामान्य कपड़ों में देखा। अब जब उन्होंने अपनी पेशेवर गंभीरता को त्याग दिया था, तो वह निश्चित रूप से एक बहुत ही आकर्षक युवती लग रही थीं।
रात के खाने के बाद श्रीमती लुटरेल ने ब्रिज खेलने का सुझाव दिया, लेकिन अंत में कुछ गोल-गोल खेल शुरू हो गए। लगभग साढ़े नौ बजे नॉर्टन ने पोइरोट से मिलने जाने की इच्छा जताई।
“अच्छा विचार है,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “माफ़ कीजिए, वह आजकल थोड़ा अस्वस्थ है। मैं भी आ जाऊँगा।”
मुझे तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी।
मैंने कहा, "देखो, क्या तुम्हें कोई आपत्ति नहीं है? एक समय में एक से अधिक व्यक्ति से बात करना उसे बहुत थका देता है।" नॉर्टन ने संकेत को समझा और तुरंत कहा:
मैंने उसे पक्षियों पर एक किताब उधार देने का वादा किया था। बॉयड कैरिंगटन ने कहा:
“ठीक है। हेस्टिंग्स, क्या तुम फिर से आओगे?”
"हाँ।"
मैं नॉर्टन के साथ ऊपर गया। पोइरोट इंतज़ार कर रहा था। एक-दो बातें करने के बाद मैं वापस नीचे आ गया। हमने रमी खेलना शुरू किया।
मुझे लगता है कि बॉयड कैरिंगटन को आज रात स्टाइल्स के लापरवाह माहौल से चिढ़ हो रही थी। शायद उन्हें लगा कि त्रासदी के बाद

अभी तक सब लोग उसे भूले नहीं हैं। वे अन्यमनस्क थे, अक्सर भूल जाते थे कि वे क्या कर रहे हैं, और अंत में उन्होंने आगे खेलने से मना कर दिया।
वह खिड़की के पास गया और उसे खोला। दूर से गरजने की आवाज़ सुनाई दी। तूफान आ रहा था, हालांकि अभी तक हम तक नहीं पहुंचा था। उसने खिड़की बंद कर दी और वापस आ गया। वह एक-दो मिनट तक हमें खेलते हुए देखता रहा। फिर वह कमरे से बाहर चला गया।
मैं पौने ग्यारह बजे बिस्तर पर चला गया। मैं पोइरोट के पास नहीं गया। शायद वो सो रहे हों। इसके अलावा, मुझे स्टाइल्स और उसकी समस्याओं के बारे में और सोचने की इच्छा नहीं हो रही थी। मैं सोना चाहता था - सोना और सब कुछ भूल जाना चाहता था।
मुझे नींद आने ही वाली थी कि एक आवाज़ से मेरी नींद खुल गई। मुझे लगा शायद मेरे दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी हो। मैंने आवाज़ लगाई, "अंदर आ जाओ," लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, तो मैंने लाइट जलाई और उठकर गलियारे में देखा।
मैंने नॉर्टन को बाथरूम से निकलकर अपने कमरे में जाते देखा। उसने बेहद भद्दे रंग का चेकदार गाउन पहना हुआ था और हमेशा की तरह उसके बाल खड़े हुए थे। वह अपने कमरे में गया और दरवाजा बंद कर लिया, और उसके तुरंत बाद मैंने उसे ताले में चाबी घुमाते हुए सुना।
ऊपर आसमान में गरजने की धीमी आवाज सुनाई दी। तूफान नजदीक आ रहा था।
चाबी के घूमने की आवाज से उत्पन्न थोड़ी बेचैनी महसूस करते हुए मैं वापस बिस्तर पर चला गया।
इससे कुछ हद तक अशुभ संकेत मिले। क्या नॉर्टन आमतौर पर रात में अपना दरवाजा बंद कर लेता था? मैंने सोचा। क्या पोइरोट ने उसे

ऐसा करने की चेतावनी दी थी? मुझे अचानक बेचैनी के साथ याद आया कि पोइरोट की दरवाजे की चाबी रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी। मैं बिस्तर पर लेटा रहा और मेरी बेचैनी बढ़ती गई, ऊपर मंडराते तूफान ने मेरी घबराहट को और बढ़ा दिया। आखिरकार मैं उठा और अपना दरवाजा बंद कर लिया। फिर मैं वापस बिस्तर पर गया और सो गया।

परदा

द्वितीय
नाश्ता करने जाने से पहले मैं पोइरोट के पास गया।
वह बिस्तर पर लेटा हुआ था और उसकी कमज़ोरी देखकर मैं एक बार फिर चौंक गया। उसके चेहरे पर थकान और कमजोरी की गहरी लकीरें थीं। “कैसे हो, दोस्त?”
उन्होंने धैर्यपूर्वक मेरी ओर मुस्कुराया।
“मैं मौजूद हूँ, मेरे दोस्त। मैं अब भी मौजूद हूँ।”
"दर्द नहीं हो रहा?"
“नहीं – बस थका हुआ हूँ,” उसने आह भरी, “बहुत थका हुआ हूँ।” मेंने सिर हिलाया।
“कल रात क्या हुआ था? क्या नॉर्टन ने आपको बताया कि उसने उस दिन क्या देखा था?”
उन्होंने मुझसे कहा, हां।
"यह क्या था?"
पोइरोट ने जवाब देने से पहले मुझे काफी देर तक ध्यानपूर्वक देखा:
"मुझे यकीन नहीं है, हेस्टिंग्स, कि मुझे आपको बताना चाहिए या नहीं। आप गलत समझ सकते हैं।"
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
पोइरोट ने कहा, "नॉर्टन ने मुझे बताया कि उसने दो लोगों को देखा था-"
“जूडिथ और एलर्टन,” मैं चिल्लाई। “मैंने उस समय ऐसा ही सोचा था।”

“अरे नहीं। जूडिथ और एलर्टन नहीं। क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि तुम गलत समझोगे? तुम तो एक ही विचार के पक्के आदमी हो!”
मैंने थोड़ा शर्मिंदा होकर कहा, "माफ़ कीजिए। बताइए।"
मैं आपको कल बताऊंगा। मुझे बहुत सी बातों पर विचार करना है। "क्या इससे मामले में मदद मिलती है?"
पोइरोट ने सिर हिलाया। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और तकियों पर पीछे की ओर झुक गया।
“मामला खत्म हो गया है। जी हां, खत्म हो गया है। बस कुछ अधूरे काम बाकी हैं। जाओ नाश्ता करने, मेरे दोस्त। और जाते समय कर्टिस को मेरे पास भेज देना।”
मैंने वैसा ही किया और नीचे चला गया। मैं नॉर्टन से मिलना चाहता था। मुझे यह जानने की बहुत उत्सुकता थी कि उसने पोइरोट को क्या बताया था।
अवचेतन रूप से मैं अब भी खुश नहीं था। पोइरोट के व्यवहार में उत्साह की कमी मुझे अप्रिय लगी। यह निरंतर गोपनीयता क्यों? वह गहरा, अकथनीय दुख क्यों? आखिर इस सब की सच्चाई क्या थी?
नॉर्टन नाश्ते में मौजूद नहीं थे।
उसके बाद मैं बगीचे में टहलने निकला। तूफान के बाद हवा ताज़ी और ठंडी थी। मैंने देखा कि बहुत तेज़ बारिश हुई थी। बॉयड कैरिंगटन लॉन पर थे। उन्हें देखकर मुझे खुशी हुई और मेरा मन हुआ कि मैं उनसे अपने विश्वास का इज़हार कर सकूँ। मैं हमेशा से यही चाहता था। अब तो मुझे ऐसा करने का बहुत मन कर रहा था। पोइरोट अकेले आगे बढ़ने के लिए बिल्कुल भी सक्षम नहीं थे।
आज सुबह बॉयड कैरिंगटन इतने जीवंत और आत्मविश्वासी दिख रहे थे कि मुझे एक तरह की गर्माहट और आश्वासन का अनुभव हुआ।

उन्होंने कहा, "आज सुबह तुम देर से उठे हो।"
मेंने सिर हिलाया।
मैं देर से सोया।
“कल रात थोड़ी सी आंधी-तूफान आया था। सुना क्या?”
मुझे अब याद आया कि नींद में भी मुझे गरजने की आवाज सुनाई दे रही थी।
“कल रात मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी,” बॉयड कैरिंगटन ने कहा। “आज मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूँ।” उन्होंने अपनी बाहें फैलाईं और जम्हाई ली।
मैंने पूछा, "नॉर्टन कहाँ है?"
मुझे नहीं लगता कि वह अभी तक उठा होगा। आलसी कहीं का।
हम सबने एकमत होकर अपनी निगाहें ऊपर उठाईं। जहाँ हम खड़े थे, ठीक हमारे ऊपर नॉर्टन के कमरे की खिड़कियाँ थीं। मैं चौंक गया। खिड़कियों की उस कतार में अकेली नॉर्टन की खिड़की ही अभी भी बंद थी।
मैंने कहा: “यह अजीब है। क्या आपको लगता है कि वे उसे फोन करना भूल गए हैं?”
“मजेदार। उम्मीद है वो बीमार न हो। चलो ऊपर जाकर देखते हैं।” हम साथ-साथ ऊपर गए। गलियारे में नौकरानी थी, जो देखने में कुछ भोली-भाली सी लग रही थी। एक सवाल के जवाब में उसने कहा कि जब उसने दरवाजा खटखटाया तो मिस्टर नॉर्टन ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने एक-दो बार खटखटाया था लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने सुना ही नहीं। उनका दरवाजा बंद था।
एक बुरी आशंका मुझ पर छा गई। मैंने ज़ोर से दरवाज़ा खटखटाया और साथ ही पुकारा:
“नॉर्टन - नॉर्टन। जाग जाओ!”

और बढ़ती बेचैनी के साथ एक बार फिर :
"जागो ..."

परदा

तृतीय
जब यह स्पष्ट हो गया कि कोई जवाब नहीं मिलेगा, तो हम कर्नल लुटरेल के पास गए। उन्होंने हमारी बात सुनी, उनकी धुंधली नीली आँखों में अस्पष्ट घबराहट झलक रही थी। उन्होंने अनिश्चितता से अपनी मूंछें खींचीं।
श्रीमती लुटरेल, जो हमेशा त्वरित निर्णय लेने के लिए जानी जाती थीं, ने इस बारे में कोई संकोच नहीं किया।
“आपको किसी भी तरह से वह दरवाजा खोलना ही होगा। इसके अलावा कोई और चारा नहीं है।”
मैंने अपने जीवन में दूसरी बार स्टाइल्स में एक दरवाजा टूटा हुआ देखा। उस दरवाजे के पीछे वही था जो पहली बार एक बंद दरवाजे के पीछे छिपा था। हिंसा द्वारा मृत्यु।
नॉर्टन अपने ड्रेसिंग गाउन में बिस्तर पर लेटा हुआ था। दरवाजे की चाबी उसकी जेब में थी। उसके हाथ में एक छोटी सी पिस्तौल थी, जो देखने में भले ही खिलौना जैसी थी, लेकिन अपना काम करने में सक्षम थी। उसके माथे के ठीक बीचोंबीच एक छोटा सा छेद था। एक-दो पल के लिए मैं यह सोच ही नहीं पाया कि मुझे किस बात की याद आई थी। कुछ तो था, जो निश्चित रूप से बहुत पुराना था...
मैं इतना थका हुआ था कि मुझे कुछ याद नहीं रहा।

परदा

चतुर्थ
जैसे ही मैं पोइरोट के कमरे में आया, उसने मेरा चेहरा देखा। उन्होंने जल्दी से कहा:
“क्या हुआ है? नॉर्टन?”
"मृत!"
"कैसे कब?"
मैंने उसे संक्षेप में बताया।
मैंने थके-हारे यह बात समाप्त की:
“वे कहते हैं कि यह आत्महत्या है। वे और क्या कह सकते हैं? दरवाजा बंद था। खिड़कियाँ बंद थीं। चाबी उसकी जेब में थी। अरे! मैंने तो उसे अंदर जाते देखा था और दरवाजा बंद करते हुए सुना था।”
"क्या तुमने उसे देखा था, हेस्टिंग्स?"
"हां, कल रात।"
मैंने समझाया:
"क्या आपको यकीन है कि यह नॉर्टन ही था?"
“बिल्कुल। मैं उस पुराने बदसूरत ड्रेसिंग गाउन को कहीं भी पहचान लूंगी।”
एक पल के लिए पोइरोट अपने पुराने रूप में लौट आया।
“अरे! लेकिन आप एक आदमी की पहचान कर रहे हैं, ड्रेसिंग गाउन की नहीं। मा फोई! ड्रेसिंग गाउन तो कोई भी पहन सकता है।”
मैंने धीरे से कहा, "यह सच है कि मैंने उसका चेहरा नहीं देखा। लेकिन उसके बाल तो ज़रूर थे, और वह हल्का सा लंगड़ापन भी।" “कोई भी लंगड़ा सकता है, हे भगवान!”

मैं चौंककर उसकी तरफ देखने लगा।
"क्या आपका मतलब यह है, पोइरोट, कि मैंने जिसे देखा वह नॉर्टन नहीं था?"
“मैं ऐसा कुछ नहीं कह रहा हूँ। मैं तो बस आपके उन अवैज्ञानिक कारणों से नाराज़ हूँ जिनके आधार पर आप कह रहे हैं कि यह नॉर्टन था। नहीं, नहीं, मैं एक पल के लिए भी यह नहीं कह रहा कि यह नॉर्टन नहीं था। किसी और का होना मुश्किल है, क्योंकि यहाँ हर आदमी लंबा है - उससे कहीं ज़्यादा लंबा - और वैसे भी, कद को छुपाया नहीं जा सकता - बिलकुल नहीं। नॉर्टन की लंबाई तो बस पाँच फुट पाँच इंच थी, मैं कहूँगा। फिर भी, यह किसी जादू की चाल जैसा लगता है, है ना? वह अपने कमरे में जाता है, दरवाज़ा बंद करता है, चाबी अपनी जेब में रखता है, और फिर गोली लगने से मरा हुआ पाया जाता है, उसके हाथ में पिस्तौल होती है और चाबी अभी भी उसकी जेब में होती है।”
मैंने कहा, "तो फिर आपको विश्वास नहीं है कि उसने खुद को गोली मारी?"
धीरे-धीरे पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
“नहीं,” उन्होंने कहा। “नॉर्टन ने खुद को गोली नहीं मारी। उनकी जानबूझकर हत्या की गई थी।”

परदा

वी
मैं भूलभुलैया में फंसकर नीचे उतर गया। यह सब इतना रहस्यमय था कि मुझे अगले अपरिहार्य कदम को न देख पाने के लिए क्षमा कर दिया जाए, आशा है। मैं स्तब्ध था। मेरा दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा था।
और फिर भी यह इतना तार्किक था। नॉर्टन की हत्या क्यों की गई थी? शायद इसलिए कि वह जो कुछ उसने देखा था, उसे किसी को न बता सके, या कम से कम मुझे यही विश्वास था।
लेकिन उसने यह जानकारी केवल एक अन्य व्यक्ति को ही बताई थी।
तो वह व्यक्ति भी खतरे में था...
और वह न केवल खतरे में था, बल्कि असहाय भी था।
मुझे पता होना चाहिए था।
मुझे पहले ही अंदाजा लगा लेना चाहिए था...
"प्रिय मित्र!" पोइरोट ने कमरे से निकलते समय मुझसे कहा था। ये उनके आखिरी शब्द थे जो मैंने सुने। क्योंकि जब कर्टिस अपने मालिक की सेवा करने आया, तो उसने पाया कि मालिक मर चुका है...

□□□□

अध्याय 18
मैं इसके बारे में बिल्कुल भी लिखना नहीं चाहता।
मैं इसके बारे में जितना हो सके कम सोचना चाहता हूँ। हरक्यूल पोइरोट की मृत्यु हो चुकी थी - और उनके साथ ही आर्थर हेस्टिंग्स का एक बड़ा हिस्सा भी मर गया।
मैं आपको बिना किसी लाग-लपेट के सीधे-सीधे तथ्य बताऊंगा। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता।
उन्होंने बताया कि उनकी मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई। यानी, उनकी मृत्यु हृदयाघात से हुई। फ्रैंकलिन ने कहा कि उन्हें यही उम्मीद थी कि उनकी मृत्यु इसी तरह होगी। निस्संदेह, नॉर्टन की मृत्यु के सदमे से उन्हें हृदयाघात हुआ। ऐसा लगता है कि किसी चूक के कारण एमाइल नाइट्राइट की गोलियां उनके बिस्तर के पास नहीं थीं।
क्या यह कोई चूक थी? क्या किसी ने जानबूझकर उन्हें हटाया था? नहीं, यह उससे कहीं अधिक गंभीर बात रही होगी। X को पोइरोट के दिल का दौरा पड़ने की उम्मीद नहीं थी।
दरअसल, मैं यह मानने को तैयार नहीं हूँ कि पोइरोट की मौत स्वाभाविक थी। उनकी हत्या की गई थी, जैसे नॉर्टन की और बारबरा फ्रैंकलिन की। और मुझे नहीं पता कि उनकी हत्या क्यों की गई - और मुझे यह भी नहीं पता कि उन्हें किसने मारा!
नॉर्टन की मौत की जांच हुई और फैसला आत्महत्या का आया। सर्जन ने बस एक ही संदेह जताया, उनका कहना था कि किसी व्यक्ति का माथे के ठीक बीचोंबीच गोली मारना असामान्य बात है। लेकिन यह संदेह बस नाममात्र का था। पूरा मामला इतना स्पष्ट था। दरवाजा अंदर से बंद था, चाबी मृतक की जेब में थी, खिड़कियां कसकर बंद थीं - पिस्तौल उसके हाथ में थी। ऐसा लगता है कि नॉर्टन को सिरदर्द की

शिकायत थी और हाल ही में उनके कुछ निवेशों में नुकसान हो रहा था। आत्महत्या के ये कारण तो शायद ही थे, लेकिन उन्हें कुछ तो सबूत पेश करना ही था।
पिस्तौल जाहिर तौर पर उसकी अपनी थी। स्टाइल्स में रहने के दौरान नौकरानी ने उसे दो बार उसकी ड्रेसिंग टेबल पर पड़ी हुई देखा था। बस, बात यहीं खत्म। एक और अपराध जिसे बड़ी खूबसूरती से अंजाम दिया गया और हमेशा की तरह जिसका कोई दूसरा हल नहीं था।
पोइरोट और एक्स के बीच हुए द्वंद्वयुद्ध में एक्स विजयी रहा। अब यह मुझ पर निर्भर था।
मैं पोइरोट के कमरे में गया और डिस्पैच बॉक्स ले आया।
मुझे पता था कि उसने मुझे अपना वसीयतनामा निष्पादक बनाया था, इसलिए मुझे ऐसा करने का पूरा अधिकार था। चाबी उसके गले में लटकी हुई थी।
मैंने अपने कमरे में जाकर डिब्बा खोला।
और तभी मुझे गहरा सदमा लगा। X के मुकदमों की फाइलें गायब थीं। मैंने उन्हें एक-दो दिन पहले ही वहाँ देखा था जब पोइरोट ने ताला खोला था। यह इस बात का सबूत था, अगर मुझे इसकी ज़रूरत थी, कि X ने अपना काम किया था। या तो पोइरोट ने खुद उन कागज़ों को नष्ट किया था (जो कि बहुत ही असंभव है) या फिर X ने ऐसा किया था।
एक्स. एक्स. वह दुष्ट शैतान एक्स.
लेकिन मामला निराधार नहीं था। मुझे पोइरोट का वादा याद आया कि मुझे ऐसे अन्य सुराग मिलेंगे जिनके बारे में एक्स को पता नहीं होगा।
क्या ये संकेत थे?

वहाँ शेक्सपियर के नाटकों में से एक, ओथेलो की एक छोटी और सस्ती प्रति थी। दूसरी किताब सेंट जॉन इरविन द्वारा लिखित नाटक जॉन फर्ग्यूसन थी। उसमें तीसरे अंक पर एक निशान लगा हुआ था। मैंने दोनों किताबों को खाली निगाहों से देखा।
ये वो सुराग थे जो पोइरोट ने मेरे लिए छोड़े थे - और इनका मेरे लिए कोई मतलब नहीं था!
इसका क्या मतलब हो सकता है?
मेरे दिमाग में बस एक ही बात आई, वो थी किसी तरह का कोड। नाटकों पर आधारित कोई शब्द कोड।
लेकिन अगर ऐसा है, तो मैं इसे कैसे प्राप्त कर सकता हूँ?
कहीं भी कोई शब्द, कोई अक्षर या रेखांकित भाग नहीं था। मैंने हल्की गर्मी देकर भी देखा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।
मैंने जॉन फर्ग्यूसन के तीसरे अंक को ध्यान से पढ़ा। एक बेहद प्रशंसनीय और रोमांचक दृश्य, जिसमें "लापता" क्लुटी जॉन बैठकर बातें करता है और जिसका अंत युवा फर्ग्यूसन के अपनी बहन के साथ अन्याय करने वाले व्यक्ति को खोजने के लिए निकलने के साथ होता है। चरित्र चित्रण उत्कृष्ट है - लेकिन मुझे यकीन नहीं होता कि पोइरोट ने इन्हें साहित्य में मेरी रुचि बढ़ाने के लिए छोड़ा था!
और फिर, जैसे ही मैंने किताब के पन्ने पलटे, एक कागज़ का टुकड़ा गिर गया। उस पर पोइरोट की लिखावट में एक वाक्य लिखा था:
"मेरे नौकर जॉर्जेस से बात करो।"
अच्छा, मुझे कुछ तो पता चला। शायद कोड की कुंजी, अगर वह कोड था, तो जॉर्जेस के पास ही रह गई थी। मुझे उसका पता लेकर उससे मिलने जाना होगा।

लेकिन उससे पहले मेरे प्यारे दोस्त को दफनाने का दुखद कार्य था।
यह वही जगह थी जहाँ वह इस देश में आने के बाद सबसे पहले रहा था।
अंत में उसे यहीं लेटना था।
इन दिनों जूडिथ मेरे प्रति बहुत दयालु थी।
उन्होंने मेरे साथ काफी समय बिताया और सारी व्यवस्था करने में मदद की। वे बहुत ही सौम्य और सहानुभूतिपूर्ण थीं। एलिजाबेथ कोल और बॉयड कैरिंगटन भी बहुत दयालु थे।
एलिजाबेथ कोल पर नॉर्टन की मृत्यु का उतना गहरा असर नहीं हुआ जितना मैंने सोचा था। अगर उन्हें कोई गहरा दुख हुआ भी तो उन्होंने उसे अपने तक ही सीमित रखा।
और इस तरह सब कुछ समाप्त हो गया...

परदा

द्वितीय
हां, मुझे इसे नीचे रख देना चाहिए।
यह कहना जरूरी है।
अंतिम संस्कार समाप्त हो गया था। मैं जूडिथ के साथ बैठा था और भविष्य के लिए कुछ अधूरी योजनाएँ बनाने की कोशिश कर रहा था।
तब उसने कहा:
लेकिन देखो, प्रिय, मैं यहाँ नहीं रहूँगा।
“यहाँ नहीं?”
मैं इंग्लैंड में नहीं रहूंगा।
मैंने उसे घूर कर देखा।
“पिताजी, मैंने आपको पहले बताना नहीं चाहा। मैं आपके लिए स्थिति और खराब नहीं करना चाहता था। लेकिन अब आपको जानना ही होगा। मुझे उम्मीद है कि आपको ज्यादा बुरा नहीं लगेगा। मैं डॉ. फ्रैंकलिन के साथ अफ्रीका जा रहा हूँ।”
यह सुनकर मैं भड़क उठी। यह नामुमकिन था। वह ऐसा कर ही नहीं सकती थी। हर कोई इसके बारे में बात करेगा। इंग्लैंड में, खासकर जब उनकी पत्नी जीवित थीं, उनकी सहायक होना एक बात थी, लेकिन उनके साथ अफ्रीका जाना बिल्कुल अलग बात थी। यह नामुमकिन था और मैं इसे पूरी तरह से मना करने वाली थी। जूडिथ को ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए!
उसने मुझे बीच में नहीं टोका। उसने मुझे अपनी बात पूरी करने दी। उसने बहुत हल्की सी मुस्कान दी।
“लेकिन, प्रियतम,” उसने कहा, “मैं उनकी सहायक बनकर नहीं जा रही हूँ। मैं उनकी पत्नी बनकर जा रही हूँ।”

यह बात मुझे सीधे मुंह पर लगी।
मैंने कहा - या यूँ कहूँ कि हकलाते हुए कहा - "अल - एलर्टन?"
वह हल्की सी मुस्कुराती हुई दिखी।
“उसमें कुछ भी नहीं था। अगर तुमने मुझे इतना गुस्सा न दिलाया होता तो मैं तुम्हें पहले ही बता देती। वैसे भी, मैं चाहती थी कि तुम वही सोचो जो तुमने सोचा। मैं नहीं चाहती थी कि तुम्हें पता चले कि वो जॉन था।”
"लेकिन मैंने एक रात उसे छत पर तुम्हें चूमते हुए देखा था।" उसने अधीरता से कहा:
“ओह, मैं कह सकती हूँ। उस रात मैं बहुत दुखी थी। ऐसी चीजें होती रहती हैं। आप यह तो जानते ही होंगे।”
मैंने कहा था:
"तुम अभी इतनी जल्दी फ्रैंकलिन से शादी नहीं कर सकती।"
“हां, मैं कर सकती हूं। मैं उसके साथ बाहर जाना चाहती हूं, और आपने खुद ही कहा है कि यह आसान है। हमें अब किसी चीज का इंतजार नहीं करना है।”
जूडिथ और फ्रैंकलिन। फ्रैंकलिन और जूडिथ।
क्या आप उन विचारों को समझते हैं जो मेरे मन में आए - वे विचार जो कुछ समय से मेरे भीतर दबे हुए थे?
हाथ में बोतल लिए जूडिथ, अपनी युवा, जोशीली आवाज़ में यह ऐलान करती हुई जूडिथ कि बेकार जिंदगियों को खत्म होना चाहिए ताकि उपयोगी जिंदगियां आगे बढ़ सकें। जूडिथ, जिसे मैंने प्यार किया था और जिसे पोइरोट ने भी प्यार किया था। नॉर्टन ने जिन दो लोगों को देखा था - क्या वे जूडिथ और फ्रैंकलिन थे? लेकिन अगर ऐसा है - अगर ऐसा है - नहीं, यह सच नहीं हो सकता। जूडिथ नहीं। शायद

फ्रैंकलिन - एक अजीब आदमी, एक बेरहम आदमी, एक ऐसा आदमी जो अगर हत्या करने का ठान ले तो बार-बार हत्या कर सकता है।
पोइरोट फ्रैंकलिन से परामर्श करने के लिए तैयार थे।
क्यों? उस सुबह उसने उससे क्या कहा था?
लेकिन जूडिथ नहीं। मेरी प्यारी, गंभीर युवा जूडिथ नहीं।
और फिर भी पोइरोट का चेहरा कितना अजीब लग रहा था। वे शब्द कैसे गूंज उठे थे: "आप शायद यह कहना पसंद करेंगे: 'पर्दा गिरा दो'..." और अचानक मेरे मन में एक नया विचार आया। भयानक! असंभव! क्या X की पूरी कहानी मनगढ़ंत थी? क्या पोइरोट स्टाइल्स के पास इसलिए आया था क्योंकि उसे फ्रैंकलिन परिवार में किसी त्रासदी का डर था? क्या वह जूडिथ पर नज़र रखने आया था? क्या इसीलिए उसने मुझे कुछ नहीं बताया था? क्योंकि X की पूरी कहानी मनगढ़ंत थी, एक छलावा थी?
क्या इस त्रासदी का मूल कारण मेरी बेटी जूडिथ थी?
ओथेलो! श्रीमती फ्रैंकलिन की मृत्यु के बाद उसी रात मैंने किताबों की अलमारी से ओथेलो ही उठाया था। क्या यही सुराग था? उस रात जूडिथ, जैसा कि किसी ने कहा था, होलोफर्नेस का सिर काटने से पहले अपनी नामधारी जैसी दिख रही थी। जूडिथ - जिसके दिल में मृत्यु बसी थी?

□□□□

अध्याय 19
मैं यह पत्र ईस्टबोर्न से लिख रहा हूँ।
मैं ईस्टबोर्न में जॉर्जेस से मिलने आया था, जो पहले पोइरोट का नौकर था।
जॉर्जेस कई सालों से पोइरोट के साथ काम कर रहा था। वह एक सक्षम और व्यावहारिक व्यक्ति था, जिसमें कल्पनाशीलता बिल्कुल भी नहीं थी। वह हमेशा बातों को अक्षरशः कहता था और उन्हें उनके वास्तविक अर्थ में ही स्वीकार करता था।
खैर, मैं उनसे मिलने गया। मैंने उन्हें पोइरोट की मौत के बारे में बताया, और जॉर्जेस ने हमेशा की तरह प्रतिक्रिया दी। वह व्यथित और दुखी थे और उन्होंने बड़ी मुश्किल से इस बात को छुपाया।
तब मैंने कहा:
"क्या वह तुम्हारे साथ मेरे लिए कोई संदेश छोड़कर गया था?" जॉर्जेस ने तुरंत कहा:
“आपके लिए, महोदय? नहीं, जहाँ तक मुझे जानकारी है।”
मुझे आश्चर्य हुआ। मैंने उससे और पूछा, लेकिन वह बिल्कुल अडिग था।
मैंने अंत में कहा:
"शायद मेरी गलती थी। खैर, बात यहीं खत्म होती है। काश तुम अंत में उसके साथ होते।"
“मैं भी यही चाहता हूँ, महोदय।”
फिर भी, मुझे लगता है कि अगर आपके पिता बीमार थे, तो आपको उनके पास आना ही पड़ता था।
जॉर्जेस ने मुझे बड़ी उत्सुकता से देखा। उसने कहा:
"क्षमा कीजिए महोदय। मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई।"

"आपको अपने पिता की देखभाल करने के लिए जाना पड़ा, है ना?"
“मैं जाना नहीं चाहता था, महोदय। मुझे एम. पोइरोट ने विदा किया।” “तुम्हें भेज दिया?” मैंने हैरानी से पूछा।
“महोदय, मेरा मतलब यह नहीं है कि उन्होंने मुझे नौकरी से निकाल दिया। समझौता यह था कि मैं बाद में उनकी सेवा में वापस आ जाऊँगा। लेकिन मैंने उनकी इच्छा से ही सेवा छोड़ी, और जब मैं अपने बूढ़े पिता के साथ यहाँ था, तब उन्होंने मेरे लिए उचित पारिश्रमिक की व्यवस्था की।”
"लेकिन क्यों, जॉर्जेस, क्यों?"
"मैं सचमुच कुछ नहीं कह सकता, महोदय।"
“क्या आपने पूछा नहीं?”
"नहीं, महोदय। मुझे नहीं लगता कि ऐसा करना मेरा काम है। महोदय, एम. पोइरोट के अपने विचार हमेशा से रहे हैं। वे बहुत ही बुद्धिमान सज्जन हैं, यह बात मैं हमेशा से समझता आया हूँ, महोदय, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ।"
“हां, हां,” मैंने अनमने भाव से बुदबुदाया।
"वह अपने कपड़ों को लेकर बहुत ही सजग थे - हालांकि उन्हें विदेशी और कुछ हद तक फैंसी कपड़े पहनने का शौक था, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा मतलब क्या है। लेकिन यह तो स्वाभाविक ही है, क्योंकि वह एक विदेशी सज्जन थे। उनके बाल और मूंछें भी वैसी ही थीं।"
“आह! वो मशहूर मूंछें।” मुझे उनकी मूंछों पर उनके गर्व को याद करके एक हल्की सी पीड़ा महसूस हुई।
जॉर्जेस ने आगे कहा, "वह अपनी मूंछों को लेकर बहुत ही खास थे। जिस तरह से वह उन्हें रखते थे, वह बहुत फैशनेबल नहीं था, लेकिन वह उन पर जंचती थी, महोदय, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा मतलब क्या है।"

मैंने कहा कि मुझे पता है। फिर मैंने धीरे से कहा:
"मुझे लगता है कि उसने अपने बालों के साथ-साथ इसे भी रंगा होगा?" "उन्होंने अपनी मूंछों को थोड़ा ठीक किया था - लेकिन अपने बालों को नहीं - हाल के वर्षों में तो बिल्कुल नहीं।"
मैंने कहा, "बकवास। यह कौवे की तरह काला था - बिल्कुल विग जैसा दिख रहा था, इतना अप्राकृतिक था।"
जॉर्जेस ने माफी मांगते हुए खांसा।
"क्षमा कीजिए महोदय, यह एक विग थी। एम. पोइरोट के बाल हाल ही में काफी झड़ गए थे, इसलिए उन्होंने विग का सहारा लिया।"
मुझे यह बात कितनी अजीब लगी कि एक नौकर अपने सबसे करीबी दोस्त की तुलना में किसी व्यक्ति के बारे में अधिक जानता हो।
मैं उस सवाल पर वापस लौट गया जिसने मुझे उलझन में डाल दिया था। लेकिन क्या आपको वाकई यह पता नहीं है कि एम. पोइरोट ने आपको इस तरह क्यों भेजा? सोचो, यार, सोचो।
जॉर्जेस ने ऐसा करने का प्रयास किया, लेकिन वह स्पष्ट रूप से सोचने में बहुत अच्छा नहीं था।
अंत में उन्होंने कहा, "मैं केवल यही अनुमान लगा सकता हूँ, महोदय, कि उन्होंने मुझे इसलिए बर्खास्त किया क्योंकि वे कर्टिस को काम पर रखना चाहते थे।"
“कर्टिस? वह कर्टिस से क्यों जुड़ना चाहेगा?”
जॉर्जेस को फिर खांसी आ गई।
"जी महोदय, मैं सचमुच कुछ नहीं कह सकता। जब मैंने उन्हें देखा, तो मुझे वे - क्षमा कीजिएगा - कोई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं लगे। शारीरिक रूप से वे बलवान तो थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे एम. पोइरोट की पसंद के व्यक्ति थे। मुझे लगता है कि वे एक समय मानसिक अस्पताल में सहायक रह चुके थे।"

मैंने जॉर्जेस को घूर कर देखा।
कर्टिस!
क्या यही कारण था कि पोइरोट ने मुझे इतनी कम जानकारी देने पर जोर दिया था? कर्टिस, वह अकेला आदमी जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था! हाँ, और पोइरोट को यही मंजूर था कि मैं स्टाइल्स में आए मेहमानों में उस रहस्यमय X की तलाश करूँ। लेकिन X कोई मेहमान नहीं था।
कर्टिस!
एक समय मानसिक अस्पताल में सहायक के रूप में काम किया। और क्या मैंने कहीं पढ़ा नहीं था कि जो लोग मानसिक अस्पतालों या शरणालयों में मरीज रह चुके हैं, वे कभी-कभी सहायक के रूप में वहीं रह जाते हैं या वापस चले जाते हैं?
एक विचित्र, गूंगा, मूर्ख दिखने वाला आदमी - एक ऐसा आदमी जो अपने किसी अजीबोगरीब विकृत कारण से किसी की हत्या भी कर सकता है... और अगर ऐसा है तो...
फिर तो एक बड़ा बादल मुझसे दूर चला जाएगा!
कर्टिस -?
परिशिष्ट भाग
(कैप्टन आर्थर हेस्टिंग्स की टिप्पणी:)
मेरे मित्र हरक्यूल पोइरोट की मृत्यु के चार महीने बाद मुझे निम्नलिखित पांडुलिपि प्राप्त हुई। मुझे एक वकीलों की फर्म से एक संदेश मिला जिसमें मुझे उनके कार्यालय में आने के लिए कहा गया था। वहाँ, "उनके मुवक्किल, स्वर्गीय श्री हरक्यूल पोइरोट के निर्देशों के अनुसार," उन्होंने मुझे एक सीलबंद पैकेट सौंपा। मैं इसकी सामग्री यहाँ प्रस्तुत कर रहा हूँ।
हरक्यूल पोइरोट द्वारा लिखित पांडुलिपि:

मेरा प्रिय मित्र,
जब आप ये शब्द पढ़ेंगे, तब तक मुझे मरे हुए चार महीने हो चुके होंगे। मैंने बहुत सोच-विचार किया है कि यहाँ जो लिखा है उसे लिखूँ या नहीं, और मैंने फैसला किया है कि दूसरे "अफेयर स्टाइल्स" के बारे में सच्चाई किसी को पता होनी चाहिए। साथ ही, मैं यह अनुमान भी लगाता हूँ कि जब तक आप इसे पढ़ेंगे, तब तक आप सबसे बेतुके सिद्धांत गढ़ चुके होंगे - और शायद खुद को तकलीफ भी दे रहे होंगे।
लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ: मेरे मित्र, आपको सच्चाई तक आसानी से पहुँच जाना चाहिए था। मैंने यह सुनिश्चित किया कि आपको हर संकेत मिले। यदि आप नहीं पहुँच पाए हैं, तो इसका कारण हमेशा की तरह आपका बहुत ही सुंदर और भरोसेमंद स्वभाव है। अंत में सब कुछ शुरुआत जैसा ही होता है।
लेकिन आपको कम से कम यह तो पता होना चाहिए कि नॉर्टन को किसने मारा - भले ही आपको अभी तक यह पता न हो कि बारबरा फ्रैंकलिन को किसने मारा। बाद वाली बात आपके लिए चौंकाने वाली हो सकती है। सबसे पहले, जैसा कि आप जानते हैं, मैंने आपको बुलवाया था। मैंने आपसे कहा था कि मुझे आपकी ज़रूरत है। यह सच था। मैंने आपसे कहा था कि मैं चाहता हूँ कि आप मेरे कान और मेरी आँखें बनें। यह भी सच था, बिलकुल सच - भले ही उस अर्थ में नहीं जिस अर्थ में आप इसे समझते हैं! आपको वही देखना था जो मैं चाहता था और वही सुनना था जो मैं चाहता था।
प्रिय मित्र, आपने शिकायत की थी कि मैंने इस मामले को "अनुचित" तरीके से प्रस्तुत किया। मैंने आपसे वह जानकारी छिपाई जो मुझे स्वयं थी। कहने का तात्पर्य यह है कि मैंने आपको X की पहचान बताने से इनकार कर दिया। यह बिल्कुल सही है। मुझे ऐसा करना पड़ा

- हालाँकि उन कारणों से नहीं जो मैंने बताए। आपको इसका कारण अभी पता चल जाएगा।
अब आइए X के इस मामले की जांच करें। मैंने आपको विभिन्न मामलों का सारांश दिखाया। मैंने आपको बताया कि प्रत्येक मामले में यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है कि आरोपी या संदिग्ध व्यक्ति ने वास्तव में संबंधित अपराध किए हैं, इसका कोई वैकल्पिक समाधान नहीं है। फिर मैंने दूसरे महत्वपूर्ण तथ्य पर ध्यान केंद्रित किया - कि प्रत्येक मामले में X या तो घटनास्थल पर मौजूद था या उससे घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। तब आप एक ऐसे निष्कर्ष पर पहुँच गए जो विरोधाभासी रूप से सत्य और असत्य दोनों था। आपने कहा कि X ने सभी हत्याएं की हैं।
लेकिन, मेरे दोस्त, परिस्थितियाँ ऐसी थीं कि हर मामले में (या लगभग हर मामले में) केवल आरोपी ही अपराध कर सकता था। दूसरी ओर, अगर ऐसा है, तो X का क्या कारण है? पुलिस बल से जुड़े व्यक्ति या किसी आपराधिक वकीलों की फर्म से जुड़े व्यक्ति के अलावा, किसी भी पुरुष या महिला का पाँच हत्या के मामलों में शामिल होना तर्कसंगत नहीं है। आप समझ रहे हैं, ऐसा होता ही नहीं! ऐसा कभी नहीं होता कि कोई गोपनीय रूप से कहे: "दरअसल, मैं पाँच हत्यारों को जानता हूँ!" नहीं, नहीं, मेरे दोस्त, ऐसा संभव नहीं है। इसलिए हमें यह विचित्र परिणाम मिलता है कि यहाँ उत्प्रेरण का मामला है - दो पदार्थों के बीच एक ऐसी प्रतिक्रिया जो केवल तीसरे पदार्थ की उपस्थिति में होती है, और वह तीसरा पदार्थ स्पष्ट रूप से प्रतिक्रिया में कोई भाग नहीं लेता और अपरिवर्तित रहता है। यही स्थिति है। इसका मतलब है कि जहाँ X मौजूद था, वहाँ अपराध हुए
- लेकिन X ने इन अपराधों में सक्रिय रूप से भाग नहीं लिया।

एक असाधारण, एक असामान्य स्थिति! और मैंने देखा कि अंततः, अपने करियर के अंत में, मुझे एक आदर्श अपराधी मिल गया था, एक ऐसा अपराधी जिसने ऐसी तकनीक ईजाद कर ली थी कि उसे कभी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता था।
यह अद्भुत था। लेकिन यह कोई नई बात नहीं थी। समानताएँ थीं। और यहीं से आपको मिलने वाले "सुरागों" में से पहला सुराग मिलता है। ओथेलो नाटक। क्योंकि वहाँ, शानदार ढंग से चित्रित, हमें X का मूल रूप मिलता है। इयागो एक आदर्श हत्यारा है। डेसडेमोना, कैसिया - और वास्तव में स्वयं ओथेलो की मृत्यु - ये सभी इयागो के अपराध हैं, जिनकी योजना उसने बनाई और जिन्हें उसने अंजाम दिया। और वह इस दायरे से बाहर रहता है, संदेह से अछूता - या रह सकता था। क्योंकि मेरे मित्र, आपके महान शेक्सपियर को उस दुविधा से निपटना पड़ा जो उनकी अपनी कला ने पैदा की थी। इयागो का पर्दाफाश करने के लिए, उन्हें सबसे भद्दे हथकंडे - रूमाल - का सहारा लेना पड़ा, जो इयागो की सामान्य तकनीक से बिल्कुल मेल नहीं खाता था और एक ऐसी गलती जिसके लिए यकीनन वह दोषी नहीं होता।
हाँ, हत्या की कला में वह परिपूर्ण है। प्रत्यक्ष संकेत का एक शब्द भी नहीं। वह हमेशा दूसरों को हिंसा से रोकता है, उन शंकाओं का घोर खंडन करता है जो उसके उल्लेख करने से पहले तक किसी ने नहीं की थीं!
और यही तकनीक जॉन फर्ग्यूसन के शानदार तीसरे अंक में भी देखने को मिलती है - जहाँ "कम अक्ल" क्लुटी जॉन दूसरों को उस आदमी को मारने के लिए उकसाता है जिससे वह खुद नफरत करता है। यह मनोवैज्ञानिक संकेत का एक अद्भुत उदाहरण है।
हेस्टिंग्स, अब आपको यह समझना होगा। हर कोई एक संभावित हत्यारा है - हर किसी के मन में समय-समय पर हत्या करने की इच्छा उठती है -

हालांकि हत्या करने का इरादा नहीं होता। आपने कितनी बार खुद ऐसा महसूस नहीं किया है या दूसरों को ऐसा कहते नहीं सुना है: "उसने मुझे इतना गुस्सा दिलाया कि मेरा मन किया कि मैं उसे मार डालूँ!" "मैंने बी. को मार डाला होता, क्योंकि उसने ऐसा कहा था!" "मैं इतना गुस्से में था कि मैं उसकी हत्या कर सकता था!" और ये सभी बातें सचमुच सच होती हैं। ऐसे क्षणों में आपका मन बिल्कुल शांत होता है। आप किसी को मारना चाहते हैं। लेकिन आप ऐसा नहीं करते। आपकी इच्छा को आपके इरादे से सहमत होना पड़ता है। छोटे बच्चों में, यह नियंत्रण अभी पूरी तरह से काम नहीं करता है। मैंने एक बच्चे को देखा है, जो अपनी बिल्ली के बच्चे से परेशान होकर कहता है: "शांत रहो वरना मैं तुम्हारे सिर पर मार डालूँगा और तुम्हें मार डालूँगा" और सचमुच ऐसा कर भी देता है - और एक पल बाद जब उसे एहसास होता है कि बिल्ली के बच्चे की जान नहीं लौटेगी तो वह स्तब्ध और भयभीत हो जाता है - क्योंकि, दरअसल, बच्चा उस बिल्ली के बच्चे से बहुत प्यार करता है। तो फिर, हम सभी संभावित हत्यारे हैं। और X की कला यह थी: इच्छा को जगाना नहीं, बल्कि सामान्य शालीन प्रतिरोध को तोड़ना। यह कला उसने लंबे अभ्यास से निपुणता प्राप्त की थी। X को ठीक-ठीक शब्द, ठीक-ठीक वाक्यांश, यहाँ तक कि स्वर-लहर भी पता थी, जिससे वह किसी कमजोर बिंदु पर दबाव बनाकर उसे उत्तेजित कर सके! यह संभव था। और यह सब पीड़ित को बिना शक हुए किया गया। यह सम्मोहन नहीं था - सम्मोहन सफल नहीं होता। यह कुछ अधिक कपटी, अधिक घातक था। यह किसी दरार को भरने के बजाय उसे और चौड़ा करने के लिए मनुष्य की शक्तियों का उपयोग करना था। इसने मनुष्य के सर्वोत्तम गुणों को जगाकर उन्हें उसके सबसे बुरे गुणों के साथ मिला दिया।

आपको पता होना चाहिए, हेस्टिंग्स - क्योंकि यह आपके साथ भी हो चुका है...
तो अब शायद आपको समझ आ रहा होगा कि मेरी कुछ बातों का, जिनसे आपको गुस्सा और उलझन हुई, असल मतलब क्या था। जब मैंने किसी अपराध की बात की, तो मेरा मतलब हमेशा एक ही अपराध से नहीं था। मैंने आपको बताया था कि मैं स्टाइल्स में एक मकसद से गया था। मैंने कहा था कि मैं वहाँ इसलिए था क्योंकि एक अपराध होने वाला था। आपको मेरी इस बात पर यकीन देखकर हैरानी हुई होगी। लेकिन मुझे यकीन था - क्योंकि वो अपराध तो मैं खुद ही करने वाला था... हाँ, मेरे मित्र, यह अजीब है - हास्यास्पद है - और भयानक भी! मैं, जो हत्या का विरोध करता हूँ - मैं, जो मानव जीवन को महत्व देता हूँ - ने हत्या करके अपने करियर का अंत किया है। शायद इसलिए कि मैं बहुत आत्मधर्मी था, सत्यनिष्ठा के प्रति बहुत सचेत था - कि यह भयानक दुविधा मेरे सामने आ गई। क्योंकि देखो, हेस्टिंग्स, इसके दो पहलू हैं। निर्दोषों को बचाना - हत्या को रोकना - मेरा जीवन का उद्देश्य है - और यह - यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं इसे कर सकता हूँ! कोई गलती मत करना। X को कानून छू भी नहीं सकता था। वह सुरक्षित था। मेरी किसी भी सूझबूझ से उसे किसी और तरीके से हराया नहीं जा सकता था।
फिर भी, मेरे दोस्त – मैं अनिच्छुक था। मुझे पता था कि क्या करना है – लेकिन मैं उसे करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। मैं हैमलेट की तरह था – हमेशा बुरे दिन को टालता रहता था... और फिर अगला प्रयास हुआ – श्रीमती लुटरेल पर हमला।
हेस्टिंग्स, मैं यह देखने के लिए उत्सुक था कि स्पष्ट बातों को पकड़ लेने की आपकी प्रसिद्ध क्षमता काम आएगी या नहीं। और यह काम कर गई। आपकी पहली प्रतिक्रिया नॉर्टन के प्रति हल्का संदेह थी।

और आप बिल्कुल सही थे। नॉर्टन ही वह व्यक्ति था। आपके इस विश्वास का कोई ठोस कारण नहीं था - सिवाय इस पूरी तरह से सही, हालांकि थोड़े अधूरे मन से दिए गए सुझाव के कि वह महत्वहीन था। मुझे लगता है, इस मामले में आप सच्चाई के बहुत करीब पहुँच गए थे। मैंने उनके जीवन इतिहास का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है। वे एक प्रभावशाली और दबंग महिला के इकलौते पुत्र थे। ऐसा प्रतीत होता है कि उनमें कभी भी आत्म-अभिमान करने या दूसरों पर अपना प्रभाव डालने की कोई प्रतिभा नहीं थी। वे हमेशा से थोड़े लंगड़े रहे हैं और विद्यालय में खेलों में भाग लेने में असमर्थ थे।
आपने मुझे जो सबसे महत्वपूर्ण बातें बताईं, उनमें से एक यह थी कि स्कूल में एक मरे हुए खरगोश को देखकर लगभग उल्टी करने पर उसका मज़ाक उड़ाया गया था। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी घटना थी जिसने उस पर गहरा प्रभाव छोड़ा होगा। उसे खून-खराबा और हिंसा नापसंद थी और इसके परिणामस्वरूप उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। अवचेतन रूप से, मैं कहूँ, वह साहसी और निर्दयी बनकर खुद को सुधारने की प्रतीक्षा कर रहा था।
मुझे लगता है कि उन्होंने कम उम्र में ही लोगों को प्रभावित करने की अपनी क्षमता को पहचानना शुरू कर दिया था। वे अच्छे श्रोता हैं, शांत स्वभाव के हैं और सहानुभूतिपूर्ण व्यक्तित्व के हैं। लोग उन्हें पसंद तो करते थे, लेकिन साथ ही उन पर ज्यादा ध्यान भी नहीं देते थे। उन्हें यह बात खटकती थी - और फिर उन्होंने इसका फायदा उठाया। उन्होंने पाया कि सही शब्दों का प्रयोग करके और सही प्रेरणा देकर अपने साथी मनुष्यों को प्रभावित करना कितना आसान है। इसके लिए बस इतना ही ज़रूरी था कि

उन्हें समझा जाए - उनके विचारों, उनकी गुप्त प्रतिक्रियाओं और इच्छाओं को समझा जाए।
हेस्टिंग्स, क्या आप समझ सकते हैं कि ऐसी खोज सत्ता के अहंकार को बढ़ावा दे सकती है? यहाँ स्टीफन नॉर्टन थे, जिन्हें हर कोई पसंद भी करता था और नापसंद भी करता था - और वे लोगों से वो काम करवा सकते थे जो वे करना नहीं चाहते थे - या (ध्यान दें) जो उन्हें लगता था कि वे नहीं करना चाहते।
मैं कल्पना कर सकता हूँ कि वह अपने इस शौक को कैसे विकसित कर रहा है... और धीरे-धीरे दूसरों से हिंसा सीखने की विकृत रुचि विकसित कर रहा है। वह हिंसा जिसके लिए उसमें शारीरिक शक्ति की कमी थी और जिसके अभाव में उसका उपहास किया जाता था।
हाँ, उसका शौक बढ़ता ही गया, यहाँ तक कि वह एक जुनून, एक ज़रूरत बन गया! यह एक नशा था, हेस्टिंग्स - एक ऐसा नशा जो अफीम या कोकीन की तरह ही तीव्र लालसा पैदा करता था।
नॉर्टन, जो स्वभाव से सौम्य और प्रेमप्रिय व्यक्ति थे, एक गुप्त क्रूर व्यक्ति थे। उन्हें दर्द और मानसिक यातना की लत थी। हाल के वर्षों में दुनिया में यह एक महामारी की तरह फैल गया है - भूख खाने से आती है।
इसने दो वासनाओं को तृप्त किया - एक क्रूर व्यक्ति की वासना और दूसरी सत्ता की वासना। नॉर्टन के पास जीवन और मृत्यु दोनों की चाबियां थीं।
अन्य नशेड़ियों की तरह, उसे भी नशे की लत लग गई थी। उसने एक के बाद एक कई लोगों को अपना शिकार बनाया। मुझे पूरा यकीन है कि मैंने जिन पाँच मामलों का पता लगाया है, उनसे कहीं ज़्यादा मामले रहे होंगे। हर मामले में उसकी भूमिका एक जैसी थी। वह एथरिंगटन को जानता था, एक गर्मी उसने उस गाँव में बिताई जहाँ

रिग्स रहता था और स्थानीय पब में रिग्स के साथ शराब पी। एक क्रूज़ पर उसकी मुलाकात फ्रेडा क्ले नाम की लड़की से हुई और उसने उसके इस अधूरे विश्वास को और मज़बूत किया कि अगर उसकी बूढ़ी चाची मर जाए तो यह वास्तव में एक अच्छी बात होगी - चाची को मुक्ति मिलेगी और खुद फ्रेडा को आर्थिक रूप से सुखी और आनंदमय जीवन मिलेगा। वह लिचफील्ड परिवार का दोस्त था और उससे बात करते समय मार्गरेट लिचफील्ड खुद को एक ऐसी नायिका के रूप में देखती थी जो अपनी बहनों को आजीवन कारावास से मुक्ति दिला रही हो। लेकिन हेस्टिंग्स, मुझे नहीं लगता कि नॉर्टन के प्रभाव के बिना इनमें से कोई भी व्यक्ति ऐसा करता।
अब हम स्टाइल्स में घटी घटनाओं पर आते हैं। मैं कुछ समय से नॉर्टन पर नज़र रख रहा था। उनकी मुलाकात फ्रैंकलिन परिवार से हुई और मुझे तुरंत खतरे का आभास हो गया। आपको यह समझना होगा कि नॉर्टन को भी काम करने के लिए एक आधार की आवश्यकता होती है। आप किसी चीज़ को तभी विकसित कर सकते हैं जब उसका बीज पहले से मौजूद हो। उदाहरण के लिए, ओथेलो में, मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि ओथेलो के मन में पहले से ही यह दृढ़ विश्वास (संभवतः सही) था कि डेसडेमोना का उसके प्रति प्रेम एक युवा लड़की द्वारा एक प्रसिद्ध योद्धा के प्रति भावुक और असंतुलित प्रेम था, न कि एक स्त्री का ओथेलो पुरुष के प्रति संतुलित प्रेम। हो सकता है कि उसे यह एहसास हो गया हो कि कैसियो ही उसका सच्चा साथी था और समय आने पर डेसडेमोना को भी इस बात का एहसास हो जाएगा।
फ्रैंकलिन परिवार ने हमारे नॉर्टन के लिए एक बेहद सुखद संभावना प्रस्तुत की। हर तरह की संभावनाएं! हेस्टिंग्स, अब तक आप समझ ही गए होंगे (जो बात कोई भी समझदार व्यक्ति शुरू से ही स्पष्ट रूप से देख सकता था), कि फ्रैंकलिन जूडिथ से प्यार करता था और जूडिथ

का सबसे बड़ा जुनून उनका काम है। काम में उनकी तल्लीनता उन्हें बहुत कम कमजोर बनाती है।
जूडिथ के साथ नॉर्टन कहीं अधिक सफल रहा। उसने निरर्थक जीवन के विषय पर बड़ी चतुराई से खेला। यह जूडिथ के लिए आस्था का विषय था
- और यह तथ्य कि उसकी गुप्त इच्छाएँ इससे मेल खाती थीं, एक ऐसा तथ्य था जिसे वह पूरी तरह से अनदेखा करती थी, जबकि नॉर्टन इसे अपना सहयोगी मानता था। वह इसमें बहुत चालाक था - खुद को विपरीत दृष्टिकोण में रखते हुए, इस विचार का हल्के से मज़ाक उड़ाता था कि जूडिथ में कभी इतना बड़ा कदम उठाने की हिम्मत होगी। "यह वही बात है जो सभी युवा कहते हैं - लेकिन कभी करते नहीं!" कितना पुराना और घटिया ताना - और हेस्टिंग्स, यह कितनी बार कारगर होता है! ये बच्चे कितने भोले होते हैं! वे भले ही इसे न समझें, लेकिन चुनौती स्वीकार करने के लिए कितने तैयार रहते हैं!
और जब बेकार बारबरा रास्ते से हट गई, तो फ्रैंकलिन और जूडिथ के लिए रास्ता साफ हो गया। यह बात कभी कही नहीं गई - इसे कभी खुलकर सामने नहीं आने दिया गया। इस बात पर ज़ोर दिया गया कि निजी पहलू का इससे कोई लेना-देना नहीं है - बिलकुल भी नहीं। क्योंकि अगर जूडिथ को एक बार भी पता चल जाता कि इसका निजी पहलू है, तो वह हिंसक प्रतिक्रिया देती। लेकिन नॉर्टन जैसे हत्या के आदी व्यक्ति के लिए, एक ही तरीका काफी नहीं था। उसे हर जगह आनंद के अवसर दिखाई देते थे। उसे लुट्रेल परिवार में ऐसा ही एक अवसर मिल गया।
हेस्टिंग्स, ज़रा पीछे मुड़कर देखो। उस पहली शाम को याद करो जब तुमने ब्रिज खेला था। उसके बाद नॉर्टन ने तुमसे जो कहा था, वो इतनी ज़ोर से कहा था कि तुम्हें डर था कि कर्नल लुटरेल सुन लेंगे। बिलकुल! नॉर्टन चाहता था कि वो सुनें! वो इसे ज़ोर देकर

कहने का कोई मौका नहीं छोड़ता था, बल्कि चिढ़ाने का मौका देता था।
और अंततः उनके प्रयासों का फल मिला। हेस्टिंग्स, यह सब तुम्हारी नाक के नीचे हुआ और तुमने कभी नहीं देखा कि यह कैसे हुआ। बुनियाद पहले ही रखी जा चुकी थी - बोझ का बढ़ता हुआ एहसास, दूसरे पुरुषों के सामने अपनी छवि को लेकर शर्मिंदगी, और पत्नी के प्रति गहरा बढ़ता हुआ आक्रोश।
ठीक से याद करो कि क्या हुआ था। नॉर्टन कहता है कि उसे प्यास लगी है। (क्या उसे पता था कि श्रीमती लुटरेल घर में हैं और सब कुछ देख लेंगी?) कर्नल तुरंत एक उदार मेज़बान की तरह प्रतिक्रिया करता है, जैसा कि वह स्वभाव से है। वह पेय पदार्थ पेश करता है। वह उन्हें लेने जाता है। आप सभी खिड़की के बाहर बैठे हैं। उसकी पत्नी आती है - और वही अपरिहार्य दृश्य होता है - जिसे वह जानता है कि कोई सुन रहा है। वह बाहर आता है। इसे एक अच्छे बहाने से संभाला जा सकता था - बॉयड कैरिंगटन इसे बखूबी निभा सकते थे। (उनमें कुछ हद तक सांसारिक ज्ञान और एक सलीकेदार व्यवहार है - हालांकि अन्यथा वह मेरे सामने आए सबसे घमंडी और उबाऊ व्यक्तियों में से एक हैं! बिल्कुल वैसा ही आदमी जिसकी आप प्रशंसा करेंगे!) आप खुद भी कुछ बुरा नहीं कर सकते थे। लेकिन नॉर्टन जल्दबाजी में बोलना शुरू कर देता है, भारी-भरकम, मूर्खतापूर्ण तरीके से, सलीके पर इतना ज़ोर देता है कि वह आसमान तक चीखता है और स्थिति को और भी बदतर बना देता है। वह ब्रिज के बारे में बड़बड़ाता है (और भी अपमान याद दिलाता है), शूटिंग दुर्घटनाओं के बारे में बेमतलब की बातें करता है। और ठीक उसी समय, जैसा कि नॉर्टन चाहता था, वह बूढ़ा बेवकूफ बॉयड कैरिंगटन एक आयरिश बैटमैन की कहानी सुनाने के लिए आ जाता है जिसने उसके

भाई को गोली मार दी थी - एक कहानी, हेस्टिंग्स, जो नॉर्टन ने बॉयड कैरिंगटन को सुनाई थी, यह जानते हुए कि वह बूढ़ा मूर्ख मौका मिलते ही इसे अपनी कहानी बता देगा। देखो, सबसे बड़ा सुझाव नॉर्टन से नहीं आएगा। हे भगवान, बिलकुल नहीं!
अब सब कुछ तय हो चुका है। संचयी प्रभाव। निर्णायक मोड़। मेज़बान के रूप में अपनी सहज प्रवृत्ति से आहत - अपने साथियों के सामने शर्मिंदा, इस ज्ञान से तड़पता हुआ कि वे पूरी तरह आश्वस्त हैं कि उसमें धमकियों के आगे दबे पांव झुकने के अलावा कुछ भी करने का साहस नहीं है - और फिर बचने के लिए कहे गए शब्द। रूक राइफल, दुर्घटनाएँ - वह आदमी जिसने उसके भाई को गोली मारी - और अचानक, ऊपर उठते हुए, उसकी पत्नी का सिर... "बिल्कुल सुरक्षित
- एक दुर्घटना... मैं उन्हें सबक सिखाऊंगा... मैं उसे सबक सिखाऊंगा... धिक्कार है उसे! काश वह मर जाती... वह मर जाएगी!" हेस्टिंग्स, उसने उसे नहीं मारा। मुझे तो लगता है कि गोली चलाते समय भी, उसने जानबूझकर निशाना चूका दिया। और उसके बाद—उसके बाद बुरा असर खत्म हो गया। वह उसकी पत्नी थी, वह औरत जिससे वह हर हाल में प्यार करता था।
नॉर्टन के उन अपराधों में से एक जो पूरी तरह से सफल नहीं हो पाया।
आह, लेकिन उसका अगला प्रयास! क्या तुम्हें एहसास है, हेस्टिंग्स, कि अगला नंबर तुम्हारा ही था? ज़रा पीछे मुड़कर देखो - सब कुछ याद करो। तुम, मेरे ईमानदार, दयालु हेस्टिंग्स! उसने तुम्हारे मन की हर कमज़ोरी ढूंढ ली - हाँ, और हर नेक और ईमानदार पहलू भी।
एलर्टन एक ऐसा व्यक्ति है जिसे देखकर आप स्वाभाविक रूप से नापसंद और भयभीत हो जाते हैं। वह ऐसा व्यक्ति है जिसे आप मिटा

देना चाहते हैं। और आपने उसके बारे में जो कुछ भी सुना और सोचा था, वह सब सच था। नॉर्टन आपको उसके बारे में एक कहानी सुनाता है - तथ्यों के हिसाब से यह पूरी तरह से सच्ची कहानी है। (हालांकि वास्तव में वह लड़की मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और गरीब परिवार से थी।)
यह आपकी पारंपरिक और कुछ हद तक पुराने विचारों को आकर्षित करता है। यह आदमी खलनायक है, बहकाने वाला है, वह आदमी है जो लड़कियों को बर्बाद करता है और उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर करता है! नॉर्टन, बॉयड कैरिंगटन को भी आपसे निपटने के लिए उकसाता है। आपको "जुडिथ से बात करने" के लिए प्रेरित किया जाता है। जैसा कि अनुमान लगाया जा सकता था, जुडिथ तुरंत जवाब देती है कि वह अपने जीवन के साथ वही करेगी जो वह चाहेगी। इससे आप सबसे बुरे की आशंका करने लगते हैं।
अब देखिए, नॉर्टन किन-किन चरणों पर अपनी कला का प्रदर्शन करता है। अपने बच्चे के प्रति आपका प्रेम। अपने बच्चों के प्रति आप जैसे पुरुष की गहरी, पुराने ज़माने की ज़िम्मेदारी की भावना। आपके स्वभाव का थोड़ा सा आत्म-महत्व। “मुझे कुछ करना ही होगा। सब कुछ मुझ पर निर्भर करता है।” अपनी पत्नी के विवेकपूर्ण निर्णय की कमी के कारण आपकी बेबसी। आपकी वफ़ादारी - मुझे उसे निराश नहीं करना चाहिए। और, इसके निचले स्तर पर, आपका घमंड - मेरे साथ रहने से आपने धंधे के सारे गुर सीख लिए हैं! और अंत में, वह आंतरिक भावना जो अधिकांश पुरुषों में अपनी बेटियों के लिए होती है - एक पिता की उस पुरुष के प्रति अकारण ईर्ष्या और नापसंदगी जो उसकी बेटी को उससे छीन लेता है। हेस्टिंग्स, नॉर्टन ने इन सभी धुनों पर एक माहिर कलाकार की तरह प्रदर्शन किया। और आपने प्रतिक्रिया दी।

आप बातों को बिना सोचे-समझे ही मान लेते हैं। आप हमेशा से ऐसा करते आए हैं। आपने बड़ी आसानी से यह मान लिया कि समरहाउस में एलर्टन जूडिथ से बात कर रहा था। फिर भी आपने उसे देखा नहीं, आपने उसकी आवाज़ भी नहीं सुनी। और हैरानी की बात यह है कि अगली सुबह भी आपको यही लगा कि वह जूडिथ ही थी। आप खुश हुए क्योंकि उसने अपना इरादा बदल लिया था।
लेकिन अगर आपने तथ्यों की जांच करने की ज़हमत उठाई होती, तो आपको तुरंत पता चल जाता कि उस दिन जूडिथ के लंदन जाने का कोई सवाल ही नहीं था! और आप एक और बेहद स्पष्ट निष्कर्ष निकालने में नाकाम रहे। कोई और भी था जो उस दिन बाहर जा रहा था - और जो ऐसा न कर पाने से बेहद नाराज़ था। नर्स क्रेवन। एलर्टन ऐसा आदमी नहीं है जो सिर्फ एक औरत के पीछे पड़ा रहे! नर्स क्रेवन के साथ उसका रिश्ता जूडिथ के साथ चल रहे मामूली छेड़छाड़ से कहीं आगे बढ़ चुका था।
नहीं, स्टेज मैनेजमेंट फिर से नॉर्टन द्वारा ही किया गया है। आपने एलर्टन और जूडिथ को चुंबन करते देखा। तभी नॉर्टन आपको धक्का देकर कोने में धकेल देता है। उसे यकीनन पता है कि एलर्टन समरहाउस में नर्स क्रेवन से मिलने जा रहा है। थोड़ी बहस के बाद वह आपको जाने देता है, लेकिन फिर भी आपके साथ आता है। एलर्टन जो वाक्य बोलता है, वह उसके मकसद के लिए एकदम सटीक है और इससे पहले कि आपको पता चले कि वह औरत जूडिथ नहीं है, वह आपको झट से खींचकर दूर ले जाता है!
जी हां, आप तो उस्ताद हैं! और इन सभी विषयों पर आपकी प्रतिक्रिया तत्काल और पूर्ण है! आपने जवाब दिया। आपने हत्या करने का फैसला कर लिया।

लेकिन सौभाग्य से, हेस्टिंग्स, आपके पास एक ऐसा दोस्त था जिसका दिमाग अभी भी काम कर रहा था। और सिर्फ उसका दिमाग ही नहीं! मैंने शुरुआत में ही कहा था कि अगर आप सच्चाई तक नहीं पहुँच पाए हैं, तो इसका कारण आपका अत्यधिक भरोसेमंद स्वभाव है। आप कही गई बातों पर विश्वास कर लेते हैं। आपने मेरी कही बातों पर भी विश्वास कर लिया...
फिर भी, आपके लिए सच्चाई का पता लगाना बहुत आसान था। मैंने जॉर्जेस को क्यों भेजा था? मैंने उसकी जगह एक कम अनुभवी और स्पष्ट रूप से कम बुद्धिमान व्यक्ति को क्यों रखा था? मैं डॉक्टर की देखरेख में क्यों नहीं थी? मैं, जो हमेशा अपनी सेहत का ख्याल रखती हूँ, डॉक्टर के पास जाने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी।
अब समझ में आया कि स्टाइल्स में मेरी ज़रूरत क्यों थी? मुझे ऐसे किसी व्यक्ति की ज़रूरत थी जो मेरी बात बिना सवाल किए मान ले। आपने मेरी इस बात को मान लिया कि मैं मिस्र से पहले से कहीं ज़्यादा बुरी हालत में लौटा था। ऐसा नहीं था। मैं तो बहुत बेहतर होकर लौटा था! अगर आपने थोड़ी सी भी कोशिश की होती तो आपको सच्चाई पता चल जाती। लेकिन नहीं, आपने विश्वास कर लिया। मैंने जॉर्जेस को इसलिए दूर भेज दिया क्योंकि मैं उसे यह यकीन नहीं दिला सकता था कि मेरे अंगों में अचानक सारी ताकत खत्म हो गई है। जॉर्जेस बहुत समझदार है। वह समझ जाता कि मैं नाटक कर रहा हूँ। क्या तुम समझते हो, हेस्टिंग्स? जिस पूरे समय मैं असहाय होने का नाटक कर रही थी और कर्टिस को धोखा दे रही थी, उस समय मैं बिलकुल भी असहाय नहीं थी। मैं चल सकती थी - लंगड़ाकर ही सही।

मैंने उस शाम आपको आते सुना। मैंने आपको हिचकिचाते हुए सुना और फिर आप एलर्टन के कमरे में चले गए। और मैं तुरंत सतर्क हो गया। मैं पहले से ही आपकी मानसिक स्थिति को लेकर बहुत चिंतित था। मैंने देर नहीं की। मैं अकेला था। कर्टिस रात का खाना खाने नीचे चला गया था। मैं चुपके से अपने कमरे से निकला और गलियारे से होते हुए दूसरी तरफ चला गया। मैंने तुम्हें एलर्टन के बाथरूम में सुना। और तुरंत, मेरे दोस्त, उसी अंदाज़ में जिसकी तुम इतनी निंदा करते हो, मैं घुटनों के बल बैठ गया और बाथरूम के दरवाजे के ताले के छेद से झाँका। सौभाग्य से, उसके आर-पार देखा जा सकता था, क्योंकि अंदर कुंडी लगी थी, चाबी नहीं।
मैंने नींद की गोलियों के साथ आपकी हेराफेरी को भांप लिया। मुझे आपका इरादा समझ आ गया।
और इसलिए, मेरे दोस्त, मैंने कार्रवाई की। मैं अपने कमरे में वापस चला गया। मैंने अपनी तैयारियाँ कीं। जब कर्टिस ऊपर आया, तो मैंने उसे तुम्हें बुलाने के लिए भेजा। तुम जम्हाई लेते हुए आए और बताया कि तुम्हें सिरदर्द है। मैंने तुरंत हंगामा खड़ा कर दिया - तुम्हें कई उपाय सुझाए। शांति बनाए रखने के लिए तुम एक कप चॉकलेट पीने के लिए राज़ी हो गए। तुमने उसे जल्दी से पी लिया ताकि जल्दी से वहाँ से निकल सको। लेकिन मेरे पास भी, मेरे दोस्त, कुछ नींद की गोलियाँ हैं।
और इसलिए, आप सो गए - सुबह तक सोते रहे, जब आप होश में आए तो आप यह देखकर भयभीत हो गए कि आपने लगभग क्या कर दिया था।
अब आप सुरक्षित थे - कोई भी इन चीजों को दोबारा करने की कोशिश नहीं करता - खासकर तब जब कोई व्यक्ति होश में आ गया हो।
लेकिन इसने मुझे निर्णायक बना दिया, हेस्टिंग्स! क्योंकि जो कुछ मैं अन्य लोगों के बारे में नहीं जानता था, वह तुम पर लागू

नहीं होता था। तुम हत्यारे नहीं हो, हेस्टिंग्स! लेकिन तुम्हें एक हत्या के लिए फांसी दी जा सकती थी - एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की गई हत्या के लिए जो कानून की नजर में निर्दोष होता।
आप, मेरे प्यारे, मेरे ईमानदार, मेरे अत्यंत सम्माननीय हेस्टिंग्स - इतने दयालु, इतने कर्तव्यनिष्ठ - इतने निर्दोष! हाँ, मुझे कुछ करना ही होगा। मुझे पता था कि मेरा समय कम है - और इस बात से मैं खुश था। हेस्टिंग्स, हत्या का सबसे बुरा पहलू हत्यारे पर उसका असर होता है। मैं, हरक्यूल पोइरोट, शायद यह सोचने लगूँ कि मुझे ईश्वर ने सबको मौत देने के लिए चुना है... लेकिन सौभाग्य से, ऐसा होने का समय नहीं होगा। अंत जल्द ही आ जाएगा। और मुझे डर था कि नॉर्टन किसी ऐसे व्यक्ति को मारने में सफल हो सकता है जो हम दोनों के लिए बेहद प्रिय था। मैं आपकी बेटी की बात कर रहा हूँ...
और अब हम बारबरा फ्रैंकलिन की मृत्यु पर आते हैं। हेस्टिंग्स, इस विषय पर आपके जो भी विचार हों, मुझे नहीं लगता कि आपने कभी सच्चाई पर संदेह किया होगा।
क्योंकि हेस्टिंग्स, तुमने बारबरा फ्रैंकलिन की हत्या की थी। हाँ, आपने किया!
दरअसल, इस त्रिकोण का एक और पहलू भी था। एक ऐसा पहलू जिसे मैंने पूरी तरह से ध्यान में नहीं रखा था। संयोगवश, नॉर्टन की रणनीति हम दोनों में से किसी को भी दिखाई या सुनाई नहीं दी। लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने उनका इस्तेमाल किया होगा... हेस्टिंग्स, क्या कभी आपके मन में यह सवाल आया कि श्रीमती फ्रैंकलिन स्टाइल्स आने के लिए क्यों तैयार हुईं? ज़रा सोचिए, स्टाइल्स तो उनके स्वभाव के बिल्कुल विपरीत है। उन्हें आराम, अच्छा खाना और सबसे बढ़कर सामाजिक मेलजोल पसंद है। स्टाइल्स

कोई चहल-पहल वाला शहर नहीं है - वहाँ व्यवस्था भी अच्छी नहीं है - वह तो बिल्कुल सुनसान इलाका है। फिर भी, श्रीमती फ्रैंकलिन ने ही वहाँ गर्मियों की छुट्टियाँ बिताने की ज़िद की।
हाँ, एक तीसरा पहलू भी था - बॉयड कैरिंगटन। श्रीमती फ्रैंकलिन एक निराश महिला थीं। यही उनकी मानसिक बीमारी का मूल कारण था। वह सामाजिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से महत्वाकांक्षी थीं। उन्होंने फ्रैंकलिन से इसलिए शादी की क्योंकि उन्हें उनसे एक शानदार करियर की उम्मीद थी।
वह प्रतिभाशाली तो था, लेकिन उसके नज़रिए से नहीं। उसकी प्रतिभा उसे कभी अखबारों में प्रसिद्धि या हार्ले स्ट्रीट जैसी प्रतिष्ठा नहीं दिला सकती थी। वह अपने पेशे के कुछ गिने- चुने लोगों को ही जानता और विद्वतापूर्ण पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित करता। बाहरी दुनिया को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होती और वह निश्चित रूप से पैसा भी नहीं कमाता।
और ये हैं बॉयड कैरिंगटन - पूरब से लौटे हुए - जिन्हें हाल ही में बैरोनेट की उपाधि और धन मिला है। बॉयड कैरिंगटन हमेशा से उस सत्रह वर्षीय सुंदर लड़की के प्रति भावुक रहे हैं, जिससे उन्होंने लगभग शादी का प्रस्ताव रख दिया था। वे स्टाइल्स जा रहे हैं, और वे फ्रैंकलिन परिवार को भी साथ आने का सुझाव देते हैं - और बारबरा भी उनके साथ आती है।
उसके लिए यह कितना परेशान करने वाला है! ज़ाहिर है, इस अमीर और आकर्षक आदमी के लिए उसका पुराना आकर्षण ज़रा भी कम नहीं हुआ है - लेकिन वह पुराने ख्यालों का आदमी है - तलाक का प्रस्ताव रखने वाला आदमी नहीं। और जॉन फ्रैंकलिन को भी तलाक से कोई मतलब नहीं है। अगर जॉन फ्रैंकलिन की मृत्यु हो जाए - तो वह लेडी बॉयड कैरिंगटन बन सकती है - और ओह, वह कितना शानदार जीवन होगा!

मुझे लगता है कि नॉर्टन को वह एक बहुत ही आसान उपकरण के रूप में मिली।
हेस्टिंग्स, ज़रा सोचो तो सब कुछ साफ़ था। अपने पति के प्रति अपने प्यार को ज़ाहिर करने की उसकी शुरुआती कुछ कोशिशें। उसने कुछ ज़्यादा ही कर दिया - यह कहते हुए कि वह "सब कुछ खत्म कर देगी" क्योंकि वह उसके लिए बोझ बन गई थी।
और फिर एक बिलकुल नई बात। उसे डर था कि फ्रैंकलिन खुद पर ही प्रयोग कर सकता है।
हेस्टिंग्स, यह तो हमें बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए था! वह हमें जॉन फ्रैंकलिन की फिज़ोस्टिग्माइन ज़हर से मृत्यु के लिए तैयार कर रही थी। आप देखिए, किसी के द्वारा उन्हें ज़हर देने की कोशिश का तो सवाल ही नहीं उठता - बिलकुल नहीं - यह तो बस विशुद्ध वैज्ञानिक शोध था। उन्होंने हानिरहित एल्कलॉइड लिया, और अंततः वह हानिकारक निकला।
बस एक ही बात थी कि सब कुछ थोड़ा जल्दी हो गया। आपने मुझे बताया था कि नर्स क्रेवन द्वारा बॉयड कैरिंगटन का भविष्य बताने पर वह खुश नहीं थी। नर्स क्रेवन एक आकर्षक युवती थी, जिसकी पुरुषों को पहचानने की गहरी समझ थी। उसने डॉ. फ्रैंकलिन के साथ कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली थी। (इसीलिए वह जूडिथ को नापसंद करती थी।) वह एलर्टन के साथ संबंध बनाए हुए थी - लेकिन वह अच्छी तरह जानती थी कि वह गंभीर नहीं है। यह स्वाभाविक था कि उसकी नज़र अमीर और अभी भी आकर्षक सर विलियम पर पड़ी। और सर विलियम शायद आकर्षित होने के लिए पूरी तरह तैयार थे। उन्होंने पहले ही नर्स क्रेवन को एक स्वस्थ, सुंदर लड़की के रूप में देखा था।

बारबरा फ्रैंकलिन घबरा जाती है और तुरंत कार्रवाई करने का फैसला करती है। जितनी जल्दी वह एक दयनीय, आकर्षक और सांत्वनाहीन विधवा बन जाए, उतना ही अच्छा है।
और इस तरह, घबराहट भरी सुबह के बाद, वह माहौल तैयार करती है। क्या आपको पता है, मेरे मित्र, मुझे कैलाबार बीन के लिए कुछ सम्मान है। इस बार, आपने देखा, यह कारगर साबित हुआ। इसने निर्दोषों को बचा लिया और दोषियों को मार डाला।
श्रीमती फ्रैंकलिन आप सभी को अपने कमरे में बुलाती हैं। वह बड़े ही सलीके से और दिखावे के साथ कॉफ़ी बनाती हैं। जैसा कि आपने मुझे बताया, उनकी अपनी कॉफ़ी उनके बगल में है, और उनके पति की कॉफ़ी किताबों की अलमारी के दूसरी तरफ रखी है।
और फिर टूटते तारे दिखाई देते हैं और सब लोग चले जाते हैं और केवल तुम, मेरे दोस्त, रह जाते हो - तुम और तुम्हारी क्रॉसवर्ड पहेली और तुम्हारी यादें - और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए, तुम शेक्सपियर की कोई उद्धरण खोजने के लिए किताबों की अलमारी के चारों ओर घूमते हो।
और इस तरह वे वापस आते हैं और श्रीमती फ्रैंकलिन कैलाबार बीन एल्कलॉइड से भरपूर कॉफी पीती हैं जो प्यारे वैज्ञानिक जॉन के लिए थी, और जॉन फ्रैंकलिन सादी कॉफी का वह कप पीते हैं जो चतुर श्रीमती फ्रैंकलिन के लिए थी।
लेकिन हेस्टिंग्स, अगर आप एक मिनट सोचें तो आपको पता चलेगा कि हालांकि मुझे पता था कि क्या हुआ था, मैंने देखा कि करने के लिए केवल एक ही चीज़ थी। मैं जो हुआ था उसे साबित नहीं कर सकता था। और अगर श्रीमती फ्रैंकलिन की मृत्यु को आत्महत्या के अलावा कुछ और माना जाता, तो शक अनिवार्य रूप से फ्रैंकलिन या जूडिथ पर ही जाता। दो ऐसे लोगों पर जो पूरी तरह से निर्दोष थे। इसलिए मैंने

वही किया जो मुझे करने का पूरा अधिकार था - मैंने श्रीमती फ्रैंकलिन के आत्महत्या के विषय पर बेहद अविश्वसनीय बयानों को बार-बार दोहराया और उन पर ज़ोर दिया और उन्हें विश्वास दिलाने की कोशिश की।
मैं यह कर सकता था - और शायद मैं अकेला ही ऐसा व्यक्ति था जो यह कर सकता था। क्योंकि मेरी बात में दम था। मैं हत्या करने के मामले में अनुभवी व्यक्ति हूँ। अगर मुझे यकीन हो जाए कि यह आत्महत्या है, तो इसे आत्महत्या ही मान लिया जाएगा।
मुझे दिख रहा था कि इससे आप असमंजस में थे और खुश नहीं थे। लेकिन सौभाग्य से आपको असली खतरे का अंदाजा नहीं था।
लेकिन क्या मेरे जाने के बाद तुम इसके बारे में सोचोगे? क्या यह तुम्हारे मन में आएगा, जैसे कोई काला सर्प जो कभी-कभी अपना सिर उठाकर कहता है: "मान लो जूडिथ...?"
ऐसा हो सकता है। और इसीलिए मैं यह लिख रहा हूँ। आपको सच्चाई जाननी चाहिए।
एक व्यक्ति ऐसा था जिसे आत्महत्या का फैसला संतुष्ट नहीं कर पाया। नॉर्टन। आप जानते हैं, उसे अपने हक का बदला नहीं मिल पाया। जैसा कि मैंने कहा, वह एक क्रूर व्यक्ति है। वह हर तरह की भावना, संदेह, भय, कानून के शिकंजे में फँसना चाहता है। उसे इन सबसे वंचित कर दिया गया। उसने जिस हत्या की योजना बनाई थी, वह नाकाम हो गई।
लेकिन तभी उसे खुद को संभालने का एक रास्ता सूझा। उसने इशारे करने शुरू कर दिए। पहले उसने चश्मे से कुछ देखने का नाटक किया था। असल में उसका इरादा वही जताना था जो उसने जताया था - यानी, उसने एलर्टन और जूडिथ को आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। लेकिन

कुछ स्पष्ट न कहने के कारण, वह उस घटना का इस्तेमाल दूसरे तरीके से कर सकता था।
मान लीजिए, उदाहरण के तौर पर, कि वह कहता है कि उसने फ्रैंकलिन और जूडिथ को देखा था। इससे आत्महत्या के मामले में एक नया और दिलचस्प पहलू सामने आएगा! इससे शायद इस बात पर संदेह पैदा हो सकता है कि क्या यह आत्महत्या थी...
तो, मेरे मित्र, मैंने फैसला किया कि जो करना जरूरी है, उसे तुरंत करना होगा। मैंने व्यवस्था की कि तुम उसे उसी रात मेरे कमरे में ले आओ...
मैं अब आपको ठीक-ठीक बताऊँगा कि क्या हुआ था। नॉートンनिस्संदेह मुझे अपनी बनाई हुई कहानी सुनाकर बहुत खुश होता। मैंने उसे समय नहीं दिया। मैंने उसे स्पष्ट और निश्चित रूप से वह सब कुछ बता दिया जो मैं उसके बारे में जानता था।
उसने इनकार नहीं किया। नहीं, मेरे दोस्त, वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और मुस्कुराया। हाँ, इसके लिए कोई और शब्द नहीं है
- वह मुस्कुराया। उसने मुझसे पूछा कि मैं अपने इस मज़ेदार विचार के बारे में क्या करने वाला हूँ। मैंने उसे बताया कि मैंने उसे फाँसी देने का प्रस्ताव रखा है।
“आह,” उसने कहा, “मैं समझ गया। खंजर या जहर का प्याला?”
हम उस समय साथ में चॉकलेट खाने ही वाले थे। एम. नॉर्टन को मीठा बहुत पसंद है।
मैंने कहा, "सबसे सरल तरीका तो जहर का प्याला होगा।"
और मैंने उसे चॉकलेट का वह कप पकड़ा दिया जो मैंने अभी-अभी खाली किया था।
“तो फिर,” उसने कहा, “क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं अपने कप के बजाय आपके कप से पी लूँ?”

मैंने कहा: “बिल्कुल नहीं।” असल में, यह बात बिल्कुल बेमानी थी। जैसा कि मैंने कहा, मैं भी नींद की गोलियां लेता हूँ। फर्क सिर्फ इतना है कि काफी समय से मैं इन्हें हर रात ले रहा हूँ, इसलिए मुझे इनकी आदत हो गई है, और जो खुराक एम. नॉर्टन को सुला देती है, उसका मुझ पर बहुत कम असर होता है। खुराक चॉकलेट में ही थी। हम दोनों ने एक ही खुराक ली थी। उनकी खुराक का असर कुछ समय बाद हुआ, मेरी खुराक का मुझ पर बहुत कम असर हुआ, खासकर जब मैंने स्ट्राइकिन टॉनिक की एक खुराक ली।
और अब आखिरी अध्याय की ओर। जब नॉर्टन सो रहा था, मैंने उसे अपनी व्हीलचेयर में बिठाया - यह काफी आसान था, क्योंकि इसमें कई तरह के मैकेनिज्म हैं - और उसे वापस खिड़की के पीछे, पर्दों के बीच उसकी सामान्य जगह पर ले गया।
फिर कर्टिस ने मुझे बिस्तर पर लिटा दिया। जब सब कुछ शांत हो गया, तो मैंने नॉर्टन को व्हीलचेयर पर बिठाकर उसके कमरे में पहुँचा दिया। इसके बाद, मुझे अपने बेहतरीन दोस्त हेस्टिंग्स की मदद लेनी थी।
आपको शायद पता न हो, लेकिन मैं विग पहनता हूँ, हेस्टिंग्स। आपको यह तो और भी कम पता होगा कि मैं नकली मूंछें लगाता हूँ। (जॉर्जेस को भी यह नहीं पता!) कर्टिस के आने के तुरंत बाद मैंने उसे गलती से जलाने का नाटक किया और तुरंत अपने हेयरड्रेसर से उसकी हूबहू नकल बनवा ली।
मैंने नॉर्टन का ड्रेसिंग गाउन पहना, अपने सफ़ेद बालों को संवारा और गलियारे से नीचे आकर आपके दरवाजे पर दस्तक दी। थोड़ी देर में आप आए और नींद भरी आँखों से गलियारे में झाँका। आपने नॉर्टन को बाथरूम से बाहर निकलते और लंगड़ाते हुए गलियारे से

होते हुए अपने कमरे में जाते देखा। आपने उसे अंदर के ताले में चाबी घुमाते हुए सुना।
फिर मैंने नॉर्टन को ड्रेसिंग गाउन पहनाया, उसे उसके बिस्तर पर लिटाया और विदेश से खरीदी हुई एक छोटी पिस्तौल से उसे गोली मार दी, जिसे मैंने सावधानीपूर्वक बंद करके रखा था, सिवाय दो मौकों के जब (कोई आसपास नहीं था) मैंने उसे दिखावटी तौर पर नॉर्टन की ड्रेसिंग टेबल पर रख दिया था, क्योंकि वह खुद उन सुबहों में कहीं दूर चला गया था।
फिर मैंने नॉर्टन की जेब में चाबी रखकर कमरे से बाहर निकल गया। मैंने अपने पास मौजूद डुप्लीकेट चाबी से बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। मैं कुर्सी को खींचकर अपने कमरे में वापस चला गया।
तब से मैं यह स्पष्टीकरण लिख रहा हूँ।
मैं बहुत थका हुआ हूँ - और मैंने जो मेहनत की है उससे मेरी सेहत काफी खराब हो गई है। मुझे लगता है कि अब ज्यादा समय नहीं लगेगा... मैं एक-दो बातों पर जोर देना चाहूंगा।
नॉर्टन के अपराध बिल्कुल सटीक थे।
मेरा ऐसा नहीं था। ऐसा करने का इरादा भी नहीं था।
उसे मारने का सबसे आसान और सबसे अच्छा तरीका यही था कि मैं उसे सबके सामने मार डालूँ - मानो मेरी छोटी सी पिस्तौल से एक दुर्घटना हो गई हो। मैं अफसोस और खेद जताती - एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना। वे कहते: "बुढ़िया को पता ही नहीं था कि पिस्तौल भरी हुई है - बेचारा बूढ़ा।"
मैंने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना था।
मेरे द्वारा आपको बताया जाएगा की क्यों।
हेस्टिंग्स, ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने "खेल भावना" को प्राथमिकता दी।

जी हाँ, खेल भावना! मैं वो सब काम कर रहा हूँ जिनके लिए आप अक्सर मुझे ताने मारते रहे हैं। मैं आपके साथ ईमानदारी से पेश आ रहा हूँ। मैं आपको कड़ी टक्कर दे रहा हूँ। मैं खेल खेल रहा हूँ।
आपके पास सच्चाई जानने का पूरा मौका है।
अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो मैं आपको सारे सबूत गिना देता हूँ।
चाबियाँ।
आप जानते हैं, क्योंकि मैंने आपको बताया है, कि नॉर्टन मेरे बाद यहाँ आया था। आप जानते हैं, क्योंकि आपको बताया गया है, कि यहाँ आने के बाद मैंने अपना कमरा बदल लिया था। आप जानते हैं, क्योंकि आपको फिर से बताया गया है, कि जब से मैं स्टाइल्स में हूँ, मेरे कमरे की चाबी खो गई थी और मैंने दूसरी चाबी बनवाई थी।
इसलिए जब आप खुद से पूछते हैं: नॉर्टन को किसने मारा होगा? किसने गोली मारी और फिर भी कमरे को (जाहिर तौर पर) अंदर से बंद छोड़ दिया, जबकि चाबी नॉर्टन की जेब में है? तो इसका जवाब है: "हर्क्यूल पोइरोट, जिसके पास यहाँ आने के बाद से ही एक कमरे की डुप्लीकेट चाबी है।"
आपने गलियारे में जिस व्यक्ति को देखा था।
मैंने खुद आपसे पूछा था कि क्या आपको यकीन है कि गलियारे में आपने जिस आदमी को देखा वह नॉर्टन ही था। आप चौंक गए। आपने मुझसे पूछा कि क्या मेरा इरादा यह जताने का था कि वह नॉर्टन नहीं था। मैंने सच-सच जवाब दिया कि मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था कि वह नॉर्टन न हो। (स्वाभाविक रूप से, क्योंकि मैंने यह जताने में काफी मेहनत की थी कि वह नॉर्टन ही था।) फिर मैंने कद का सवाल उठाया। मैंने कहा कि सभी आदमी नॉर्टन से काफी लंबे थे। लेकिन एक आदमी नॉर्टन से छोटा था - हरक्यूल पोइरोट। और ऊँची एड़ी वाले

जूते या जूतों में लगे एलिवेटर से कद बढ़ाना अपेक्षाकृत आसान होता है।
आपको लगा कि मैं एक असहाय अपाहिज हूँ। लेकिन क्यों? सिर्फ इसलिए कि मैंने ऐसा कहा था। और मैंने जॉर्जेस को भेज दिया था।
यह मेरा आपको आखिरी संकेत था, "जाओ और जॉर्जेस से बात करो।" ओथेलो और क्लुटी जॉन आपको दिखाते हैं कि एक्स ही नॉर्टन था। तो फिर नॉर्टन की हत्या किसने की होगी?
केवल हरक्यूल पोइरोट।
और एक बार जब आपको इस बात का शक हो जाता, तो सब कुछ स्पष्ट हो जाता - मैंने जो कहा और किया था, मेरी समझ से परे चुप्पी। मिस्र के डॉक्टरों और लंदन में मेरे अपने डॉक्टर के सबूत कि मैं चलने- फिरने में असमर्थ नहीं था। जॉर्ज का सबूत कि मैं विग पहनता था। वह तथ्य जिसे मैं छिपा नहीं सका और जिसे आपको ध्यान देना चाहिए था, कि मैं नॉर्टन से कहीं ज़्यादा लंगड़ाता हूँ।
और अंत में, पिस्तौल की गोली। मेरी एक कमजोरी। मुझे पता है, मुझे उसे कनपटी पर गोली मारनी चाहिए थी। लेकिन मैं इतना असंतुलित, इतना बेतरतीब वार नहीं कर सका। नहीं, मैंने उसे समरूप रूप से, माथे के ठीक बीचोंबीच गोली मारी...
ओह, हेस्टिंग्स, हेस्टिंग्स! इससे तो तुम्हें सच्चाई पता चल जानी चाहिए थी।
लेकिन शायद, आखिरकार, आपको सच्चाई का पहले से ही अंदाजा था? शायद जब आप इसे पढ़ेंगे, तब तक आपको पहले से ही पता होगा। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता...
नहीं, आप बहुत ज्यादा भरोसा करते हैं...
आपका स्वभाव बहुत ही सुंदर है...

मैं आपको और क्या बताऊँ? मुझे लगता है कि आप पाएंगे कि फ्रैंकलिन और जूडिथ दोनों ही सच्चाई जानते थे, भले ही उन्होंने आपको न बताई हो। वे दोनों साथ में खुश रहेंगे। वे गरीब होंगे, और अनगिनत उष्णकटिबंधीय कीड़े उन्हें काटेंगे और अजीब बुखार उन्हें सताएंगे - लेकिन हम सभी के मन में एक आदर्श जीवन की अपनी- अपनी कल्पनाएँ होती हैं, है ना?
और तुम, मेरे बेचारे अकेले हेस्टिंग्स? आह, मेरा दिल तुम्हारे लिए तड़प रहा है, मेरे प्यारे दोस्त। क्या तुम आखिरी बार अपने पुराने पोइरोट की सलाह मानोगे?
इसे पढ़ने के बाद, ट्रेन, कार या कई बसों में बैठकर एलिज़ाबेथ कोल को ढूंढें, जिनका दूसरा नाम एलिज़ाबेथ लिचफील्ड है। उन्हें इसे पढ़ने दें, या उन्हें बताएं कि इसमें क्या लिखा है। उन्हें बताएं कि आप भी वही कर सकती थीं जो उनकी बहन मार्गरेट ने किया था
- बस फर्क इतना था कि मार्गरेट लिचफील्ड के पास कोई सतर्क पोइरोट मौजूद नहीं था। उनके मन से यह भयानक सपना दूर करें, उन्हें दिखाएं कि उनके पिता की हत्या उनकी बेटी ने नहीं, बल्कि उस दयालु और हमदर्द पारिवारिक मित्र, उस "ईमानदार इयागो" स्टीफन नॉर्टन ने की थी।
मेरे मित्र, यह उचित नहीं है कि ऐसी युवती, जो अभी भी युवा और आकर्षक है, अपने आप को कलंकित समझकर जीवन को ठुकरा दे। जी हाँ, यह उचित नहीं है। मेरे मित्र, तुम उसे यह बात बता दो, क्योंकि तुम स्वयं भी अभी तक स्त्री-पुरुषों के लिए आकर्षक हो...
खैर, अब मुझे और कुछ नहीं कहना है। मुझे नहीं पता, हेस्टिंग्स, मैंने जो किया है वह उचित है या अनुचित। नहीं - मुझे नहीं पता। मेरा मानना है कि किसी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए...

लेकिन दूसरी ओर, मैं ही कानून हूँ! बेल्जियम पुलिस बल में एक युवा के रूप में मैंने एक ऐसे अपराधी को गोली मार गिराया था जो छत पर बैठकर नीचे लोगों पर गोलियाँ चला रहा था। आपातकाल की स्थिति में मार्शल लॉ लागू कर दिया जाता है।
नॉर्टन की जान लेकर मैंने कई लोगों की जान बचाई है - निर्दोषों की जान। लेकिन फिर भी मुझे नहीं पता... शायद यही सही है कि मुझे नहीं पता। मैं हमेशा से इतना आश्वस्त रहा हूँ - ज़रूरत से ज़्यादा आश्वस्त...
लेकिन अब मैं बहुत विनम्र हो गया हूँ और एक छोटे बच्चे की तरह कहता हूँ: "मुझे नहीं पता..."
अलविदा, प्रिय मित्र। मैंने एमिल नाइट्राइट की गोलियां अपने बिस्तर के पास से हटा दी हैं। मैं स्वयं को ईश्वर के हाथों में सौंपना चाहता हूँ। ईश्वर मुझे शीघ्र ही दंड दे, या मुझ पर दया करे!
हम अब कभी साथ में शिकार नहीं करेंगे, मेरे दोस्त।
हमारी पहली शिकार यात्रा यहीं हुई थी - और यही हमारी आखिरी भी... वे अच्छे दिन थे।
हाँ, वे अच्छे दिन रहे हैं...
हरक्यूल पोइरोट की पांडुलिपि का अंत।
(कैप्टन आर्थर हेस्टिंग्स की अंतिम टिप्पणी:)
मैंने पढ़ना समाप्त कर लिया है... मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है... लेकिन वह सही है। मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। मुझे तभी समझ जाना चाहिए था जब मैंने माथे के ठीक बीचोंबीच गोली का छेद देखा था।
समलैंगिक - यह विचार अभी-अभी मेरे मन में आया है - उस सुबह मेरे दिमाग में यही ख्याल घूम रहा था।

□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ - □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□...